

भारतीय निर्यात-आयात बैंक EXPORT-IMPORT BANK OF INDIA



वार्षिक रिपोर्ट ANNUAL REPORT 2018-19



विषय वस्तु CONTENTS

निदेशक मंडल	
Board of Directors	02
प्रबंध निदेशक का वक्तव्य	
Managing Director's Statement	04
आर्थिक परिवेश	
Economic Environment	15
निदेशकों की रिपोर्ट	
Directors' Report	25
व्यवसाय परिचालन	
Business Operations	33
वित्तीय विवरण	
Financial Statements	79
निर्यात विकास कोष	
The Export Development Fund	173

निदेशक मंडल BOARD OF DIRECTORS

भारत सरकार का प्रतिनिधित्व करने वाले निदेशक Directors representing the Government of India



श्री रमेश अभिषेक सचिव उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

Shri Ramesh Abhishek
Secretary
Department for Promotion of Industry and
Internal Trade
Ministry of Commerce and Industry



श्री टी. एस. तिरुमूर्ति सचिव (आर्थिक संबंध) विदेश मंत्रालय Shri T. S. Tirumurti





श्री बिद्युत बिहारी स्वैन अपर सचिव वाणिज्य विभाग वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय Shri Bidyut Behari Swain

Additional Secretary
Department of Commerce
Ministry of Commerce and Industry

भारतीय रिज़र्व बैंक, संस्थाओं और वाणिज्यिक बैंकों से निदेशक Directors from the Reserve Bank of India, Institutions and Commercial Banks



डॉ. एम. डी. पात्रा कार्यपालक निदेशक भारतीय रिज़र्व बैंक

Dr. M. D. Patra
Executive Director
Reserve Bank of India



श्री रजनीश कुमार अध्यक्ष भारतीय स्टेट बैंक Shri Rajnish Kumar Chairman State Bank of India



श्रीमती गीता मुरलीधर अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक ईसीजीसी लिमिटेड Smt. Geetha Muralidhar Chairman-cum-Managing Director ECGC Ltd.

पूर्णकालिक निदेशक Whole-time Directors



श्री डेविड रस्कीना प्रबंध निदेशक Shri David Rasquinha Managing Director



श्री देवाशिस मल्लिक उप प्रबंध निदेशक Shri Debasish Mallick Deputy Managing Director



श्री के. राजारमन अपर सचिव (निवेश) आर्थिक कार्य विभाग वित्त मत्रांलय

Shri K. Rajaraman Additional Secretary (Investment) Department of Economic Affairs Ministry of Finance



श्री पंकज जैन अपर सचिव वित्तीय सेवाएं विभाग वित्त मत्रांलय

Shri Pankaj Jain Additional Secretary Department of Financial Services Ministry of Finance



श्री राकेश शर्मा प्रबंध निदेशक एवं सीईओ आईडीबीआई बैंक लिमिटेड

Shri Rakesh Sharma Managing Director & CEO IDBI Bank Ltd.



श्री दीनबंधु महापात्र प्रबंध निदेशक और सीईओ बैंक ऑफ़ इंडिया

Shri Dinabandhu Mohapatra Managing Director & CEO Bank of India



श्री राजिकरन राय जी. प्रबंध निदेशक एवं सीईओ यूनियन बैंक ऑफ इंडिया

Shri Rajkiran Rai G. Managing Director & CEO Union Bank of India

प्रबंध निदेशक का वक्तव्य MANAGING DIRECTOR'S STATEMENT



एक पुरानी कहावत है— मजबूत इरादे वाले व्यक्ति कितनाइयों का मजबूती से मुकाबला करते हैं और मुझे खुशी हो रही है कि भारतीय निर्यात—आयात बैंक (एक्ज़िम बैंक) भी ऐसे ही कितन तूफान से सफलतापूर्वक बाहर निकल आया है। हाल में देश की वित्तीय व्यवस्था को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। इसका असर बैंक पर भी पड़ा। एक्ज़िम बैंक को अपनी स्थापना के तीन दशकों में पहली बार वित्तीय वर्ष 2017-18 में हानि का सामना करना पड़ा। किन्तु वित्तीय वर्ष 2018-19 के अंत तक आते—आते बैंक पुनः दोहरे अंकों में लाभ की स्थिति में आ गया। विषम परिस्थितियों के बावजूद बैंक अडिग रहा और भारतीय रिज़र्व बैंक तथा केंद्र सरकार द्वारा किए गए विभिन्न उपायों के सहयोग से उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया।

जीडीपी के आंकड़े वैश्विक रूप से ही फीके रहे। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने वर्ष 2019 के लिए वृद्धि दर अनुमान, वर्ष 2018 के 3.6 प्रतिशत से घटाकर 3.3 प्रतिशत कर दिया। जीडीपी आंकड़ों का असर व्यापार पर भी दिखा और व्यापार भी मंदा रहा। अमेरिका और चीन के बीच व्यापार When the going gets tough, the tough get going — so goes the age old proverb and I am happy to convey that the Export-Import Bank of India (Exim Bank) emerged from the storm relatively unscathed. The financial system in the country has faced many challenges of late and the Bank was also impacted. Exim Bank posted a loss in FY 2017-18, a first since its inception more than three decades back— but by the end of FY 2018-19, the Bank returned to a modest double-digit-profit. Despite the gloom, the Bank was not deterred and exhibited remarkable resilience, aided by the various measures which were put together by the Reserve Bank of India and the Central Government.

Globally, the GDP figures have been lacklustre, with International Monetary Fund projecting a drop from 3.6 per cent growth in 2018 to 3.3 per cent in 2019. In line with the GDP figures, the trade figures are equally dismal, if not more. The current outlook for global trade is not encouraging largely because of



युद्ध बढ़ने के चलते वैश्विक व्यापार के लिए वर्तमान परिदृश्य बहुत उत्साहजनक नहीं है। इसकी पृष्ठभूमि में तेजी से बढ़ती संरक्षणवादी मानसिकता काम कर रही है। ब्रेक्जिट को लेकर अनिश्चितता भी चिंता का विषय है। समग्र आर्थिक गतिविधि में मंदी के साथ यही वे चुनौतियां रहीं, जिनके चलते वर्ष 2018 में वैश्विक व्यापार मंदा रहा और वस्तु निर्यातों में वृद्धि दर वर्ष 2017 की 4.6 प्रतिशत से घटकर 3.0 प्रतिशत रह गई। विश्व व्यापार संगठन के अनुसार, मात्र 2.6 प्रतिशत की व्यापार वृद्धि के साथ यह मंदी वर्ष 2019 में भी जारी रहने की आशंका है, जो महज दो वर्षों में 2.0 प्रतिशत बिंदुओं की गिरावट है।

इस बीच, एक्ज़िम बैंक ने विदेशों में भारतीय कंपनियों की वृद्धि को सुगम बनाने और भारतीय वस्तुओं तथा सेवाओं के वैश्वीकरण को बढ़ावा देने का अपना कार्य जारी रखा। साथ ही, बैंक विभिन्न रणनीतिक परियोजनाओं का क्रियान्वयन करते हुए भारत सरकार के अपने अधिदेश को भी पूरा करता रहा है। भारत की रणनीतिक प्राथमिकताओं में सहयोग में एक्ज़िम बैंक की महत्त्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए सरकार ने पिछले कुछ वर्षों में बैंक को अपना अनवरत सहयोग प्रदान किया है।

अन्य विकासशील देशों में सामाजिक-आर्थिक बदलाव का अधिदेश

भारत सरकार ने अल्प विकसित और विकासशील देशों में क्षमता निर्माण के लिए वित्तीय सहयोग प्रदान करने के लिए 2004 में भारत विकास आर्थिक सहयोग योजना (आइडियाज) शुरू की थी। एक्ज़िम बैंक को इस योजना के अंतर्गत रियायती ऋण-व्यवस्थाएं प्रदान करने का उत्तरदायित्व सौंपा गया है। बदलते दौर की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए इस योजना के दिशानिर्देश भी बदले हैं और आइडियाज के ही हिस्से के रूप में परियोजना निर्धारण सुविधा शुरू की गई है। इसके अंतर्गत विकास साझेदार देशों को ऐसी व्यावहारिक परियोजनाओं के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट बनाने में तकनीकी सहायता दी जाती है, जिन्हें ऋण-व्यवस्थाओं के अंतर्गत रियायती वित्तपोषण प्रदान करने पर विचार किया जा सकता है। वर्ष के दौरान, बैंक ने क्यूबा, कांगो, मालदीव, मोज़ाम्बिक, पापुआ न्यू गिनी, खांडा, सेनेगल, सेशेल्स, सूरीनाम, तंजानिया और उज्बेकिस्तान सरकारों को बिलियन यूएस डॉलर 2.31 की 18 व्यवस्थाएं प्रदान कीं। यथा 31 मार्च 2019 को 24.28 बिलियन यूएस डॉलर की ऋण प्रतिबद्धताओं सहित the all-out trade war between the US and China, which continues to escalate. The escalating protectionist tendencies against the backdrop, including the uncertainty over Brexit also remain a cause of concern. These challenges coupled with a deceleration in overall economic activity had slowed the global trade significantly in 2018, with merchandise trade growth being restricted to 3.0 per cent, as compared to 4.6 per cent in 2017. According to the World Trade Organisation, this downward trend is expected to continue even in 2019, with trade projected to grow by just 2.6 per cent — which is a 2.0 percentage points reduction in a mere two years' span.

Amidst this, Exim Bank continued its task of facilitating growth of Indian companies abroad and boosting the globalisation of Indian goods and services. The Bank has been delivering on its mandate from the Government of India (GOI) towards implementation of various strategic projects as well. Recognising the pivotal role played by Exim Bank in aiding India's strategic priorities, the Government, in the last few years, has bestowed its continued support to the Bank.

Mandate of Socio-Economic Transformation in other Developing Countries

The Government of India introduced India Development Economic Assistance Scheme (IDEAS), in 2004, as a means towards extending financial support for capacity building in less developed and developing economies. Exim Bank has been entrusted with the responsibility to extend concessional Lines of Credit (LOCs) at the behest of GOI under this scheme. The guidelines have been modified to meet the changing requirements of time, and a Project Preparation Facility has been announced as a part of the IDEAS, to provide technical assistance to the development partner countries in preparation of Detailed Project Reports (DPRs) towards establishing the viability of projects that could be considered for concessional financing under LOCs. During the year, the Bank extended 18 LOCs, aggregating US\$ 2.31 billion, to the Governments of Cuba, D.R Congo, Maldives, Mozambique, Papua



भारत सरकार की 246 ऋण-व्यवस्थाएं हैं, जिनसे अफ्रीका, एशिया, लैटिन अमेरिका और सीआईएस क्षेत्रों में 63 देश लाभान्वित हो रहे हैं। ये ऋण-व्यवस्थाएं बिजली, सड़क, स्वास्थ्य प्रणाली और सूचना प्रौद्योगिकी जैसे विभिन्न क्षेत्रों में महत्त्वपूर्ण विकास परियोजनाओं के वित्तपोषण के लिए दी गई हैं। समय के साथ, एक्ज़िम बैंक द्वारा प्रदान की जाने वाली ऋण-व्यवस्थाएं भारतीय निर्यातकों के लिए नए बाजारों में पहुंचने और बाजार विशाखन के प्रभावी माध्यम के रूप में विकसित हुई हैं।

ऋण-व्यवस्था कार्यक्रम के अतिरिक्त, एक्ज़िम बैंक ने 2011 में राष्ट्रीय निर्यात बीमा खाते के अंतर्गत क्रेता-ऋण (बीसी-एनईआईए) कार्यक्रम भी शुरू किया। इस कार्यक्रम के अतंर्गत बैंक संप्रभु सरकारों और सरकार के स्वामित्व वाली संस्थाओं को भारतीय वस्तुओं और सेवाओं के आयात के लिए आस्थिगत भुगतान शर्तों पर मध्यम अविध और दीर्घाविध के लिए ऋण प्रदान करता है। यथा 31 मार्च, 2019 को बीसी-एनईआईए कार्यक्रम के अंतर्गत, बैंक द्वारा 2.78 बिलियन यूएस डॉलर की 21 परियोजनाओं के लिए 2.58 बिलियन यूएस डॉलर के ऋणों को मंजूरी दी जा चुकी है।

बांग्लादेश में मैत्री विद्युत परियोजना एक्ज़िम बैंक द्वारा वित्तपोषित एक रणनीतिक परियोजना है। इस परियोजना के लिए एक्ज़िम बैंक भारत सरकार की रियायती वित्तपोषण योजना के अंतर्गत 1.60 बिलियन यूएस डॉलर का वित्तपोषण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। लाभार्थी, 'बांग्लादेश इंडिया फ्रेंडशिप पावर कंपनी प्राइवेट लिमिटेड' एनटीपीसी लिमिटेड और बांग्लादेश पावर डेवलपमेंट बोर्ड का 50:50 का संयुक्त उद्यम है। शुरू होने पर, यह बांग्लादेश का सबसे बड़ा विद्युत संयंत्र होगा।

कंबोडिया, लाओ पीडीआर, म्यांमार और वियतनाम (सीएलएमवी) में भारतीय निवेशों को बढ़ावा देने के लिए बैंक ने वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार के वाणिज्य विभाग के परामर्श से परियोजना विकास कोष की रूपरेखा बनाई है। इस पहल के अंतर्गत, कंबोडिया और म्यांमार में स्वास्थ्य सेवा, म्यांमार में शिक्षा और वियतनाम में फार्मास्यूटिकल जैसे क्षेत्रों में विस्तृत परियोजना रिपोर्ट बनाने के लिए चार परियोजनाएं चिह्नित की गई हैं। इन रिपोर्टों को अंतिम रूप दिया जा चुका है। एक्जिम बैंक इन रिपोर्टों को निष्कर्षों के आधार पर अब परियोजनाओं के क्रियान्वयन की प्रक्रिया में है। इन परियोजनाओं का क्रियान्वयन सीएलएमवी क्षेत्र में स्थापित की जाने वाली विशेष निधियों के अंतर्गत किया जाएगा।

New Guinea, Rwanda, Senegal, Seychelles, Suriname. Tanzania and Uzbekistan. on March 31, 2019, there are 246 GOI-LOCs with credit commitments aggregating US\$ 24.28 billion, benefitting 63 countries globally in Africa, Asia, Latin America and the CIS, for financing crucial development projects in sectors as diverse as power, roads, health systems and information technology. Over the years, the LOC programme facilitated by Exim Bank has acted as an effective market entry and market diversification tool for Indian exporters.

Besides the LOC programme, Exim Bank also introduced a Buyer's Credit scheme under the National Export Insurance Account (BC-NEIA) programme in 2011. Under this unique financing programme, the Bank extends credit to sovereign governments and government owned entities abroad for import of Indian goods and services on deferred credit terms, for a medium to long-term period. The Bank has sanctioned an aggregate amount of US\$ 2.58 billion, for 21 projects, valued at US\$ 2.78 billion under the BC-NEIA programme, as on end March 2019.

A strategic project, which is being financed by Exim Bank is the Maitree Power Project in Bangladesh. For this project, Exim Bank has committed to finance US\$ 1.60 billion under the Concessional Financing Scheme of the Government of India. The beneficiary, the Bangladesh India Friendship Power Company Pvt. Ltd., is a 50:50 JV between NTPC Ltd. and the Bangladesh Power Development Board. Once commissioned, it is expected to be the largest power plant in the country.

In order to catalyse Indian investments in Cambodia, Lao PDR, Myanmar and Vietnam (CLMV), the Bank, in consultation with the Department of Commerce, Ministry of Commerce and Industry, GOI, has developed a framework of a Project Development Fund. Under the initiative, four projects, in sectors such as healthcare in Cambodia and Myanmar, education in Myanmar and pharmaceuticals in Vietnam, have been identified for preparation of DPRs. The DPRs have since been finalised. Exim Bank is now in the process of implementing projects in the region based on the findings of the DPRs. The projects will be implemented under special purpose vehicles to be set-up in the CLMV region.



बैंक अपने व्यापार साझेदार देशों के साथ द्विपक्षीय व्यापार और निवेश बढ़ाने के लिए समय-समय पर परामर्श भी करता है। वर्ष के दौरान, बैंक और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने मिलकर अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और कैरिबियाई क्षेत्र तथा यूरोप और ओशिआनिया क्षेत्रों में रणनीतिक आर्थिक सहयोग को मजबूत करने के लिए तीन चर्चापरक सेमिनारों का आयोजन किया। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य इन क्षेत्रों में अपने-अपने देशों का प्रतिनिधित्व करने वाले राजदूतों / उच्चायुक्तों के साथ चर्चा को सुगम बनाना था, तािक इन क्षेत्रों के साथ द्विपक्षीय व्यापार और निवेश बढ़ाया जा सके तथा यहां विद्यमान ऐसी व्यवसाय संभाव्यताओं के लिए रणनीतियां बनाई जा सकें, जिन्हें अब तक भुनाया नहीं गया है।

स्पर्धात्मकता बढाना

एक्ज़िम बैंक, कई वर्षों से भारतीय कारोबारी संस्थाओं को उनके वैश्विक विस्तार में सहयोग देते हुए अग्रणी स्थान पर रहा है। इन भारतीय कंपनियों के उद्देश्य बाजारों तक पहुंचने से लेकर संसाधन जुटाने और विशाखन तक अलग–अलग रहे हैं।

विदेशी बाजारों में संभावनाएं तलाशने की भारत की इस बढ़ती महत्त्वाकांक्षा को देखते हुए बैंक ने निधिक और गैर-निधिक सहयोग के रूप में अलग से वित्तपोषण सुविधाएं डिजाइन की हैं। इनमें नई निर्यातोन्मुख ईकाइयों की स्थापना, उनके विस्तार, आधुनिकीकरण, उपकरणों की खरीद तथा शोध एवं विकास के लिए भी वित्तपोषण सुविधाएं शामिल हैं। निर्यात क्षमता सृजन और विदेशी निवेश के लिए बैंक के ऋण कार्यक्रमों ने बीते दशकों में सफलता की कई इबारतें लिखी हैं।

वर्ष के दौरान, एक दर्जन से अधिक कंपनियों को उनके विदेशी निवेशों के आंशिक वित्तपोषण के लिए ₹ 11.36 बिलियन की निधिक और गैर-निधिक सहायता मंजूर की गई। वर्ष के दौरान, सहायता प्रदान किए गए विदेशी निवेशों में अमेरिका में एक प्रतिष्ठित और अग्रणी डिजाइनर लाइफस्टाइल ब्रांड के लाइसेंस अधिकारों का अधिग्रहण शामिल है। विदेशी निवेशों में जर्मनी में मवेशी और सूअर खंड पर फोकस करने वाली एक पशुचिकित्सा कंपनी का अधिग्रहण भी शामिल है। इनके अतिरिक्त, यूरोप में एक लॉजिस्टिक्स चेन के अधिग्रहण और कार्यशील पूँजीगत आवश्यकताओं का वित्तपोषण शामिल है। एक्जिम बैंक ने अब तक 78 देशों में 467 कंपनियों द्वारा स्थापित 621 उद्यमों को वित्त प्रदान किया है। बैंक द्वारा विदेशी निवेश वित्त

The Bank also undertakes periodic consultations with its trade partners towards enhancing and realising the bilateral trade and investment potential. During the year, the Bank and the Ministry of Commerce and Industry, jointly organised three interactive seminars towards strengthening strategic economic cooperation with the countries of Africa, Latin America and Caribbean, and Europe and Oceania. The events were aimed at facilitating interactions with the Ambassadors / High Commissioners representing the countries in these regions, to discuss the potential for enhancing bilateral trade and investment, and strategies for realizing the untapped business potential in the regions.

ENHANCING COMPETITIVE LANDSCAPE

Exim Bank, over the years, has been at the forefront of supporting Indian business entities in augmenting their footprint globally. Purposes of such Indian companies have been varied, from accessing markets and resource seeking, to diversification.

Recognising the immense and growing appetite of India to explore the overseas market, the Bank has tailored financing solutions in the form of funded and non-funded assistance. These include solutions for setting up new export oriented units, their expansion, modernisation, purchase of equipment, and also for research and development. The Bank's lending programmes for export capability creation and overseas investment have led to several success stories in the past decades.

During the year, more than a dozen corporates were sanctioned funded and non-funded assistance aggregating ₹ 11.36 billion for part financing their overseas investments. Overseas investments supported during the year include acquisition of license rights for an iconic and leading designer lifestyle brand in USA; acquisition of a veterinary health company in Germany with focus on cattle and swine segments; and acquisition and working capital requirements of a logistics chain in Europe, amongst others. So far, Exim Bank has provided finance to 621 ventures set up by 467 companies in 78 countries, with the value of support aggregating ₹ 584.27 billion. The Bank is privileged and proud to



कार्यक्रम के अंतर्गत कुल ₹ 584.27 बिलियन की सहायता प्रदान की गई है। बैंक कुछ भारतीय कॉर्पोरेट्स के साथ जुड़कर गौरवान्वित है, जो बैंक की सहायता से आज नए शिखर पर हैं।

ग्रासरूट उद्यमों का उन्नयन, आजीविका का सृजन

एक्ज़िम बैंक बड़े बाजारों में अपनी मौजूदगी बढ़ाने के इच्छुक कई ग्रासरूट उद्यमियों की क्षमताओं को भी संज्ञान में लेता है। उनकी जरूरतों को महसूस करते हुए बैंक ने ग्रासरूट उद्यम विकास और मार्केटिंग सलाहकारी सेवाएं जैसे अलग कार्यक्रम बनाए हैं। इनके जिरए बैंक दस्तकारों, क्लस्टरों, स्वयं सहायता समूहों और गैर सरकारी संगठनों को उनके क्षमता निर्माण प्रयासों में सिक्रयता से सहयोग करता है और संस्थागत वित्तपोषण तथा प्रौद्योगिकी तक पहुंच बनाने में उनकी मदद करता है। ये कार्यक्रम ग्रासरूट दस्तकारों को उनके उत्पादों का अच्छा मूल्य दिलाते हुए उनके लिए आजीविका का सृजन और भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण करने में मदद करते हैं।

उदाहरण के लिए, वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान बैंक ने अन्य बातों के साथ-साथ, मधुमक्खी पालन में संलग्न एक सामाजिक उद्यम को कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिए वित्तीय सहयोग प्रदान किया और भारत में सीमांत किसानों की आय बढ़ाने और आजीविका में सुधार लाने का काम किया। इसके अतिरिक्त, बैंक ने बांस और बेंत के दस्तकारों में क्षमता और कौशल विकास के लिए एक महीने की डिजाइन विकास और तकनीकी प्रशिक्षण कार्यशाला में भी के लिए सहयोग प्रदान किया। बैंक ने निर्यात बाजारों के लिए बांस के उत्पादों की नई रेंज विकसित करने के उद्देश्य से पूर्वोत्तर क्षेत्र में टाटा ट्रस्ट के सेंटर फॉर माइक्रोफायनैंस एंड लाइवलीहड (सीएमएल) के साथ मिलकर भी काम किया। इसके अलावा बैंक ने, मणिपुर में कौना क्लस्टर के दस्तकारों, राजस्थान में फलोदी गांव के मास्टर बुनकरों और उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ में आंवला उत्पादकों के लिए क्षमता निर्माण कार्यशालाओं का भी आयोजन किया। बैंक ने लद्दाख में नई पीढ़ी के पश्मीना बुनकरों को भी सहयोग प्रदान किया, जिससे उन्हें लहाख क्षेत्र के ही एक मोटिफ पैटर्न के लिए कॉपीराइट / पेटेंट हासिल करने की प्रक्रिया में मदद मिली।

बैंक तेजी से बदलते और उत्कृष्ट हस्तशिल्प एवं हाथ से बुने गए उत्पादों के कलेक्शन को एक मंच पर लाते हुए अपनी अनूठी प्रदर्शनी 'एक्जिम बाज़ार' के जरिए 2017 से ग्रासरूट उद्यमों और शिल्पकारों को सहयोग प्रदान कर रहा है। वर्ष के दौरान बैंक ने मुंबई और अहमदाबाद में दो एक्जिम बाज़ारों का आयोजन किया।

be associated with some of the key Indian corporates which have scaled new heights partnering with the Bank.

TOUCHING GRASSROOTS, CREATING LIVELIHOODS

Exim Bank also takes cognizance of the latent potential of many grassroots entrepreneurs who aspire for a presence in a much wider market. Given the need perceived, the Bank has curated niche programmes like the Grassroots Initiatives for Development and Marketing Advisory Services, which actively support artisans, clusters, self-help groups and NGOs, in their capacity-building efforts, and help them secure access to institutional financing and technology. These programmes revive the rich heritage of Indian culture, amongst others, by helping grassroots artisans secure higher value for their products, and ensure sustainable livelihoods.

For example, during FY 2018-19, the Bank provided, inter alia, financial assistance to a social enterprise engaged in bee-keeping to increase agricultural productivity and helped enhance incomes and improve livelihoods of marginal farmers in India. Further, to build capacity and capability, the Bank supported a month-long design development and technical training workshop for bamboo and cane craftsmen. The Bank also worked alongside the Centre for Microfinance & Livelihood (CML), an initiative of Tata Trusts in the North Eastern region, to develop a new product range out of Bamboo, for the export markets. Capacity building workshops were also conducted for the Kauna artisan cluster in Manipur, master weavers in Phalodi village in Rajasthan, amla growers and producers of Pratapgarh in Uttar Pradesh, amongst others. The Bank also intervened in the Ladakh region to support the next generation of weavers and knitters of pashmina wool, which helped them in the process of getting a copyright / patent for a motif pattern native to Ladakh.

Since 2017, the Bank has been supporting grassroots enterprises and craftsmen across India through 'Exim Bazaar' - a unique platform bringing together a kaleidoscopic collection of exquisite handcrafted and handwoven items. The Bank organised two editions of





संसाधन

वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान, सरकार ने एक्ज़िम बैंक में पूँजी डालने के लिए ₹ 60 बिलियन के पुनर्पूंजीकरण बॉन्ड जारी करने को मंजूरी दी। इसमें से ₹ 45 बिलियन की पूँजी इस वर्ष पहले ही डाली जा चुकी है, जबिक शेष ₹ 15 बिलियन की पूँजी 2019-20 में डाली जानी है। एक्ज़िम बैंक के इस पुनर्पूंजीकरण से भारतीय निर्यातों को सहयोग प्रदान करने की बैंक की क्षमता बढ़ेगी और बैंक को पूंजी पर्याप्तता बनाए रखने में मदद मिलेगी। सरकार ने एक्ज़िम बैंक की अधिकृत पूँजी भी ₹ 100 बिलियन से बढ़ाकर ₹ 200 बिलियन करने को मंजूरी प्रदान की है।

वर्ष के दौरान, बैंक ने विभिन्न लिखतों और व्यापक निवेशक आधार के जिए तथा विभिन्न देशों में 1.22 बिलियन यूएस डॉलर के समतुल्य विदेशी मुद्रा संसाधन जुटाए। बैंक ने ऋणों और बॉन्डों के प्राइवेट प्लेसमेंट के जिरए भी संसाधन जुटाए। जुटाए गए इन संसाधनों का इस्तेमाल बैंक द्वारा भारतीय विदेशी निवेशों को सहयोग के लिए ऋण-व्यवस्था और क्रेता ऋण पोर्टफोलियों के अंतर्गत दीर्घाविध ऋण और परियोजना निर्यातों के जिरए किया जाएगा।

सलाहकारी सेवाएं

एक विकासशील देश के संदर्भ में, भारत के अंतरराष्ट्रीय व्यापार और निवेश के वित्तपोषण में एक्ज़िम बैंक के तीन दशक लंबे अनुभव और दूसरे विकासशील देशों में संस्था निर्माण संबंधी गतिविधियों के उत्कृष्ट ट्रैक रिकार्ड के मद्देनजर, सऊदी अरब ने बैंक से अपने नव परिकल्पित सऊदी एक्ज़िम बैंक के लिए वित्तपोषण कार्यक्रम विकसित करने का अनुरोध किया है। बैंक, सऊदी अरब के गैर-तेल जीडीपी में गैर-तेल निर्यातों का हिस्सा 16 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत करने के सऊदी अरब के विजन 2030 को प्राप्त करने में सऊदी एक्ज़िम बैंक का मार्गदर्शन करेगा।

वर्ष के दौरान, एक्ज़िम बैंक ने घाना निर्यात-आयात बैंक के लिए क्षमता निर्माण संबंधी कार्य भी सफलतापूर्वक पूरा किया और विभिन्न परिचालनगत क्षेत्रों में तकनीकी सहयोग प्रदान किया।

शोध एवं विश्लेषण

बैंक में अंतरराष्ट्रीय अर्थशास्त्र, व्यापार और निवेश के विभिन्न पहलुओं पर शोधपरक दृष्टिकोण प्रदान करने वाली एक मजबूत शोध एवं विश्लेषण टीम है। बैंक ने पैन-अफ्रीकन एक्जिम बैंक 'अफ्रेक्जिम बैंक' के साथ मिलकर 'दक्षिण- Exim Bazaar during the year, one each in Mumbai and Ahmedabad.

RESOURCES

The Government in the FY 2018-19 approved issuance of recapitalisation bonds to the tune of ₹ 60 billion for capital infusion in Exim Bank. While ₹ 45 billion has already been infused in this year, another ₹ 15 billion is envisaged to be infused in 2019-20. The infusion of capital into Exim Bank will enable it to maintain capital adequacy and support Indian exports with enhanced ability. The Government also approved an increase in the authorised capital of Exim Bank from ₹ 100 billion to ₹ 200 billion.

During the year, the Bank raised foreign currency resources aggregating US\$ 1.22 billion equivalent through a variety of instruments, and across a wide investor base and geographies. The Bank also raised funds through loans and private placement of bonds. The funds raised will be used by the Bank to support Indian overseas investments by way of long-term credit and project exports through the LOC and buyer's credit portfolio.

EXTENDING ADVISORY SERVICES

Given Exim Bank's vast experience of over three decades in financing India's international trade and investment in a developing country context, and its distinguished track record in undertaking institution building activities in other developing countries, the Kingdom of Saudi Arabia (KSA) has requested the Bank to tailor the financing programmes for its newly set up Saudi EXIM Bank. The Bank will be guiding the Saudi EXIM Bank in achieving the KSA's Vision 2030, which endeavours to raise the share of non-oil exports in non-oil GDP from 16 per cent to 50 per cent by 2030.

During the year, Exim Bank also successfully concluded a capacity building assignment for the Ghana Export-Import Bank and provided technical assistance across various operational areas.

RESEARCH AND ANALYSIS

The Bank has a strong Research and Analysis team offering a range of research insights on aspects of



दक्षिण सहयोग बढ़ानाः अफ्रीका और भारत के व्यापार एवं निवेश का विश्लेषण' शीर्षक से एक अध्ययन भी किया है। इसके अतिरिक्त, बैंक ने 'भारतीय सेवा व्यापार का उदारीकरण और निर्यात संवर्धन' तथा 'भारतीय निर्यातों के लिए गैर–टैरिफ उपाय' शीर्षक से दो अन्य महत्त्वपूर्ण शोध अध्ययन भी प्रकाशित किए।

बैंक यह मानता है कि भारत से निर्यातों को राज्यों से अलग करके नहीं देखा जा सकता है। देश से निर्यातों को बढाने के लिए राज्यों से भी निर्यातों को बढावा देना उतना ही जरूरी है। राज्य स्तर पर ऐसे प्रयासों की जरूरत को ध्यान में रखते हुए और भारत के अंतरराष्ट्रीय व्यापार को बढ़ाने के अपने अधिदेश के अनुसार, एक्ज़िम बैंक विभिन्न राज्यों से निर्यात निष्पादन और निर्यात की संभावनाओं के मूल्यांकन के लिए राज्य सरकारों के साथ मिलकर काम करता रहा है। इसके साथ ही, बैंक उन राज्यों की व्यापार स्पर्धात्मकता बढाने के लिए रणनीतियां भी बनाता रहा है। बैंक ने आंध्र प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों के लिए निर्यात रणनीतियां बनाई हैं। वर्ष के दौरान, बैंक ने तीन राज्य स्तरीय शोध अध्ययन किए। बैंक ने पहले मध्य प्रदेश सरकार के साथ मिलकर शोध अध्ययन किया। फिर बिहार सरकार के अनुरोध पर 'बिहार की निर्यात रणनीति' बनाई और फिर पंजाब से निर्यातों में तेजी लाने के लिए शोध अध्ययन किया।

बैंक ने भारतीय और विदेशी विश्वविद्यालयों तथा शिक्षण संस्थाओं में भारतीय नागरिकों द्वारा अंतरराष्ट्रीय अर्थशास्त्र, व्यापार, विकास और संबद्ध वित्तपोषण के क्षेत्र में शोध को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 1989 में अंतरराष्ट्रीय आर्थिक शोध वार्षिक पुरस्कार की स्थापना की थी। वर्ष 2018 की पुरस्कार विजेता डॉ. अमृता साहा रहीं, जो फिलहाल इंस्टीट्यूट ऑफ डेवलपमेंट स्टडीज, यूके के साथ जुड़ी हैं।

ब्रिक्स सदस्य देशों से संबंधित आर्थिक समसामयिक विषयों पर केंद्रित उन्नत शोध अध्ययनों को प्रोत्साहित करने और उनमें तेजी लाने के उद्देश्य से एक्ज़िम बैंक ने 'ब्रिक्स आर्थिक शोध पुरस्कार' की स्थापना की। वर्ष 2018 में 8वीं वार्षिक ब्रिक्स वित्तीय फोरम के दौरान, यह पुरस्कार चीनी नागरिक डॉ. ज़ेली हे को प्रदान किया गया।

अपने निरंतर शोध प्रयासों की कड़ी में एक्ज़िम बैंक ने पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान, भारत के निर्यातों में तिमाही आधार पर उतार-चढ़ावों के पूर्वानुमान और उनका ट्रैक international economics, trade and investments. The Bank collaborated with Afreximbank, the pan-African Exim Bank, to bring out a joint publication titled 'Deepening South-South Collaboration: An Analysis of Africa and India's Trade and Investment'. Besides, the Bank has also brought out two important studies titled 'Indian Services Trade Liberalisation and Export Promotion', and 'Non-Tariff Measures on Indian Exports'.

Exim Bank recognises the fact that exports from India cannot be looked at in silos, and that an overall impetus would be required at the State level as well. In recognition of the need for such efforts at the State level and in accordance with its mandate of promoting India's international trade, the Bank has been engaging with various State Governments to evaluate the export performance and potential, and outline strategies for development of trade competitiveness at the State level. The Bank has already designed export strategies for states such as Andhra Pradesh, Rajasthan, Uttar Pradesh and West Bengal. During this year, the Bank concluded three State level studies, viz., a study in conjunction with the Government of Madhya Pradesh, followed by study on the 'Export Strategy of Bihar', undertaken on the advice of the State Government of Bihar: and a study exploring means to reinvigorate the export potential of Punjab.

The Bank had established the International Economic Research Annual Award in 1989 to motivate doctoral research by Indian nationals in international economics, trade, development, and related financing at universities and academic institutions in India and abroad. Dr. Amrita Saha, currently associated with the Institute of Development Studies, UK, received the Award in 2018.

Further, to stimulate and encourage advanced research on economics and related topics of contemporary relevance in the member nations of BRICS, Exim Bank constituted a BRICS Economic Research Award. During the 8th Annual BRICS Financial Forum in 2018, it was presented to Dr. Zheli He, a Chinese national.

As part of its continued research initiatives, Exim Bank during the last fiscal developed an in-house



रखने के लिए एक्सपोर्ट लीडिंग इंडेक्स बनाने के लिए एक आंतरिक मॉडल विकसित किया। इस मॉडल तथा इससे प्राप्त पूर्वानुमानों की समीक्षा विशेषज्ञों की एक स्थाई तकनीकी समिति दारा समय-समय पर की जाती है।

वैश्विक सम्मान

बैंक दुनियाभर में होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों में प्रतिभागिता करता है और एक बड़े वर्ग को अपनी गतिविधियों से अवगत कराता है। इस प्रकार की प्रतिभागिता के परिणामस्वरूप ही विभिन्न संस्थाओं द्वारा बैंक के नवोन्मेषी उत्पादों, सेवाओं और पद्धतियों को संज्ञान में लिया गया और पुरस्कृत किया गया है। फिलीपींस स्थित 'एशिया प्रशांत की विकास वित्त संस्थाओं के संघ' (एडफिएप) ने ''एसएमई विकास'' श्रेणी के अंतर्गत बैंक को इसके नवोन्मेषी कार्यक्रम 'एक्ज़िम बाज़ार' के लिए 2018 के 'आउटस्टैंडिंग डेवलपमेंट प्रोजेक्ट अवॉर्ड' से नवाजते हुए विकास में बैंक के योगदान को संज्ञान में लिया। बैंक को पेरू में स्थित 'विकास वित्त संस्थाओं के लैटिन अमेरिकी संघ' (एलीडे) द्वारा 'संपोषी वित्त पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। वहीं, कोत दि'वार में स्थित 'अफ्रीकी विकास वित्त संस्थाओं के संघ' (एडफी) से बैंक को 'संपोषी वित्तीय उत्पादों और सेवाओं में सर्वश्रेष्ठ नवोन्मेष पुरस्कार' से नवाजा गया।

भारत में सम्मान

एक्ज़िम बैंक को 40वें पब्लिक रिलेशंस सोसायटी ऑफ इंडिया राष्ट्रीय पुरस्कार 2018 में 'एक्ज़िम बाज़ार' के लिए 'अभियान में सोशल मीडिया का सर्वश्रेष्ठ उपयोग' श्रेणी में प्रथम और 'कार्यक्रम प्रबंधन' श्रेणी में द्वितीय पुरस्कार मिला। बैंक को 'एसोसिएशन ऑफ बिजनेस कम्युनिकेटर्स ऑफ इंडिया' से भी पुरस्कार प्राप्त हुए।

बहपक्षीय संबंध

ब्रिक्स अंतर बैंक सहयोग तंत्र के अंतर्गत, बैंक ने 'डिजिटल अर्थव्यवस्था के विकास के संदर्भ में डिस्ट्रिब्यूटेड लेजर और ब्लॉक चेन टेक्नोलॉजी पर सहयोगात्मक अनुसंधान' के लिए ब्रिक्स देशों के विकास बैंकों के साथ एक बहुपक्षीय सहयोग करार पर हस्ताक्षर किए हैं। बैंक ने 2018 में दक्षिण अफ्रीका में आयोजित ब्रिक्स अंतर बैंक सहयोग तंत्र की वार्षिक बैठक और इसके वित्तीय फोरम में भी हिस्सा लिया।

बेंक ने भारतीय कंपनियों की विश्व बैंक, एशियाई विकास बैंक (एडीबी), अफ्रीकी विकास बैंक (एएफडीबी) और यूरोपियन model to generate an Export Leading Index (ELI) for India, to track and forecast the movement in India's exports on a quarterly basis. The model and the forecast result are also reviewed periodically by a standing technical committee of domain experts.

GLOBAL RECOGNITIONS

The Bank also participates in various events globally, wherein the Bank showcases its activities to a larger audience. As an outcome of such participation, the Bank's innovative products, services and practices have been recognised and awarded by various institutions. The Association of Development Financing Institutions in Asia and the Pacific (ADFIAP) based in the Philippines acknowledged the Bank's contribution development under the "SME Development" category by conferring the 2018 Outstanding Development Project Award to its innovative programme, 'Exim Bazaar'. The Bank received the 'Sustainable Finance Award' from the Latin American Association of Development Financing Institutions (ALIDE), based in Peru; and the 'Best Innovation in Sustainable Financial Products & Services' Award from Association of African Development Finance Institutions (AADFI) which is based in Cote d'Ivoire.

RECOGNITIONS IN INDIA

The Bank has also won two prizes for 'Exim Bazaar' at the 40th Public Relations Society of India National Awards, 2018, the first prize under the 'Best Use of Social Media in Campaign' category; and the second prize under the 'Event Management' category. The Bank also received awards from the Association of Business Communications of India.

MULTILATERAL LINKAGES

Under the BRICS Interbank Co-operation Mechanism, the Bank entered into a multilateral co-operation agreement on 'Collaborative Research on Distributed Ledger and Block Chain Technology in the Context of Development of the Digital Economy', with the development banks of the BRICS nations. The Bank also participated in the 2018 Annual Meeting and the Financial Forum of the BRICS Interbank Co-operation Mechanism held in South Africa.



बैंक फॉर रिकंस्ट्रक्शन एंड डेवलपमेंट (ईबीआरडी) द्वारा निधिक परियोजनाओं में व्यवसाय प्राप्त करने की संभावनाएं प्रबल करने में उनकी मदद के लिए सूचनाएं प्रदान करने हेतु बहुपक्षीय वित्तीय संस्थाओं के साथ भी भागीदारी करना जारी रखा है। वर्ष के दौरान, एक्जिम बैंक ने एडीबी के साथ मिलकर 'अंतरराष्ट्रीय व्यवसाय अवसर' विषय पर कोलकाता और बेंगलूरु में दो चर्चापरक सेमिनारों का आयोजन किया। विश्व बैंक के साथ मिलकर भी ऐसे ही एक कार्यक्रम का आयोजन किया और विभिन्न क्षेत्रों से परियोजना निर्यातकों के लिए नई दिल्ली में एक कार्यशाला आयोजित की गई।

बैंक ने गत वर्षों में दुनियाभर में अपनी समकक्ष संस्थाओं के साथ मजबूत संबंध स्थापित किए हैं। बैंक ने एशियाई एक्जिम बैंक फोरम की थाईलैंड में आयोजित चौबीसवीं वार्षिक बैठक और विकास वित्त संस्थाओं के वैश्विक नेटवर्क (जी-नेक्सिड) की इंडोनेशिया में आयोजित तेरहवीं वार्षिक आम बैठक में भी हिस्सा लिया।

निदेशक मंडल

बैंक के निदेशक मंडल में सम्मानित और प्रतिष्ठित निदेशक हैं, जिन्होंने बैंक को अपने लक्ष्य हासिल करने में मार्गदर्शन दिया है। बैंक के निदेशक मंडल में श्री रमेश अभिषेक, सचिव, उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय; श्री टी.एस. तिरुमूर्ति, सचिव (आर्थिक संबंध), विदेश मंत्रालय; श्री बिद्युत बिहारी स्वैन, अपर सचिव, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय; श्री के राजारमन, अपर सचिव, आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय; श्री पंकज जैन, अपर सचिव, वित्तीय सेवाएं विभाग, वित्त मंत्रालय; डॉ. एम. डी. पात्रा, कार्यपालक निदेशक, भारतीय रिज़र्व बैंक; श्री रजनीश कुमार, अध्यक्ष, भारतीय स्टेट बैंक; श्रीमती गीता मुरलीधर, अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक, ईसीजीसी लिमिटेड; श्री राकेश शर्मा, प्रबंध निदेशक एवं सीईओ, आईडीबीआई बैंक; श्री दीनबंधू महापात्र, प्रबंध निदेशक और सीईओ, बैंक ऑफ इंडिया; और श्री राजिकरन राय जी, प्रबंध निदेशक एवं सीईओ, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया; तथा श्री देबाशिस मल्लिक, उप प्रबंध निदेशक, एक्जिम बैंक शामिल हैं।

बैंक के निदेशक मंडल में परिवर्तन भी हुए हैं। श्रीमती रीता तेवतिया, सचिव, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत The Bank continues to partner with multilateral financial institutions, so as to disseminate information to Indian companies to help them improve their prospects for securing business in projects funded by the World Bank, Asian Development Bank (ADB), African Development Bank (AfDB) and European Bank for Reconstruction and Development (EBRD). During the year, Exim Bank organised two interactive seminars in partnership with ADB, on International Business Opportunities, in Kolkata and Bengaluru. A similar exercise was also steered with the World Bank and a workshop for project exporters across various sectors was organized in New Delhi.

The Bank over the years has developed excellent relationships with its peers across the globe. The Bank participated in the twenty fourth Annual Meeting of the Asian Exim Banks Forum held in Thailand, and in the thirteenth Annual General Meeting of the Global Network of Exim Banks and Development Finance Institutions (G-NEXID) held in Indonesia.

BOARD OF DIRECTORS

The Bank has an esteemed list of Directors on its Board, who have been guiding the Bank towards attaining its chartered objectives. They include, Shri Ramesh Abhishek, Secretary, Department for Promotion of Industry and Internal Trade, Ministry of Commerce & Industry; Shri T. S. Tirumurti, Secretary (Economic Relations), Ministry of External Affairs; Shri Bidyut Behari Swain, Additional Secretary, Ministry of Commerce; Rajaraman, Additional Secretary, Shri K. Department of Economic Affairs, Ministry of Finance; Shri Pankaj Jain, Additional Secretary, Department of Financial Services; Dr. M. D. Patra, Executive Director, Reserve Bank of India; Shri Rajnish Kumar, Chairman, State Bank of India; Smt. Geetha Muralidhar, Chairman-cum-Managing Director, ECGC Ltd.; Shri Rakesh Sharma, Managing Director & CEO, IDBI Bank; Shri Dinabandhu Mohapatra, Managing Director & CEO, Bank of India; Shri Rajkiran Rai G., Managing Director & CEO, Union Bank of India; and Shri Debasish Mallick, Deputy Managing Director, Exim Bank.

There have also been changes on the Board of the Bank. Smt. Rita Teotia, Secretary,



सरकार; श्री अनूप वधावन, सचिव, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार; डॉ. अरविन्द सुब्रमण्यन, मुख्य आर्थिक सलाहकार, भारत सरकार; श्री एम. के. जैन, प्रबंध निदेशक व सीईओ, आईडीबीआई बैंक लिमिटेड; और श्री राजीव ऋषि, प्रबंध निदेशक और सीईओ सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने अपने पदभार परिवर्तन के कारण अपने—अपने निदेशक पद से त्यागपत्र दे दिया है। बैंक निदेशकों के रूप में दिए गए उनके बहुमूल्य योगदान के लिए उनका आभार व्यक्त करता है।

आगे की राह

अब नए वित्तीय वर्ष में प्रवेश करते हुए मुझे पूरा विश्वास है कि हमने चुनौतियों से पार पा ली है और आगे बढ़ते हुए हम एक बार फिर वृद्धि पथ पर अग्रसर होंगे।

एक्ज़िम बैंक भारतीय कंपनियों की स्पर्धात्मकता को सिक्रयता से बढ़ाते हुए अपने अधिदेश और भारत सरकार के रणनीतिक उद्देश्यों के अनुरूप कार्य करता रहेगा। इसके साथ-साथ, बैंक इस बात का विशेष ध्यान रखेगा कि इसकी गतिविधियां और वित्तपोषण पहलें उद्योग जरूरतों तथा व्यापार जगत की विवेकशील अपेक्षाओं के अनुकुल हों।

इस सबके बीच, मैं बैंक के स्टाफ द्वारा दिखाई गई उच्च प्रतिबद्धता और उनके उत्साह की भी सराहना करता हूं। सहभागिता और कुशलता से काम करने की बैंक की कार्य संस्कृति बैंक को निरंतर मजबूती प्रदान करने वाला स्रोत रही है। वसूली तथा व्यवसाय बढ़ाने के साथ–साथ भारत की शीर्ष निर्यात वित्त संस्था के रूप में बैंक की विरासत को आगे बढ़ाते हुए नई संभावनाओं का सृजन करने में बैंक के स्टाफ सदस्यों के प्रयासों के लिए निदेशक मंडल के मेरे सहयोगी और मैं. उनका हृदय से आभार व्यक्त करते हैं। Ministry of Commerce, Government of India; Shri Anup Wadhawan, Secretary, Ministry of Commerce, Government of India; Dr. Arvind Subramanian, Chief Economic Advisor, Government of India, Shri M. K. Jain, Managing Director & CEO, IDBI Bank Ltd.; and Shri Rajeev Rishi, Managing Director & CEO, Central Bank of India, relinquished their directorships consequent upon change in office. The Bank gratefully acknowledges their invaluable contribution as Directors.

WAY FORWARD

As we venture into a new financial year, I strongly believe that we have surmounted the challenges, and going forward, we would be scaling the growth trajectory once again.

Exim Bank would continue with its mandate and work in tandem with the Government's strategic objectives, while proactively enhancing the competitiveness of Indian companies. Simultaneously, the Bank will lay special emphasis to ensure that its activities and financing initiatives keep pace with the discerning requirements of the industry and trade.

Amidst all this, I must also acknowledge the tremendous commitment and enthusiasm demonstrated by the staff of the Bank. The Bank's participative and proficient work culture has consistently remained a source of strength for the Bank. My colleagues on the Board and I express our heartfelt thanks to the staff for their quest in recovery, in augmenting business, whilst also creating new vistas in carrying forward the Bank's legacy as India's premier export financing institution.

्रेटिट रस्कीना

David Rasquinha



बैठे हुए, बाएं से दाएं:

नदीम पंजेतन, सुनीता सिंदवानी, डेविड सिनाटे, सी. पी. रवीन्द्रनाथ मेनन, संगीता शर्मा, डेविड रस्कीना, देबाशिस मल्लिक, रीमा मार्फतिया, सैम्युअल जोसेफ, प्रहलादन अय्यर, हर्षा बंगारी, सुदत्त मंडल

खड़े हुए, बाएं से दाएं:

लोकेश कुमार, उत्पल गोखले, टी.डी. सिवाकुमार, सुजीत भाले, तरुण शर्मा, मीना वर्मा, शिल्पा वाघमारे, मंजिरी भालेराव, दीपाली अग्रवाल, श्रीराम सुब्रमनियम, धर्मेन्द्र सचान, विक्रमादित्य उगरा, गौरव भंडारी, उदय शिंदे

Sitting, left to right:

Nadeem Panjetan, Sunita Sindwani, David Sinate, C. P. Ravindranath Menon, Sangeeta Sharma, David Rasquinha, Debasish Mallick, Rima Marphatia, Samuel Joseph, Prahalathan Iyer, Harsha Bangari, Sudatta Mandal

Standing, left to right:

Lokesh Kumar, Utpal Gokhale, T. D. Sivakumar, Sujeet Bhale, Tarun Sharma, Meena Verma, Shilpa Waghmare, Manjiri Bhalerao, Deepali Agrawal, Sriram Subramaniam, Dharmendra Sachan, Vikramaditya Ugra, Gaurav Bhandari, Uday Shinde

आर्थिक परिवेश ECONOMIC ENVIRONMENT





वैश्विक अर्थव्यवस्था

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के मुताबिक, यूरोप और एशिया की कुछ अर्थव्यवस्थाओं में कमजोरी के चलते वर्ष 2018 में वैश्विक अर्थव्यवस्था की वृद्धि थोड़ी मंदी रही। वर्ष 2017 में यह वृद्धि दर 3.8 प्रतिशत थी, जो वर्ष 2018 में घटकर 3.6 प्रतिशत रही। वित्तीय बाजारों में कमजोरी और व्यापार नीति में अनिश्चितता बढ़ने जैसे कारकों के चलते आर्थिक गतिविधि प्रभावित हुई। यूएसए के अलावा शेष विश्व में औद्योगिक उत्पादन में गिरावट आई और इससे वैश्विक व्यापार वृद्धि में भी मंदी आई।

विकसित अर्थव्यवस्थाओं को देखें तो यूएसए में वृद्धि दर थोड़ी अच्छी रही (वर्ष 2017 में 2.2 प्रतिशत की तुलना में वर्ष 2018 में 2.9 प्रतिशत)। वहीं, यूरो क्षेत्र में उल्लेखनीय मंदी आई और वृद्धि दर वर्ष 2017 की 2.4 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2018 में मात्र 1.8 प्रतिशत रह गई। भारत, चीन और आसियान—5 (इंडोनेशिया, मलेशिया, फिलीपींस, थाईलैंड और वियतनाम) सहित उभरते बाजार और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में उत्पादन में धीमी वृद्धि देखी गई। वहीं, ब्राजील, रूस, सऊदी अरब और नाइजीरिया जैसी अन्य उभरती अर्थव्यवस्थाओं की विकास दर में वर्ष 2018 में सुधार आया।

वैश्विक व्यापार

मात्रा के संदर्भ में, वर्ष 2018 में वैश्विक व्यापार में वृद्धि (माल और सेवाओं में वृद्धि) पिछले वर्ष की 5.4 प्रतिशत की तुलना में घटकर 3.8 प्रतिशत रह गई। यह गिरावट वैश्विक व्यापार में देशों के बीच तनाव और नए टैरिफ लागू करने के चलते रही। इससे बहु व्यापारिक वस्तुओं के व्यापार पर बुरा असर पड़ा। मर्चेंडाइज व्यापार मात्रा में गिरावट के व्यापक कारण रहे, जो विकसित और विकासशील दोनों अर्थव्यवस्थाओं से आयात की कम मांग को प्रदर्शित करते हैं। एशिया और यूरोप की मर्चेंडाइज व्यापार वृद्धि भी वर्ष 2018 में कुछ कम रही, जिससे विश्व मर्चेंडाइज व्यापार वृद्धि में समग्र रूप से गिरावट दर्ज की गई। वहीं दूसरी ओर, वैश्विक वाणिज्यिक सेवाओं में वर्ष 2018 में लगातार दूसरे साल वृद्धि (7.7 प्रतिशत) दर्ज की गई। वस्तुओं से संबंधित सेवाओं में सबसे अधिक वृद्धि दर्ज की गई। वृद्धि के मामले में वाणिज्यिक सेवाएं दूसरे स्थान पर रहीं।

GLOBAL ECONOMY

According to the International Monetary Fund (IMF), the expansion of the global economy weakened in 2018, moderating to an estimated 3.6 per cent as compared to 3.8 per cent in 2017, reflecting weaker performance in some economies of Europe and Asia. Weakening financial markets and increased trade policy uncertainty weighed on the economic activity. There was deceleration of industrial production outside the USA and a slowdown in global trade growth.

Among the advanced economies, growth in 2018 was notably higher in the USA (2.9 per cent in 2018 as against 2.2 per cent in 2017), whereas the Euro Area, which had clocked a growth rate of 2.4 per cent in 2017, slowed down significantly in 2018, as the growth rate moderated to 1.8 per cent. Emerging market and developing economies, including India, China and ASEAN-5 (Indonesia, Malaysia, Philippines, Thailand, and Vietnam) witnessed slower increase in output growth, while other emerging economies such as Brazil, Russia, Saudi Arabia and Nigeria witnessed a rebound in 2018.

WORLD TRADE

Global trade growth (goods and services), in volume terms, slowed down to 3.8 per cent in 2018, from 5.4 per cent in 2017, as a result of rising trade tensions and a range of new tariffs being put in place, affecting widely traded goods. The slowdown in merchandise trade volume in 2018 was broadbased, reflecting weaker import demand in both developed and developing economies. Asia and Europe saw their merchandise trade growth moderating in 2018, which led to an overall deceleration of world merchandise trade growth. On the other hand, world commercial services trade recorded strong growth for the second consecutive year in 2018 (7.7 per cent). Goods related services registered strongest growth, followed by commercial services.





उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं में निजी पूँजी प्रवाह

उभरते बाजारों को निवल निजी पूँजी आवक वर्ष 2017 के 1,282 बिलियन यूएस डॉलर से घटकर वर्ष 2018 में 1,135 बिलियन यूएस डॉलर हो गई। यह गिरावट मुख्यतः अनिवासी पूँजी प्रवाह और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में गिरावट के चलते रही।

उभरते बाजार वाली अर्थव्यवस्थाओं का चालू खाता शेष

उभरते बाजार वाली अर्थव्यवस्थाओं का वर्ष 2018 में चालू खाता अधिशेष, वर्ष 2017 के 194 बिलियन यूएस डॉलर से घटकर 145 बिलियन यूएस डॉलर रह गया। चीन को छोड़कर, अन्य उभरते बाजारों के चालू खाता अधिशेष का कम होना इसका मुख्य कारण रहा।

भारतीय अर्थव्यवस्था

वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान भारत के वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 6.8 प्रतिशत की दर से वृद्धि हुई, जो पिछले वित्तीय वर्ष की 7.2 प्रतिशत की तुलना में थोड़ी कम रही। निजी खपत और निवेश व्यय इस वृद्धि के प्रमुख कारक रहे। वहीं, विनिर्माण, निर्माण जैसे उप-क्षेत्रों और वित्तीय, रियल एस्टेट तथा प्रोफेशनल सेवाओं ने रफ्तार पकड़ी। वित्तीय वर्ष 2018-19 में भारत के जीडीपी में कृषि, उद्योग और सेवा क्षेत्र का हिस्सा क्रमशः 16.1 प्रतिशत, 29.6 प्रतिशत और 54.3 प्रतिशत रहा।

कृषि

कमजोर कृषि उत्पादन के चलते कृषि क्षेत्र को मंदी का सामना करना पड़ा। वित्तीय वर्ष 2018-19 में कृषि क्षेत्र का वास्तविक सकल मूल्य योजन (जीवीए) वित्तीय वर्ष 2017-18 के 5.0 प्रतिशत की तुलना में 2.9 प्रतिशत की वृद्धि दर से बढ़ने का अनुमान है।

उद्योग

वित्तीय वर्ष 2018-19 में औद्योगिक क्षेत्र में पिछले वर्ष की 5.9 प्रतिशत वृद्धि की तुलना में 6.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जो मुख्यतः विनिर्माण और निर्माण क्षेत्रों में विभिन्न गतिविधियों के रफ्तार पकड़ने को प्रदर्शित करती है। इसी प्रकार, खनन और विद्युत क्षेत्रों में वृद्धि के चलते औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में वित्तीय वर्ष 2018-19 में वृद्धि दर 3.6 प्रतिशत रही।

सेवाएं

सेवा क्षेत्र को पिछले वर्ष की 8.1 प्रतिशत वृद्धि की तुलना में वित्तीय वर्ष 2018-19 में 7.5 प्रतिशत की वृद्धि के साथ मंदी

PRIVATE CAPITAL FLOWS IN EMERGING MARKET ECONOMIES

Net private capital inflows to emerging markets decreased marginally to reach US\$ 1,135 billion in 2018, from US\$ 1,282 billion in 2017, mainly driven by non-resident capital flows and FDI holding up well.

CURRENT ACCOUNT BALANCE OF EMERGING MARKET ECONOMIES

The current account surplus of Emerging Market Economies for 2018 fell to US\$ 145 billion, from US\$ 194 billion in 2017, largely due to the shrinking current account surplus of emerging markets, excluding China.

INDIAN ECONOMY

India's real GDP growth moderated to 6.8 per cent during FY 2018-19 vis-à-vis 7.2 per cent in the previous financial year. Growth was mainly sustained by private consumption and investment expenditure. There was a pick-up in activities in sub-sectors such as manufacturing, construction and financial, real estate and professional services. The share of agriculture, industry and services sectors in India's GDP were at 16.1 per cent, 29.6 per cent and 54.3 per cent, respectively in FY 2018-19.

Agriculture

Weaker agricultural output was responsible for a slowdown in the sector. The agricultural sector is estimated to grow at 2.9 per cent in its real gross value added (GVA) in FY 2018-19, as compared to 5.0 per cent in FY 2017-18.

Industry

The industrial sector witnessed a growth of 6.9 per cent in FY 2018-19 compared to 5.9 per cent in the previous year, mainly reflecting pick-up in activities such as manufacturing and construction sectors. Similarly, the Index of Industrial Production (IIP) grew at 3.6 per cent during 2018-19, driven by growth in mining and electricity.

Services

The services sector witnessed a slowdown in FY 2018-19 with growth at 7.5 per cent compared



का सामना करना पड़ा। वृद्धि में यह मंदी मुख्यतः (i) व्यापार, होटल, परिवहन, संचार और प्रसारण संबंधी सेवाओं और (ii) लोक प्रशासन, रक्षा और अन्य सेवाओं जैसे उप-क्षेत्रों में धीमी वृद्धि के चलते देखी गई। वहीं दूसरी ओर वित्तीय सेवाओं, रियल एस्टेट और प्रोफेशनल सेवाओं में पिछले वर्ष की तुलना में वित्तीय वर्ष 2018-19 में बेहतर वृद्धि दर्ज की गई।

बुनियादी ढांचा

कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, पेट्रोलियम रिफाइनरी उत्पाद, उर्वरक, स्टील, सीमेंट और विद्युत बुनियादी ढांचा क्षेत्र के प्रमुख आठ उद्योग हैं। वित्तीय वर्ष 2018-19 में इन आठों उद्योगों में 4.3 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई, जो पिछले वर्ष की अनुरूपी अवधि के दौरान हुई वृद्धि के समान रही। वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान पिछले वर्ष की तुलना में एक ओर जहां कोयला और सीमेंट उद्योग में वृद्धि दर्ज की गई, तो वहीं दूसरी ओर स्टील, विद्युत, रिफाइनरी उत्पाद और प्राकृतिक गैस क्षेत्र में वृद्धि पिछले वर्ष के मुकाबले धीमी रही। कच्चे तेल के उत्पादन में लगातार दूसरे साल गिरावट आई और यह पिछले वर्ष की तुलना में वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान 4.1 प्रतिशत गिरा।

मुद्रास्फीति

उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित औसत हेडलाइन मुद्रास्फीति पिछले वर्ष की अनुरूपी अवधि की 3.6 प्रतिशत के मुकाबले गिरकर वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान 3.4 प्रतिशत रही। वहीं कोर सीपीआई मुद्रास्फीति जस की तस बनी रही, जिसमें खाद्य और ईंधन समूह शामिल नहीं हैं। थोक मूल्य सूचकांक आधारित औसत मुद्रास्फीति वित्तीय वर्ष 2017-18 की 2.7 प्रतिशत की तुलना में वित्तीय वर्ष 2018-19 में बढ़कर 4.3 प्रतिशत हो गई। यह बढ़ोत्तरी वस्तुओं और ऊर्जा कीमतों में हुई वैश्विक वृद्धि के चलते दर्ज की गई।

पूँजी बाजार

वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान, एक ओर जहां भारत का निवल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) आवक पिछले वर्ष की अनुरूपी अवधि के 30.3 बिलियन यूएस डॉलर के मुकाबले बढ़कर 33.3 बिलियन यूएस डॉलर हो गया, वहीं दूसरी ओर वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान, निवल पोर्टफोलियो निवेश पिछले वर्ष की अनुरूपी अवधि के दौरान 22.1 बिलियन यूएस डॉलर की तुलना में (-) 2.1 बिलियन यूएस डॉलर रहा।

to 8.1 per cent in the previous year. This was mainly due to sluggish growth witnessed in sub sectors such as (i) trade, hotels, transport, communication and services related to broadcasting, and (ii) public administration, defence and other services. On the other hand, financial services, real estate and professional services registered a higher growth in FY 2018-19, compared to the previous year.

Infrastructure

The eight core infrastructure supportive industries viz., coal, crude oil, natural gas, petroleum refinery products, fertilizers, steel, cement and electricity cumulatively continued to grow at 4.3 per cent during 2018-19, similar to that in the preceding year. While coal and cement registered an increase in growth, the steel industry, electricity, refinery products and natural gas experienced a sluggish growth during FY 2018-19 compared to that in the previous year. Crude oil production continued to decline for the second consecutive year by 4.1 per cent during FY 2018-19 over the previous year.

Inflation

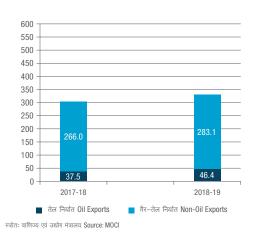
The average headline inflation, based on the Consumer Price Index (CPI) stood at 3.4 per cent during FY 2018-19, compared to 3.6 per cent during the corresponding period in the previous year. Core CPI inflation, which excludes food and fuel groups, remained unchaged. The average inflation based on the Wholesale Price Index, which was at 2.7 per cent in FY 2017-18, picked up to 4.3 per cent during FY 2018-19. This trend is on the back of rising global commodity and energy prices.

Capital Markets

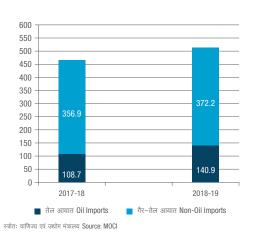
India's Net Foreign Direct Investment (FDI), increased to US\$ 33.3 billion during FY 2018-19 as against US\$ 30.3 billion in the corresponding period of the previous year. Net portfolio investment during FY 2018-19, on the other hand, stood at (-) US\$ 2.0 billion, compared to US\$ 22.1 billion in the corresponding period of the previous year.



निर्यात Exports



आयात Imports



(बिलियन यूएस डॉलर में) (in US\$ billion)

विदेश व्यापार और भुगतान संतुलन

वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान भारत के मर्चेंडाइज निर्यात और आयात में पिछले वर्ष की अनुरूपी अवधि की तुलना में क्रमशः 8.6 प्रतिशत और 10.2 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज की गई। निर्यातों में लगातार तीन साल से वृद्धि दर्ज की जा रही है। समग्र रूप में, वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान, भारत का व्यापार घाटा पिछले वर्ष के 162.1 बिलयन यूएस डॉलर से बढ़कर 183.6 बिलयन यूएस डॉलर हो गया।

वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान भारत के सेवा निर्यातों में 5.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई। वित्तीय वर्ष 2018-19 की पहली तीन तिमाहियों के दौरान भारत से सॉफ्टवेयर सेवाओं का निर्यात पिछले वर्ष की अनुरूपी अवधि के 57.7 बिलियन यूएस डॉलर के मुकाबले बढ़कर 61.8 बिलियन यूएस डॉलर हो गया। इसी अवधि के दौरान, पूँजी और वित्तीय खातों के अंतर्गत निवल आवक 33.9 बिलियन यूएस डॉलर हो गई।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार मार्च 2019 के अंत में 412.9 बिलियन यूएस डॉलर का रहा, जो मार्च 2018 के अंत में 421 बिलियन यूएस डॉलर का था। वहीं दूसरी ओर, विदेशी ऋण में भी बढ़ोत्तरी हुई और यह दिसंबर 2017 के 513.4 बिलियन यूएस डॉलर से बढ़कर दिसंबर 2018 के अंत में 521.2 बिलियन यूएस डॉलर रहा।

Foreign Trade and Balance of Payments

India's merchandise exports and imports registered growth of 8.6 per cent and 10.2 per cent respectively during FY 2018-19 over the previous year. Exports have been growing for three consecutive years now. Overall, India's trade deficit widened to US\$ 183.6 billion during FY 2018-19, as compared to US\$ 162.1 billion in the previous year.

India's services exports grew by 5.5 per cent during FY 2018-19. Software services exports rose to US\$ 61.8 billion in the first three quarters of FY 2018-19, compared to US\$ 57.7 billion in the corresponding period last year. During the same period, net inflows under the capital and financial account increased to US\$ 52.7 billion from US\$ 33.9 billion.

India's foreign exchange reserves moderated to US\$ 412.9 billion as at end-March 2019, from US\$ 421 billion as at end-March 2018. At the same time, external debt also witnessed an increase, to US\$ 521.2 billion as at the end of December 2018 from US\$ 513.4 billion in December 2017.



चुनिंदा क्षेत्रों का प्रदर्शन PERFORMANCE **OF SELECT SECTORS**



ऑटोमोटिव उत्पाद **AUTOMOTIVE PRODUCTS**



2017-18 2016-17 2018-19

बिलियन यूएस डॉलर में निर्यात Exports in US\$ Billion



वृद्धि (वर्ष-दर-वर्ष) Growth (y-o-y)



हिस्सा Share

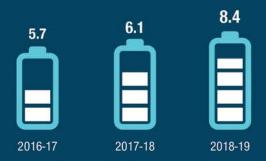
टेक्सटाइल और गारमेंट **TEXTILE AND GARMENTS**







इलेक्ट्रॉनिक्स **ELECTRONICS**



बिलियन यूएस डॉलर में निर्यात Exports in US\$ Billion





पूँजीगत माल CAPITAL GOODS



बिलियन यूएस डॉलर में निर्यात Exports in US\$ Billion





चुनिंदा क्षेत्रों का प्रदर्शन PERFORMANCE OF SELECT SECTORS



पेट्रोलियम (कच्चा तेल और उत्पाद) PETROLEUM (CRUDE AND PRODUCTS)







वृद्धि (वर्ष-दर-वर्ष) Growth (y-o-y)



रसायन और संबंधित उत्पाद
CHEMICAL AND RELATED PRODUCTS



बिलियन यूएस डॉलर में निर्यात Exports in US\$ Billion



ड्रग्स और फार्मा DRUGS & PHARMA



बिलियन यूएस डॉलर में निर्यात Exports in US\$ Billion







बिलियन यूएस डॉलर में निर्यात Exports in US\$ Billion





भारतीय अर्थव्यवस्था के संक्षिप्त आंकड़े STATISTICAL SNAPSHOT OF THE INDIAN ECONOMY

संकेतक INDICATORS	विव FY 15	विव FY 16	विव FY 17	विव FY 18	विव FY 19	
भारत का जीडीपी, क्षेत्रवार हिस्सा और जीडीपी वृद्धि India's GDP, Sectoral Share and GDP Growth						
जीडीपी (वर्तमान मूल्य, बिलियन यूएस डॉलर) GDP (Current Prices, US\$ billion)	2043.3	2148.4	2287.2	2625.9	2785.6°	
वास्तविक जीडीपी वृद्धि (%) Real GDP Growth (%)	7.4	8.0	8.2	7.2 ^{re}	6.8 ^{pe}	
जीडीपी में क्षेत्रवार हिस्सा (%) Sectoral Share in GDP (%)						
कृषि एवं संबद्ध कार्यकलाप Agriculture & allied activities	18.2	17.7	17.9	17.2 ^{re}	16.1 ^{pe}	
उद्योग Industry	30.0	30.0	29.4	29.3 ^{re}	29.6 ^{pe}	
सेवाएं Services	51.8	52.3	52.7	53.5 ^{re}	54.3 ^{pe}	
नोटः "- संशोधित अनुमान; "- अनंतिम अनुमान; "- आईआईएफ उ इंटरनेशनल फायनैंस (आईआईएफ) Note: "- Revised Estimates; " - Provisional Estimates; " - IIF Esti Institute of International Finance (IIF)						
मुद्रास्फीति दरें – रुझान Inflation Trends						
मुद्रास्फीति दर (सीपीआई, वार्षिक औसत %) Inflation rate (CPI, annual avg. %)	5.8	4.9	4.5	3.6	3.4	
मुद्रास्फीति दर (डब्ल्यूपीआई, वार्षिक औसत %) Inflation rate (WPI, annual avg. %)	1.2	-3.7	1.7	2.7	4.3	
स्रोतः सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय; <i>भारतीय रिज़र्व</i> Source: MOSPI; Reserve Bank of India (RBI)	बैंक (आरबीआई)					
राजकोषीय घाटा Fiscal Deficit						
सकल राजकोषीय घाटा (जीडीपी का %) Gross Fiscal Deficit (% of GDP)	4.1	3.9	3.5	3.5	3.4 ^{re}	
नोटः ®- संशोधित अनुमान स्रोतः केंद्रीय बजटः, वाणिज्य एवं उद्योग Note: ®- Revised Estimates Source: Union Budget; MOCI	ग मंत्रालय					
भारत की विनिमय दरें – रुझान Trends in India's Exchange Rate						
विनिमय दर (₹/यूएस डॉलर, औसत) Exchange Rate (₹/US\$, avg.)	61.1	65.5	67.1	64.5	67.1	
विनिमय दर (₹/यूरो, औसत) Exchange Rate (₹/€, avg.)	77.5	72.3	73.6	75.4	79.9	
स्रोतः आरबीआई Source: RBI						



संकेतक INDICATORS	विव FY 15	विव FY 16	विव FY 17	विव FY 18	विव FY 19
भारत का चालू खाता घाटा – घटक Composition of India's Cur	rent Account Deficit				
चालू खाता घाटा (जीडीपी का %) CAD (% of GDP)	-1.3	-1.1	-0.6	-1.9	-2.6*
चालू खाता घाटा (बिलियन यूएस डॉलर) Current Account Deficit (US\$ billion)	-26.8	-22.1	-14.4	-48.7	-51.8°
"- यथा विव 2019 को (अप्रैल-दिसंबर) As on FY 2019 (April - De	cember); स्रोतः आरबं	ीआई Source: RBI			
भारत का व्यापार – रुझान Trends in India's Trade					
निर्यात (बिलियन यूएस डॉलर) Exports (US\$ billion)	310.3	262.3	275.9	303.5	329.5
आयात (बिलियन यूएस डॉलर) Imports (US\$ billion)	448.0	381.0	384.4	465.6	513.1
व्यापार शेष (बिलियन यूएस डॉलर) Trade Balance (US\$ billion)	-137.7	-118.7	-108.5	-162.1	-183.6
सेवाओं का निर्यात (बिलियन यूएस डॉलर) Services Exports (US\$ billion)	158.1	154.3	164.2	195.1	205.8
सेवाओं का आयात (बिलियन यूएस डॉलर) Services Imports (US\$ billion)	81.6	84.6	95.9	117.5	125.5
सेवा शेष (बिलियन यूएस डॉलर) Services Balance (US\$ billion)	76.5	69.7	68.3	77.6	80.3
स्रोतः वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय; आरबीआई Source: MOCI; RBI					
भारत का विदेशी मुद्रा भंडार बनाम विदेशी ऋण India's Forex Re	eserves v/s External	Debt			
विदेशी मुद्रा भंडार (बिलियन यूएस डॉलर) Forex Reserves (US\$ billion)	341.6	360.2	370.0	424.5	412.9
विदेशी ऋण (बिलियन यूएस डॉलर) External Debt (US\$ billion)	474.7	484.8	471.5	529.7	521.2 [*]
ं- यथा 31 दिसंबर, 2018 को As on December 31, 2018 ; स्रोतः	आरबीआई Source: Rl	31			
भारत का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आवक बनाम जावक India's FDI	Inflows v/s Outflows	3			
एफडीआई आवक (बिलियन यूएस डॉलर) FDI Inflows (US\$ billion)	45.1	55.6	60.2	61.0	64.4
एफडीआई जावक (बिलियन यूएस डॉलर) FDI Outflows (US\$ billion)	30.9	22.0	24.9	18.7	21.3

नोटः एफडीआई आवक के आंकड़ों में इक्विटी, पुनर्निवेशित आय और अन्य पूँजी शामिल हैं ; एफडीआई जावक के आंकड़ों में अनुमोदित इक्विटी, ऋण और जारी की गई गारंटी शामिल है। Note: FDI inflows data includes equity, reinvested earnings and other capital; FDI Outflows data is the approved FDI including equity, loan and guarantee issued.



वैश्विक उत्पादन, व्यापार एवं विश्व व्यापार मूल्य WORLD OUTPUT, TRADE & WORLD TRADE PRICES

संदे	न्तक INDICATORS	विव FY 2015	विव FY 2016	विव FY 2017	विव FY 2018	विव FY 2019 ^p	विव FY 2020 ^p
I.	वैश्विक उत्पादन (वास्तविक जीडीपी, वृद्धि %) World output (real GDP, Gr. %)	3.4	3.4	3.8	3.6	3.3	3.6
	विकसित अर्थव्यवस्थाएं Advanced Economies	2.3	1.7	2.4	2.2	1.8	1.7
	उभरते बाजार और विकासशील अर्थव्यवस्थाएं Emerging Market & Developing Economies	4.3	4.6	4.8	4.5	4.4	4.8
II.	वैश्विक वस्तु व्यापार (मात्रात्मक वृद्धि %) World Merchandise Trade (Vol. Gr. %)	2.2	2.1	5.6	3.9	3.3	3.9
	वैश्विक वस्तु निर्यात (बिलियन यूएस डॉलर) Global Merchandise Exports (US\$ bn)	16,201	15,743	17,436	19,082	19,264	20,107
III.	II. विश्व व्यापार मूल्य (बिलियन यूएस डॉलर, % परिवर्तन) World Trade Prices (US\$, % change)						
	विनिर्माण Manufactures	-2.3	-5.2	-0.3	2.7	1.0	0.2
	तेल Oil	-47.2	-15.7	23.3	29.4	-13.4	-0.2
	गैर-ईंधन प्राथमिक पण्य Non-fuel primary commodities	-17.1	-1.0	6.4	1.6	-0.2	1.1

नोटः $^{P}-$ अनुमान । स्रोतः वर्ल्ड इकनॉमिक आउटलुक, आईएमएफ Note: $^{P}-$ Projections \mid Source: WEO, IMF



यथा 31 मार्च, 2019 को समाप्त वर्ष के लिए लेखा परीक्षित तुलन-पत्र तथा लेखों के साथ बैंक द्वारा निष्पादित कार्यों की रिपोर्ट निदेशकों द्वारा सहर्ष प्रस्तुत की जाती है।

परिचालनों तथा वित्तीय निष्पादन की समीक्षा ऋण आस्तियां

बैंक ने विभिन्न ऋण कार्यक्रमों के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2017-18 की ₹ 978.26 बिलियन की ऋण राशि मुकाबले वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान ₹ 380.00 बिलियन की ऋण राशि स्वीकृत की। वित्तीय वर्ष 2017-18 के ₹ 685.35 बिलियन की तलना में वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान बैंक ने ₹ 366.60 बिलियन की ऋण राशि का संवितरण किया। वित्तीय वर्ष 2017-18 के दौरान चूकौती की राशि जहां ₹ 598.35 बिलियन थी, वहीं वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान चुकौती की राशि ₹ 519.84 बिलियन रही। यथा 31 मार्च, 2019 को निवल ऋण-आस्तियां ₹ 936.17 बिलियन की रहीं, जिनमें गत वर्ष की तूलना में 12.94 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। यथा 31 मार्च, 2019 को रुपया राशि के ऋण और अग्रिम, निवल ऋण आस्तियों के 19.05 प्रतिशत रहे, वहीं विदेशी मुद्रा में ऋण और अग्रिम 80.95 प्रतिशत रहे। यथा 31 मार्च, 2019 को अल्पावधि ऋण, निवल ऋणों तथा अग्रिमों के 9.55 प्रतिशत रहे।

गैर-निधिक सुविधाएं

बैंक द्वारा वित्तीय वर्ष 2017-18 की ₹ 107.81 बिलियन राशि की तुलना में वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान ₹ 44.99 बिलियन की गैर-निधिक ऋण सुविधाएं प्रदान की गईं। इनमें परियोजना गारंटियां, वित्तीय गारंटियां तथा साख-पत्र शामिल रहे। यथा 31 मार्च, 2019 को बैंक का कुल गैर-निधिक पोर्टफोलियो यथा 31 मार्च, 2018 के



एक्ज़िम बैंक द्वारा उज्बेकिस्तान सरकार को 200 मिलियन यूएस डॉलर की ऋण-व्यवस्था प्रदान की गई।

Exim Bank extended a Line of Credit of US\$ 200 million to the Government of Uzbekistan.

The Directors are pleased to present the report of the working of the Bank with the audited Balance Sheet and accounts for the year ended March 31, 2019.

REVIEW OF OPERATIONS AND FINANCIAL PERFORMANCE

Loan Assets

The Bank approved loans aggregating ₹ 380.00 billion under various lending programmes during FY 2018-19 as against ₹ 978.26 billion during FY 2017-18. Loan disbursements during FY 2018-19 were ₹ 366.60 billion as against ₹ 685.35 billion during FY 2017-18, while loan repayments during FY 2018-19 amounted to ₹ 519.84 billion, as against ₹ 598.35 billion in FY 2017-18. Net loan assets as of March 31, 2019, were ₹ 936.17 billion, registering a decrease of 12.94 per cent over the previous year. Rupee loans and advances accounted for 19.05 per cent of the net loan assets as on March 31, 2019, while the balance 80.95 per cent were in foreign currency (FC). Short-term loans accounted for 9.55 per cent of the net loans and advances as on March 31, 2019.

Non-Funded Facilities

During the year, the Bank sanctioned non-funded facilities aggregating ₹ 44.99 billion as against ₹ 107.81 billion in FY 2017-18, comprising of project guarantees, financial guarantees and Letters of Credit. The Bank's aggregate nonfunded portfolio, comprising Guarantees, Letters of Credit and Standby Letters of Credit, as of March 31, 2019, stood at ₹ 140.96 billion as against ₹ 132.40 billion as of March 31, 2018, representing a growth of 6.46 per cent. Guarantees issued during FY 2018-19 amounted to ₹ 34.22 billion as against ₹ 53.8 billion in FY 2017-18. Letters of Credit issued during FY 2018-19 amounted to ₹ 6.43 billion as







बांग्लादेश सरकार को एक्ज़िम बैंक द्वारा प्रदत्त ऋण-व्यवस्था के अंतर्गत बांग्लादेश रोड ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन को बसें और ट्रकें निर्यात किए गए। Export of buses and trucks to the Bangladesh Road Transport Corporation Under Exim Bank's Line of Credit to the Government of Bangladesh.

₹ 132.40 बिलियन की तुलना में 6.46 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी के साथ ₹ 140.96 बिलियन का रहा, जिसमें गारंटियां, साख — पत्र एवं आपाती साख — पत्र शामिल हैं। वित्तीय वर्ष 2017-18 में ₹ 53.8 बिलियन की तुलना में वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान ₹ 34.22 बिलियन की गारंटियां जारी की गईं। वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान ₹ 2.07 बिलियन की तुलना में वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान ₹ 6.43 बिलियन के साख — पत्र जारी किए गए। बैंक की बहियों में कुल गारंटियां, यथा 31 मार्च, 2018 को ₹ 128.36 बिलियन की तुलना में, यथा 31 मार्च, 2019 को ₹ 139.12 बिलियन की रहीं। वहीं, साख पत्र यथा 31 मार्च, 2018 के ₹ 4.04 बिलियन की तुलना में यथा 31 मार्च, 2019 को ₹ 1.84 बिलियन के रहे।

आय / व्यय

बैंक ने सामान्य निधि लेखे में वित्तीय वर्ष 2017-18 के दौरान ₹ 42.30 बिलियन की कर पूर्व हानि के मुकाबले वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान ₹ 1.87 बिलियन का कर पूर्व लाभ दर्ज किया। आयकर के लिए ₹ 1.06 बिलियन की राशि का प्रावधान करने के बाद, वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान कर पश्चात लाभ ₹ 0.82 बिलियन का रहा, जबकि वित्तीय वर्ष 2017-18 में ₹ 29.24 बिलियन की हानि दर्ज की गई थी।

against ₹ 2.07 billion in FY 2017-18. Guarantees in the books of the Bank as of March 31, 2019, were ₹ 139.12 billion as against ₹ 128.36 billion as of March 31, 2018, and Letters of Credit as of March 31, 2019, amounted to ₹ 1.84 billion as against ₹ 4.04 billion as of March 31, 2018.

Income / Expenditure

The Bank registered profit before tax of ₹ 1.87 billion on account of the General Fund during FY 2018-19, as against a loss of ₹ 42.30 billion for FY 2017-18. After providing for income tax of ₹ 1.06 billion, profit after tax amounted to ₹ 0.82 billion during FY 2018-19, as against loss of ₹ 29.24 billion during FY 2017-18.

Business income including interest on loans, exchange, commission, brokerage and fees, etc. during FY 2018-19 was ₹ 63.30 billion, as compared to ₹ 56.56 billion during FY 2017-18. Investment income, interest on bank deposits, etc. during FY 2018-19 was ₹ 27.66 billion, as compared to ₹ 31.23 billion in FY 2017-18. Interest expenses in FY 2018-19 at





भारत सरकार की भारतीय विकास और आर्थिक सहायता योजना दिशानिर्देशों तथा ऋण-व्यवस्थाओं के अतंर्गत सौर परियोजनाओं के वित्तपोषण पर चेन्नै, हैदराबाद, कोलकाता और अहमदाबाद में आउटरीच कार्यक्रम एवं चर्चापरक सत्रों का आयोजन किया गया।

Outreach programmes and interactive sessions on GOI's Indian Development and Economic Assistance Scheme guidelines and financing of solar projects under Lines of Credit, were organised at Chennai, Hyderabad, Kolkata and Ahmedabad.

ऋणों पर ब्याज, विनिमय, कमीशन, ब्रोकरेज और शुल्क आदि को मिलाकर कारोबारी आय वित्तीय वर्ष 2017-18 में ₹ 56.56 बिलियन की तुलना में वित्तीय वर्ष 2018-19 में ₹ 63.30 बिलियन रही। निवेश आय, बैंक जमा राशियों आदि पर ब्याज आय वित्तीय वर्ष 2017-18 की ₹ 31.23 बिलियन की तुलना में वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान ₹ 27.66 बिलियन रही। वित्तीय वर्ष 2018-19 में ब्याज व्यय वित्तीय वर्ष 2017-18 की तुलना में बढ़कर ₹ 68.19 बिलियन का रहा, जिसमें बेंचमार्क दरों के बढ़ने के कारण ₹ 1.79 बिलियन की वृद्धि हुई। प्रशासनिक खर्च (आकस्मिकताओं के लिए प्रावधान को छोड़कर) वित्तीय वर्ष 2017-18 के 2.75 प्रतिशत की तुलना में वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान कुल व्यय का 2.62 प्रतिशत रहा।

उधारियां

यथा 31 मार्च, 2019 को बैंक की कुल उधार राशियां ₹ 923.04 बिलियन की रहीं, जो यथा 31 मार्च, 2018 की ₹ 1,041.65 बिलियन की तुलना में 11.39 प्रतिशत कम रहीं।

संसाधन

वर्ष के दौरान, बैंक को भारत सरकार से ₹50 बिलियन की पूँजी प्राप्त हुई। इसमें ₹5 बिलियन की पूँजी बजट आवंटन और ₹45 बिलियन की पूँजी पुनर्पूंजीकरण बॉन्डों (भारत सरकार की विशेष प्रतिभूतियां) के जिए प्राप्त हुई। यथा 31 मार्च, 2019 को ₹123.59 बिलियन की चुकता पूँजी तथा ₹23.14 बिलियन की आरिक्षत निधियों सिहत बैंक के कुल संसाधन ₹146.73 बिलियन रहे। एक्जिम बैंक के संसाधन

₹ 68.19 billion were higher than that in FY 2017-18 by ₹ 1.79 billion mainly on account of increase in benchmark rates. Administrative expenses as a percentage of total expenses (excluding provisions for contingencies) worked out to 2.62 per cent during FY 2018-19 as against 2.75 per cent during FY 2017-18.

Borrowings

Total borrowings of the Bank were ₹ 923.04 billion as on March 31, 2019, lower by 11.39 per cent than the total borrowings of ₹ 1,041.65 billion as on March 31, 2018.

Resources

During the year, the Bank received capital of ₹ 50 billion from the Government of India (GOI), by way of budget allocation of ₹ 5 billion and recapitalisation bonds (Special GOI securities) of ₹ 45 billion. As on March 31, 2019, the Bank's total resources include paid-up capital of ₹ 123.59 billion and reserves of ₹ 23.14 billion, aggregating ₹ 146.73 billion. Exim Bank's resource base interalia includes rupee bonds, certificates of deposit, commercial papers, term deposits, FC bonds, FC loans and long-term swaps. During the year, the Bank raised borrowings of varying maturities (excluding raised and repaid during the



आधार में रुपया बॉन्ड, जमा प्रमाण-पत्र, वाणिज्यिक पत्र, सावधि जमा राशियां, विदेशी मुद्रा बॉन्ड, विदेशी मुद्रा ऋण तथा दीर्घावधि स्वाप आदि शामिल हैं। वर्ष के दौरान, बैंक ने विभिन्न परिपक्वता अवधियों (वर्ष के दौरान जुटाए गए तथा चुकता किए गए को छोड़कर) के कुल ₹ 152.50 बिलियन की उधारियां जुटाईं। इसमें 81.96 बिलियन के रुपया संसाधन तथा 1.02 बिलियन यूएस डॉलर के समतुल्य विदेशी मुद्रा संसाधन शामिल हैं। विदेशी मुद्रा संसाधनों में 0.75 बिलियन यूएस डॉलर बॉन्डों के जरिए और 0.27 बिलियन यूएस डॉलर द्विपक्षीय / क्लब ऋणों के जरिए जुटाए गए। यथा 31 मार्च, 2019 को बैंक के पास कुल 11.73 बिलियन यूएस डॉलर के समतुल्य विदेशी मुद्रा संसाधन तथा ₹ 343.28 बिलियन की बकाया रुपया उधारियां रही। यथा 31 मार्च, 2019 को कुल बाजार उधारियां, कुल उधारियों की 100 प्रतिशत तथा बैंक के कुल संसाधनों की 86 प्रतिशत रहीं।

विदेशी मुद्रा संसाधन

वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान, बैंक 1.22 बिलियन युएस डॉलर की समतूल्य राशि के विदेशी मुद्रा संसाधन जुटाए। बैंक ने ये संसाधन मार्च 2019 में जारी 500 मिलियन यूएस डॉलर के रेग एस बॉन्ड सहित विभिन्न लिखतों के माध्यम से जुटाए। इस बॉन्ड को 117 से ज्यादा उच्च गुणवत्ता वाले निवेशकों से कुल 1.7 बिलियन यूएस डॉलर का अभिदान मिला, जो निर्गम की राशि से 3.4 गुना ज्यादा रहा। यह संव्यवहार सीटी5+140 बीपीएस के उचित मूल्य पर किया गया था, जो कि सीटी5+165 बीपीएस क्षेत्र के प्रारंभिक मूल्य के अंदर था, जो 25 बीपीएस की महत्त्वपूर्ण टाइटनिंग और शून्य नए निर्गम प्रीमियम को प्रदर्शित करता है। भौगोलिक दृष्टि से, इसके लगभग 87 प्रतिशत का वितरण एशिया और शेष 13 प्रतिशत का वितरण यूरोप तथा ऑफशोर यूएस में रहा। बैंक ने ऋणों और बॉन्डों के प्राइवेट प्लेसमेंट के जरिए भी संसाधन जुटाए। बैंक ने अब तक ऑस्ट्रेलियाई डॉलर, यूरो, ग्रेट ब्रिटेन पाउंड, जापानी येन, मेक्सिकन पेसो, ऑफशोर रेनमिन्बी, सिंगापुर डॉलर, दक्षिण अफ्रीकी रैंड, स्विस फ्रैंक, तुर्किश लीरा तथा यूएस डॉलर जैसी विभिन्न विदेशी मुद्राओं में संसाधन जुटाए हैं।

अंतरराष्ट्रीय तथा घरेलू रेटिंग

बैंक को मूडीज़ ने बीएए2 (स्थिर) रेटिंग, स्टैंडर्ड एंड पुअर्स ने बीबीबी- (स्थिर) तथा फिच ने बीबीबी- (स्थिर) रेटिंग year) aggregating ₹ 152.50 billion, comprising Rupee Resources of ₹ 81.96 billion and foreign currency resources of US\$ 1.02 billion equivalents, net of amounts raised and repaid. Foreign currency resources of US\$ 0.75 billion equivalents were raised through bonds, and US\$ 0.27 billion through bilateral/club loans. As on March 31, 2019, the Bank had a pool of foreign currency resources equivalent to US\$ 11.73 billion and outstanding Rupee borrowings of ₹ 343.28 billion. Market borrowings as on March 31, 2019, constituted 100 per cent of the total borrowings and 86 per cent of the total resources of the Bank.

Foreign Currency Resources

During FY 2018-19, the Bank raised foreign currency resources aggregating US\$ 1.22 billion equivalents. The raising of resource was through a variety of instruments including a US\$ 500 million Reg S Bonds issued in March 2019, which attracted a total order book in excess of US\$ 1.7 billion at close, thereby achieving more than 3.4 times oversubscription of the issue size from 117 high-quality investors. The transaction was priced at the fair value of CT5+140 bps, well inside the initial price guidance of CT5+165 bps area, representing significant price tightening of 25 bps, implying nil new issue premium. Nearly 87 per cent of the bonds were distributed in Asia and the remaining 13 per cent in Europe and offshore US. The Bank also raised funds through loans and private placement of bonds. So far, the Bank has raised FC resources in diverse currencies including Australian Dollars, Euros, Great Britain Pound, Japanese Yen, Mexican Peso, Offshore Renminbi, Singapore Dollars, South African Rand, Swiss Francs, Turkish Lira and United States Dollars.

International and Domestic Rating

The Bank is rated Baa2 (Stable) by Moody's, BBB-(Stable) by Standard and Poors, BBB- (Stable) by

तथा जापान क्रेडिट रेटिंग एजेंसी द्वारा बीबीबी+ (स्थिर) रेटिंग प्रदान की गई है। उपरोक्त सभी रेटिंग निवेश स्तर या उससे ऊपर की रेटिंग हैं, जो भारत की संप्रभु रेटिंग के समतुल्य हैं। बैंक के घरेलू ऋण लिखतों को क्रिसिल, इक्रा और केयर जैसी रेटिंग एजेंसियों से उच्चतम रेटिंग अर्थात 'एएए' तथा अल्पाविध ऋण लिखतों के लिए इन एजेंसियों से ए1+ रेटिंग प्रदान की गई है।

आस्ति गुणवत्ता

वित्तीय संस्थाओं के लिए भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा निर्धारित विवेकपूर्ण मानदंडों के अनुसार उस ऋण / कर्ज को अनर्जक आस्ति (एनपीए) के रूप में परिभाषित किया जाता है, जिसके संबंध में देय ब्याज और / या मूलधन 90 दिनों से अधिक समय से बकाया हो। यथा 31 मार्च, 2019 को बैंक की सकल अनर्जक आस्तियां ₹ 116.78 बिलयन राशि की रहीं, जो बैंक के कुल ऋणों तथा अग्रिमों का 11.34 प्रतिशत है। यथा 31 मार्च, 2019 को (प्रावधान घटाकर) बैंक की निवल अनर्जक आस्तियां ₹ 22.88 बिलयन की रहीं, जो निवल ऋणों तथा अग्रिमों (प्रावधान घटाकर) का 2.44 प्रतिशत हैं। यथा 31 मार्च, 2019 को प्रावधान कवरेज अनुपात (पीसीआर) 84.72 प्रतिशत रहा।

आस्ति वर्गीकरण

'अनर्जक आस्तियां' वे होती हैं, जिनका ब्याज और /अथवा मूलधन 90 दिनों से अधिक समय से बकाया होता है। जब ऐसी अवमानक आस्तियां 12 माह से अधिक अवधि तक अनर्जक Fitch Ratings and BBB+ (Stable) by Japan Credit Rating Agency (JCRA). All the above ratings are of investment grade or above and are the same as the sovereign rating. The Bank's domestic debt instruments continue to enjoy the highest rating viz., 'AAA' from the rating agencies, CRISIL, ICRA and CARE for long term instruments, and A1+ from these rating agencies for short term instruments.

Asset Quality

As per the Reserve Bank of India (RBI) prudential norms for Financial Institutions, a credit / loan facility in respect of which interest and/or principal has remained overdue for more than 90 days, is defined as a Non Performing Asset (NPA). The Bank's gross NPAs at ₹ 116.78 billion worked out to 11.34 per cent of the total loans and advances as on March 31, 2019. The Bank's net NPAs (net of provisions) of ₹ 22.88 billion were at 2.44 per cent of the net loans and advances (net of provisions) as on March 31, 2019. The Provision Coverage Ratio (PCR) as on March 31, 2019, was 84.72 per cent.

Asset Classification

'Non Performing Assets' are those where interest and/or principal remains overdue for more than



एक्ज़िम बैंक ने अर्जेंटीना में 93.30 मेगावाट की फोटोवोल्टिक सौर ऊर्जा उत्पादन ईकाई के लिए गारंटियां प्रदान कीं। Exim Bank extended guarantees for a photovoltaic solar energy generation facility in Argentina.



आस्ति के रूप में बनी रहती हैं, तो उन्हें 'संदिग्ध आस्तियों' के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। 'हानि आस्तियां' वे होती हैं, जो वसूली योग्य नहीं समझी जातीं। यथा 31 मार्च, 2019 को सकल अनर्जक आस्तियों में अवमानक आस्तियां 0.36 प्रतिशत और संदिग्ध आस्तियां 10.98 प्रतिशत की रहीं। मार्च, 2019 को निवल आस्तियों में अवमानक आस्तियां 0.16 प्रतिशत और संदिग्ध आस्तियां 2.28 प्रतिशत रहीं। यथा 31 मार्च, 2019 को बैंक की कोई हानि आस्तियां नहीं रहीं।

पूँजी पर्याप्तता

जोखिम आस्तियों की तुलना में पूँजी का अनुपात (सीआरएआर) भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा निर्धारित न्यूनतम 9 प्रतिशत की तुलना में यथा 31 मार्च, 2019 को 19.07 प्रतिशत रहा। यथा 31 मार्च, 2018 को यह 10.35 प्रतिशत था। ऋण-इक्विटी अनुपात यथा 31 मार्च, 2018 को 10.85 प्रतिशत की तुलना में यथा 31 मार्च, 2019 को 6.29 प्रतिशत रहा।

अधिकतम ऋण सीमा (एक्सपोजर) मानदंड

भारतीय रिज़र्व बैंक ने अखिल भारतीय मीयादी ऋणदात्री संस्थाओं के लिए 31 मार्च, 2002 से एकल उधारकर्ता के लिए अधिकतम ऋण सीमा वित्तीय संस्था की पूँजी निधियों की 15 प्रतिशत और समूह उधारकर्ताओं के लिए 40 प्रतिशत निर्धारित की है। निदेशक मंडल के पूर्व अनुमोदन से विशेष मामलों में यह सीमा पांच प्रतिशत बिंदुओं तक और बढ़ाई जा सकती है अर्थात एकल उधारकर्ता के लिए यह सीमा वित्तीय संस्था की कुल पूँजी निधियों की 20 प्रतिशत तक और उधारकर्ता समूहों के लिए 45 प्रतिशत तक हो सकती है। एकल उधारकर्ताओं और उधारकर्ता समूहों के लिए इस अधिकतम ऋण सीमा (क्रमशः 20 प्रतिशत और 45 प्रतिशत) को क्रमशः अतिरिक्त 5 प्रतिशत बिंदुओं और 10 प्रतिशत बिंदुओं तक और बढ़ाया जा सकता है, बशर्ते कि बढ़ाई गई सीमा भारत में बुनियादी ढांचागत क्षेत्र की परियोजनाओं के लिए हो। यथा 31 मार्च, 2019 को एकल तथा समूह उधारकर्ताओं को बैंक की वित्तीय सहायता भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा निर्धारित सीमा के भीतर थी। यथा 1 अप्रैल, 2019 को 2 उधारकर्ताओं के प्रति एक्सपोजर पूँजी निधि के 15 प्रतिशत से अधिक था, जिसके लिए

90 days. Sub-standard assets that have remained as NPAs for a period exceeding 12 months are classified as 'doubtful assets.' 'Loss assets' are those considered uncollectable. The gross NPAs as on March 31, 2019, comprised sub-standard assets of 0.36 per cent, and doubtful assets of 10.98 per cent. The net NPAs as on March 31, 2019, comprised sub-standard assets of 0.16 per cent, and doubtful assets of 2.28 per cent. The Bank did not have any loss assets as on March 31, 2019.

Capital Adequacy

The Capital to Risk Assets Ratio (CRAR) was 19.07 per cent as on March 31, 2019, as compared to 10.35 per cent as on March 31, 2018, as against a minimum 9 per cent norm stipulated by RBI. The Debt-Equity Ratio as on March 31, 2019 was 6.29 as compared to 10.85 as on March 31, 2018.

Exposure Norms

Effective from March 31, 2002, RBI has prescribed credit exposure limits for all India term lending institutions, at 15 per cent of the financial institutions' capital funds, for exposure to individual borrowers and at 40 per cent for group borrowers. An additional exposure up to 5 per cent (i.e. a total exposure up to 20 per cent of capital funds of the financial institution for single borrowers and 45 per cent of capital funds for borrower groups) can be taken in exceptional circumstances, with the prior approval of the Board. The exposure ceilings for individual borrowers and borrower groups can be exceeded by an additional five percentage points (i.e. 5 per cent of total capital funds) and ten percentage points (i.e.10 per cent of total capital funds), respectively (over and above the maximum limits of 20 per cent and 45 per cent, respectively), provided the additional credit exposure is on account of infrastructure projects in India. The Bank's credit exposures to single and group borrowers as on March 31, 2019, were within the limits



एक्ज़िम बैंक ने लगभग 96 किलोमीटर की दूरी को कवर करने वाली 500 केवी थाई / लाओस बॉर्डर-उबोन रचतानी ट्रांसिमशन लाइनों की आपूर्ति और निर्माण के लिए गैर-निधिक सहायता प्रदान की।

Exim Bank extended non-fund based support for supply and construction of 500 kV Thai / Laos border-Ubon Ratchathani transmission lines, covering a distance of approximately 96 km.

निदेशक मंडल से अनुमोदन प्राप्त कर लिया गया था। यथा 31 मार्च, 2019 को इन उधारकर्ताओं के प्रति एक्सपोजर, बैंक की पूँजी निधियों का क्रमशः 18.89 प्रतिशत और 15.39 प्रतिशत रहा।

भारतीय रिज़र्व बैंक ने वित्तीय संस्थाओं को यह भी सूचित किया है कि वे विशिष्ट उद्योग क्षेत्रों को ऋण सहायता के लिए अपनी आंतरिक सीमाएं भी निर्धारित करें, तािक विभिन्न क्षेत्रों को ऋण का समान रूप से फैलाव हो सके। बैंक द्वारा प्रत्येक उद्योग क्षेत्र के लिए अधिकतम ऋण सीमा, सभी उद्योग क्षेत्रों को बैंक के ऋण एक्सपोजर की 15 प्रतिशत निर्धारित की गई है। यथा 31 मार्च, 2019 को किसी भी एकल उद्योग के प्रति बैंक का एक्सपोजर सभी उद्योग क्षेत्रों के प्रति बैंक के कुल एक्सपोजर के 15 प्रतिशत से अधिक नहीं था। stipulated by RBI. There were 2 borrowers as on April 1, 2019, for whom exposure over 15 per cent of capital funds was assumed with the approval of the Board. Exposure to these borrowers as on March 31, 2019, stood at 18.89 per cent and 15.39 per cent of the capital funds of the Bank, respectively.

RBI has advised financial institutions to adopt internal limits on exposures to specific industry sectors so that the exposures are evenly spread over various sectors. The industry exposure limits adopted by the Bank for each industry sector are 15 per cent of the Bank's credit exposure to all industry sectors. The Bank's exposure to any single industry sector was not more than 15 per cent of its total exposure as on March 31, 2019.



निर्यात सुगमकर्ता के रूप में एक्ज़िम बैंक

BUSINESS OPERATIONS

Exim Bank as a Facilitator of Exports



परियोजनाओं, उत्पादों और सेवाओं का निर्यात

बैंक परियोजनाओं के निर्यात के लिए वित्त और परामर्शी सेवाएं, पूँजीगत उपकरण वित्त, परियोजना निर्यात नकदी प्रवाह घाटा वित्त, गारंटियां और साख-पत्र जैसी विभिन्न निर्यात ऋण सुविधाएं और सेवाएं प्रदान करता है। बैंक को भारतीय परियोजना निर्यातकों को निधिक सहायता तथा परियोजना संबंधी गारंटी सुविधाओं सहित व्यापक वित्तपोषण प्रदान करने में विशेषज्ञता प्राप्त है।

निर्यात ऋण और गारंटियां

बैंक ने वर्ष के दौरान, क्रेता ऋण और परियोजना निर्यात वित्त सुविधाओं के अंतर्गत कुल ₹ 8.72 बिलियन राशि के ऋणों को मंजूरी प्रदान की। वर्ष के दौरान, कुल ₹ 22.74 बिलियन राशि के संवितरण किए गए और ₹ 26.21 बिलियन की गारंटियां जारी की गईं। क्रेता ऋण के अंतर्गत किए गए संवितरणों के जिए थाईलैंड, यूएई, यूएसए और 14 अफ्रीकी देशों को निर्यातों में सहायता की गई। वर्ष के दौरान, एक्जिम बैंक ने भारत से वस्तुओं और सेवाओं के निर्यातों को सुगम बनाने के लिए यूगांडा डेवलपमेंट बैंक लिमिटेड को भी 5 मिलियन यूएस डॉलर की ऋण-व्यवस्था प्रदान की। वर्ष के दौरान जारी की गई गारंटियां मुख्य रूप से बिजली उत्पादन, ट्रांसिमशन और वितरण तथा बुनियादी ढांचागत विकास, सोलर ईपीसी, परामर्शी सेवाओं आदि क्षेत्रों में विदेशी परियोजनाओं से संबंधित हैं।



एक्ज़िम बैंक ने मालदीव सरकार को विकास परियोजनाओं के वित्तपोषण के लिए 800 मिलियन यूएस डॉलर की ऋण-व्यवस्था प्रदान की।

Exim Bank extended a Line of Credit of US\$ 800 million to the Government of Maldives for financing developmental projects.

निर्यात संविदाएं

एक्ज़िम बैंक द्वारा वर्ष के दौरान सहायता प्रदान की गई कुछ प्रमुख परियोजना निर्यात संविदाएं निम्नलिखित हैं:

 बांग्लादेश में एफकॉन्स इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड और कल्पतरु पावर ट्रांसिमशन लिमिटेड के संयुक्त उद्यम को प्रदान की गई रेलवे ट्रैक, तटबंध, पुलों, भूमिगत नालों, स्टेशन भवनों, प्लैटफॉर्म और शेड तथा लेवल क्रॉसिंग के निर्माण और संबंधित कार्यों की संविदा:

Projects, Products and Services Exports

The Bank provides a range of export credit products and services like finance for export of projects and consultancy services, capital equipment finance, export project cash flow deficit finance, guarantees and letter of credits. The Bank is specialised in offering a comprehensive financing package to Indian project exporters including funded support and project related guarantee facilities.

Export Credits and Guarantees

During the year, the Bank approved loans aggregating ₹ 8.72 billion by way of Buyer's Credit and finance for project exports. During the year, disbursements of ₹ 22.74 billion and guarantees aggregating ₹ 26.21 billion were issued. Disbursements under the Buyer's Credit programme supported exports to Thailand, UAE, the USA and 14 countries in Africa. During the year, the Bank also extended a credit line of US\$ 5 million to Uganda Development Bank Ltd. to facilitate export of goods and services from India. The guarantees issued during the year mainly pertain to overseas projects in sectors such as power generation, transmission and distribution, infrastructure development, solar EPC, consultancy services, etc.

Export Contracts

Some major project exports contracts supported by Exim Bank during the year include:

- Construction of railway tracks, embankment, bridge, culverts, station buildings, platforms and sheds and level crossing, along with associated works in Bangladesh, awarded to a joint venture of Afcons Infrastructure Ltd. and Kalpataru Power Transmission Ltd.;
- Design, supply, installation, and commissioning of 225kV substations in Man (Côte d'Ivoire), Nzerekore (Guinea), Yiben and Kamakwie (Sierra Leone) secured by KEC International Ltd.;
- Supply of high speed patrol boats for Vietnam Border Guard, Ministry of National Defence, Government of Socialist Republic of Vietnam by Larsen & Toubro Ltd.:











एक्ज़िम बैंक द्वारा श्रीलंका को प्रदान की गई ऋण-व्यवस्था के अंतर्गत श्रीलंका रेलवे को राइट्स लिमिटेड द्वारा एसी यात्री डिब्बों सहित छह डीजल मल्टीपल यूनिट निर्यात किए गए। ये यात्री डिब्बे अत्याधुनिक इंटीरियर और आधुनिक ड्राइवर-सह-गार्ड केबिन से लैस हैं।

Six diesel multiple units with air conditioned passenger compartments featuring state-of-the-art interiors and modern driver-cum-guard cabin were exported by RITES Ltd. to Sri Lanka Railways under Exim Bank's Line of Credit.

- मान (कोत दि'वार), जेरेकोरे (गिनी), यिबेन और कामाक्वी (सिएरा लिओन) में केईसी इंटरनेशनल लिमिटेड द्वारा हासिल की गई 225 केवी के सबस्टेशनों के डिजाइन, आपूर्ति, स्थापना और उन्हें चालू करने की संविदा;
- वियतनाम सरकार के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय के अंतर्गत वियतनाम बॉर्डर गार्ड के लिए लार्सेन एंड टूब्रो लिमिटेड द्वारा तेज रफ्तार पेट्रोल नौकाओं की आपूर्ति संबंधी संविदा;
- पापुआ न्यू गिनी में केईसी इंटरनेशनल लिमिटेड द्वारा
 132 केवी की ट्रांसिमशन लाइन के डिजाइन, आपूर्ति
 और निर्माण संबंधी संविदा:
- माली में टाटा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड द्वारा 225/33/15 केवी
 के 3 नए सबस्टेशनों के निर्माण और 225 केवी के 2
 पुराने सबस्टेशनों के विस्तार संबंधी टर्नकी संविदा;
- बेनबान, मिस्र में स्टर्लिंग एंड विल्सन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा निष्पादित की जा रही 50 मेगावाट (एसी) फोटोवोल्टिक सौर विद्युत उत्पादन ईकाई के डिजाइन, इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट और निर्माण संबंधी संविदा।

राष्ट्रीय निर्यात बीमा खाते के अंतर्गत क्रेता ऋण

एक्ज़िम बैंक ने भारत से निर्यातों को, विशेष रूप से बुनियादी ढांचागत क्षेत्र में निर्यातों को और अधिक गति

- Design, supply and construction of 132kv transmission line in Papua New Guinea by KEC International Ltd.:
- Turnkey contract for construction of 3 new substations of 225/33/15 kV and the extension of 2 former substations of 225 KV in Mali by Tata Projects Ltd.;
- Design, engineering, procurement and construction of a 50MW (AC) photovoltaic solar electricity generation facility at Benban, Egypt, being executed by Sterling and Wilson Pvt. Ltd.

Buyer's Credit under the National Export Insurance Account

In order to provide further impetus to project exports from India, especially in the infrastructure sector, in 2011, Exim Bank in conjunction with ECGC Ltd., introduced a new initiative, viz. Buyer's Credit under the Government of India's National Export Insurance

भार

प्रदान करने के उद्देश्य से 2011 में ईसीजीसी लिमिटेड के साथ मिलकर एक नई पहल की थी। यह पहल है – भारत सरकार के राष्ट्रीय निर्यात बीमा खाते के अंतर्गत क्रेता ऋण (बीसी-एनईआईए)। इस कार्यक्रम के अंतर्गत, बैंक द्वारा 31 मार्च, 2019 तक 2.78 बिलियन यूएस डॉलर मूल्य की 21 परियोजनाओं के लिए 2.58 बिलियन यूएस डॉलर की राशि को मंजूरी प्रदान की जा चुकी है। बीसी-एनईआईए के अंतर्गत बैंक द्वारा सहायता प्रदान की गई कुछ प्रमुख परियोजनाएं निम्नलिखित हैं:

- श्रीलंका में जल शोधन संयंत्र की स्थापना तथा रिजर्वायर तक जल वितरण परियोजना;
- मोज़ाम्बिक के बेरा बंदरगाह पर एकीकृत एलपीजी स्टोरेज सुविधा की स्थापना;
- कोत दि'वार, सेनेगल और तंजानिया को वाहनों और पुजों की आपूर्ति;
- कैमरून, इथियोपिया, मॉरिटानिया, सेनेगल और ज़ाम्बिया में ट्रांसिमशन लाइन परियोजनाएं;
- घाना में रेलवे लाइन परियोजना;
- मालदीव और ज़ाम्बिया में सड़क परियोजनाएं; और
- सूरीनाम में सिंचाई परियोजना।

बैंक ने विभिन्न प्रमुख भारतीय परियोजना निर्यातकों की ओर से 6.05 बिलियन यूएस डॉलर मूल्य की 43 परियोजनाओं को 5.32 बिलियन यूएस डॉलर की सहायता प्रदान करने के लिए सिद्धांततः सहमति भी दी है।



टीसीआई सैनमार केमिकल्स एस.ए.ई., मिस्र की स्थापना के लिए विदेशी निवेश विन्।

Overseas Investment Finance for part financing set up of TCI Sanmar Chemicals S.A.E, Egypt.

Account (BC-NEIA). Under the BC-NEIA programme, the Bank has sanctioned an aggregate amount of US\$ 2.58 billion, towards 21 projects, valued at US\$ 2.78 billion, up to March 31, 2019. Some of the key projects supported by the Bank under BC-NEIA include:

- A water treatment plant and distribution to reservoirs project in Sri Lanka;
- Integrated LPG storage facility at the Beira Port in Mozambique;
- Supply of vehicles and spares to Cote d'Ivoire, Senegal and Tanzania;
- Transmission line projects in Cameroon, Ethiopia, Mauritania, Senegal and Zambia;
- A railway line project in Ghana;
- Road projects in Maldives and Zambia; and
- An irrigation project in Suriname.

The Bank has also given in-principle commitments of US\$ 5.32 billion for supporting 43 projects valued at US\$ 6.05 billion, at the behest of several leading Indian project exporters.

Lines of Credit

Exim Bank, on behalf of, and with the support of the Government of India (GOI), extends Lines of Credit (LOCs) to sovereign governments, regional development banks and overseas entities to promote development in partner countries. During the year, the Bank extended 18 LOCs, aggregating US\$ 2.31 billion, to support export of projects, goods and services from India. LOCs extended by Exim Bank during the year include LOCs to the Governments of Cuba, D.R Congo, Maldives, Mozambique, Papua New Guinea, Rwanda, Senegal, Seychelles, Suriname, Tanzania and Uzbekistan. These LOCs will catalyse Indian exports by way of financing projects such as agriculture and irrigation development, renewable energy projects like solar power projects and wind energy farm, road projects, housing and social infrastructure projects, development of railways and related infrastructure,

•

ऋण-व्यवस्थाएं

एक्जिम बैंक, साझेदार देशों में विकास को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार की ओर से तथा सरकार के सहयोग से. संप्रभ् सरकारों, क्षेत्रीय विकास बैंकों और विदेशी संस्थाओं को सहायता प्रदान करता है। वर्ष के दौरान, बैंक ने भारत से परियोजनाओं, वस्तुओं और सेवाओं के निर्यातों को सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से 2.31 बिलियन यूएस डॉलर की 18 ऋण-व्यवस्थाएं प्रदान कीं। एक्जिम बैंक द्वारा वर्ष के दौरान प्रदान की गई ऋण-व्यवस्थाओं में क्यूबा, कांगो, मालदीव, मोज़ाम्बिक, पापुआ न्यू गिनी, खांडा, सेनेगल, सेशेल्स, सूरीनाम, तंजानिया और उज्बेकिस्तान सरकारों को प्रदान की गई ऋण-व्यवस्थाएं शामिल हैं। ये ऋण-व्यवस्थाएं कृषि एवं सिंचाई विकास, सौर ऊर्जा परियोजनाओं और पवन ऊर्जा फार्म जैसी अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं, सड़क परियोजनाओं, आवासन और सामाजिक बुनियादी ढांचागत परियोजनाओं, रेलवे विकास और संबंधित बुनियादी ढांचा, टांसिमशन लाइनों और सबस्टेशनों संबंधी परियोजनाओं, स्वास्थ्य सेवा प्रणाली के पुनरुद्धार और सुधार संबंधी परियोजनाओं तथा जल आपूर्ति प्रणाली की स्थापना जैसी परियोजनाओं के वित्तपोषण के माध्यम से भारतीय निर्यातों को बढावा देंगी। एक्जिम बैंक द्वारा यथा 31 मार्च, 2019 को 24.28 बिलियन यूएस डॉलर की ऋण प्रतिबद्धताओं के साथ भारत सरकार की 246 ऋण-व्यवस्थाएं प्रदान की गई हैं. जिनके अंतर्गत परियोजनाएं क्रियान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं। ये ऋण-व्यवस्थाएं निरंतर विस्तार के दृष्टिकोण के साथ अफ्रीका, एशिया, लैटिन अमेरिका और सीआईएस क्षेत्रों में 63 देशों के आर्थिक विकास में योगदान दे रही हैं।



एक्ज़िम बैंक ने लुसाका सिटी डिकंजेशन परियोजना के डिजाइन और निर्माण के लिए जाम्बिया सरकार को बीसी–एनईआईए प्रदान किया।

Exim Bank extended BC-NEIA to the Government of Zambia for design and construction of the Lusaka City Decongestion Project.

रियायती वित्तपोषण योजना

एक्ज़िम बैंक ने बांग्लादेश के बागरहाट जिले के रामपाल में टर्नकी आधार पर 1320 मेगावाट (2*660 मेगावाट) की रणनीतिक अल्ट्रा सुपर-क्रिटिकल मैत्री



एक्ज़िम बैंक ने मोज़ाम्बिक में बिएरा बंदरगाह पर एकीकृत एलपीजी सुविधा और बिटुमेन स्टोरेज सुविधा की स्थापना के लिए पेट्रोलिओस दे मोकैम्बिक एस. ए. को बीसी–एनईआईए प्रदान किया।

Exim Bank extended BC-NEIA to Petroleos de Mocambique S. A. to set-up an integrated LPG facility and bitumen storage facility, at Beira port, Mozambique.

projects for transmission lines and substation, rehabilitation and improvement of healthcare system and setting up of water supply scheme. Exim Bank's LOC portfolio as on March 31, 2019, includes 246 GOI LOCs with credit commitments aggregating US\$ 24.28 billion which are at various stages of implementation. With an ever expanding reach, the LOCs are contributing towards stimulating economic growth in 63 countries in Africa, Asia, Latin America and the CIS region.

Concessional Financing Scheme

Exim Bank has extended a term loan of US\$ 1.60 billion to the Bangladesh-India Friendship Power Company Pvt. Ltd. (a 50:50 joint venture between the Bangladesh Power Development Board, Bangladesh and NTPC Ltd., India) for financing the strategic 1320 MW (2*660 MW) ultra super-critical Maitree Super Thermal Power Project on turnkey basis at Rampal, District-Bagerhat, Bangladesh. The contract was awarded to Bharat Heavy Electricals Ltd., following an International Competitive Bidding process. State-of-the-art technologies have been selected for this project to make it an environment friendly project. Once commissioned, the Maitree Super Thermal Power Project is expected to be one of the largest power plants in Bangladesh. The power plant is part of the Government of Bangladesh's plan for infrastructure development in the country, particularly in the सुपर थर्मल पॉवर परियोजना के वित्तपोषण के लिए 1.60 बिलियन यूएस डॉलर का मीयादी ऋण प्रदान किया है। यह ऋण बांग्लादेश पॉवर डेवलपमेंट बोर्ड, बांग्लादेश और एनटीपीसी लिमिटेड, भारत की 50:50 की हिस्सेदारी वाली संयुक्त उद्यम कंपनी 'बांग्लादेश-इंडिया फ्रेंडशिप पॉवर कंपनी प्राइवेट लिमिटेड' को प्रदान किया गया है। इस टर्नकी परियोजना का कार्य अंतरराष्ट्रीय बोली के जरिए भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लि. को मिला था। इस परियोजना को पर्यावरण अनुकूल बनाने के लिए आधुनिकतम प्रौद्योगिकी का चयन किया गया है। एक बार तैयार होने के बाद मैत्री सुपर थर्मल पॉवर परियोजना बांग्लादेश की सबसे बड़ी विद्युत परियोजनाओं में से एक होगी। यह विद्युत संयंत्र बांग्लादेश सरकार की बुनियादी ढांचागत विकास, विशेष रूप से विद्युत क्षेत्र के लिए तैयार की गई योजना का हिस्सा है। इस परियोजना से बांग्लादेश में ऊर्जा उत्पादन क्षमता को बढाकर बिजली की कमी को दूर किया जा सकेगा।



कोत दि'वार सरकार को प्रदत्त ऋण-व्यवस्था के अंतर्गत महात्मा गांधी आईटी और बायोटेक्नोलॉजी पार्क का निर्माण किया गया।

Mahatma Gandhi IT and Biotechnology Park Project constructed under Line of Credit extended to the Government of Cote d'Ivoire.

निर्यात स्पर्धात्मकता का सृजन

बेंक भारतीय कंपनियों की निर्यात स्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए कई वित्तपोषण कार्यक्रमों के जिए सहायता प्रदान करता है। वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान, एक्ज़िम बैंक द्वारा अपने इन विभिन्न कार्यक्रमों के अंतर्गत कुल ₹ 83.65 बिलियन के ऋणों को मंजूरी प्रदान की गई और ₹ 138.52 बिलियन की राशि का संवितरण किया गया।

निर्यात उन्मुख ईकाइयों को ऋण

वर्ष के दौरान, बैंक ने 21 निर्यातोन्मुखी ईकाइयों को ₹ 25.75 बिलियन के मीयादी ऋणों को मंजूरी दी, जिनके अंतर्गत संवितरण की राशि ₹ 19.82 बिलियन रही। उत्पादन उपकरण वित्त कार्यक्रम के अंतर्गत, चार निर्यातक कंपनियों को उत्पादन उपकरणों की खरीद के वित्तपोषण के लिए ₹ 1.57 बिलियन की राशि मंजूर की गई, जिनके अंतर्गत



एक्ज़िम बैंक ने नाइजर सरकार को प्रदत्त ऋण-व्यवस्था के अंतर्गत एक सौर परियोजना के निष्पादन के लिए सहायता प्रदान की।

Exim Bank supported the execution of a solar project under Exim Bank's Line of Credit to the Government of Niger.

power sector. The project would augment the power generation capacity and reduce the current power deficit.

BUILDING EXPORT COMPETITIVENESS

The Bank operates a range of financing programmes aimed at enhancing the export competitiveness of Indian companies. During FY 2018-19, Exim Bank sanctioned loans aggregating ₹ 83.65 billion under programmes for enhancing export competitiveness. Disbursements amounted to ₹ 138.52 billion under these programmes.

Loans to Export Oriented Units

During the year, the Bank approved term loans of ₹ 25.75 billion to 21 export oriented units. Disbursements amounted to ₹ 19.82 billion. Under the Production Equipment Finance Programme, 4 exporting companies were sanctioned ₹ 1.57 billion for financing acquisition of production equipment. Disbursements amounted to ₹ 1.48 billion. 4 companies were sanctioned long-term working capital loans aggregating ₹ 10.22 billion. Disbursements amounted to ₹ 9.88 billion.

Technology Upgradation Fund Scheme (TUFS)

Exim Bank is one of the nodal agencies appointed by the Ministry of Textiles, GOI, to establish and approve the eligibility of projects under TUFS, and



संवितरण की राशि ₹ 1.48 बिलियन रही। चार कंपनियों को ₹ 10.22 बिलियन के दीर्घावधि कार्यशील पूँजी ऋण मंजूर किए गए, जिनके अंतर्गत संवितरण की राशि ₹ 9.88 बिलियन रही।

प्रौद्योगिकी उन्नयन निधि योजना (टीयूएफएस)

एक्ज़िम बैंक, टीयूएफएस के तहत परियोजनाओं की पात्रता का निर्धारण करने और उन्हें और अनुमोदन देने तथा अनुमोदित परियोजनाओं को सीधे सब्सिडी जारी करने के लिए वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा नियुक्त नोडल एजेंसियों में से एक है। यथा 31 मार्च, 2019 को बैंक ने ₹ 185.77 बिलियन की लागत वाली कुल 233 परियोजनाओं को अनुमोदन प्रदान किया। वर्ष के दौरान, इनके अंतर्गत अनुमोदित ऋणों और संवितरण की राशि क्रमशः ₹ 67.89 बिलियन और ₹ 50.44 बिलियन रही। टीयूएफएस के अंतर्गत बैंक द्वारा जिन ईकाइयों को सहायता प्रदान की गई है, वे वस्त्र विनिर्माण के विभिन्न खंडों से संबंधित हैं और भारत के कई राज्यों में फैली हुई हैं।

विदेशी निवेश वित्त कार्यक्रम

भारत के जावक निवेश को सहायता प्रदान करने के लिए बैंक का एक व्यापक कार्यक्रम है, जिसमें इक्विटी वित्त, ऋण, गारंटियां और सलाहकारी सेवाएं शामिल हैं। वर्ष के दौरान, 13 कंपनियों को 8 देशों में उनके विदेशी निवेशों के आंशिक वित्तपोषण के लिए कुल ₹ 11.36 बिलयन की निधिक और गैर-निधिक सहायता मंजूर की गई। एक्जिम बैंक ने अब तक 78 देशों में 467 कंपनियों द्वारा स्थापित 621 उद्यमों को वित्त प्रदान किया है। वर्ष के दौरान सहायता प्रदान

release subsidy directly to the approved projects. As on March 31, 2019, the Bank has accorded approval for 233 projects with aggregate cost of ₹ 185.77 billion. Aggregate loan amount of ₹ 67.89 billion and ₹ 50.44 billion were approved and disbursed during FY 2018-19, respectively. The Bank's assistance to the textile industry under TUFS is spread across various segments of textile manufacturing and covers several states in India.

Overseas Investment Finance Programme

The Bank has a comprehensive programme covering equity finance, loans, guarantees and advisory services, to support Indian outward investment. During the year, 13 corporates were sanctioned funded and non-funded assistance aggregating ₹ 11.36 billion for part financing their overseas investments in 8 countries. So far, Exim Bank has provided finance to 621 ventures set up by 467 companies in 78 countries. Overseas investments supported during the year include acquisition of license rights for an iconic and leading designer lifestyle brand in USA known for its classic American style, which gives the borrower the access to the large home textile market in the USA; acquisition of



नोवेलिस इंक कनाडा का ओस्वेगो, न्यूयॉर्क, यूएसए पूर्णतः एकीकृत एल्यूमीनियम–रोल्ड उत्पाद विनिर्माण प्लांट। एक्ज़िम बैंक ने नोवेलिस इंक के अधिग्रहण के लिए आंशिक वित्तपोषण प्रदान किया और कंपनी की ऋण जरूरतों को निधिक सहयोग प्रदान किया।

A fully integrated aluminium-rolled products manufacturing plant of Novelis Inc. Canada at Oswego, New York, USA. Exim Bank part-financed the acquisition of Novelis Inc. as well as funded the company's debt requirements.





इथियोपिया में कनोरिया अफ्रीका टेक्सटाइल्स पीएलसी द्वारा स्थापित ग्रीन फील्ड डेनिम विनिर्माण ईकाई में रखी ओपन-एंड बुनाई और रोप-डाइंग मशीनें। इसे एक्जिम बैंक के विदेशी निवेश वित्त कार्यक्रम के अंतर्गत आंशिक वित्तपोषण प्रदान किया गया था।

Open-end spinning and rope dyeing machines at the greenfield denim manufacturing facility in Ethiopia, set up by Kanoria Africa Textiles Plc., part-financed by Overseas Investment Finance from Exim Bank.

किए गए विदेशी निवेशों में अमेरिका में अपनी क्लासिक अमेरिकन स्टाइल के लिए मशहर एक प्रतिष्ठित और अग्रणी डिजाइनर लाइफस्टाइल ब्रांड के लाइसेंस अधिकारों का अधिग्रहण शामिल है, जो उधारकर्ता को अमेरिका के बड़े होम टेक्सटाइल बाजार तक पहुंचाता है। विदेशी निवेशों में जर्मनी में एक पश्चिकित्सा कंपनी का अधिग्रहण भी शामिल है, जो मवेशी और सूअर खंड पर फोकस करती है। इनके अतिरिक्त, यूरोप में एक लॉजिस्टिक्स चेन का अधिग्रहण और कार्यशील पूँजीगत आवश्यकताओं का वित्तपोषण शामिल है। बैंक द्वारा विदेशी निवेश वित्त कार्यक्रम के अंतर्गत कुल ₹ 584.27 बिलियन की राशि प्रदान की गई है, जिसमें औषध, घरेलूसाज-सज्जा, सिले-सिलाए कपड़े, निर्माण, कागज, कागज उत्पाद, टेक्सटाइल, गारमेंट, रसायन, रंजक (डाई), कंप्यूटर सॉफ्टवेयर और सूचना प्रौद्योगिकी, इंजीनियरी सामान, स्वास्थ्य सेवा, प्राकृतिक संसाधन (कोयला और वन), धातु तथा धातु प्रसंस्करण, कृषि तथा कृषि आधारित उत्पाद, स्टील तथा तेल और गैस जैसे क्षेत्र शामिल हैं।

आपाती साख-पत्र / साख-पत्र

निर्यातोन्मुखी ईकाइयों के व्यापार को सुगम बनाने के लिए बैंक, मुख्यतः आयातों के वित्तपोषण के लिए साख-पत्र (एलसी) जारी करता है। बैंक निर्यातोन्मुखी ईकाइयों को उनके विदेशी उद्यमों के लिए निधियां जुटाने में सक्षम बनाने के लिए वित्तीय गारंटियां / आपाती साख-पत्र (एसबीएलसी) प्रदान करता है। वर्ष के दौरान, बैंक ने ₹ 6.77 बिलियन की वित्तीय गारंटियां जारी कीं। बैंक का वित्तीय गारंटी पोर्टफोलियो यथा 31 मार्च, 2018 के ₹ 19.75 बिलियन की तुलना में यथा 31 मार्च, 2019 को ₹ 17.64 बिलियन का रहा।

a veterinary health company in Germany with focus on cattle and swine segments; acquisition and working capital requirements of a logistics chain in Europe, amongst others. Aggregate assistance extended towards overseas investment amounts to ₹ 584.27 billion covering various sectors including pharmaceuticals, home furnishings, readymade garments, construction, paper, paper products, textiles, garments, chemicals, dyes, computer software and IT, engineering goods, healthcare, natural resources (coal and forests), metal and metal processing, agriculture, agro-based products, steel, and oil and gas.

STANDBY LETTERS OF CREDIT (SBLCs) / LETTERS OF CREDIT (LCs)

To facilitate the transactions of export-oriented units, the Bank issues LCs mainly for imports financed by the Bank. The Bank also extends financial guarantees / SBLCs to enable export oriented units to raise funds for their overseas ventures. During the year, the Bank issued financial guarantees amounting to ₹ 6.77 billion. The Bank's financial guarantee portfolio stood at ₹ 17.64 billion as on March 31, 2019, as against ₹ 19.75 billion as on March 31, 2018.



BUSINESS OPERATIONS

Exim Bank as a Financier of Exports



ग्रासरूट पहलें एवं विकास और मार्केटिंग सलाहकारी सेवाएं

बैंक अपनी ग्रासरूट पहलों के जिए सामान्य तौर पर ग्रामीण भारत के लघु और सूक्ष्म उद्यमों के वैश्वीकरण के प्रयासों में मदद करता है। इस कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य देश के पारंपिरक शिल्पकारों, बुनकरों तथा ग्रामीण उद्यमियों के लिए नए अवसरों का सृजन करते हुए समाज के वंचित वर्गों की सामाजिक—आर्थिक जरूरतों का खयाल रखना है। बैंक ग्रासरूट स्तर के सूक्ष्म उद्यमों के वैश्वीकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से समय—समय पर उनके लिए अवसरों का सृजन करने और उनकी क्षमताएं बढ़ाने में संवर्धक की भूमिका निभाता है। इसके लिए बैंक ऋणों और अनुदानों, दोनों तरह से वित्तीय सहायता प्रदान करता है। बैंक अपनी अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा, अंतरराष्ट्रीय बाजारों की समझ, संस्थागत संबंधों और विदेशों में अपनी मौजूदगी तथा ई—मार्केटिंग प्रयासों से सफलता शुल्क के आधार पर ऐसे सूक्ष्म उद्यमों के मार्केटिंग प्रयासों में मदद करता है।

कार्यशालाएं और प्रशिक्षण कार्यक्रम

बेंक हस्तिशिल्प उत्पाद बनाने वाले ग्रामीण दस्तकारों और शिल्पकारों को सहायता प्रदान करता रहा है, तािक वे अपने उत्पादों को घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विस्तार दे सकें। इसके लिए बैंक डिजाइन कौशल विकास और प्रशिक्षण कार्यशालाओं का आयोजन करता रहा है। इस संदर्भ में, बैंक ने बांस और बेंत विकास संस्थान, अगरतला और नॉर्थ ईस्ट हैंडीक्राफ्ट्स, बारपेटा, असम में 26 शिल्पकारों को 25 दिवसीय डिजाइन विकास और तकनीिक प्रशिक्षण कार्यशाला के आयोजन के लिए सहयोग किया। कार्यशाला का आयोजन बारपेटा के एक गांव में किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य निर्यातों के लिए नए उत्पाद बनाना और शिल्पकारों को कच्चे माल के उपयोग के महत्त्व के बारे में जागरूक करना था, तािक उनके उत्पाद और अधिक टिकाऊ बनें और उन्हें अपने उत्पादों के लिए गुणवत्ता प्रमाणीकरण मिल सके।

टाटा ट्रस्ट के सेंटर फॉर माइक्रोफायनैंस एंड लाइवलीहुड (सीएमएल) के साथ सहयोग ज्ञापन पर हस्ताक्षर के क्रम में, बैंक ने सीएमएल के साथ मिलकर कौना क्लस्टर के दस्तकारों को प्रशिक्षण में सहयोग के लिए मणिपुर में 262 दिनों तक श्रृंखलाबद्ध क्षमता निर्माण कार्यशालाओं का आयोजन किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रासरूट उद्यमों को उनकी निर्यात स्पर्धात्मकता में सुधार लाने के साथ-साथ वैश्विक गुणवत्ता मानकों को पूरा करने में उनकी मदद करना और परियोजनाओं / उद्यमों के लिए

Grassroots Initiatives & Development and Marketing Advisory Services

The Bank, through its grassroots initiatives, supports globalisation of small and micro-enterprises, generally based out of rural India. The main objective of the programme is to address the socio-economic needs of the disadvantaged sections of the society by creating expanded opportunities for traditional craft-persons, artisans and rural entrepreneurs of the country. The Bank plays a promotional role to create opportunities for and enhance capabilities of grassroots micro-enterprises aimed at augmenting their globalisation efforts over a period of time. To facilitate the same, the Bank provides financial support, both in the form of loans and grants, for capacity building exercises. The Bank leverages its international standing, knowledge and established institutional linkages, coupled with its physical presence and e-marketing efforts, to support such micro enterprises in their marketing efforts. on a success fee basis.

Workshops and Training Programmes

The Bank has been supporting rural artisans and craftsmen of handicraft products to widen their domestic as well as international presence by organising design skill-building and training workshops. In this context, the Bank supported Bamboo Cane and Development Institute, Agartala and North East Handicrafts, Barpeta, Assam to organise a design development and technical training workshop for 25 days for 26 bamboo and cane craftsmen in Barpeta. The objective of this training programme was to develop a new product range for export purpose and to educate the craftsmen on the importance of treatment of raw materials, to enhance their shelf life and to become eligible for quality certifications.

Consequent to having signed a Memorandum of Cooperation (MOC) with the Centre for Microfinance & Livelihood (CML), an initiative of Tata Trusts, the Bank partnered with CML to arrange a training programme for supporting a Kauna artisan cluster in Manipur through a series of capacity building workshops, over 262 days. The objective of the programme was to help grassroots enterprises













एक्ज़िम बैंक ने असम के बारपेटा में बेंत के उत्पाद बनाने वाले दस्तकारों, मणिपुर में कौना घास हस्तशिल्प उत्पादकों, राजस्थान के जोधपुर के पास पंरपरागत बुनकरों, उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ में आंवला उत्पादकों और लद्दाख में लूम्स ऑफ लद्दाख वूमेन्स को–ऑपरेटिव की महिला दस्तकारों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम को सहयोग प्रदान किया।

Exim Bank supported training programmes for bamboo artisans in Barpeta, Assam; Kauna grass handicraft makers in Manipur; traditional weavers near Jodhpur in Rajasthan; and the women artisans of the Looms of Ladakh Women's Cooperative in Ladakh.

ऐसे अर्थक्षम वित्तपोषण मॉडल तथा श्रेष्ठ पद्धतियां विकसित करने की दिशा में काम करना था, जिन्हें पूर्वोत्तर भारत में विभिन्न जगहों पर अलग–अलग क्षेत्रों में लागू किया जा सकता है। बैंक के सहयोग से आयोजित इन कार्यशालाओं के बाद इनमें हिस्सा लेने वाले शिल्पकारों को फरवरी 2019 में मणिपुर में आयोजित 'तीसरी विश्व बांस कार्यशाला' में आमंत्रित किया गया।

बैंक ने राजस्थान के जोधपुर के पास 'उरमूल मरुस्थली बुनकर विकास समिति' के 10 मास्टर बुनकरों के लिए improve their export competitiveness, inter alia, by complying with global standards of quality and to work towards developing viable financing models and best practices for projects / enterprises, which can be replicated across different sectors and geographical locations in India's North East region. Post the Bank's intervention, the artisans were invited to participate in the 3rd World Bamboo Workshop held at Manipur in February, 2019.

'उत्पाद एवं डिजाइन विकास' पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए सहयोग प्रदान किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य शिल्पकारों को प्रचलित नवीनतम डिजाइनों और प्रौद्योगिकी के बारे में अवगत कराते हुए गुणवत्ता वाले उत्पादों के महत्त्व पर जोर देना था।

एक्ज़िम बैंक अपनी ग्रासरूट पहलों के अंतर्गत, ऑर्गेनिक उत्पादों के विकास के लिए भी सहायता प्रदान करता है। अपने इस प्रयास में बैंक ने उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले में आंवला उत्पादकों के कौशल विकास के लिए प्रौद्योगिकी एवं उद्यमिता विकास केंद्र (सीटीईडी) द्वारा आयोजित एक उत्पाद विकास कार्यशाला के लिए सहयोग किया। इस 10 दिवसीय कार्यशाला में 30 आंवला उत्पादकों ने हिस्सा लिया।

वर्ष के दौरान, बैंक ने लद्दाख में गुरु-शिष्य परम्परा पर आधारित 'लूम्स ऑफ़ लद्दाख वीमेन्स को-ऑपरेटिव' (एलएलडब्ल्यूसी) द्वारा आयोजित एक अनूठे कार्यक्रम को भी सहयोग प्रदान किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य नई पीढ़ी के दस्तकारों को पश्मीना ऊन से बुनाई की इस प्राचीन कला में पारंगत करना और इस कला को सहेजकर रखने वाले परिवारों को आजीविका के साधन उपलब्ध कराना था। बैंक के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम के बाद, एलएलडब्ल्यूसी अब लद्दाख क्षेत्र के मोटिफ पैटर्न के लिए कॉपीराइट पेटेंट हासिल करने की प्रक्रिया में है, जिसका नाम 'लद्दाखी पश्मीना शॉल' प्रस्तावित किया गया है।

कार्यक्रम और प्रदर्शनियां

बेंक ने सामाजिक उद्यमों के शीर्ष प्रबंधन के लिए 'शिखर पर एकाकीपन' (इट इज़ लॉनली एट द टॉप) विषय पर 'वीमेन ऑन विंग्स' (वॉव) के साथ एक चर्चापरक सेमिनार का आयोजन किया, जिसने मुख्य कार्यकारी अधिकारियों (सीईओ) को अपने अनुभव साझा करने और वॉव के तीन डच विशेषज्ञों के अनुभवों से सीखने के लिए एक मंच प्रदान किया। इस सेमिनार में वॉव के बिजनेस पार्टनरों के साथ-साथ बैंक के कुछ ग्रासरूट उद्यमों ने भी हिस्सा लिया।

The Bank supported a training programme on 'Product and Design Development', for 10 master weavers of Urmul Marusthali Bunker Vikas Samiti near Jodhpur, Rajasthan. The programme was aimed at improving the artisans' understanding of the latest designs / technology trends and emphasising the criticality of quality products.

Exim Bank, under its grassroots initiatives, also seeks to support development of products which are organic in nature. In this endeavour, the Bank facilitated a product development workshop with the Centre of Technology & Entrepreneurship Development towards skilling and training of amla (gooseberry) growers and producers, for 10 days, involving 30 participants, in Pratapgarh district, Uttar Pradesh.

During the year, the Bank supported a unique programme organised by the Looms of Ladakh Women's Cooperative (LLWC) in Ladakh, based on the principles of 'Guru Shishya Parampara'. The programme was targeted at the next generation of artisans with the objective of sustaining the ancient art of weaving pashmina wool, as also providing sustainable means of livelihood to families that are custodians of this art. Due to the Bank's intervention, LLWC is in the process of getting a copyright patent for a motif pattern native to the Ladakh region, proposed to be named, 'Ladakhi Pashmina Shawl'.

Events and Exhibitions

The Bank organised an interactive seminar with Women on Wings (WoW) on the theme "It is lonely at the top" for the top management of social enterprises. It provided a platform for CEOs to share their experiences and also be guided by the





बैंक ने एक्ज़िम बाज़ार के नाम से हस्तशिल्प और हथकरघा उत्पादों की दो विशेष प्रदर्शनियों का भी आयोजन किया। The Bank organised two handicraft and handloom exhibitions, called Exim Bazaar.



बैंक ने सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय शिल्प मेला, क्राफ्ट्स बाज़ार और एक्जिम बाज़ार जैसी प्रदर्शनियों में स्वयं सहायता समूहों, गैर-सरकारी संगठनों और सुक्ष्म एवं ग्रासरूट कंपनियों के लिए स्टॉल प्रायोजित कर उन्हें सहयोग प्रदान किया। एक्जिम बैंक देशभर से ग्रासरूट उद्यमों और शिल्पकारों को अपनी अनूठी हस्तशिल्प और हथकरघा प्रदर्शनी 'एक्ज़िम बाज़ार' के माध्यम से सहयोग प्रदान कर रहा है। 31 मार्च, 2019 तक बैंक द्वारा एक्ज़िम बाज़ार के तीन संस्करणों का आयोजन किया जा चुका है। इनमें 25 से अधिक राज्यों के कूल 163 ग्रासरूट प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया और अपने हस्तनिर्मित उत्पादों की प्रदर्शनी और बिक्री की। इन प्रदर्शनियों के दौरान बिके उत्पादों में कश्मीरी कढाई टेक्सटाइल्स, पश्मीना, ढोकरा शिल्प, सांझी पेंटिंग, टेराकोटा और ब्लैक पॉटरी वस्तुएं, चेन्नापटना खिलौने, मिनिएचर, फड़ और पिछवाई पेंटिंग, एप्लीक और कढ़ाई किए हुए टेक्सटाइल्स और गारमेंट, जूट के बैग और चटाई, पंजाबी जूती, वारंगल कालीन, इकत टेक्सटाइल, ऑर्गेनिक शहद, लेदर की कठपुतली, पैरों और मुंह से बनी पेंटिंग, लकड़ी की कटलरी, पैठणी साड़ी, घास से बुनी टोकरियां, सेरामिक पॉटरी, मधूबनी और पट्टचित्र पेंटिंग आदि शामिल रहीं। इन प्रदर्शनियों में कूल मिलाकर 10,000 से अधिक लोग आए।

सहयोग प्राप्त उत्पाद श्रेणियां

वर्ष के दौरान, बैंक ने हथकरघा और हस्तशिल्प उत्पादों की कई किस्मों के लिए सहयोग प्रदान किया। बैंक ने उपर्युक्त पहलों के माध्यम से कुल 22 उत्पाद श्रेणियों में सहयोग प्रदान किया, जिनसे शिल्पकारों को अपने विभिन्न उत्पादों के लिए थोक में ऑर्डर हासिल करने में मदद मिली। भारतीय कंपनियों को विदेशों में निर्यात अवसरों की जानकारी भी दी गई। बैंक की वेबसाइट और एक्जिम मित्र पोर्टल पर दी गई जानकारी के जिए भी कई अन्य कंपनियों को अपने उत्पाद और सेवाएं वैश्विक पटल पर पहंचाने में मदद मिली है।

एक्ज़िम मित्र

एक्ज़िम बैंक भारत के विदेश व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने में एक उत्प्रेरक और प्रमुख संस्थान के रूप में काम कर रहा है। एक्ज़िम मित्र व्यापार वित्त की उपलब्धता तथा ऋण बीमा सुविधाओं के लिए सूचनाओं की कमी को दूर करने का एक प्रयास है। इस पोर्टल का लक्ष्य निर्यातकों के लिए ऋण की उपलब्धता और व्यापार संबंधी जानकारियां प्रदान करने के दोहरे उद्देश्य को पूरा करना है। इनमें अन्य के साथ-साथ विभिन्न उत्पादों की मांग और उनके बाजारों; experiences of three Dutch experts from WoW. The audience included business partners of WoW as also grassroots enterprises.

The Bank offered assistance to self-help groups, non-governmental organisations, and micro and grassroots companies by sponsoring stall spaces for them at exhibitions such as Surajkund International Crafts Mela. Crafts Bazaar and Exim Bazaar. Exim Bank has been supporting grassroots enterprises and craftsmen across India through an exclusive handicraft and handloom exhibition, Exim Bazaar. Three editions of Exim Bazaars have been organised by the Bank till March 31, 2019. An aggregate of 163 grassroot participants have showcased and sold handmade products, representing more than 25 states. The products sold during the exhibitions include Kashmiri embroidery textiles, Pashmina wool, Dhokra crafts, Sanjhi painting, Terracotta & black pottery items, Chennapatna toys, miniature, Phad & Pichwai paintings, appliqued & embroidered textiles & garments, jute bags & mats, Punjabi jutti (footwear), Warangal carpets, Ikat textiles, organic honey, leather puppetry, Foot and Mouth painting, wooden cutlery, Paithani sarees, grass woven baskets, ceramic pottery, Madhubani and Pattachitra paintings, etc. The events have cumulatively attracted more than 10,000 visitors.

Product categories supported

During the year, the Bank supported a wide variety of handloom and handicraft products. A total of 22 product categories were supported through the initiatives mentioned above, which facilitated bulk orders for various products. Indian companies were also informed of export opportunities overseas. Many other companies and their products and services also reached out globally through the information displayed on the Bank's website and on the Exim Mitra portal.

Exim Mitra

Exim Bank has been both a catalyst and a key player in the promotion of cross border trade and investment. Exim Mitra is an endeavour to supplement the ongoing efforts



बाजार मानकों ; यूएसए और यूरोपीय संघ जैसे प्रमुख बाजारों में सैनिटरी / फाइटोसैनिटरी अपेक्षाओं; विभिन्न क्षेत्रों में सरकारी प्रोत्साहनों: हैंडहोल्डिंग एजेंसियों के लिए संपर्क सूत्रों ; दुनियाभर से शिपमेंट की लागत और उसमें लगने वाले समय की जानकारी और देश रेटिंग की जानकारियां प्रदान करना शामिल हैं।



एक्ज़िम बैंक ने मॉरिटानिया और सेनेगल में बीसी-एनईआईए के अंतर्गत वित्तपोषित ट्रांसमिशन लाइन परियोजनाओं को सहयोग प्रदान किया। Exim Bank supported transmission lines projects in Mauritania and Senegal financed under BC-NEIA.

बैंक निर्यातकों को व्यापार वित्त की जानकारी और मार्ग निर्देशन सुलभ कराने के लिए वाणिज्यिक बैंकों और ऋण बीमा एजेंसियों के साथ मिलकर काम करता है। बैंक ने इस पोर्टल के जरिए वित्तीय सेवाएं सुगम बनाने के लिए 17 बैंकों / वित्तीय संस्थाओं के साथ साझेदारी की है। भावी निर्यातक इस पोर्टल पर ऑनलाइन फॉर्म भरकर प्रस्तृत कर सकते हैं। यह ऋण आवेदनों से संबंधित प्राथमिक डाटा कैप्चर करता है। यह विवरण प्रतिभागी बैंकों से साझा किया जाता है। इस प्रकार यह पोर्टल व्यापार वित्त उपयोक्ताओं और आपूर्तिकर्ताओं के बीच एक मध्यस्थ की भूमिका निभाता है।

एक्ज़िम बैंक जानकारियों के पूर्ण प्रसार के लिए सूचना के पारस्परिक आदान-प्रदान के महत्त्व को समझता है। सूचनाओं के इस आदान-प्रदान को स्गम बनाने के लिए यह पोर्टल एक इंटरैक्टिव प्लेटफॉर्म का काम करता है, जो बैंक को निर्यातकों की जरूरतों को बेहतर तरीके से समझने और उन्हें पूरा करने में मदद करता है। यह पोर्टल ऐसे निर्यातकों और आयातकों को प्राथमिक सहयोग प्रदान करता है, जिनके पास व्यापार संबंधी महत्त्वपूर्ण सूचनाएं नहीं पहुंच पाती हैं और इस तरह यह वित्तीय समावेशन में भी सहयोग करता है।

towards reducing the information gap in availability of trade finance and credit insurance facilities. The portal aims to make a concerted effort towards fulfilling the twin objectives of providing information on credit and insurance availability for exports and delivering trade related information. This, inter alia, includes assessment of demand across products and markets; information pertaining to market standards, sanitary / phytosanitary requirements, and other rules and regulations in key markets like the US and the EU; government incentives across various sectors; relevant contact information for handholding agencies; cost and duration of shipments from across the globe, and country ratings.

The Bank works closely with commercial banks and credit insurance agencies to provide information and guidance to exporters. The Bank has partnered with 17 banks / financial institutions for facilitating financial services through the portal. Prospective exporters can fill and submit an online form on the portal, which captures preliminary data pertaining to loan applications. These details are then shared with participating banks. The portal therefore acts as a much needed intermediary between suppliers and users of trade finance.

Exim Bank recognises that the full potential of knowledge dissemination can be fructified only through a two-way exchange of information. To facilitate this, the portal has an interactive platform which allows the Bank to better understand the needs of the exporters and address their queries. The portal contributes towards the objective of financial inclusion by providing preliminary help to a number of exporters and importers in the form of access to an array of crucial trade related information on a single platform.



निर्यात संवर्द्धक के रूप में एक्ज़िम बैंक

BUSINESS OPERATIONS

Exim Bank as a Promoter of Exports



शोध एवं विश्लेषण

बैंक अंतरराष्ट्रीय अर्थशास्त्र, व्यापार और निवेश के विभिन्न पहलुओं पर क्वालिटेटिव और क्वांटिटेटिव शोध तकनीकों के जिरए व्यापक शोध अध्ययन प्रकाशित करता है। ये शोध अध्ययन मोटे तौर पर क्षेत्रीय, उद्योग खंड और नीति संबंधी श्रेणियों के अंतर्गत किए जाते हैं और इन्हें प्रासंगिक आलेखों तथा कार्यकारी आलेखों, पुस्तकों आदि के रूप में प्रकाशित किया जाता है। वर्ष के दौरान, उन्नीस शोध अध्ययन प्रकाशित किए गए, जो निम्नलिखित हैं:

- 1. भारतीय हथकरघा उद्योगः क्षमताएं और संभावनाएं
- 2. टेक्निकल टेक्सटाइल्स के निर्यातों को बढाना
- 3. भारतीय पर्यटन उद्योगः विकास को बढ़ाने के लिए अवसरों की तलाश
- भारत के सेवा व्यापार का उदारीकरण और निर्यात संवर्धन
- 5. सीएलएमवी देशों के स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में भारतीय व्यवसाय बढाना
- 6. एक्ट ईस्टः बांग्लादेश और म्यांमार के साथ सीमाई व्यापार बढाना
- 7. रूस के साथ भारत के व्यापार संबंधः हालिया रुझान और संभावनाएं
- 8. भारत-लैक व्यापारः हालिया रुझान और चुनिंदा देशों में अवसर
- 9. पश्चिम अफ्रीका में भारतीय निवेशः हालिया रुझान और संभावनाएं
- 10. भारत सैडेक व्यापार और निवेश संबंधः संभावनाओं को भूनाना



नई दिल्ली में आयोजित भारत-अफ्रीका परियोजना भागीदारी पर 14वें सीआईआई-एक्जिम बैंक सम्मेलन के दौरान तत्कालीन माननीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री सुरेश प्रभु द्वारा एक्जिम बैंक के 'भारत-सैडेक व्यापार और निवेश संबंधः संभावनाओं को भुनाना' शीर्षक वाले प्रकाशन का विमोचन किया गया।

Exim Bank's publication "India-SADC Trade and Investment Relations: Harnessing the Potential" was released by the then Hon'ble Minister of Commerce and Industry, Shri Suresh Prabhu at the 14th CII-Exim Bank Conclave on India and Africa Project Partnership held at New Delhi.

Research and Analysis

The Bank offers a range of research insights on aspects of international economics, trade and investments through qualitative and quantitative research techniques. The research work carried out under the broad classification of regional, sectoral and policy related studies, are published in the form of Occasional Papers, Working Papers, Books, etc. Nineteen research studies were published during the year. These include the following:

- Indian Handloom Industry: Potential and Prospects
- 2. Enhancing Exports of Technical Textiles
- Indian Tourism Industry: Exploring Opportunities For Enhancing Growth
- India's Services Trade Liberalisation and Export Promotion
- Enhancing India's Engagement in Healthcare Sector of CLMV Countries
- 6. Act East: Enhancing India's Trade with Bangladesh and Myanmar Across Border
- India's Trade Relations with Russia: Recent Trends and Potential
- 8. India-LAC Trade: Recent Trends and Opportunities in Select Countries
- Indian Investments in West Africa: Recent Trends and Prospects
- 10. India-SADC Trade and Investment Relations: Harnessing the Potential



बैंक द्वारा कोच्चि, केरल में आयोजित सेमिनार के दौरान 'भारतीय पर्यटन उद्योगः विकास को बढ़ाने के लिए अवसरों की तलाश' शीर्षक वाले बैंक के प्रकाशन का विमोचन किया गया।

Exim Bank's publication on "Indian Tourism Industry: Exploring Opportunities for Enhancing Growth" was released during a seminar conducted by the Bank at Kochi, Kerala.



- 11. दक्षिण-दक्षिण सहयोग को बढ़ानाः अफ्रीका और भारत के बीच व्यापार एवं निवेश का विश्लेषण
- 12. विनिमय दर में उतार-चढ़ाव और भारत से यूएसए व ईयू को निर्यातों पर असरः मूल्यांकन
- 13. अंतरराष्ट्रीय व्यापार, कल्याण और असमानता पर आलेख
- 14. भारतीय व्यापार नीति पर आलेख
- 15. भारतीय निर्यातों के लिए गैर-टैरिफ उपायों पर शोध अध्ययन
- 16. भारत के निर्यातों में मंदी और विकास की संभावनाओं की विश्लेषणात्मक पडताल
- 17. मध्य प्रदेश के लिए निर्यात रणनीति
- 18. पंजाब के लिए निर्यात रणनीतिः रुझान, अवसर और नीतियां
- 19. बिहार से निर्यातों का संवर्धनः विश्लेषण और नीतिगत परिप्रेक्ष्य

सूचना और सलाहकारी सेवाएं

बेंक कई प्रकार की सूचना, सलाहकारी और सहायता सेवाएं प्रदान करता है। ये सेवाएं जहां बेंक के वित्तपोषण कार्यक्रमों की पूरक हैं, वहीं पॉलिसी बैंक के रूप में बैंक की भूमिका को भी रेखांकित करती हैं। ये सेवाएं बैंक के हितधारकों को प्रदान की जाती हैं, जिनमें राज्य सरकारें, भारतीय सार्वजनिक और निजी क्षेत्र तथा विदेशी संस्थाएं शामिल हैं। इन सेवाओं में राज्य सरकारों के लिए नीतिगत सुझाव और शोध अध्ययन करना, बाजार संबंधी सूचनाएं प्रदान करना, क्षेत्र और व्यवहार्यता अध्ययन करना, प्रौद्योगिकी आपूर्तिकर्ताओं को चिह्नित करना, साझेदार तलाशना, क्षमता निर्माण, निवेश सुगमीकरण तथा भारत और विदेश में संयुक्त उद्यमों का विकास शामिल है।

भारत के अंतरराष्ट्रीय व्यापार और निवेश के वित्तपोषण में बैंक के तीन दशकों के व्यापक अनुभव और वैश्विक स्तर पर परामर्शी कार्यों को उत्कृष्टता के साथ पूरा करने के ट्रैक रिकॉर्ड को ध्यान में रखते हुए सऊदी अरब ने अपने नवगठित 'सऊदी एक्ज़िम बैंक' के लिए वित्तपोषण कार्यक्रम डिजाइन करने का कार्य बैंक को सौंपा है। वर्ष के दौरान, बैंक ने घाना निर्यात–आयात बैंक (घाना एक्ज़िम बैंक) के लिए विभिन्न परिचालन क्षेत्रों में तकनीकी सहयोग प्रदान करने संबंधी कार्य पूरा किया। भारतीय एक्ज़िम बैंक ने घाना एक्ज़िम बैंक के अधिकारियों के लिए घाना में 21 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का भी आयोजन किया और घाना एक्ज़िम बैंक के शीर्ष प्रबंधन के लिए मुंबई में कौशल विकास कार्यक्रम आयोजित किया।

- 11. Deepening South-South Collaboration: An Analysis of Africa and India's Trade and Investment
- 12. Exchange Rate Dynamics and its Impact on India's Exports to USA and EU: An Assessment
- 13. Essays on International Trade, Welfare and Inequality
- 14. Essays in Indian Trade Policy
- 15. A Study on Non-Tariff Measures on Indian Exports
- 16. Analytical Enquiry into Inertia in India's Exports and Growth Prospects
- 17. Export Strategy for Madhya Pradesh
- 18. Export Strategy for Punjab: Trends, Opportunities, and Policy Insight
- 19. Promoting Exports from Bihar: Insights and Policy Perspectives

Information and Advisory Services

The Bank provides a wide range of information, advisory and support services, which complements its financing programmes while also underlining its role as a policy Bank. These services are provided to the Bank's stakeholders including state governments, Indian public and private sector and overseas entities. The scope of services include policy inputs and papers for the state governments, market-related information, sector and feasibility studies, technology supplier identification, partner search, capacity building exercises, investment facilitation and development of joint ventures, both in India and abroad.

Given the Bank's vast experience of over three decades in financing India's international trade and investment and its distinguished track record in undertaking consultancy assignments on the global platform, the Kingdom of Saudi Arabia (KSA) has given the Bank a mandate to tailor the financing programmes for the newly set up Saudi EXIM Bank. During the year, the Bank concluded an assignment



एक्जिम बैंक ने घाना निर्यात-आयात बैंक को विभिन्न परिचालन क्षेत्रों में तकनीकी सहायता प्रदान की। Exim Bank provided technical assistance across various operational areas to Ghana Export-Import Bank.

विदेशों में बहुपक्षीय निधिक परियोजनाएं

बेंक अपनी सूचना और सहयोग सेवाओं के जिरए भारतीय कंपनियों को विश्व बैंक, एशियाई विकास बैंक (एडीबी), अफ्रीकी विकास बैंक (एएफडीबी) और यूरोपियन बैंक फॉर रिकंस्ट्रक्शन एंड डेवलपमेंट (ईबीआरडी) द्वारा निधिक परियोजनाओं में व्यवसाय प्राप्त करने में मदद करता है। ऐसी बहुपक्षीय एजेंसियों द्वारा निधि प्राप्त परियोजनाएं भारतीय आपूर्तिकर्ताओं, कॉन्ट्रैक्टरों और परामर्शदाताओं के लिए कारोबार के अच्छे अवसर प्रदान करती हैं।

एक्ज़िम बैंक ने एडीबी के साथ मिलकर अप्रैल और नवंबर 2018 में क्रमशः कोलकाता और बेंगलूरु में दो चर्चापरक सेमिनारों का आयोजन किया।

एक्ज़िम बैंक ने विश्व बैंक द्वारा निधिक परियोजनाओं में बोली लगाने के अवसरों में भारतीय कंपनियों द्वारा प्रभावी प्रतिभागिता कराने के लिए विश्व बैंक समूह के साथ मिलकर भी ऐसे ही कार्यक्रम का आयोजन किया। इसके लिए बैंक ने विश्व बैंक समूह के साथ मिलकर 'विदेशी सहायता प्राप्त परियोजनाओं में व्यवसाय अवसर' विषय पर नई दिल्ली में एक चर्चापरक कार्यशाला का आयोजन किया, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों के भारतीय परियोजना निर्यातकों ने हिस्सा लिया।

एक्ज़िमअस शिक्षण केंद्र

बैंक के एक्ज़िमिअस शिक्षण केंद्र (ईसीएल) द्वारा भारतीय निर्यातकों और आयातकों के लिए विभिन्न कार्यक्रमों, सेमिनारों और कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है। इन कार्यक्रमों के आयोजन का उद्देश्य भारत के अंतरराष्ट्रीय व्यापार और निवेश के बारे में भारतीय निर्यातकों और आयातकों की जागरूकता बढाना है। ये सेमिनार और for the Ghana Export-Import Bank (GEXIM) for providing technical assistance across its various operational areas. Exim Bank of India also delivered a 21-day training programme for GEXIM officials in Ghana, and organised a skill enhancement programme for the top management of GEXIM in Mumbai.

Multilateral Funded Projects Overseas

The Bank provides a package of information and support services to Indian companies to help improve their prospects for securing business in projects funded by the World Bank, Asian Development Bank (ADB), African Development Bank (AfDB) and European Bank for Reconstruction and Development (EBRD). Projects funded by such multilateral funding agencies present attractive business opportunities for Indian suppliers, contractors and consultants.

Exim Bank in partnership with ADB, organised two interactive seminars on international business opportunities in Kolkata and Bengaluru in April and November 2018, respectively.

A similar exercise was steered by Exim Bank with the World Bank Group for increasing effective participation of Indian companies in bidding opportunities under its funded projects. Towards this end, the Bank, in association with the World Bank Group, organised an interactive workshop



titled 'Business Opportunities in Externally Aided Projects' in New Delhi, which was attended by Indian project exporters from various sectors.

सम्मेलन समसामयिक विषयों पर किए जाते हैं। इनमें हिस्सा लेने वाले वक्ता व्यापार संवर्धन एजेंसियों, विभिन्न वाणिज्य मंडलों, केंद्र और राज्य सरकारों, कस्टम्स, वाणिज्यिक बैंकों और अन्य वित्तीय संस्थाओं से होते हैं।

इस वित्तीय वर्ष के दौरान, ईसीएल द्वारा निर्यातकों के लिए 36 सेमिनारों का आयोजन किया गया। ये समिनार मुख्यतः निर्यात क्षमता सृजन, उद्योग, देश और विभिन्न क्षेत्रों से निर्यातों तथा भारतीय राज्यों की निर्यात संभाव्यता जैसे विषयों पर केंद्रित रहे।

ईसीएल ने वर्ष के दौरान भारत से परियोजना निर्यातों को बढ़ावा देने के लिए कई कार्यक्रमों का आयोजन किया। बैंक ने ऋण-व्यवस्थाओं के अंतर्गत आगामी परियोजनाओं में अवसरों की जानकारी देने के लिए विदेश मंत्रालय, भारत सरकार के साथ मिलकर भारतीय निर्यातकों के लिए कोलकाता, हैदराबाद और चेन्ने में चर्चापरक सत्रों का आयोजन किया। भारत सरकार की ऋण-व्यवस्थाओं के अंतर्गत विशेष रूप से सौर ऊर्जा परियोजनाओं को कवर करते हुए नई दिल्ली और चेन्ने में विदेश मंत्रालय तथा अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन क साथ मिलकर बिजनेस आउटरीच कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। वहीं, पुणे में परियोजना निर्यातों पर स्टेकहोल्डर्स सेमिनार का आयोजन किया गया।

ईसीएल ने लैटिन अमेरिका और कैरिबियाई क्षेत्र में व्यापार और निवेश अवसरों पर मुंबई में एक सेमिनार का आयोजन किया। सेमिनार में इस क्षेत्र में व्यवसाय करने की इच्छुक भारतीय कंपनियों के प्रतिनिधियों सिहत लैक क्षेत्र के देशों के भारत स्थित मिशनों के प्रतिनिधियों ने भी हिस्सा लिया।

ईसीएल ने निर्यातों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से देशभर के विभिन्न व्यापार निकायों और वाणिज्य मंडलों के साथ मिलकर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया। भारतीय निर्यातक संगठन संघ (फिओ) के साथ मिलकर 'निर्यात क्षमताएं और उद्यमिता' विषय पर ईसीएल ने जालंधर,

Eximius Centre for Learning

The Eximius Centre for Learning (ECL) is responsible for conducting training programmes, seminars and workshops for Indian exporters and importers to enhance their awareness about India's international trade and investment. Seminars and conferences are organised on topics of contemporary interest with speakers from trade promotion agencies, chambers of commerce, central and state governments, customs, commercial banks and other financial institutions.

During the financial year, ECL conducted 36 seminars for exporters, with themes broadly classified into export capability creation, industry, country and region focus, and export potential of Indian states.

ECL organised a number of programmes during the year to promote project exports from India. The Bank partnered with the Ministry of External Affairs (MEA), Government of India (GOI) to organise interactive sessions for Indian exporters in Kolkata, Hyderabad and Chennai, on upcoming project opportunities under the Lines of Credit. Business outreach programmes were held in New Delhi and Chennai, in association with Ministry of External Affairs and International Solar Alliance, specifically covering solar energy projects under the GOI's Lines of Credit. A stakeholders' seminar on project exports was organised in Pune.

ECL organised a seminar on trade and investment







एक्ज़िम बैंक ने आर्थिक सहयोग बढ़ाने की संभावनाओं पर चर्चा के लिए वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार के साथ मिलकर अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और कैरिबियाई क्षेत्र, यूरोप और ओशिआनिया क्षेत्र के देशों के राजदूतों के साथ चर्चापरक सत्रों का आयोजन किया।

Exim Bank along with the Ministry of Commerce and Industry, Government of India, jointly organized interactive sessions with ambassadors of countries in Africa, Latin America and Caribbean region, Europe and Oceania, to discuss the scope for strengthening economic cooperation.

जयपुर, फरीदाबाद, कोच्चि और लुधियाना में पांच सेमिनारों का आयोजन किया। बैंक ने इंडो-ग्लोबल एसएमई चैंबर तथा उत्तर प्रदेश वाणिज्य और उद्योग मंडल के साथ मिलकर क्रमशः इंदौर और ग्रेटर नोएडा में राज्य केंद्रित सेमिनारों का आयोजन किया। विश्व व्यापार केंद्र, मुंबई के साथ मिलकर नासिक, अहमदनगर, कोल्हापुर, इचलकरंजी और नागपुर में शृंखलाबद्ध पांच सेमिनारों का आयोजन किया गया, जिनमें सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के लिए निर्यात अवसरों को कवर किया गया। भारतीय वाणिज्य और उद्योग मंडल (एसोचैम) के साथ मिलकर 'समावेशी विकास में व्यापार वित्त की भूमिका' विषय पर कोलकाता, अहमदाबाद और नई दिल्ली में राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।

भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के साथ मिलकर ईसीएल ने कोयंबटूर में 'एक्सपोर्ट क्लीनिक', पानीपत में 'एमएसएमई सम्मेलन' और मुंबई में 'वैश्विक व्यापार परिदृश्य' पर एक सम्मेलन का आयोजन किया। बैंक ने इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स के साथ मिलकर कोलकाता और शिलॉन्ग में क्रमशः संशोधित एक्जिम नीति और पांचवें एक्ट ईस्ट बिजनेस शो का आयोजन किया। एक्जिम बैंक और एसएमई चैंबर ऑफ इंडिया ने मिलकर पुणे और मुंबई में एसएमई विनिर्माताओं और निर्यातकों के लिए दो सम्मेलनों का आयोजन किया। ईसीएल ने आईएमसी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के साथ मिलकर 'निर्यात कैसे बढ़ाएं' विषय पर सूरत में एक सत्र का आयोजन किया।



एक्ज़िम बैंक ने विश्व बैंक और एशियाई विकास बैंक के साथ मिलकर नई दिल्ली, कोलकाता और बेंगलूरु में 'विदेशी सहायता प्राप्त परियोजनाओं में व्यवसाय अवसर' विषय पर चर्चापरक कार्यशालाओं का आयोजन किया।

Exim Bank partnered with the World Bank and the Asian Development Bank to organise interactive workshops on 'Business Opportunities in Externally Aided Projects' at New Delhi, Kolkata and Bengaluru.

संस्थागत संबद्धताएं

देश के व्यापार एवं निवेश हेतु अनुकूल परिवेश तैयार करने के लिए बैंक ने बह्पक्षीय एजेंसियों, निर्यात ऋण एजेंसियों,

opportunities in the LAC region, in Mumbai. The seminar saw participation from representatives of Indian companies interested in doing business in the region, as well as representatives from the foreign missions of LAC nations based in India.



इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड को 2018 के लिए व्यवसाय उत्कृष्टता के लिए सीआईआई-एक्ज़िम बैंक पुरस्कार प्रदान किया गया।

The CII-Exim Bank Award for Business Excellence for 2018 was presented to Bharat Electronics Ltd.

ECL partnered with various trade bodies and chambers of commerce across India to organise events aimed at promoting exports. In association with the Federation of Indian Export Organisations, ECL held five seminars in Jalandhar, Jaipur, Faridabad, Kochi and Ludhiana, on export potential and entrepreneurship. The Bank partnered with the Indo-Global SME Chamber and Associated Chambers of Commerce and Industry of Uttar Pradesh to conduct state focussed seminars in Indore and Greater Noida, respectively. A series of five seminars was conducted in association with the World Trade Centre, Mumbai, covering opportunities for MSMEs in export markets, at Nashik, Ahmednagar, Kolhapur, Ichalkaranji and Nagpur. National Conferences on the Role of Trade Finance for Inclusive Growth were held in Kolkata. Ahmedabad and New Delhi, in partnership with the Associated Chambers of Commerce & Industry of India.

In partnership with the Confederation of Indian Industry, ECL organised an Export Clinic at Coimbatore, MSME Summit at Panipat and a conference on the Global Trade Scenario in Mumbai. The Bank also engaged with the Indian Chamber of Commerce for organising a seminar on Modified Exim Policy and the 5th Act East Business Show at Kolkata and Shillong, respectively. Exim Bank and





एक्ज़िम बैंक ने थाईलैंड के फुकेत में आयोजित एशियाई एक्ज़िम बैंक फोरम की 24वीं वार्षिक बैठक में हिस्सा लिया। Exim Bank participated in the 24th Annual Meeting of the Asian Exim Banks Forum held at Phuket, Thailand.

बैंकों तथा वित्तीय संस्थाओं, व्यापार संवर्धन निकायों तथा निवेश संवर्धन बोर्डों के साथ अपने संस्थागत संबंधों का एक नेटवर्क विकसित किया है।

ब्रिक्स अंतरबैंक सहयोग तंत्र

ब्रिक्स अंतरबैंक सहयोग तंत्र के अंतर्गत एक्ज़िम बैंक भारत से नामित सदस्य विकास बैंक है। बैंक ने डिजिटल अर्थव्यवस्था के विकास के संदर्भ में डिस्ट्रिब्यूटेड लेजर और ब्लॉक चेन टेक्नोलॉजी पर सहयोगात्मक अनुसंधान के लिए ब्रिक्स देशों के विकास बैंकों के साथ एक बहुपक्षीय सहयोग करार पर हस्ताक्षर किए हैं। बैंक ने दक्षिण अफ्रीका के केपटाउन और जोहांसबर्ग में 25-26 जुलाई, 2018 के दौरान ब्रिक्स अंतरबैंक सहयोग तंत्र की वार्षिक बैठक और वित्तीय फोरम तथा संबंधित बैठकों में हिस्सा लिया।

एशियाई एक्जिम बैंक फोरम

एशियाई एक्ज़िम बैंक फोरम (एईबीएफ) की 24वीं वार्षिक बैठक नवंबर 2018 में फुकेत, थाईलैंड में हुई। बैठक की मेजबानी एक्सपोर्ट –इंपोर्ट बैंक ऑफ थाईलैंड (थाई एक्ज़िम) द्वारा की गई। बैठक की थीम 'उद्योग 4.0 – एशियाई निर्यात ऋण एजेंसियों की भूमिका और चुनौतियां' थी। बैठक की अध्यक्षता थाई एक्ज़िम ने की, जिसमें ऑस्ट्रेलिया, चीन, भारत, इंडोनेशिया, जापान, कोरिया, मलेशिया, फिलीपींस, थाइलैंड, तुर्की तथा वियतनाम की सदस्य संस्थाओं के उच्चाधिकारियों ने हिस्सा लिया। बैठक में एशियाई विकास

the SME Chamber of India jointly organised two SME Manufacturers and Exporters Summits in Pune and Mumbai. Along with the IMC Chamber of Commerce and Industry, ECL organised a session on 'How to Enhance Exports' at Surat.

INSTITUTIONAL LINKAGES

The Bank has fostered a network of alliances and institutional linkages with multilateral agencies, export credit agencies, banks and financial institutions, trade promotion bodies and investment promotion boards to help create an enabling environment for supporting trade and investment.

BRICS Interbank Co-operation Mechanism

Exim Bank is the nominated member development bank from India under the BRICS Interbank Co-operation Mechanism. The Bank entered into a multilateral co-operation agreement on Collaborative Research on Distributed Ledger and Block Chain Technology in the Context of the Development of the Digital Economy, with the development banks of the BRICS nations. The Bank participated in the Annual Meeting and the Financial Forum of the BRICS Interbank Co-operation Mechanism and associated meetings held in Cape Town and Johannesburg, South Africa during July 25-26, 2018.



एक्ज़िम बैंक का 34वां स्थापना दिवस वार्षिक व्याख्यान मैसाच्युसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में अर्थशास्त्र के फोर्ड फाउंडेशन प्रोफेसर अभिजीत बनर्जी द्वारा प्रस्तुत किया गया।

The 34th Commencement Day Lecture was delivered by Prof. Abhijit Banerjee, Ford Foundation International Professor of Economics, Massachusetts Institute of Technology.

बैंक ने स्थाई अतिथि के रूप में तथा अध्यक्ष द्वारा आमंत्रित पर्यवेक्षक संस्थाओं (रिशयन एक्सपोर्ट सेंटर और एक्सपोर्ट डेवलपमेंट कनाडा) ने हिस्सा लिया। वार्षिक बैठक के दौरान एक्ज़िम बैंक द्वारा इन-हाउस विकसित की गई एईबीएफ की नई वेबसाइट भी लॉन्च की गई।

एशियाई एक्जिम बैंक फोरम का गठन सदस्य संस्थाओं के बीच आर्थिक सहयोग बढ़ाने और मजबूत संस्थागत संबंध स्थापित करने के उद्देश्य से भारतीय एक्जिम बैंक की पहल पर 1996 में किया गया था। यह फोरम प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से जनकारियों के आदान-प्रदान और स्टाफ एक्सचेंज कार्यक्रमों के लिए सुदृढ़ मंच भी प्रदान करता है, जिनसे सदस्य संस्थाओं के स्टाफ सदस्यों को परियोजना वित्तपोषण, पूँजी बाजार, पोत वित्तपोषण, एसएमई वित्तपोषण, कमोडिटी वित्तपोषण, देश जोखिम और विदेशों में निवेश जैसे विविध क्षेत्रों में सर्वश्रेष्ठ कार्यप्रणालियां सीखने में मदद मिली है।

एक्ज़िम बैंकों तथा विकास वित्त संस्थाओं का वैश्विक नेटवर्क

एक्ज़िम बैंकों तथा विकास वित्त संस्थाओं के वैश्विक नेटवर्क (जी-नेक्सिड) की स्थापना एक्ज़िम बैंक की पहल पर संयुक्त राष्ट्र व्यापार एवं विकास सम्मेलन (अंकटाड) के तत्वावधान में मार्च 2006 में जेनेवा में की गई थी। इस नेटवर्क ने विभिन्न विकासशील देशों के एक्ज़िम बैंकों

Asian Exim Banks Forum

The 24th annual meeting of the Asian Exim Banks Forum (AEBF) was hosted by the Export-Import Bank of Thailand (Thai Exim) at Phuket, Thailand in November, 2018. The theme of the meeting was "Industry 4.0 - Roles and Challenges for Asian Export Credit Agencies." The meeting was chaired by Thai Exim and had representatives at the highest level from member institutions, viz., Australia, China, India, Indonesia, Japan, Korea, Malaysia, Philippines, Thailand, Turkey and Vietnam. The meeting saw the participation of ADB, as a permanent invitee, as well as observer institutions (Russian Export Center and Export Development Canada) who were invited by the Chair. A new website for AEBF, developed inhouse by Exim Bank of India was launched during the Annual Meeting.

In 1996, Exim Bank took the initiative of forming the AEBF with the objective of enhancing economic co-operation and forging stronger linkages among its member institutions. The Forum also provides a good platform for knowledge sharing by way of training programmes and staff exchange programmes that have helped the



तथा विकास वित्त संस्थाओं के सक्रिय सहयोग से 'दक्षिण–दक्षिण' व्यापार तथा निवेश को बढ़ाने के प्रयास किए हैं। इसकी स्टीयरिंग कमेटी की बैठक जेनेवा में जुलाई 2018 में हुई। तदुपरांत, वार्षिक आम बैठक का आयोजन हुआ। इसके बाद अक्टूबर 2018 में इंडोनेशिया एक्जिम बैंक की मेजबानी में जकार्ता में तीसरे एक्सचेंज कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

व्यवसाय उत्कृष्टता पुरस्कार

भारतीय कंपनियों में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए एक्जिम बैंक और भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) द्वारा ''सीआईआई-एक्ज़िम बैंक व्यवसाय उत्कृष्टता पुरस्कार'' की स्थापना, भारतीय कंपनियों द्वारा अपनाई जाने वाली उत्कृष्ट गुणवत्ता प्रबंधन प्रणालियों (टीक्युएम) को बढ़ावा देने के लिए 1994 में की गई थी। यह पुरस्कार यूरोपियन फाउंडेशन फॉर क्वालिटी मैनेजमेंट (ईएफक्यूएम) मॉडल पर आधारित है। यह वार्षिक पुरस्कार काफी प्रतिष्ठित है तथा उद्योग जगत में इसकी मान्यता है। किसी कंपनी को यह पुरस्कार प्रशिक्षित मूल्यांकन कर्ताओं के पैनल द्वारा पारदर्शी एवं कड़ी परीक्षण प्रक्रिया के जरीए मूल्यांकन करने के बाद ईएफक्यूएम मॉडल पर प्रदान किया जाता है। 2018 में 31 कंपनियों को अलग-अलग स्तरों पर पुरस्कृत किया गया। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड - बेंगलूरु ईकाई (बीईएल-बीयू) और गोदरेज एंड बॉएस मैन्युफैक्चरिंग कंपनी लिमिटेड के एप्लायंस डिवीजन को वर्ष 2018 के लिए सीआईआई-एक्जिम बैंक व्यवसाय उत्कृष्टता पुरस्कार मिला; बीईएल-बीयू को एक रोल मॉडल संस्था होने के लिए निर्णायक मंडल द्वारा प्रशस्ति भी मिली।

staff of the member institutions learn the best practices in areas as diverse as project financing, capital markets, ship financing, SME financing, commodity financing, country risk, cross border investment, etc.

Global Network of Exim Banks and Development Finance Institutions

The Global Network of Exim Banks and Development Finance Institutions (G-NEXID) was set up in Geneva in March 2006 through the Bank's initiative, under the auspices of United Nations Conference on Trade and Development. With the active support of a number of other Exim Banks and Development Finance Institutions from various developing countries, the network has endeavoured to foster enhanced South-South trade and investment and co-operation. The Network held its Steering Committee Meeting in Geneva in July 2018, which was followed by the Annual General Meeting and the 3rd Exchange Programme hosted by Indonesia Eximbank in Jakarta in October 2018.

Award for Business Excellence

Exim Bank and Confederation of Indian Industry (CII) joined hands in 1994, to promote excellence among Indian companies through the 'CII-Exim Bank Award for Business Excellence' for best Total Quality Management (TQM) practices adopted by an Indian company. The annual award





म्यांमार में भारत सरकार द्वारा निधिक कलादान मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट सिस्टम के लिए ₹ 750 मिलियन की निर्यात परियोजना नकदी प्रवाह घाटा वित्त सुविधा प्रदान की गई।

Export Project Cash Flow Deficit Finance was extended for the GOI-funded Kaladan Multimodal Transport System in Myanmar.



अंतरराष्ट्रीय आर्थिक शोध वार्षिक पुरस्कार

बैंक द्वारा अंतरराष्ट्रीय आर्थिक शोध वार्षिक पुरस्कार की स्थापना 1989 में की गई थी। इसका उद्देश्य भारतीय और विदेशी विश्वविद्यालयों तथा शिक्षण संस्थाओं में भारतीय नागरिकों द्वारा अंतरराष्ट्रीय अर्थशास्त्र, व्यापार, विकास और संबद्ध वित्तपोषण के क्षेत्र में शोध को बढ़ावा देना है। इस पुरस्कार के अंतर्गत ₹ 350,000 की राशि तथा प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाता है। वर्ष 2017 की विजेता डॉ. अमृता साहा रहीं। उन्हें ''भारतीय व्यापार नीति पर आलेख'' शीर्षक वाली उनकी डॉक्टोरल थीसिस के लिए यह पुरस्कार मिला। डॉ. साहा ने यूके की यूनिवर्सिटी ऑफ ससेक्स से 2016 में डिग्री हासिल की थी।



बैंक ने मिस्र में 50 मेगावाट के फोटोवोल्टिक सौर विद्युत उत्पादन परियोजना को सहायता के लिए गारंटियां प्रदान कीं।

The Bank extended guarantees to support a 50 MW photovoltaic solar electricity generating project in Egypt.

भारतीय एक्ज़िम बैंक ब्रिक्स आर्थिक शोध पुरस्कार

भारत की अध्यक्षता के दौरान ब्रिक्स अंतरबैंक सहयोग तंत्र 2016 के अंतर्गत बैंक ने 'भारतीय एक्ज़िम बैंक ब्रिक्स आर्थिक शोध पुरस्कार' की स्थापना की। इस पुरस्कार का उद्देश्य ब्रिक्स सदस्य देशों के नागरिकों द्वारा अर्थशास्त्र और समसामयिक महत्त्व के संबंधित विषयों पर उन्नत शोध को बढ़ावा देना है। पुरस्कार स्वरूप एक प्रशस्ति पत्र और ₹ 1.5 मिलियन (लगभग 22,000 यूएस डॉलर) की सम्मान राशि प्रदान की जाती है। ब्रिक्स के पांचों देशों के नागरिक, जिन्हें डॉक्टोरल थीसिस के लिए डॉक्टरेट डिग्री मिल गई है या उनकी थीसिस को किसी भी राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय या अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शैक्षणिक संस्थान द्वारा डॉक्टरेट की डिग्री प्रदान करने हेतू स्वीकार कर लिया गया है, इस पुरस्कार के लिए आवेदन कर सकते हैं। वर्ष 2018 का यह पुरस्कार डॉ. जेली ही को 'अंतरराष्ट्रीय व्यापार, कल्याण is based on the European Foundation for Quality Management (EFQM) model and is a prestigious industry recognition given to a company after being assessed by panels of trained assessors through a transparent and rigorous methodology. In 2018, there were 31 companies which received varying levels of recognition. Bharat Electronics Limited - Bengaluru Unit (BEL-BU), and the Appliances Division of Godrej & Boyce Manufacturing. Co. Ltd., won the CII-Exim Bank Award for Business Excellence for the year 2018; BEL-BU has also received the Jury's Commendation for being a Role Model Organisation.

International Economic Research Annual Award

The International Economic Research Annual Award was instituted by the Bank in 1989. The objective of the award is to promote research in international economics, trade, development and related financing, by Indian nationals at universities and academic institutions in India and abroad. The award consists of a sum of ₹ 350,000 and a citation. The winner for the year 2017 was Dr. Amrita Saha, for her doctoral thesis titled "Essays in Indian Trade Policy". Dr. Saha received her degree in 2016 from the University of Sussex, UK.

Exim Bank of India BRICS Economic Research **Award**

During India's Presidency under the BRICS Interbank Co-operation Mechanism in 2016, the Bank had instituted the Exim Bank of India BRICS



बैंक ने कोत दि'वार सरकार को 500 बसों, 62 फ्लीट रखरखाव सपोर्ट वाहनों और पूर्जों तथा संबंधित सेवाओं के भारत से आयात के लिए बीसी-एनईआईए प्रदान किया।

The Bank extended BC-NEIA to the Government of Côte d'Ivoire for import of 500 buses, 62 fleet maintenance support vehicles, spare parts and related services from India.



और असमानता पर आलेख' शीर्षक वाली उनकी डॉक्टोरल थीसिस के लिए दिया गया। उन्होंने यूएसए स्थित कोलंबिया यूनिवर्सिटी से 2017 में डिग्री हासिल की थी।



डॉ. अमृता साहा को एक्ज़िम बैंक के अंतरराष्ट्रीय आर्थिक शोध वार्षिक पुरस्कार 2017 का विजेता घोषित किया गया। उन्हें यह पुरस्कार उनके शोध प्रबंध 'भारतीय व्यापार नीति पर निबंध' के लिए दिया गया।

Dr. Amrita Saha was declared the winner of Exim Bank's International Economic Research Annual Award 2017 for her doctoral thesis titled 'Essays in Indian Trade Policy'.

स्थापना दिवस वार्षिक व्याख्यान

एक्जिम बैंक स्थापना दिवस वार्षिक व्याख्यान माला की शुरुआत 1986 में की गई थी। इस व्याख्यान माला को वैश्विक अर्थव्यवस्था पर प्रभाव डालने वाले समसामयिक व्यापार और विकास मुद्दों पर विचार-विमर्श तथा चर्चा के एक महत्त्वपूर्ण मंच के रूप में ख्याति प्राप्त है। वर्ष 2018-19 के लिए यह व्याख्यान मैसाच्युसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के अर्थशास्त्र विभाग में अर्थशास्त्र के फोर्ड फाउंडेशन इंटरनेशनल प्रोफेसर अभिजीत बनर्जी ने दिया। उनके व्याख्यान का विषय ''सामाजिक नीति की पुनर्रचना'' था।

निर्यात संवर्धन के लिए राज्यों को एक्ज़िम बैंक द्वारा सहयोग

राज्य स्तर पर निर्यात संवर्धन की जरूरत को ध्यान में रखते हुए और भारत के अंतरराष्ट्रीय व्यापार को बढ़ाने के अपने अधिदेश के अनुसार, एक्ज़िम बैंक विभिन्न राज्यों से निर्यात निष्पादन और निर्यात की संभावनाओं के मूल्यांकन के लिए विभिन्न राज्य सरकारों के साथ मिलकर काम करता रहा है। इसके साथ ही, बैंक राज्यों की व्यापार स्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए रणनीतियां भी बनाता रहा है।

बैंक निर्यातों के लिए राज्यों की तैयारी के अनुसार उनकी रैंकिंग के लिए एक इंडेक्स तैयार करने के लिए वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार और नीति आयोग के साथ मिलकर काम कर रहा है। इससे राज्यों के बीच स्वस्थ



एक्ज़िम बैंक का ब्रिक्स आर्थिक शोध पुरस्कार 2018 डॉ. ज़ेली हे को दिया गया। उन्हें यह पुरस्कार 'अंतरराष्ट्रीय व्यापार, कल्याण और असमानता पर आलेख' शीर्षक वाली उनकी डॉक्टोरल थीसिस के लिए दिया गया।

Dr. Zheli He was declared the winner of Exim Bank's BRICS Economic Research Award 2018 for her doctoral thesis titled 'Essays on International Trade, Welfare and Inequality'.

Economic Research Award, with the objective to encourage advanced research on economics and related topics of contemporary relevance amongst nationals of the BRICS countries. The award, comprising of a citation and prize money of ₹ 1.50 million (approximately US\$ 22,000) is sponsored by the Bank. The award is open to nationals of any of the five member nations of BRICS, whose doctoral thesis have been awarded or accepted for award of a doctorate from any nationally accredited university or academic institution globally. The winner for the year 2018 was Dr. Zheli He, a chinese national, for her doctoral thesis titled 'Essays on International Trade. Welfare and Inequality'. She received her degree in 2017 from the Columbia University, USA.

Commencement Day Annual Lecture

Exim Bank's Commencement Day Annual Lecture series, instituted in 1986, has earned recognition as an important event in contributing to the debate and discussions on contemporary trade and development issues impacting the global economy. The lecture for the year 2018-19 was delivered by Prof. Abhijit Banerjee, the Ford Foundation International Professor of Economics, Massachusetts Institute of Technology, Department of Economics. Prof. Banerjee spoke on the topic "Redesigning Social Policy."



प्रतिस्पर्धा को बढावा मिलेगा। इस इंडेक्स में राज्यों की रैंकिंग उनकी नीतियों, व्यवसाय सुगमता, बुनियादी ढांचे, वित्त तक पहंच, उत्पादन जैसे अन्य प्रमुख पैरामीटरों के आधार पर की जाएगी और इससे समग्र निर्यात बाजार तथा प्रत्येक राज्य से निर्यातों का मूल्यांकन किया जाएगा।



एक्ज़िम बैंक ने बहरीन में एल मदीना एल शामालिया सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के निष्पादन के लिए गारंटियां प्रदान कीं।

Exim Bank extended guarantees for execution of the Al Madina Al Shamaliya Sewage Treatment Plant in Bahrain.

पूर्वोत्तर क्षेत्र में एक्ज़िम बैंक - यूएनडीपी सहयोग

''पूर्वोत्तर भारत में निर्यात स्पर्धात्मकता के लिए सुक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों में क्षमता निर्माण'' के लिए एक्ज़िम बैंक और संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (युएनडीपी) साथ आए हैं। इस पहल का उद्देश्य पूर्वोत्तर से निर्यातों को बढ़ावा देने, रोजगार सृजन और युवाओं तथा महिलाओं को आजीविका के अवसर प्रदान करने के लिए सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को सुदृढ़ बनाना है। इसके लिए प्रमुख रणनीतियों में भारत सरकार की 'एक्ट ईस्ट नीति' के अंतर्गत उभरते अवसरों का लाभ उठाना शामिल है। इस नीति के अंतर्गत अन्य के साथ-साथ प्राकृतिक संसाधनों, जलविद्युत, एशियाई देशों से नजदीकी जैसे मामलों में इस क्षेत्र में विद्यमान संभावनाओं को चिह्नित किया गया है। इस परियोजना की प्रमुख गतिविधियों में पूर्वोत्तर भारत के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों की स्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए उन्हें क्लस्टर आधारित सहयोग प्रदान करना शामिल है। इस परियोजना में शुरुआती चरण में असम और मिजोरम पर ध्यान केंद्रित किया गया है। वित्तिय वर्ष 2018-19 के दौरान, 221 उद्यमियों और किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) के सदस्यों को उनकी प्रबंधन योग्यताएं और व्यापार संबंधी कौशल को बढाने के लिए उद्यमिता प्रशिक्षण प्रदान किया गया; 14 कृषि उद्यमियों के लिए पुणे में खाद्य प्रसंस्करण फैक्टरियों के औद्योगिक प्रशिक्षण दौरे का आयोजन किया गया; पूर्वोत्तर क्षेत्र में कुछ प्रमुख निर्यात उत्पादों में किए जा रहे मौजूदा मूल्य संवर्धन

Exim Bank's Support to States for Promotion of **Exports**

In recognition of the need for export promotion at the state level and in accordance with its mandate of promoting India's international trade, the Bank has been engaging with different state governments to evaluate the state-level export performance and potential, and outline strategies for improving their trade competitiveness.

The Bank is also working along with the Ministry of Commerce, GOI and NITI Aayog for preparation of an index to rank states on their readiness for exports, which would encourage a healthy competition among states. The index will rank states on key parameters, including their policies, ease of doing business, infrastructure, access to finance, and output, amongst others which will assess the overall export market and exports from each state.

Exim Bank - UNDP Co-operation in the North East Region

Exim Bank and the United Nations Development Programme (UNDP) have joined hands for "Capacity Building of MSMEs in North East India for Export Competitiveness." The initiative aims at creating stronger MSMEs in the North East region to boost exports, generate employment and provide livelihood opportunities, especially for the youth and women. The key strategies include taking advantage of the emerging opportunities under the Government of India's 'Act East Policy' that recognises the potential of the region in terms of natural resources, hydropower and close proximity to East Asian countries, among others.

The key activities of the project include clusterbased support to MSMEs in the North East region for improving their export competitiveness. The project initially focuses on the states of Assam and Mizoram. During FY 2018-19, entrepreneurship training was provided to 221 entrepreneurs and members of Farmer Producer Organisation (FPO),





एक्ज़िम बैंक ने गिनी बॉक्साइट निर्यात परियोजना के बंदरगाह और बुनियादी ढांचे के विकास में सहायता के लिए गारंटी प्रदान की। Exim Bank extended guarantee support for the port and infrastructure development of the Guinea Bauxite Export Project.

के बारे में बेहतर समझ विकसित करने के लिए श्रृंखलाबद्ध 12 वैल्यू चेन केस स्टडी की गई; पूर्वोत्तर भारत की निर्यात क्षमताओं पर एक विश्लेषणात्मक तकनीकी रिपोर्ट तैयार की गई; एक दस्तकार के दृष्टिकोण से क्राफ्ट इकोसिस्टम का विश्लेषण करने और उसकी संपूर्ण समझ विकसित करने के लिए असम में बोडोलैंड टेरिटोरियल क्षेत्र के चार जिलों में हथकरघा और हस्तशिल्प क्लस्टरों की मैपिंग की गई और मैपिंग के बाद क्लस्टर संसाधन पुस्तक तैयार की गई; और बांस से बने फर्नीचर और बांस की ग्रेडिंग पर विशेष ध्यान देते हए असम में बैंक को स्वीकार्य दो प्रस्ताव तैयार किए गए।

नई पहलें

एक्सपोर्ट लीडिंग इंडेक्स

एक्ज़िम बैंक ने अपने निरंतर शोध प्रयासों की कड़ी में भारत के निर्यातों में आने वाले उतार-चढ़ावों का पूर्वानुमान लगाने और उनका ट्रैक रखने के उद्देश्य से एक्सपोर्ट लीडिंग इंडेक्स (ईएलआई) तैयार करने के लिए एक आंतरिक मॉडल विकसित किया है। इस मॉडल से बना ईएलआई देश के निर्यातों का आकलन करता है। इस मॉडल को देश के निर्यातों पर प्रभाव डालने वाले विभिन्न बाह्य एवं घरेलू कारकों को ध्यान में रखते हुए भारत के वस्तु निर्यातों और गैर-तेल निर्यातों में तिमाही आधार पर वृद्धि का पूर्वानुमान लगाने के लिए एक प्रमुख संकेतक के रूप में विकसित

for enhancing their managerial abilities and trade related skills; industrial exposure visits to food processing factories in Pune were organised for 14 agro-entrepreneurs; a series of 12 value chain case studies were developed to have a better understanding of the existing value additions being done in some of the key export promotion products in the North East region; an analytical technical report on export potential of North East India has been developed; mapping exercise of handloom and handicraft clusters in four Bodoland Territorial Area Districts, Assam, and development of a cluster resource book post the mapping, were carried out to analyse and gain complete understanding of the craft ecosystem from an artisan's perspective; and two bankable proposals were developed in Assam with special focus on bamboo-based furniture and grading of bamboo.

NEW INITIATIVES

Export Leading Index

As part of its continued research initiatives, Exim Bank has developed an in-house model to generate an Export Leading Index (ELI) for India to track and forecast the movement in India's exports. The ELI, derived from the model, gauges the outlook



किया गया है। एक्ज़िम बैंक के ये पूर्वानुमान हर तिमाही आधार पर संबंधित तिमाही के लिए जून, सितंबर, दिसंबर और मार्च के पहले सप्ताह में जारी किए जाते हैं। इस मॉडल में निरंतर सुधार किया जाता है। यह ईएलआई अन्य के साथ-साथ नीति निर्माताओं, शोधार्थियों और निर्यातकों के लिए उपयोगी हो सकता है। इस मॉडल तथा इससे प्राप्त पूर्वानुमान संबंधी परिणामों की समीक्षा विशेषज्ञों की एक स्थाई तकनीकी समिति द्वारा समय-समय पर की जाती है।

रणनीतिक आर्थिक सहयोग पर चर्चापरक सत्र

वित्तिय वर्ष 2018-19 के दौरान, बैंक ने वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार के साथ मिलकर अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और कैरिबियाई क्षेत्र तथा यूरोप एवं ओशिआनिया क्षेत्र के देशों के साथ रणनीतिक आर्थिक सहयोग पर तीन चर्चापरक सत्रों का आयोजन किया। इन कार्यक्रमों का आयोजन उक्त क्षेत्रों के देशों के साथ भारत के द्विपक्षीय व्यापार और निवेश को बढ़ाने तथा इन क्षेत्रों में मौजूद व्यापार की संभावनाओं का पता लगाने के लिए इन देशों के राजदूतों के साथ चर्चाओं को सुगम बनाने के उद्देश्य से किया गया था। माननीय वाणिज्य एवं उद्योग और नागर विमानन मंत्री, भारत सरकार श्री सुरेश प्रभु ने इन चर्चाओं में हिस्सा लिया और इन देशों को पारस्परिक लाभकारी सहयोग के क्षेत्रों में संभावनाएं तलाशने के लिए प्रोत्साहित किया।

for India's exports and is essentially developed as a leading indicator to forecast growth in total merchandise and non-oil exports of the country, on a quarterly basis, based on several external and domestic factors that could impact exports of the country. Exim Bank's forecasts are released during the first week of the months of June, September, December and March, for the corresponding quarters. With continuous improvisation to the model, ELI could be of interest to policy makers, researchers, and exporters, among others. The model and the forecast result are reviewed periodically by a standing technical committee of domain experts.

Interactive Sessions on Strategic Economic Cooperation

During FY 2018-19, the Bank and the Ministry of Commerce and Industry, Government of India, jointly organised three interactive sessions on strategic economic cooperation with the countries of Africa, Latin America and Caribbean, and Europe and Oceania. The events were aimed at facilitating interactions with ambassadors of countries in the aforementioned regions, for discussing the potential for enhancing bilateral trade and investment, and realising the untapped trade potential in the regions. Mr. Suresh Prabhu, Hon'ble Minister of Commerce and Industry, and Civil Aviation, GOI participated in the interactions, and encouraged the countries to explore mutually beneficial areas for cooperation.



कॉर्पोरेट अभिशासन

एक्ज़िम बैंक अपने सभी संप्रेषणों में पूरी पारदर्शिता तथा सत्यनिष्ठा सुनिश्चित करता है तथा सभी संबंधित पक्षों को पूर्ण, सही एवं स्पष्ट सूचना प्रदान करता है। बैंक कॉर्पोरेट अभिशासन की उत्कृष्ट पद्धतियों के अनुपालन के लिए प्रतिबद्ध है और इसके लिए सदैव तत्पर रहता है। इस पर समृचित नियंत्रण के लिए बैंक ने एक व्यवस्था विकसित की है तथा इसकी उपादेयता की निरंतर समीक्षा करता रहता है। व्यवसाय / वित्तीय निष्पादन से संबंधित मामलों, विश्लेषणात्मक आंकड़ों / सूचना आदि को निदेशक मंडल/ निदेशक मंडल की प्रबंधन समिति (एमसी) को समीक्षा के लिए आवधिक आधार पर रिपोर्ट किया जाता है। बैंक में निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित एक अनुपालन नीति लागू है और सभी कानूनों, विनियमों और अन्य प्रक्रियाओं तथा भारत सरकार / भारतीय रिज़र्व बैंक, अन्य विनियामकों, निदेशक मंडल द्वारा निर्धारित विनियमों के अनुपालन के संबंध में एक वरिष्ठ अधिकारी अनुपालन अधिकारी के रूप में उत्तरदायी हैं, जो किसी भी प्रकार के विचलन को लेखा परीक्षा समिति को रिपोर्ट करते हैं। वर्ष के दौरान बैंक के निदेशक मंडल की पांच तथा प्रबंधन समिति की छह बैठकें हईं।



एक्जिम बैंक में 29 अक्टूबर से 3 नवंबर, 2018 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया।

The Vigilance Awareness Week was observed at Exim Bank from 29th October to 3rd November, 2018.

लेखा परीक्षा समिति

बैंक के निदेशक मंडल की लेखा परीक्षा समिति (एसी) बैंक के संपूर्ण लेखा परीक्षा कार्यों के लिए मार्गदर्शन प्रदान करती है, ताकि एक प्रबंधन माध्यम के रूप में इसकी प्रभावशीलता में वृद्धि हो और वह सांविधिक / बाहरी / आंतरिक / संगामी लेखा परीक्षा रिपोर्टों तथा भारतीय रिज़र्व बैंक की निरीक्षण रिपोर्टों में उठाए गए सभी मुद्दों के संबंध में अनुवर्ती कार्रवाई करे। यह समिति प्रत्येक वर्ष बैंक के वार्षिक वित्तीय

Corporate Governance

Exim Bank ensures transparency and integrity in communication and makes available full, accurate and clear information to all concerned. The Bank is committed and continuously strives to ensure compliance with best practices of corporate governance as relevant to the Bank. The Bank has established a framework of strategic control and continuously reviews its efficacy. Business/ financial performance related matters analytical data / information are reported to the Board / Management Committee (MC) of the Board periodically for review. The Bank has put in place a Board approved compliance policy, and a senior official is responsible for adherence to compliance issues related to with all applicable statutes, regulations and other procedures, policies as laid down by the GOI / RBI, other regulators, the Board, and report deviation, if any, to the Audit Committee. The Bank's Board held five meetings and the MC held six meetings during the year.



एक्जिम बैंक ने डीईई डेवलपमेंट इंजीनियर्स लिमिटेड को नाइजीरिया में तेल रिफाइनरी सहित निर्यात ऑर्डरों के निष्पादन के लिए गारंटियां प्रदान कीं। Exim Bank sanctioned guarantees to DEE Development Engineers Ltd., for execution of its export orders, including an oil refinery in Nigeria.

Audit Committee

The Audit Committee (AC) of the Bank's Board provides direction to the total audit function of the Bank in order to enhance its effectiveness as a management tool and to follow-up on all issues raised in the statutory / external / internal/concurrent audit reports and RBI inspection reports. The AC reviews the annual financial statements



विवरणों को निदेशक मंडल के समक्ष प्रस्तुत करने से पहले उनकी जांच करती है। वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान लेखा परीक्षा समिति की छह बैठकें हुईं।

आस्ति देयता प्रबंधन (एएलएम)

बैंक की आस्ति देयता प्रबंधन समिति (एल्को) बैंक के मिड-ऑफिस के सहयोग से बाजार जोखिम की निगरानी और प्रबंधन का कार्य देखती है। एल्को द्वारा लिक्विडिटी/ ब्याज दर जोखिमों का प्रबंधन निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित व्यापक एएलएम / लिक्विडिटी नीतियों के अनुसार किया जाता है। एल्को की भूमिका में अन्य बातों के साथ-साथ, भारतीय रिज़र्व बैंक / निदेशक मंडल द्वारा निर्धारित विवेकपूर्ण सीमाओं की तुलना में बैंक की मुद्रा-वार संरचनात्मक लिक्विडिटी तथा ब्याज दर संवेदनशीलता की स्थितियों की समीक्षा करना, नकदी प्रवाहों के आवधिक दबाव परीक्षणों के परिणामों की निगरानी करना और ब्याज दर जोखिम के आधार पर एक उपयुक्त एएलएम रणनीति तैयार करना शामिल है। ब्याज दर जोखिम को ब्याज दर में उतार-चढाव की तुलना में अवधि अंतराल विश्लेषण के जरिए (क) निवल ब्याज आय की संवेदनशीलता के विश्लेषण और (ख) आर्थिक मूल्य की संवेदनशीलता से मापा जाता है। मुद्रा-वार लिक्विडिटी स्थिति के दबाव परीक्षण नियमित रूप से किए जाते हैं और प्रत्येक मुद्रा की उपलब्धता में कमी की स्थिति का आकलन करने के लिए समय-समय पर एक आकस्मिक फंडिंग योजना बनाई जाती है। भारत सरकार की प्रतिभृतियों के बैंक की ट्रेडिंग के लिए रोके गए तथा बिक्री के लिए उपलब्ध पोर्टफोलियों के लिए जोखिम मूल्य की गणना की जाती है। निधि प्रबंधन समिति (एफएमसी) प्रत्येक वित्तीय वर्ष के प्रारंभ में निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित और वर्ष के दौरान समीक्षित निधि प्रबंधन / संसाधन योजना के अनुसार निवेशों / विनिवेशों तथा संसाधन जुटाने के संबंध में निर्णय लेती है।

जोखिम प्रबंधन

बैंक में निदेशक मंडल की जोखिम प्रबंधन समिति बैंक के लिए विभिन्न जोखिमों की निगरानी और उनका प्रबंधन करने के साथ-साथ ऋण जोखिम, बाजार जोखिम और परिचालनगत जोखिमों के संबंध में एकीकृत जोखिम प्रबंधन हेतु नीति और रणनीति संबंधी कार्य देखती है। यह समिति बैंक की एल्को और एफएमसी के कार्यों की भी समय-समय पर समीक्षा every year before submission of the same to the Board. The AC met six times during FY 2018-19.

Asset-Liability Management (ALM)

Asset-Liability Management Committee (ALCO) of the Bank oversees the monitoring and management of market risk with support from the Bank's mid-office. Liquidity / interest rate risks are managed by ALCO as per the comprehensive ALM/ liquidity policies approved by the Board. The role of ALCO includes, inter alia, reviewing the Bank's currency-wise structural liquidity and interest rate sensitivity positions vis-a-vis prudential limits prescribed by the RBI / Board, monitoring results of periodical stress testing of cash flows and identifying a suitable ALM strategy based on the quantum of interest-rate risk as measured through (a) assessment of sensitivity of net interest income and (b) sensitivity of economic value, using duration-gap analysis, to interest rate movement. Regular stress testing of the currency-wise liquidity position is carried out and a contingency funding plan is drawn up periodically to estimate the worstcase fund shortfall in each currency. Value-at-risk is computed for the Bank's held for-trading and available-for-sale portfolio of GOI securities. The Fund Management Committee (FMC) decides on the investments / disinvestments and raising of resources as per the Fund Management / Resources Plan approved by the Board at the beginning of each year and reviewed during the year.

Risk Management

The Risk Management Committee of the Board (RMC) is responsible for monitoring and managing Bank-wide risks, and overseeing the policy and strategy for integrated risk management related to credit risk, market risk, and operational risk. The RMC also periodically reviews the functioning of the Bank's ALCO and FMC. The Bank also has an Integrated Risk Management Committee (IRMC), which is independent of operating groups and reports directly to the top management. The IRMC

भारत

करती है। बैंक में एक एकीकृत जोखिम प्रबंधन समिति (आईआरएमसी) भी गठित है जो परिचालन समूहों से स्वतंत्र है और सीधे शीर्ष प्रबंधन को रिपोर्ट करती है। यह समिति विभिन्न जोखिमों (पोर्टफोलियो, नकदी, ब्याज दर, तूलन-पत्र से इतर और परिचालनगत जोखिमों) के संबंध में बैंक की स्थिति की समीक्षा करती है। साथ ही एल्को, एफएमसी और ऋण जोखिम प्रबंधन समिति (सीआरएमसी) के परिचालनों की देखरेख भी करती है, जिनमें से सभी का क्रॉस-फंक्शनल प्रतिनिधित्व होता है। एल्को जहां बैंक में आस्ति-देयता प्रबंधन (एएलएम) नीति और प्रक्रियाओं से संबंधित विषयों को देखती है और बैंक के समग्र बाजार जोखिम (चलनिधि, ब्याज दर जोखिम और मुद्रा जोखिम) का विश्लेषण करती है, वहीं ऋण जोखिम प्रबंधन समिति (सीआरएमसी), ऋण-नीति और प्रक्रियाओं की देखरेख करती है और बैंक के ऋण जोखिमों का विश्लेषण, प्रबंधन तथा नियंत्रण करती है। बैंक के पास एक उन्नत ऋण जोखिम प्रबंधन मॉडल (सीआरएम) है, जिससे (गूणात्मक तथा मात्रात्मक पैरामीटरों / उपायों की व्यापक श्रेणी के जरिए) बैंक को बेहतर ऋण मूल्यांकन निर्णय लेने और उत्कृष्ट पोर्टफोलियो प्रबंधन क्षमता बनाए रखने में मदद मिलती है। संबंधित प्रस्तावों के प्रायोजक अधिकारियों द्वारा दी गई रेटिंग की स्वतंत्र रूप से समीक्षा के लिए अलग से एक रेटिंग समिति है। बैंक व्यवसाय निरंतरता और अपने सभी कार्यालयों की डिजास्टर रिकवरी योजनाओं की वार्षिक समीक्षा भी करता है। जोखिमों के प्रभाव से बचने के लिए प्रत्येक योजना की भली-भांति जांच की जाती है कि ये योजनाएं संकट की स्थिति में व्यवसाय निरंतरता बनाए रखने के लिए कितनी कारगर हैं और जोखिम से सुरक्षा के उपाय कैसे हैं।

ऋण प्रशासन

एक्ज़िम बैंक दबावग्रस्त ऋण खातों की अलग से निगरानी करता है और अनर्जक आस्तियों की रिकवरी संबंधी उपायों को सुदृढ़ बनाने की दिशा में कार्रवाई करता है। बैंक, वर्तमान विनियामकीय तंत्र पर आधारित तथा निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित ऋण निगरानी और वसूली नीति के अनुसार, मानक आस्तियों को अनर्जक आस्ति होने से रोकने सहित ऋण की वसूली के लिए सिक्रय कदम उठाता है। साथ ही, ऐसी अनर्जक आस्तियों को अर्जक बनाने का काम करता है, जिन्हें अर्जक आस्ति की श्रेणी में लाना व्यवहार्य है। इसके

reviews the Bank's position with regard to various risks (portfolio, liquidity, interest rate, off-balance sheet and operational risks) and oversees the operations of the ALCO, the FMC and the Credit Risk Management Committee (CRMC), all of which have cross-functional representation. While ALCO deals with issues relating to ALM policy, processes and analyses the overall market risk (liquidity, interestrate risk and currency risk) of the Bank, CRMC deals with credit policy, procedures and analyses, manages and controls credit risk on a Bank-wide basis. The Bank has in place an advanced Credit Risk Model that enables a broad-based credit decision support (by incorporating a range of qualitative as well as quantitative parameters / measures) and better portfolio management capability. A rating committee is in place to independently review the credit ratings assigned by sponsoring officers of the respective proposals. The Bank undertakes an annual review of the business continuity and disaster recovery plans of all its offices. Each of the plans is vetted for completeness with regard to critical business continuity risk events, and safeguards in place for mitigating the impact thereof.

Loan Administration

Exim Bank dedicatedly monitors loan accounts which are under stress and undertakes action for strengthening of recovery measures for NPAs. The Bank takes pro-active steps towards loan recovery including preventing slippage of standard assets into NPAs, rehabilitation of stressed assets / NPAs which are viable, and focuses on recovery from NPA accounts where legal action is to be pursued for recovery as per a Board-approved Loan Monitoring and Recovery Policy, which is framed based on the extant regulatory framework. Monthly reviews of overdues and NPAs are undertaken by separate committees of the Bank. The Bank accords highest priority to recovery of NPAs and adopts a multi-



अतिरिक्त, ऐसे अनर्जक खातों से वसूली पर भी फोकस करता है, जिनमें कानूनी कार्रवाई की जानी है। बैंक में अलग–अलग समितियों द्वारा अतिदेय व अनर्जक आस्तियों की मासिक समीक्षा की जाती है। वार्षिक लक्ष्य निर्धारित कर बैंक, अनर्जक आस्तियों की वसूली को पहली प्राथमिकता देता है और अनर्जक आस्तियों के समाधान के लिए बहु–आयामी दृष्टिकोण अपनाता है। इस दृष्टिकोण में सरफेसी अधिनियम के अंतर्गत कानूनी कार्रवाई, अदालती आदेश के जरिये आस्तियों की बिक्री, निगोशिएशन, एकबारगी निपटान, आस्तियों पर कब्जा और फिर उनकी बिक्री तथा आस्ति पुनर्संरचना कंपनी / अन्य को ऋण का हस्तांतरण/समन्देशन शामिल हैं।

दबावग्रस्त आस्तियों के प्रति भारतीय बैंकिंग क्षेत्र के दृष्टिकोण में बड़ा परिवर्तन आया है। भारतीय रिज़र्व बैंक के मौजूदा दिशानिर्देशों के आने और दिवाला एवं दिवालियापन संहिता 2016 (आईबीसी) लागू होने के बाद से दबावग्रस्त आस्तियों के समाधान पर अतिरिक्त ध्यान केंद्रित किया गया है। बैंक आईबीसी के अंतर्गत सक्रियता से मामले संभाल रहा है और नियामकीय तंत्र में परिचालनों के लिए सक्षम है।

बोर्ड द्वारा गठित अन्य समितियां

भारतीय रिज़र्व बैंक के वर्तमान दिशानिर्देशों के अनुसार, बैंक में उधारकर्ताओं को इरादतन चूककर्ताओं / असहयोगी उधारकर्ताओं के रूप में चिह्नित करने के लिए निदेशक मंडल द्वारा गठित एक समीक्षा समिति है। इस समिति की अध्यक्षता बैंक के प्रबंध निदेशक द्वारा की जाती है और इसमें दो अन्य निदेशक शामिल हैं। इस समिति का कार्य उधारकर्ताओं को इरादतन चूककर्ताओं/असहयोगी उधारकर्ताओं के रूप dimensional approach for resolution of NPAs by setting yearly targets. The approach includes legal action, sale of assets through court receiver, negotiated / one-time settlements, possession and subsequent sale of assets under the provisions of the Securitisation Act, and transfer / assignment of debt to Asset Reconstruction Companies / others.

The Indian banking sector has undergone a paradigm shift in its approach towards stressed assets. With the introduction of Insolvency and Bankruptcy Code, 2016 (IBC) together with the extant guidelines from the Reserve Bank of India, there is greater focus on resolution of stressed assets. The Bank has been actively pursuing cases under IBC and is well equipped to operate within the regulatory framework.

Other Committees constituted by the Board

As per extant RBI guidelines, the Bank has a Review Committee for Identification of Borrowers as Wilful Defaulters / Non-Cooperative Borrowers, constituted by the Board. The committee is headed by the Bank's Managing Director and consists of two other Directors. The role of the committee is to review and confirm orders passed by the Bank's internal committee for classification of Borrowers as Wilful Defaulters / Non-Cooperative Borrowers. As per extant RBI guidelines, the Bank has a Special





एक्ज़िम बैंक के निर्यात सुगमीकरण कार्यक्रम के अंतर्गत वित्तपोषित और मुंबई कार्गो सर्विस सेंटर एयरपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा निष्पादित की जा रही मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर अंतरराष्ट्रीय कार्गो सुविधाओं के विकास और रखरखाव संबंधी परियोजना।

Development and maintenance of international cargo facilities at Chhatrapati Shivaji Maharaj International Airport, Mumbai, being executed by Mumbai Cargo Service Center Airport Pvt. Ltd. and financed through Exim Bank's Export Facilitation Programme.



में वर्गीकृत करने के लिए बैंक की आंतरिक समिति द्वारा पारित आदेश की समीक्षा करना और उसकी पुष्टि करना है। भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशानिर्देशों के अनुसार, बैंक में ₹10 मिलियन और इससे अधिक राशि के धोखाधड़ी मामलों की निगरानी और फॉलो-अप के लिए विशेष समिति (एससीएमएफएफ) है, जिसका गठन निदेशक मंडल द्वारा किया गया है। बैंक के प्रबंध निदेशक इस समिति के अध्यक्ष हैं और इसमें चार अन्य निदेशक सदस्य के रूप में शामिल हैं। ₹ 10 मिलियन और इससे अधिक राशि के धोखाधड़ी के मामले सामने आने पर समिति की बैठक होती है और उनकी समीक्षा की जाती है। इसके अतिरिक्त, समिति द्वारा 'रेड फ्लैग्ड खातों' के रूप में वर्गीकृत खातों की भी समीक्षा की जाती है।

ट्रेजरी

बैंक की एकीकृत ट्रेजरी अतिरिक्त निधियों के निवेश, मुद्रा बाजार, फॉरेक्स परिचालनों तथा प्रतिभूतियों की खरीद-बिक्री सहित निधि प्रबंधन का कार्य देखती है। बैंक ने फ्रंट/ मिडिल / बैक ऑफिस कार्यों को अलग किया है और आधुनिकतम डीलिंग रूम स्थापित किया है। बैंक की ट्रेजरी अपने ग्राहकों को विदेशी मुद्रा सौदे, निर्यात दस्तावेजों की वसूली / परक्रामण, अंतरदेशीय / विदेशी साख-पत्र/ गारंटियां, संरचित ऋण आदि विभिन्न प्रकार के उत्पाद प्रदान करती है। बैंक अपने बाजार जोखिमों को कम करने के उद्देश्य से न्यून लागत पर निधियां जुटाने और तुलन-पत्र एक्सपोजर की हेजिंग के लिए वित्तीय व्यूत्पन्नी (डेरिवेटिव) संव्यवहारों का भी उपयोग करता है। बैंक भारतीय वित्तीय नेटवर्क (इंफिनेट) का सदस्य है। बैंक को भारतीय रिज़र्व बैंक के निगोशिएटेड डीलिंग सिस्टम ऑर्डर मैचिंग सेगमेंट (एनडीएस-ओएम) के जरिए सौदा करने के लिए डिजिटल प्रमाण पत्र प्राप्त है। एनडीएस-ओएम भारत सरकार की प्रतिभृतियों के क्रय-विक्रय के लिए इलेक्ट्रॉनिक लेनदेन का एक मंच प्रदान करता है। बैंक की प्रतिभूतियां तथा विदेशी मुद्रा लेनदेन मुख्यतः भारतीय समाशोधन निगम लिमिटेड (सीसीआईएल) द्वारा प्रदान की गई गारंटित निपटान सुविधा के जरिए किए जाते हैं। बैंक सीसीआईएल के ट्राय-पार्टी रेपो डीलिंग सिस्टम (ट्रेप्स ट्रेप्स) का सक्रिय सदस्य है। बैंक सीसीआईएल के रेपो डीलिंग सिस्टम, क्लियरकॉर्प ऑर्डर मैचिंग सिस्टम (क्रोम्स) का भी सदस्य है। यह सीसीआईएल द्वारा शुरू किया गया एनोनिमस ऑर्डर Committee of the Board for Monitoring and Follow up of Cases of Frauds (SCMFF) involving amounts of ₹ 10 million and above, constituted by the Board. The committee is headed by the Managing Director and has four other Directors as members. The Committee meets and reviews cases, as and when a fraud involving an amount of ₹ 10 million and above comes to light; besides reviewing accounts classified as Red Flagged Accounts.

Treasury

The Bank's integrated treasury handles fund management functions, including investment of surplus funds, money market and forex operations, and securities trading. The Bank has segregated front, middle and back office functions and has a state-of-the-art dealing room. The range of products offered by the Bank's treasury to its borrowers includes foreign exchange deals, collection/ negotiation of export documents, issuance of inland / foreign letters of credit / guarantees, structured loans, etc. The Bank uses financial derivative transactions for raising cost effective funds and hedging its balance sheet exposures, with the objective of reducing market risks. The Bank is a member of the Indian Financial Network (INFINET). The Bank holds a digital certificate to deal through the Negotiated Dealing System-Order Matching segment (NDSOM) of the RBI, which provides the electronic dealing platform for trading in GOI securities. The securities / foreign exchange transactions of the Bank are routed through the Guaranteed Settlement Facility provided by the Clearing Corporation of India Ltd. (CCIL). The Bank is an active member of Tri-Party Repo Dealing System (TREPS) segment of CCIL. The Bank is also a member of Clearcorp Order Matching System (CROMS), the Reverse Repo dealing system of CCIL. CROMS is a Straight Through Processing enabled anonymous order matching platform launched by CCIL to facilitate dealing in market repos in all kinds



मैचिंग प्लेटफॉर्म है, जो सभी प्रकार की सरकारी प्रतिभूतियों की T+0/T+1 आधार पर मार्केट रेपो में खरीद-बिक्री को सुगम बनाता है। सीसीआईएल सभी क्रोम्स लेनदेनों के लिए केंद्रीय काउंटरपार्टी के रूप में काम करती है। सभी निपटान सीसीआईएल द्वारा गारंटित होते हैं। वाणिज्यिक पत्रों/जमा प्रमाण पत्रों में द्वितीयक बाजार सौदों और कॉर्पोरेट ऋण प्रतिभूतियों में रेपो की क्लीयरकॉर्प के वित्तीय बाजार लेनदेन की रिपोर्टिंग और पृष्टिकरण प्लैटफॉर्म (एफ-ट्रैक) के जरिए रिपोर्टिंग और पृष्टि की जाती है। बैंक में लंदन शाखा से कनेक्टिविटी के साथ केन्द्रीकृत स्विफ्ट सुविधा भी है, जो 'मल्टिपल बैंक आइडेंटिफायर कोड्स' को संभालने में सक्षम है।

सूचना प्रौद्योगिकी

वर्ष के दौरान, विभिन्न क्षेत्रों में आईटी सिस्टम अपग्रेड किए गए। इनमें कोर बैंकिंग सिस्टम, व्यवसाय आसूचना, डिजिटल प्रलेखन, ऑटोमैटिक वर्कफ्लो, नेटवर्क, ढांचागत सुविधा तथा सुरक्षा जैसे विभिन्न क्षेत्र शामिल हैं। बैंक ने सूचना प्रौद्योगिकी अभिशासन के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुपालन में अपनी पद्धतियों और प्रक्रियाओं को सुदृढ़ किया है।

बेंक ने व्यवसाय की बढ़ती जरूरतों के अनुसार, बुनियादी ढांचे में निवेश करना जारी रखा और अपने सभी कार्यालयों में नेटवर्क तथा डाटा सेंटर का उन्नयन करना जारी रखा। बैंक के कोर बैंकिंग सिस्टम और भुगतान चैनलों (आरटीजीएस/एनईएफटी और स्विफट) के बीच एकीकरण के चलते बेहतर निधि प्रबंधन और निधियों का रियल टाइम में विनियोजन होता है। बैंक, भारतीय बैंकिंग उद्योग में ब्लॉक चेन आधारित प्रौद्योगिकी के क्रियान्वयन की व्यवहार्यता परखने के लिए भारतीय बैंकों के फोरम, बैंक चेन के पहले सदस्यों में से एक बन गया है।

बेंक ने नवीनतम प्रौद्योगिकी वाली अपनी नई डिजास्टर रिकवरी साइट स्थापित की है, जिसमें न्यूनतम मानव संसाधन अपेक्षित है। क्लाउड और डिवाइस आधारित ऑडियो–वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुविधा से विभिन्न पक्षों के बीच अबाधित व्यवसाय संचार संभव हो पाता है।

मानव संसाधन प्रबंधन

यथा 31 मार्च, 2019 को बैंक के कुल कर्मचारियों की संख्या 350 रही, जिनमें प्रबंधन स्नातक, सनदी लेखाकार,

of Government Securities on T+0/T+ 1 basis. CCIL acts as a central counterparty to all CROMS trades and settlements are guaranteed by CCIL. Secondary market dealings in Commercial Papers / Certificate of Deposits and Repo in Corporate Debt Securities are reported and confirmed through a Clearcorp's Financial Market Trade Reporting and Confirmation Platform, F-TRAC. The Bank has a centralised SWIFT facility (with connectivity to the London Branch) which is capable of handling multiple Bank Identifier Codes.

Information Technology

During the year, IT systems were upgraded in various areas including core banking system, business intelligence, digital documentation, automatic workflows, networks, infrastructure and security. The Bank strengthened its practices and procedures in compliance with international standards for IT Governance.

The Bank continued to invest on infrastructure to support the growing business needs and upgraded networks across its offices and data centre. Seamless integration between the Bank's core banking system and payment channels (RTGS / NEFT and SWIFT) supports better fund management and real time appropriation of funds. The Bank became one of the early members of BankChain, which is a forum of Indian banks formed to explore the feasibility of implementation of Blockchain based technology in Indian banking industry.

The Bank has established its new Disaster Recovery Site with latest technology and minimal human intervention. Cloud and device based audio-video conferencing facility enables seamless business communication among stakeholders.

Human Resources Management

The Bank's staff, comprising management graduates, chartered accountants, bankers,

बैंकर, अर्थशास्त्री, विधि, पुस्तकालय एवं प्रलेखीकरण विशेषज्ञ, इंजीनियर, भाषा विशेषज्ञ, मानव संसाधन, कॉर्पोरेट संचार तथा सूचना प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ शामिल हैं। इनमें से 293 स्टाफ सदस्यों की प्रोफेशनल टीम की सहायता कुशल और प्रतिबद्ध प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा की जाती है। बैंक एक ''लर्निंग संस्था'' के रूप में अपने अधिकारियों के कौशल का निरंतर उन्नयन करने के लिए विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता रहता है। अधिकारियों को विशिष्ट पोर्टफोलियो संभालने के लिए उनके कौशल विकास के उद्देश्य से उन्हें ई-लर्निंग सहित विशिष्ट समृह प्रशिक्षण कार्यक्रमों और सेमिनारों के लिए नामित किया जाता है। वित्तीय वर्ष के दौरान बैंक के 230 अधिकारियों ने बैंक के व्यवसाय से संबंधित वित्तीय मॉडलिंग और दबावग्रस्त आस्तियों के प्रबंधन जैसे क्षेत्रों तथा बैंक के उत्पादों और सेवाओं, भारतीय लेखांकन मानकों, सतर्कता, विनियामक पहलुओं और व्यक्तिगत विकास जैसे विषयों पर प्रशिक्षण कार्यक्रमों और सेमिनारों में हिस्सा लिया। वर्ष के दौरान, बैंक के करीब 66 प्रतिशत अधिकारियों को प्रतिष्ठित संस्थानों दारा आयोजित 89 प्रशिक्षण कार्यक्रमों में नामित किया गया।

अनुसूचित जातियों, जनजातियों तथा अन्य पिछड़े वर्गों का प्रतिनिधित्व

यथा 31 मार्च, 2019 को बैंक की सेवा में कुल 350 स्टाफ सदस्यों में 36 अनुसूचित जाति, 24 अनुसूचित जनजाति और 56 अन्य पिछड़ा वर्ग श्रेणी से रहे। इन स्टाफ सदस्यों को सूचना प्रौद्योगिकी सहित कॉर्पोरेट ग्रूमिंग एवं शिष्टाचार, सचिवीय कार्यपद्धतियों और बैंक के उत्पाद एवं सेवाओं जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षण प्रदान किया गया। बैंक ने नॉर्थ ईस्टर्न रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, अरुणाचल प्रदेश के अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति तथा अन्य

economists, legal, library and documentation experts, engineers, linguists, human resources, corporate communication and IT specialists, numbered 350 on March 31, 2019. The professional team of 293, is supported by administrative officers. As a "learning organisation", the Bank organises various group training programmes, facilitating continuous upgradation of skills of its staff. Officers are nominated for customised training programmes and seminars including e-learning, aimed at developing and enhancing skill sets for handling highly specialised portfolios. During the financial year, 230 officers attended training programmes and seminars on subjects relevant to the Bank's business, in the areas of financial modelling, management of stressed assets, overview of the Bank's products and services, Ind AS, vigilance, regulatory aspects, self-development, among others. Nearly 66 per cent of the Bank's officers were nominated for 89 training programmes conducted by reputed institutes during the year.

Representation of Scheduled Castes, Scheduled Tribes and other Backward Classes

Of the total staff of 350 in the Bank's service as on March 31, 2019, there were 36 Scheduled Caste, 24 Scheduled Tribe and 56 Other Backward Class staff members. Training in information technology and other areas such as corporate grooming and etiquette, secretarial practices and Bank's products and services, was provided to these staff members. The Bank continues to grant





बैंक के मुंबई और नई दिल्ली कार्यालयों में रक्तदान अभियानों का आयोजन किया गया। Blood donation drives were organised by Exim Bank at its offices in Mumbai and New Delhi.



पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान करना जारी रखा है। साथ ही बैंक ने किलंग इस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी यूनिवर्सिटी, ओडिशा; भारतीय विदेश व्यापार संस्थान, नई दिल्ली; दिल्ली स्कूल ऑफ इकनॉमिक्स, नई दिल्ली और जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के आरक्षित श्रेणी के छात्रों के लिए भी छात्रवृत्ति शुरू की है। बैंक ने पूर्वोत्तर क्षेत्र और विशेष रूप से जनजातीय समुदाय के छात्रों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए नागालैंड विश्वविद्यालय; नॉर्थ ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी मेघालय; त्रिपुरा विश्वविद्यालय और सिक्किम विश्वविद्यालय में भी नई छात्रवृत्तियां शुरू की हैं।

''महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध और प्रतितोष) अधिनियम, 2013'' के अंतर्गत आंतरिक शिकायत समिति

बैंक कार्यस्थल पर महिलाओं के लैंगिक उत्पीड़न के सख्त खिलाफ है और इसके लिए जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाता है। बैंक में ''महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध और प्रतितोष) अधिनियम, 2013'' के प्रावधानों और इस अधिनियम के अंतर्गत बने नियमों के अनुरूप, कार्यस्थल पर महिलाओं के लैंगिक उत्पीड़न के निवारण, प्रतिषेध और प्रतितोष पर नीति लागू है। इसका उद्देश्य बैंक में कार्यरत महिला कर्मचारियों को सुरक्षा प्रदान करना और लैंगिक उत्पीड़न की शिकायत अथवा ऐसे किसी अन्य मामले का निवारण अथवा प्रतितोष कर महिलाओं को कार्यालय में सुरक्षित वातावरण प्रदान करना है। बैंक के सभी कर्मचारियों ने बैंक द्वारा कार्यान्वित इस नीति को पढ़-समझ लिया है तथा वे इससे अवगत हैं।

इस अधिनियम के अनुपालन में बैंक ने कार्यस्थल पर महिलाओं के लैंगिक उत्पीड़न संबंधी घटनाओं की शिकायतों पर विचार करने के लिए अधिनियम में परिभाषित अनुसार आंतरिक समिति(यों) का गठन किया है। समिति(यों) की नियमित बैठकें हुई हैं और बैंक के सभी कार्यालयों के कर्मचारियों के लिए इस संबंध में जागरूकता सत्रों का आयोजन भी किया गया। वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान, आंतरिक शिकायत समिति(यों) को कोई शिकायत नहीं मिली।

scholarships for students from Scheduled Castes, Scheduled Tribes and Other Backward Classes at the North Eastern Regional Institute of Science and Technology, Arunachal Pradesh, and has instituted scholarships for reserved category students of the Kalinga Institute of Industrial Technology University, Odisha; Indian Institute of Foreign Trade, New Delhi; the Delhi School of Economics, New Delhi; and the Jawaharlal Nehru University, New Delhi. The Bank has instituted new scholarships at Nagaland University; North Eastern Hill University, Meghalaya; Tripura University; and Sikkim University, to focus on the North Eastern region, and particularly on students from tribal communities.

Internal Complaints Committee under "The Sexual Harassment of Women at Workplace (Prevention, Prohibition and Redressal) Act, 2013"

The Bank has zero tolerance for sexual harassment at workplace and has adopted a Policy on Prevention, Prohibition and Redressal of Sexual Harassment of Women at the Workplace, in line with the provisions of the Sexual Harassment of Women at Workplace (Prevention, Prohibition and Redressal) Act, 2013 (the Act) and the Rules made thereunder. The Policy aims to provide protection to women employees at the workplace and prevent and redress complaints of sexual harassment and for matters connected or incidental thereto, with the objective of providing a safe working environment. All employees of the Bank have read, acknowledged and are aware of the Policy implemented by the Bank.

In compliance with the Act, the Bank has constituted Internal Complaints Committee(s) for considering complaints of sexual harassment of women at the workplace as defined under the Act. The committee(s) have held regular meetings and also organised awareness sessions for employees at all offices of the Bank. During the FY 2018-19, no complaints have been received by the Internal Complaints Committee(s).









एक्ज़िम बैंक ने स्वच्छता पखवाड़े के दौरान देशभर में सफाई अभियान और वृक्षारोपण अभियानों का आयोजन किया। Exim Bank organised clean-up drives and tree plantation drives across India, as part of the Swachhata Pakhwada.

पर्यावरणीय, सामाजिक और सुशासन (ईएसजी) फ्रेमवर्क

बैंक में बोर्ड द्वारा अनुमोदित ''पर्यावरण, सामाजिक और स्शासन (ईएसजी)'' नीति लागू है। एक्ज़िम बैंक, बैंकों के लिए संपोषी फ्रेमवर्क पर भारतीय बैंक संघ (आईबीए) की अगुआई वाले मंच का भी सदस्य है। आईबीए ने ऋण मूल्यांकन प्रक्रिया में ईएसजी आधारित जोखिम विश्लेषण को शामिल करने के साथ-साथ ग्रीन फायनेंस के नए तरीकों का इस्तेमाल करते हुए हरित निवेश की दिशा में आगे बढ़ने के एक्ज़िम बैंक के प्रयासों की सराहना की है। बैंक अपने विभिन्न वित्तपोषण कार्यक्रमों के जरिए भारत और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संपोषी बैंकिंग को बढ़ावा दे रहा है। बैंक अक्षय ऊर्जा, ऊर्जा दक्षता, कचरा प्रबंधन, जन परिवहन और कम ऊर्जा की खपत करने वाले परिवहन के साधनों जैसे क्षेत्रों में परियोजनाओं का वित्तपोषण कर रहा है। बैंक अपने ग्रासरूट उद्यम विकास कार्यक्रम के जरिए समावेशी विकास को भी बढ़ावा दे रहा है। यह वृद्धिशील रूप से माना जा रहा है कि जलवायु परिवर्तन की चुनौती मुंह बाए

Environmental, Social and Governance Framework

The Bank has in place a Board-approved "Environment, Social and Governance (ESG) Policy". The Bank is also a part of the deliberations led by the Indian Banks Association (IBA) on a sustainability framework for Banks. The IBA has appreciated the efforts of the Bank, towards integrating ESG based risk assessment into the credit appraisal process, as well as making forward strides on aspects of green investment using new modes of green finance. The Bank has been promoting sustainable banking both in India as well as internationally through its various financing programmes. The Bank has been funding projects in areas such as renewable energy, energy efficiency, waste management, mass transportation, and energy efficient transport. The Bank is also promoting inclusive growth through its Grassroots Initiatives and Development programme. It is



खड़ी है और इससे निपटने के लिए प्रभावी, सक्षम और उचित कार्रवाई के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सामूहिक प्रयास करना महत्त्वपूर्ण होगा। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) समयोचित रूप से एक महत्त्वपूर्ण कदम के रूप में सामने आया है। 2015 में पेरिस में हुए संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन के दौरान फ्रांस के राष्ट्रपति और भारत के प्रधानमंत्री द्वारा इसकी शुरुआत की गई। आईएसए पर सूचना के प्रचार-प्रसार के लिए बैंक ने भारत के प्रमुख शहरों में चर्चापरक सत्रों का आयोजन किया।

बैंक ईएसजी संबंधी मानकों के लिए अपने आंतरिक परिचालनों की भी समीक्षा कर रहा है। बैंक ने ऊर्जा की खपत को कम करने के लिए इलेक्ट्रिकल ऑडिट के साथ-साथ अन्य उपाय भी किए हैं। बैंक बैठकों की कार्यसूची ऑनलाइन भेजने के साथ-साथ ई-ग्रीटिंग; और विभिन्न अवसरों एवं समारोहों के लिए ई-आमंत्रण पत्रों के माध्यम से कागज के प्रयोग को भी घटा रहा है। वीडियो / टेलिकॉन्फ्रेंसिंग के प्रयोग से कार्बन फुटप्रिंट कम करने में भी मदद मिली है। बैंक ने अपने स्टाफ सदस्यों को प्रदान किए आवासीय परिसरों में वृक्षारोपण अभियान चलाकर अपने ''गो ग्रीन'' प्रयासों को बढ़ावा दिया है।

कार्यक्रमों में पुष्पगुच्छ प्रदान करने के विकल्प के रूप में बैंक ने अतिथि के नाम से सामाजिक कार्यों (जैसे अक्षय पात्र) के लिए योगदान प्रमाण पत्र देना शुरू किया है। गैर-लाभकारी संगठन अक्षय पात्र फाउंडेशन सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में मिड-डे मील योजना चलाते हुए भारत में भूख और कुपोषण जैसी समस्याओं से निपटने के लिए प्रयासरत है।

भारत सरकार के 'स्वच्छ भारत मिशन' के अनुरूप, बैंक के स्टाफ ने मुंबई में वकील और पर्यावरण कार्यकर्ता श्री अफरोज शाह के साथ मिलकर वर्सोवा बीच सफाई अभियान में हिस्सा लिया। श्री शाह 'संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रमः द चैंपियन ऑफ अर्थ अवॉर्ड 2016' पाने वाले पहले भारतीय हैं। एक्जिम बैंक के अधिकारियों और उनके परिजनों ने वर्सोवा बीच से प्लास्टिक का कई टन कचरा साफ करने में योगदान दिया है। इसके अतिरिक्त, बैंक ने वर्सोवा बीच और आसपास बने 52 शौचालयों के रखरखाव के लिए भी सहयोग दिया है। इस क्षेत्र के करीब 20,000 निवासियों द्वारा रोजाना इस्तेमाल होने वाले इन शौचालयों की मरम्मत अत्यंत आवश्यक थी।

increasingly being realised that climate change is one of the most pressing challenges and therefore an international collective action will be critical for driving an effective, efficient and equitable response to this challenge. The International Solar Alliance (ISA) at this juncture, comes as an important step, highlighting the need of the hour. It was launched at the UN Climate Change Conference in Paris at the end of 2015 by the President of France and the Prime Minister of India. The Bank has conducted a series of information dissemination exercises through various interactive sessions across major cities in India on the ISA.

The Bank has been reviewing its internal operations for ESG-related parameters. The Bank has also taken up electrical audit and associated measures for optimising energy consumption. The Bank also aims to minimise use of paper through digitisation of workflows including circulation of agenda papers for meetings, e-greetings, and e-invites for various occasions and functions. Use of video / teleconferencing helps reduce the carbon footprint. The Bank has also showcased its initiative of "Go Green" by sapling plantation drives in housing societies where the Bank provides accommodation to staff members.

As an alternative to presenting bouquets at events, donation certificates in the name of the recipient for a social cause (such as Akshaya Patra) have been introduced in the Bank. The Akshaya Patra Foundation, a not-for-profit organisation headquartered in Bengaluru, strives to fight issues like hunger and malnutrition in India, by implementing the mid-day meal scheme in the government schools and government-aided schools.

In line with Government of India's 'Swachh Bharat Mission', the staff of Bank participated in the Versova beach clean-up drive in Mumbai with





एक्ज़िम बैंक ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर स्टाफ सदस्यों के लिए योग कार्यशाला आयोजित की।

Exim BanWk organised a yoga workshop for staff on the International Yoga Day.

वर्ष के दौरान, बैंक ने भगवान महावीर विकलांग सहायता सिमित (बीएमवीएसएस), जयपुर को सहयोग प्रदान किया। यह सहयोग मोज़ाम्बिक में 250 कृत्रिम अंग प्रदान करने के लिए लगाए गए कैंप के लिए प्रदान किया गया। बीएमवीएसएस जयपुर फुट की मूल संस्था है, जिसके कृत्रिम अंग दुनियाभर में सबसे अधिक इस्तेमाल किए जाते हैं।

बैंक अपने अभियानों, नए घटनाक्रमों और उपलब्धियों से अपने ग्राहकों को अवगत कराने के लिए अन्य के साथ – साथ सोशल मीडिया का भी सदुपयोग करता है। ये प्लेटफॉर्म विभिन्न पक्षों को अपना फीडबैक प्रदान करने और बैंक तक सीधे पहुंच बनाने का माध्यम भी हैं।

ऋणदाताओं के लिए उचित आचार संहिता

बैंक में भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशानिर्देशों के अनुरूप ऋणदाताओं के लिए उचित आचार संहिता के संबंध में नीति विद्यमान है, जो निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित है। प्रत्येक वर्ष इस नीति की समीक्षा की जाती है।

बैंक में केवाईसी, एएमएल एवं सीएफटी उपाय

बैंक में भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा जारी दिशानिर्देशों के अनुरूप 'अपने ग्राहक को जानिए (केवाईसी) मानदंडों, धनशोधन निवारण (एएमएल) मानकों और आतंकवाद के वित्तपोषण का प्रतिरोध (सीएफटी)' पर निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित नीति है।

केवाईसी, एएमएल तथा सीएफटी नीतियों में निम्नलिखित शामिल हैं:

क) ग्राहक स्वीकार्यता नीति

Mr. Afroz Shah, a lawyer and environment activist based in Mumbai who is the first Indian recipient of the highest international environmental award by the UN Environment Programme: the Champion of Earth Award for 2016. Officers of Exim Bank and their kin have made substantial contribution towards removing tonnes of plastic waste from the Versova beach as a part of this ongoing project. In addition to this, the Bank has provided support to restoration and maintenance of 52 toilets in and around the Versova beach. These toilets, used by around 20,000 residents from the area daily, were in dire need of restoration.

During the year, the Bank supported Bhagwan Mahaveer Viklang Sahayata Samiti (BMVSS), Jaipur, for an artificial limb fitment camp wherein 250 artificial limbs were provided to amputees in Mozambique. BMVSS is the parent body of the Jaipur foot / limb, the most widely used artificial foot / limb in the world.

The Bank also leverages social media to reach out to customers for campaigns, new developments and achievements, among others. The platforms are also avenues for stakeholders to provide feedback and reach out to the Bank directly.

Fair Practices Code for Lenders

The Bank has in place, a Board approved policy on Fair Practices Code for Lenders framed in line with RBI guidelines. The policy is reviewed every year.

KYC, AML and CFT Measures of the Bank

The Bank has a policy approved by the Board on 'Know your Customer (KYC) norms, Anti Money Laundering (AML) standards, and Combating Financing of Terrorism (CFT). The Policy conforms to the RBI guidelines on this matter.

The KYC, AML & CFT policy covers:

a) Customer Acceptance Policy



- ख) जोखिम प्रबंधन
- ग) ग्राहक पहचान प्रक्रिया
- घ) संव्यवहारों की निगरानी

बैंक द्वारा बैंकरों के एक्युटी डेटाबेस को भी एक्सिस किया जाता है, जो विश्व के प्रमुख बिजनेस प्रकाशनों में से एक, रीड एल्सीवियर समूह की ईकाई 'रीड बिजनेस इंफॉर्मेशन' की एक ऑनलाइन डेटाबेस सेवा है। यह बैंकरों के लिए अनुपालन डेटाबेस है। एक्यूटी की ग्लोबल वॉचलिस्ट काफी व्यापक है और इसमें विश्व के सभी प्रमुख मंजूरकर्ता निकायों, कानून प्रवर्तन एजेंसियों और वित्तीय नियामकों की चेतावनी सूचियों के संग्रह का समावेश है। बैंक के सभी ग्राहकों को केवाईसी मानकों के अधीन लाया जाता है। इससे स्वाभाविक व्यक्ति/ कानूनी व्यक्ति तथा 'हितकारी स्वामित्व' की पहचान में मदद मिलती है। केवाईसी नीतियां तथा प्रक्रियाएं सावधि जमा खाताधारकों, प्रतिनिधि बैंकों, नए स्टाफ की भर्ती तथा ट्रेजरी संव्यवहारों से संबंधित प्रतिपक्षी पार्टियों पर भी लागू की जाती हैं। बैंक अपने काउंटर पार्टी बैंकों द्वारा केवाईसी मानदंडों के संबंध में अनुपालन सुनिश्चित कराने के लिए अंतरराष्ट्रीय बाजार पद्धति के अनुरूप वोल्फ्सबर्ग ग्रुप एएमएल प्रश्नावली के माध्यम से अपेक्षित डाटा प्राप्त करता है। बैंक, भारतीय रिजर्व बैंक और सेबी द्वारा विनिर्दिष्ट प्रक्रियाओं तथा तरीकों के अनुसार कतिपय संव्यवहारों के बारे में रिकॉर्ड/ सूचना भी रखता है तथा ये रिकॉर्ड, संव्यवहार की तारीख से दस वर्षों तक सुरक्षित रखे जाते हैं। बैंक ने केवाईसी, एएमएल तथा सीएफटी के उपायों के लिए एक मुख्य अधिकारी को नियुक्त किया है। केवाईसी, एएमएल और सीएफटी नीति को बैंक की वेबसाइट पर भी रखा गया है।

राजभाषा नीति के कार्यान्वयन में प्रगति

वित्तीय वर्ष के दौरान, बैंक ने भारत सरकार की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन को सुदृढ़ बनाने के अपने प्रयासों को जारी रखा। राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार से प्राप्त वित्तीय वर्ष 2018-19 के वार्षिक कार्यक्रम को लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए बनाई गई लक्ष्योन्मुख कार्य-योजना के जिए कार्यान्वित किया गया। इस संबंध में बैंक के प्रधान कार्यालय और क्षेत्रीय कार्यालयों की राजभाषा कार्यान्वयन समितियों ने राजभाषा कार्यान्वयन में प्रगति की नियमित रूप से समीक्षा और निगरानी की। अधिकारियों को हिन्दी सीखने

- b) Risk Management
- c) Customer Identification Procedure
- d) Monitoring of transactions

The Bank also has access to the Bankers Accuity Database, an online database service which is a product of one of the world's leading business publishers, Reed Business Information, part of the Reed Elsevier Group. It is a compliance database for bankers. Accuity's enhanced Global Watch List is a comprehensive collection of caution lists from all major sanctioning bodies, law enforcement agencies and financial regulators worldwide. All the customers of the Bank are subjected to KYC standards, which establish the identity of the natural / legal person and those of the 'beneficial owners'. Implementation of KYC policies and procedures covers identification of term deposit holders, correspondent banks, recruitment of new staff members and counter party identification with regard to treasury transactions. The Bank obtains data required for ensuring compliance by its counter party banks with regard to KYC norms through the Wolfsberg Group AML Questionnaire, in line with international market practice. The Bank also maintains information in respect of certain transactions in accordance with the procedure and manner as may be specified by the RBI and SEBI, as the case may be, from time to time, and the records are maintained for a period of ten years from the date of the transaction. The Bank has appointed a Principal Officer responsible for its KYC, AML and CFT measures. The KYC, AML & CFT Policy is posted on the Bank's website.

Progress in Implemention of the Official Language Policy

During the financial year, the Bank continued its efforts to strengthen the implementation of



और दैनिक कार्यों में हिन्दी के प्रयोग को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से बैंक में प्रोत्साहन योजना लागू है। बैंक की गृह पत्रिका 'एक्ज़िमअस' में हिन्दी खंड भी है। हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में एक्जिमिअस का एक अंक राजभाषा विशेषांक के रूप में प्रकाशित किया जाता है। अधिकारियों को हिन्दी में अपनी रचनाएं देने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है और सर्वश्रेष्ठ मौलिक रचनाओं को पुरस्कृत किया जाता है। बैंक ने नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों की बैठकों में सक्रियता से हिस्सा लिया और अपने अधिकारियों को अंतर-बैंक हिन्दी प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने के लिए प्रोत्साहित किया। वर्ष के दौरान, अधिकारियों की हिन्दी प्रशिक्षण आवश्यकताओं को चिह्नित किया गया और उन्हें हिन्दी में कार्यसाधक ज्ञान तथा प्रवीणता प्राप्त करने हेत् प्रशिक्षण के लिए नामित किया गया। यूनिकोड के प्रयोग को बढ़ावा दिया गया और अधिकारियों को कंप्यूटर पर हिन्दी में काम करने के लिए उपलब्ध सॉफ्टवेयरों / सुविधाओं का प्रयोग करने के लिए प्रशिक्षण दिया गया।

भारत सरकार के निर्देशों के अनुपालन में, बैंक में 14 अगस्त से 14 सितंबर, 2018 तक हिन्दी माह मनाया गया। हिन्दी माह के दौरान विभिन्न हिन्दी प्रतियोगिताओं, व्याख्यानों the Official Language Policy of the Government of India. The Annual Programme for 2018-19, received from the Department of Official Language, Ministry of Home Affairs, Government of India, was implemented through a target-oriented action plan. Towards this end, Official Language Implementation Committees at the Bank's Head Office and Regional Offices reviewed and monitored the progress on a regular basis. A scheme offering incentives aimed at encouraging officers to learn and use Hindi in their day-to-day work is in place in the Bank. The Bank's in-house magazine, 'Eximius', includes a Hindi section. A special issue of Eximius is brought out as 'Rajbhasha Visheshank' on the occasion of Hindi Day. Officers are encouraged to contribute articles in Hindi and best original articles are rewarded. The Bank has actively participated in the meetings of Town Official Language Implementation Committees and has encouraged its officers to participate in the inter-bank Hindi competitions. During the year, Hindi training needs of officers were identified and









एक्जिम बैंक के प्रधान कार्यालय और कोलकाता, पुणे तथा बेंगलूरु क्षेत्रीय कार्यालयों को राजभाषा हिन्दी के श्रेष्ठ कार्यान्वयन के लिए संबंधित अपनी नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों द्वारा सम्मानित किया गया।

Exim Bank's head office and its regional offices at Kolkata, Bengaluru and Pune received awards by respective Town Official Language Implementation Committees for their commendable work in implementing Hindi language.



और कार्यक्रमों के आयोजन के माध्यम से हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा दिया गया। इसके अलावा, बैंक ने राजभाषा संबंधी समस्त सामग्री को एक प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से एक राजभाषा पोर्टल लॉन्च किया। बैंक की कॉर्पोरेट वेबसाइट और एक्जिम मित्र पोर्टल दोनों हिन्दी और अंग्रेजी में हैं, जिन्हें बैंक के कार्यक्रमों और सेवाओं की सूचना का प्रसार सुनिश्चित करने के लिए नियमित रूप से अद्यतित किया जाता है।

बेंक के तिमाही प्रकाशन 'एक्ज़िमिअस एक्सपोर्ट एडवांटेज' के सभी अंकों का हिन्दी रूपांतरण 'एक्ज़िमिअसः निर्यात लाभ' शीर्षक से प्रकाशित किया गया। बैंक के द्विमासिक प्रकाशन 'एग्री एक्सपोर्ट एडवांटेज' के सभी अंकों का हिन्दी रूपांतरण 'कृषि निर्यात लाभ' शीर्षक से प्रकाशित किया गया। हिन्दी और अंग्रेजी के अतिरिक्त इसका प्रकाशन 10 अन्य भारतीय भाषाओं में भी किया जाता है। हिन्दी के प्रगामी प्रयोग विषयक भारत सरकार की नीति के अनुसार, बैंक के पुस्तकालय को विदेश व्यापार, वाणिज्य, वित्तपोषण, बैंकिंग, सूचना प्रौद्योगिकी तथा अन्य विषयों पर नई पुस्तकों से समृद्ध बनाया गया।

कार्यालयीन उद्देश्यों के लिए हिन्दी के प्रयोग को बढ़ाने के बैंक के प्रयासों को विभिन्न प्राधिकारियों द्वारा सराहा गया। बैंक के प्रधान कार्यालय के अतिरिक्त कोलकाता, पुणे और बेंगलूरु क्षेत्रीय कार्यालयों को राजभाषा हिन्दी में सराहनीय कार्य निष्पादन के लिए राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में गठित अपनी-अपनी नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों द्वारा पुरस्कृत किया गया। वित्तीय वर्ष 2017-18 के लिए 'कृषि निर्यात लाभ' को हिन्दी न्यूजलेटर श्रेणी में पीआरएसआई द्वारा पुरस्कृत किया गया। अधिकारियों को नित नए शब्दों से अवगत कराने के उद्देश्य से बैंक के अभिनव प्रयास 'शब्दों की मेल' को एसोसिएशन ऑफ़ बिजनेस कम्यूनिकेटर्स ऑफ इंडिया (एबीसीआई) द्वारा विशेष कॉलम श्रेणी में पुरस्कृत किया गया।

सूचना का अधिकार

सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 में परिभाषित अनुसार, एक्ज़िम बैंक एक लोक प्राधिकरण है और इस many officers were nominated for training to attain working knowledge as well as proficiency in Hindi. Use of Unicode was encouraged and officers were given training to use software / facilities available for working in Hindi on computers.

In pursuance of the Government's directives, a Hindi month commencing from August 14, 2018, was celebrated in the Bank. Usage of Hindi was encouraged during the Hindi month by organising various Hindi competitions, talks and programmes. Apart from this, the Bank launched the Rajbhasha Portal, with the aim to make available all the material related to the official language on a common platform. The Bank maintains its corporate website and a portal named Exim Mitra both in Hindi and English, which are regularly updated for ensuring wider dissemination of information on the Bank's programmes and services.

Hindi versions of all the issues of 'Eximius Export Advantage', a quarterly publication of the Bank, were published under the title 'Eximius: Niryaat Laabh'. Issues of 'Agri Export Advantage', a bi-monthly publication of the Bank, were also published in Hindi under the title 'Krishi Niryaat Laabh', and is also translated in 10 other Indian languages. In pursuance of Government of India's policy regarding increasing use of Hindi, new Hindi books, particularly on foreign trade, commerce, finance, banking, information technology and other subjects, were added to the Bank's library.

The Bank's efforts for increasing the use of Hindi for official purposes received recognition from various authorities. The Bank's head office, and regional offices at Kolkata, Pune and Bengaluru were awarded for commendable performance in implementing the Official Language Policy by their respective Town Official Language Implementation Committees, constituted under the aegis of Department of Official Language, Ministry of Home Affairs, Government of India, 'Krishi Niryaat Laabh'



अधिनियम के प्रावधानों के अंतर्गत भारतीय नागरिक सूचना प्राप्त करने के लिए बैंक के लोक सूचना अधिकारी, प्रधान कार्यालय मुंबई अथवा सहायक लोक सूचना अधिकारियों, भारत के क्षेत्रीय कार्यालयों को अपने आवेदन भेज सकते हैं। इनके पते बैंक की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। बैंक ने सरकारी प्राधिकारियों द्वारा समय-समय पर जारी दिशानिर्देशों का अनुपालन किया है। वित्तीय वर्ष के दौरान, बैंक को कुल 98 आरटीआई आवेदन प्राप्त हुए (जिनमें अन्य सार्वजनिक प्राधिकारियों द्वारा एक्जिम बैंक को हस्तांतरित मामले भी शामिल हैं) और आरटीआई अधिनियम के अंतर्गत निर्दिष्ट अनुसार, 30 दिनों की समयसीमा के भीतर इनके जवाब दिए गए। बैंक ने इस वर्ष के दौरान www.dsscic.nic.in पोर्टल पर त्रैमासिक आरटीआई रिटर्न दाखिल किए।

संयुक्त उद्यम

एक्जिम बैंक द्वारा वर्ष 1996 में निजी क्षेत्र की संस्था के रूप में स्थापित ग्लोबल प्रोक्योरमेंट कन्सल्टेंट्स लि. (जीपीसीएल), एक्ज़िम बैंक तथा निजी और सार्वजनिक क्षेत्र की अन्य 9 प्रतिष्ठित कंपनियों का एक संयुक्त उद्यम है। जीपीसीएल एक नवोन्मेषी संकल्पना थी, जिसकी स्थापना कृषि, ऊर्जा, उद्योग, खनन, परिवहन, जल संसाधन जैसे क्षेत्रों से जुड़ी अग्रणी कंपनियों की भागीदारी में की गई थी। जीपीसीएल ने गत वर्ष अपनी प्रोक्योरमेंट सेवाओं के दायरे को बढ़ाया है, जिनमें बोली के लिए परामर्श, प्रोक्योरमेंट प्रशिक्षण, ई-प्रोक्योरमेंट सॉल्यूशन, परियोजना की पहचान करना, पूर्व व्यवहार्यता अध्ययन, रिपोर्ट तैयार करना और उनकी समीक्षा करना, ऋणदाता इंजीनियर के रूप में काम करना, परियोजना की सम्यक जांच करना, परियोजना की निगरानी करना, मूल्यांकन, क्षमता निर्माण तथा द्विपक्षीय एवं बह्पक्षीय ऋणदात्री एजेंसियों को विभिन्न सेवाएं प्रदान करना शामिल हैं। वित्तीय वर्ष 2018-19 में ₹ 13.12 मिलियन के कर पूर्व लाभ के साथ कंपनी ने ₹ 54.20 मिलियन की आय दर्ज की।

बैंक ने अफ्रीका में बुनियादी ढांचागत परियोजनाओं के विकास पर ध्यान केंद्रित करने के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर लीजिंग एंड फायनैंशल सर्विसेज लिमिटेड, भारतीय स्टेट बैंक तथा was awarded by PRSI under the Hindi newsletter category for FY 2017-18. The Bank's new initiative 'Shabdon Ki Mail', an innovative effort to familiarise officers with Hindi words, was awarded by the Association of Business Communicators of India under the Special Column Category.

Right to Information

Exim Bank, as a public authority as defined in the Right to Information (RTI) Act, 2005, is compliant with the Act. Citizens of India may apply for information under the provisions of the Act by communicating the same to the Central Public Information Officer of the Bank at Head Office, Mumbai or to the Assistant Public Information Officers at the Bank's regional offices in India, as mentioned on the Bank's website. The Bank has complied with the guidelines of the government authorities, issued from time to time. During the financial year, the Bank had received a total of 98 RTI applications (including cases transferred by other public authorities to Exim Bank) and responded within the 30 days permitted for response, under the RTI Act. The Bank filed quarterly RTI returns on the portal www.dsscic.nic.in during the year.

Joint Ventures

Global Procurement Consultants Ltd. (GPCL), conceived and promoted by Exim Bank as a private sector outfit in the year 1996, is a joint venture between Exim Bank and 9 other reputed private and public sector companies. GPCL was a pioneering concept, brought to reality through a synergetic partnership among industry leaders in sectors such as agriculture, energy, industries, mining, transportation, water resources and others. GPCL, in the past year, has broadened its range of services built around the procurement function to cover areas such as bid advisory, procurement training, e-procurement solutions, project identification, prefeasibility studies, preparation and review of reports, functioning as a lender's engineer, undertaking due





अफ्रीकी विकास बैंक के साथ मिलकर कुकुजा परियोजना विकास कंपनी (केपीडीसी) स्थापित की है। केपीडीसी की प्रारंभिक पूँजी 25 मिलियन यूएस डॉलर है तथा उस पूँजी में बैंक का शेयर 4.88 मिलियन यूएस डॉलर है। कंपनी मॉरीशस में पंजीकृत है और इसका परिचालन वित्तीय वर्ष 2017-18 से शुरू हुआ है।

कंबोडिया, लाओ पीडीआर, म्यांमार और वियतनाम (सीएलएमवी) में भारतीय निवेशों को बढ़ावा देने के लिए बैंक ने वाणिज्य विभाग, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के परामर्श से परियोजना विकास निधि का फ्रेमवर्क तैयार किया है। इस पहल के अंतर्गत, विस्तृत परियोजना रिपोर्ट के लिए कंबोडिया और म्यांमार में स्वास्थ्य सेवा, म्यांमार में शिक्षा और वियतनाम में फार्मास्यूटिकल जैसे क्षेत्रों में चार परियोजनाओं को चिह्नित किया गया है। विस्तृत परियोजना रिपोर्टों को अंतिम रूप दिया जा चुका है। एक्जिम बैंक अब इन विस्तृत परियोजना रिपोर्टों के आधार पर सीएलएमवी क्षेत्र में परियोजनाएं सीएलएमवी क्षेत्र में विशेष निधियां (स्पेशल पर्पज व्हीकल) बनाकर स्थापित की जाएंगी।

diligence of projects, project monitoring, evaluation, capacity building and a variety of support services to the bilateral and multilateral lending agencies. The company recorded a total income of ₹ 54.20 million in FY 2018-19 with a pre-tax profit of ₹ 13.12 million.

The Bank along with Infrastructure Leasing & Financial Services Ltd., the State Bank of India and the African Development Bank has set up Kukuza Project Development Company (KPDC) to focus on the development of infrastructure projects in Africa. KPDC's initial capital is US\$ 25 million and the Bank's share in the capital is US\$ 4.88 million. The Company is registered in Mauritius and commenced operations in FY 2017-18.

In order to catalyse Indian investments in Cambodia, Lao PDR, Myanmar and Vietnam (CLMV), the Bank in consultation with the Department of Commerce, Ministry of Commerce and Industry, has developed a framework of a Project Development Fund. Under the initiative, four projects, in sectors like healthcare in Cambodia and Myanmar, education in Myanmar and pharmaceutical in Vietnam, had been identified for preparation of Detailed Project Reports (DPRs). The DPRs have since been finalised. Exim Bank is now in the process of implementing projects in the region based on the findings of the DPRs. The projects will be set up by way of special purpose vehicles to be set up in the CLMV region.



पुरस्कार और सम्मान Awards and Accolades AVV RDS Intercentable Constitute C

एक्ज़िम बैंक को अपने नई दिल्ली कार्यालय के लिए आईजीबीसी ग्रीन इंटीरियर्स प्लैटिनम रेटिंग से पुरस्कृत किया गया। Exim Bank was awarded with the IGBC Green Interiors Platinum rating for its New Delhi office.



एशिया प्रशांत की विकास वित्तीय संस्थाओं के संघ (एडफिएप) द्वारा एक्ज़िम बैंक को इसकी पहल 'एक्ज़िम बाज़ार' के लिए ओमान में आयोजित एडफिएप की वार्षिक बैठक के दौरान एसएमई विकास श्रेणी में मेरिट पुरस्कार से नवाजा गया। Exim Bank's initiative, Exim Bazaar received a merit award in the SME Development Category from Association of Development Financial Institutions in Asia and the Pacific (ADFIAP) during its annual meeting in Oman.



विकास वित्तीय संस्थाओं के लैटिन अमेरिकी संघ (एलीडे) द्वारा संपोषी विकास वित्तपोषण कार्यक्रम की श्रेणी में एक्जिम बैंक को मैड्रिड, स्पेन में आयोजित 49वीं आम बैठक के दौरान सम्मानित किया गया।

Exim Bank was awarded in the category of Sustainable Financing Programme by Latin American Association of Development Financing Institutions (ALIDE) during its 49th General Assembly held in Madrid, Spain.



एक्ज़िम बैंक को पर्यावरण कार्यकर्ता श्री अफरोज शाह के मुंबई में वर्सोवा बीच सफाई अभियान में योगदान के लिए संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के कार्यकारी निदेशक श्री एरिक सोलहेम द्वारा सम्मानित किया गया।

Exim Bank was felicitated by Mr. Erik Solheim, Executive Director of the United Nations Environment Programme, for its contribution to the Versova beach clean-up drive in Mumbai.



एक्ज़िम बैंक को पब्लिक रिलेशंस सोसायटी ऑफ इंडिया से विभिन्न श्रेणियों में छह पुरस्कार प्रदान किए गए।

Exim Bank won six awards in various categories from the Public Relations Society of India.



वित्तीय विवरण FINANCIAL STATEMENTS



स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट

सेवा में भारत के राष्ट्रपति वित्तीय विवरणों पर रिपोर्ट

- हमने भारतीय निर्यात-आयात बैंक ('बैंक') की सामान्य निधि के वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा कर ली है, जिसमें यथा 31 मार्च, 2019 को तुलन-पत्र एवं लाभ और हानि लेखे तथा उक्त तिथि को समाप्त वर्ष के लिए नकदी प्रवाह विवरण और महत्त्वपूर्ण लेखांकन नीतियों का सारांश एवं अन्य विवरणात्मक सूचना शामिल है।
- 2. इन वित्तीय विवरणों में विदेश स्थित 1 शाखा, भारत स्थित 9 क्षेत्रीय कार्यालयों और विदेश स्थित 8 प्रतिनिधि कार्यालयों के लेखे शामिल हैं। हमने लेखा-परीक्षा के उद्देश्य से 2 क्षेत्रीय कार्यालयों का दौरा किया और पाया कि अग्रिमों का 93%, जमा राशियों और उधारियों का 94% तथा जमा राशियों और उधारियों पर ब्याज का 96% प्रधान कार्यालय सहित इन दोनों क्षेत्रीय कार्यालयों से रहा। शेष कार्यालयों और शाखा के लेखों की समीक्षा हमने उनका दौरा करने के बजाय प्रधान कार्यालय से ही की।

वित्तीय विवरणों के लिए प्रबंधन का उत्तरदायित्व

3. बैंक का प्रबंधन इन वित्तीय विवरणों को भारतीय निर्यात आयात बैंक अधिनियम, 1981 ('अधिनियम') तथा उसके अधीन विरचित विनियमों की अपेक्षाओं के अनुरूप तैयार करने के लिए उत्तरदायी है। इस उत्तरदायित्व में, बैंक की आस्तियों को सुरक्षा प्रदान करने तथा धोखाधड़ी एवं अन्य अनियमितताओं को रोकने और उनसे बचने के लिए अधिनियम के प्रावधानों के अनुरूप समुचित लेखा अभिलेख रखना; उचित लेखा नीतियों का चयन एवं उनका अनुप्रयोग; उचित एवं विवेकसम्मत आकलन पद्धति अपनाना और निर्णय लेना; समुचित आंतरिक वित्तीय परिचालनों का निर्धारण, कार्यान्वयन तथा उनका निर्वाह करना, जो

INDEPENDENT AUDITOR'S REPORT

To, The President of India Report on the Financial Statements

- We have audited the accompanying financial statements of the General Fund of the Export-Import Bank of India ('the Bank'), which comprises of the Balance Sheet as at 31st March, 2019 and the Profit and Loss Account and the Cash Flow Statement for the year then ended and a summary of significant accounting policies and other explanatory information.
- 2. Incorporated in these financial statements are the accounts of 1 foreign branch, 9 Regional offices in India and 8 Representative offices outside India. We have visited 2 Regional offices for the purpose of audit and the same including Head Office, accounts for 93% of Advances, 94% of Deposits and Borrowings, 96% of Interest expense on Deposits and Borrowings. We have not visited balance of the offices and branches and have reviewed their accounts at Head Office.

Management's Responsibility for the Financial Statements

3. The Management of the Bank is responsible for the preparation of the financial statements in accordance with the Export-Import Bank of India Act, 1981 ('the Act') and the Regulations framed thereunder. This responsibility also includes maintenance of adequate accounting records in accordance with the provisions of the Act for safeguarding of the assets of the Bank and for preventing and detecting frauds and other irregularities; selection and application





वित्तीय विवरणों को तैयार करने और उन्हें प्रस्तुत करने के लिए आवश्यक लेखा अभिलेखों की शुद्धता और पूर्णता सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी रूप से काम करते हैं। ये वित्तीय विवरण वित्तीय स्थिति, वित्तीय कार्यनिष्पादन और बैंक के नकदी प्रवाह की सत्य और न्यायसंगत स्थिति बताते हैं और इनमें धोखाधड़ी अथवा भूलवश कोई मिथ्या कथन नहीं है।

लेखा परीक्षक का उत्तरदायित्व

- हमारा उत्तरदायित्व इन वित्तीय विवरणों के बारे में हमारे द्वारा की गई लेखा परीक्षा के आधार पर राय देना है।
- 5. हमने यह लेखा परीक्षा भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी लेखा परीक्षा मानकों के अनुरूप की है। इन मानकों में यह अपेक्षित है कि हम नैतिक अपेक्षाओं का अनुपालन करते हुए अपनी लेखा परीक्षा को इस प्रकार निष्पादित और नियोजित करें तािक तर्कपूर्ण रूप से यह सुनिश्चित किया जा सके कि इन वित्तीय विवरणों में किसी प्रकार की कोई महत्त्वपूर्ण सूचना गलत नहीं है।
- 6 लेखा परीक्षा के अंतर्गत वित्तीय विवरणों में राशियों और प्रकटीकरण को प्रमाणित करने वाले साक्ष्यों की परीक्षण के आधार पर जांच करना शामिल होता है। इसके लिए अपनाई जाने वाली प्रक्रिया पूर्णतया लेखा परीक्षकों के निर्णय पर निर्भर है, जिसमें महत्त्वपूर्ण विवरणों के संबंध में धोखाधड़ी अथवा भूलवश भ्रामक मिथ्याकथन के जोखिमों का मूल्यांकन करना शामिल है। इन जोखिमों का मूल्यांकन करते समय लेखा-परीक्षक बैंक के वित्तीय विवरणों को तैयार करने और उनके न्यायसंगत प्रस्तुतिकरण से संबंधित आंतरिक परिचालनों पर विचार करता है, ताकि परिस्थितियों के अनुसार समुचित लेखा प्रक्रिया अपनाई जा सके। लेखा परीक्षा में, बैंक के प्रबंधन द्वारा किए गए लेखा आकलनों में प्रयुक्त लेखा नीतियों की उपयुक्तता और तार्किकता के साथ-साथ वित्तीय विवरणों के समग्र प्रस्तुतिकरण का मूल्यांकन करना भी शामिल है।

of appropriate accounting policies; making judgments and estimates that are reasonable and prudent; and design, implementation and maintenance of adequate internal financial controls, that were operating effectively for ensuring the accuracy and completeness of the accounting records, relevant to the preparation and presentation of the financial statements, that give a true and fair view of the financial position, financial performance and the cash flows of the Bank and are free from material misstatement, whether due to fraud or error.

Auditor's Responsibility

- 4. Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit.
- 5. We conducted our audit in accordance with the Standards on Auditing issued by the Institute of Chartered Accountants of India. Those Standards require that we comply with ethical requirements and plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free from material misstatement.
- 6. An audit involves performing procedures to obtain audit evidence about the amounts and disclosures in the financial statements. The procedures selected depend on the auditor's judgement, including the assessment of the risks of material misstatement of the financial statements, whether due to fraud or error. In making those risk assessments, the auditor considers internal control relevant to the Bank's preparation and fair presentation of the financial statements in order to design audit procedures that are appropriate in the circumstances. An audit also includes evaluating the appropriateness of accounting policies used and the reasonableness of the accounting estimates made by the Bank's Management, as well as evaluating the overall presentation of the financial statements.



7. हमें विश्वास है कि लेखापरीक्षा के लिए हमारे द्वारा प्राप्त किए गए साक्ष्य पर्याप्त और समुचित हैं तथा हमारे लेखा परीक्षा अभिमत के लिए तर्कसंगत आधार प्रदान करते हैं।

अभिमत

- 8. हमारी राय और सर्वोत्तम जानकारी तथा हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार उक्त वित्तीय विवरण, अधिनियम तथा उसके अंतर्गत विरचित विनियमों की अपेक्षाओं के अनुरूप हैं तथा भारत में सामान्यतः स्वीकृत लेखा मानकों के अनुरूप सत्य और सही स्थिति प्रदर्शित करते हैं:
 - (i) यथा 31 मार्च, 2019 को बैंक की सामान्य निधि के तुलन-पत्र के मामले में;
 - (ii) यथा 31 मार्च, 2019 को समाप्त वर्ष के लिए लाभ और हानि लेखा के मामले में;
 - (iii) यथा 31 मार्च, 2019 को समाप्त वर्ष के लिए नकदी प्रवाह विवरणी के मामले में।

अन्य विधिक तथा विनियामक मामलों पर रिपोर्ट

तुलन पत्र, लाभ और हानि खाता तथा नकदी
प्रवाह विवरण अधिनियम तथा उसके अंतर्गत
विरचित विनियमों के प्रावधानों के अनुरूप तैयार
किए गए हैं।

10. हम यह रिपोर्ट करते हैं किः

- (i) लेखा परीक्षा के लिए हमारी अधिकतम जानकारी और विश्वास के अनुसार जो तथ्य और स्पष्टीकरण आवश्यक थे, वे सब हमने प्राप्त किए हैं और वे संतोषजनक हैं।
- (ii) बैंक के संव्यवहार, जो हमारे संज्ञान में आए हैं, बैंक की शक्तियों के अन्दर हैं।

7. We believe that the audit evidence we have obtained is sufficient and appropriate to provide a basis for our audit opinion.

Opinion

- 8. In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the said financial statements, give the information in accordance with the requirements of the Act and the Regulations framed thereunder and give a true and fair view in conformity with the accounting principles generally accepted in India:
 - (i) In the case of the Balance Sheet, of the state of affairs of the General Fund of the Bank as at 31st March, 2019;
 - (ii) In the case of the Profit and Loss Account, of the profit for the year ended 31st March, 2019; and
 - (iii) In the case of the Cash Flow Statement, of the cash flows for the year ended 31st March, 2019.

Report on Other Legal and Regulatory Matters

9. The Balance Sheet, the Profit and Loss Account and the Cash Flow Statement have been drawn up in accordance with the provisions of the Act and the Regulations framed thereunder.

10. We report that:

- (i) We have obtained all the information and explanations which, to the best of our knowledge and belief, were necessary for the purpose of our audit and have found them to be satisfactory.
- (ii) The transactions of the Bank, which have come to our notice, have been within the powers of the Bank.





- 11. हमारी राय में तुलन पत्र, लाभ और हानि लेखा तथा नकदी प्रवाह विवरणी भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी अनिवार्य लेखा मानकों के अनुरूप हैं।
- 12. हम यह भी रिपोर्ट करते हैं किः
 - (i) इस रिपोर्ट में प्रस्तुत तुलन पत्र तथा लाभ-हानि लेखा बैंक की लेखा बहियों और विवरणियों के अनुरूप हैं।
 - (ii) हमारे विचार में और हमारे परीक्षण के आधार पर बैंक द्वारा विधि निर्धारित अनुसार इन बहियों का उचित अभिलेख रखा गया है।

11. In our opinion, the Balance Sheet, Profit and Loss Account and Cash Flow Statement comply with the mandatory Accounting Standards issued by the Institute of Chartered Accountants of India.

12. We further report that:

- (i) The Balance Sheet and Profit and Loss Account dealt with by this report, are in agreement with the books of account and the returns.
- (ii) In our opinion, proper books of accounts as required by law have been kept by the Bank so far as appears from our examination of those books.

कृते जेसीआर एंड कं. सनदी लेखाकार फर्म रजिस्ट्रेशन संख्या 105270W

सीए रचिता साल्होत्रा

पार्टनर

सदस्यता सं. 100919

यूडीआईएन: 19100919AAAAAJ6772

मुंबई, 23 मई, 2019

For **JCR & CO**.

Chartered Accountants

Firm Registration No.105270W

CA RACHITA SALHOTRA

PARTNER

Membership No.100919

UDIN: 19100919AAAAAJ6772

Mumbai, 23rd May, 2019



यथा 31 मार्च, 2019 को तुलन-पत्र

सामान्य निधि

			इस वर्ष (यथा 31.03.2019 को) ₹	गत वर्ष (यथा 31.03.2018 को) ₹
	देयताएं	अनुसूचियां		
1.	पूँजी	1	123,593,663,881	73,593,663,881
2.	आरक्षित निधियां	II	23,142,671,603	22,407,896,155
3.	लाभ और हानि खाता	III	81,700,000	-
4.	नोट, बॉन्ड एवं डिबेंचर		779,195,625,139	865,817,469,885
5.	देय बिल		-	-
6.	जमा राशियां	IV	2,527,597,036	2,860,514,358
7.	उधार राशियां	V	141,317,894,176	172,972,652,705
8.	चालू देयताएं एवं आकस्मिकताओं हेतु प्रावधान		32,992,875,864	57,705,066,214
9.	अन्य देयताएं		43,402,455,079	39,832,319,272
	योग		1,146,254,482,778	1,235,189,582,470
	आस्तियां			
1.	नकदी एवं बैंक शेष	VI	42,119,521,997	28,154,996,173
	निवेश	VII	93,273,853,320	56,969,220,517
	ऋण एवं अग्रिम	VIII	929,171,509,101	1,046,570,568,346
4.		IX	7,000,000,000	28,750,000,000
5.	अचल आस्तियां	Χ	2,277,439,560	1,259,022,689
6.	अन्य आस्तियां	XI	72,412,158,800	73,485,774,745
	योग		1,146,254,482,778	1,235,189,582,470
	आकस्मिक देयताएं			
i)	स्वीकृतियां, गारंटियां, परांकन तथा अन्य दायित्व		130,545,759,983	116,927,666,502
ii)			1,527,375,944	2,929,986,250
iii)			-	-
iv)	अंशतः प्रदत्त निवेशों पर अनाह्त देयताएं		165,294,180	163,491,675
v)			7,216,381,446	2,305,300,000
vi)	संग्रहण के लिए बिल		-	-
vii)	सहभागिता प्रमाण-पत्रों पर		-	-
viii)	भुनाये गये/पुनः भुनाए गए बिल		-	-
ix)	अन्य राशियां जिनके लिए बैंक आकस्मिक रूप से जिम्मेदार है		12,223,083,677	15,771,727,879
	योग		151,677,895,230	138,098,172,306

'लेखों पर टिप्पणियां' संलग्न हैं।

बोर्ड के लिए और उनकी ओर से

श्री देवाशिस मल्लिक उप प्रबंध निदेशक श्री दीनबंधु महापात्र

डॉ. एम. डी. पात्रा

श्री डेविड रस्कीना प्रबंध निदेशक

श्रीमती गीता मुरलीधर

श्री बिद्युत बिहारी स्वैन

हमारी सम दिनांक की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार कृते जेसीआर एंड कंपनी सनदी लेखाकार फर्म रजि. नं. 105270 डब्ल्यू

(एफसीए रचिता साल्होत्रा)

पार्टनर एम. सं. 100919 श्री रजनीश कुमार

नई दिल्ली, 23 मई, 2019





BALANCE SHEET AS AT 31ST MARCH, 2019

GENERAL FUND

			This year (As at 31.03.2019) ₹	Previous year (As at 31.03.2018) ₹
	LIABILITIES	SCHEDULES		
1.	Capital	I	123,593,663,881	73,593,663,881
2.	Reserves	II	23,142,671,603	22,407,896,155
3.	Profit and Loss Account	III	81,700,000	-
4.	Notes, Bonds and Debentures		779,195,625,139	865,817,469,885
5.	Bills Payable		-	-
6.	Deposits	IV	2,527,597,036	2,860,514,358
7.	Borrowings	V	141,317,894,176	172,972,652,705
8.	Current Liabilities and Provision for Contingencies		32,992,875,864	57,705,066,214
9.	Other Liabilities		43,402,455,079	39,832,319,272
	Total		1,146,254,482,778	1,235,189,582,470
	ASSETS			
1.	Cash and Bank Balances	VI	42,119,521,997	28,154,996,173
2.	Investments	VII	93,273,853,320	56,969,220,517
3.	Loans and Advances	VIII	929,171,509,101	1,046,570,568,346
4.	Bills of Exchange and Promissory Notes Discounted/Rediscounted	IX	7,000,000,000	28,750,000,000
5.	Fixed Assets	Χ	2,277,439,560	1,259,022,689
6.	Other Assets	XI	72,412,158,800	73,485,774,745
	Total		1,146,254,482,778	1,235,189,582,470
	CONTINGENT LIABILITIES			
i)	Acceptances, Guarantees, Endorsements and other obligations		130,545,759,983	116,927,666,502
ii)	On outstanding forward exchange contracts		1,527,375,944	2,929,986,250
iii)	On underwriting commitments		-	-
iv)	Uncalled Liability on partly paid investments		165,294,180	163,491,675
v)	Claims on the Bank not acknowledged as debts		7,216,381,446	2,305,300,000
vi)	Bills for collection		-	-
vii)	On participation certificates		-	-
viii)	Bills Discounted/Rediscounted		-	-
ix)	Other monies for which the Bank is contingently liable		12,223,083,677	15,771,727,879
	Total		151,677,895,230	138,098,172,306

^{&#}x27;Notes to Accounts' attached.

For and on behalf of the Board

Shri Debasish Mallick *Deputy Managing Director*

Shri Dinabandhu Mohapatra

Dr. M. D. Patra

Shri David Rasquinha Managing Director

Smt. Geetha Muralidhar

Shri Bidyut Behari Swain

As per our attached report of even date For **JCR & Co.**

Chartered Accountants
Firm Regn. No. 105270W

(FCA Rachita Salhotra)

Partner M. No. 100919

New Delhi, May 23, 2019



Shri Rajnish Kumar



31 मार्च, 2019 को समाप्त वर्ष के लिए लाभ और हानि लेखा

सामान्य निधि

	व्यय		इस वर्ष ₹	गत वर्ष ₹
		अनुसूचियां	`	
1.	ब्याज		67,567,208,278	65,862,992,191
2.	ऋण बीमा, शुल्क एवं प्रभार		622,762,019	540,074,685
3.	स्टाफ़ के वेतन, भत्ते आदि और सेवांत लाभ		583,511,306	488,732,271
4.	निदेशकों एवं समिति के सदस्यों की फीस तथा व्यय		-	-
5.	लेखा परीक्षा की फीस		1,178,100	1,008,000
6.	भाड़ा, कर, बिजली और बीमा प्रीमिया		199,807,641	247,951,472
7.	संचार विषयक व्यय		37,883,597	35,038,993
8.	विधि विषयक व्यय		95,803,770	67,774,140
9.	अन्य व्यय	XII	920,863,831	1,043,004,526
10.	मूल्यहास		255,794,954	184,786,313
11.	ऋण हानियों/आकस्मिकताओं, निवेशों पर मूल्यहास के लिए प्रावधान		18,806,011,033	61,609,573,457
12.	नीचे ले जाया गया लाभ		1,874,913,938	(42,298,164,654)
	योग		90,965,738,467	87,782,771,394
	आयकर के लिए प्रावधान [आस्थगित कर राशि ₹ 511,262,518 सहित (गत वर्ष आस्थगित कर राशि ₹ 14,706,937,458)]		1,058,438,490	(13,060,861,683)
	तुलन-पत्र में अंतरित शेष लाभ		816,475,448	(29,237,302,971)
			1,874,913,938	(42,298,164,654)
	आय			
1.	ब्याज और बट्टा	XIII	87,265,632,379	82,383,628,713
2.	विनिमय, कमीशन, ब्रोकरेज और फीस		2,553,741,219	3,849,952,278
3.	अन्य आय	XIV	1,146,364,869	1,549,190,403
	योग		90,965,738,467	87,782,771,394
	नीचे लाया गया लाभ पूर्ववर्ती वर्षों की आधिक्य आय/ब्याज–कर प्रावधान का प्रतिलेखन		1,874,913,938 -	(42,298,164,654)
			1,874,913,938	(42,298,164,654)
	'लेखों पर टिप्पणियां' संलग्न हैं।			

बोर्ड के लिए और उनकी ओर से

श्री देबाशिस मल्लिक श्री डेविड रस्कीना उप प्रबंध निदेशक प्रवंध निदेशक श्री दीनबंधु महापात्र श्रीमती गीता मुरलीधर

डॉ. एम. डी. पात्रा श्री बिद्युत बिहारी स्वैन

हमारी सम दिनांक की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार कृते जेसीआर एंड कंपनी सनदी लेखाकार फर्म रजि. नं. 105270 डब्ल्यू

(एफसीए रचिता साल्होत्रा)

पार्टनर एम. सं. 100919

नई दिल्ली, 23 मई, 2019

श्री रजनीश कुमार



PROFIT AND LOSS ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH, 2019

GENERAL FUND

	EXPENDITURE		This year ₹	Previous year ₹
		SCHEDULES	-	
1.	Interest		67,567,208,278	65,862,992,191
2.	Credit Insurance, Fees and Charges		622,762,019	540,074,685
3.	Staff Salaries, Allowances, etc. and Terminal Benefits		583,511,306	488,732,271
4.	Directors' and Committee Members' Fees and Expenses		-	-
5.	Audit Fees		1,178,100	1,008,000
6.	Rent, Taxes, Electricity and Insurance Premia		199,807,641	247,951,472
7.	Communication Expenses		37,883,597	35,038,993
8.	Legal Expenses		95,803,770	67,774,140
9.	Other Expenses	XII	920,863,831	1,043,004,526
10.	Depreciation		255,794,954	184,786,313
11.	Provision for loan losses/contingencies, depreciation on investments		18,806,011,033	61,609,573,457
12.	Profit carried down		1,874,913,938	(42,298,164,654)
	Total		90,965,738,467	87,782,771,394
	Provision for Income Tax [including Deferred tax of ₹ 511,262,518 (previous year - Deferred tax credit of ₹ 14,706,937,458)]		1,058,438,490	(13,060,861,683)
	Balance of Profit transferred to Balance Sheet		816,475,448	(29,237,302,971)
			1,874,913,938	(42,298,164,654)
	INCOME			
1.	Interest and Discount	XIII	87,265,632,379	82,383,628,713
2.	Exchange, Commission, Brokerage and Fees		2,553,741,219	3,849,952,278
3.	Other Income	XIV	1,146,364,869	1,549,190,403
	Total		90,965,738,467	87,782,771,394
	Profit brought down		1,874,913,938	(42,298,164,654)
	Excess Income/Interest tax provision of earlier years written back		1,874,913,938	(42,298,164,654)
	Mates to Associated attached		, , , , , , , , , , , , , , , , , , , ,	(, ==, = ,===,

^{&#}x27;Notes to Accounts' attached.

For and on behalf of the Board

Shri Debasish Mallick *Deputy Managing Director*

Shri Dinabandhu Mohapatra

Dr. M. D. Patra

Shri David Rasquinha *Managing Director*

Smt. Geetha Muralidhar

Shri Bidyut Behari Swain

As per our attached report of even date For **JCR & Co.**

Chartered Accountants Firm Regn. No. 105270W

(FCA Rachita Salhotra)

Partner M. No. 100919

New Delhi, May 23, 2019

87

Shri Rajnish Kumar



तुलन-पत्र की अनुसूचियां

सामान्य निधि

	इस वर्ष (यथा 31.03.2019 को) ₹	गत वर्ष (यथा 31.03.2018 को) ₹
अनुसूची ।: पूँजी: 1. प्राधिकृत 2. निर्गमित एवं प्रदत्तः	200,000,000,000	100,000,000,000
(केन्द्रीय सरकार द्वारा पूर्णतः अभिदत्त)	123,593,663,881	73,593,663,881
अनुसूची ॥: आरक्षित निधियां: 1. आरक्षित निधि 2. सामान्य आरक्षित राशियां 3. अन्य आरक्षित राशियां:	7,547,352,539 -	6,812,577,091
निवेश उतार–चढ़ाव आरक्षित निधि ऋण शोधन निधि (ऋण–व्यवस्थाएं)	1,955,319,064	1,955,319,064
4. आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 36(1) (viii) के अधीन विशेष आरक्षित राशि	13,640,000,000	13,640,000,000
	23,142,671,603	22,407,896,155
अनुसूची III: लाभ और हानि लेखा: 1. परिशिष्ट में उल्लिखित लेखा के अनुसार शेष 2. घटाएं: विनियोजन:	816,475,448	(29,237,302,971)
- आरक्षित निधि को अंतरित - निवेश उतार–चढ़ाव आरक्षित निधि को	734,775,448	(29,237,302,971)
अंतरित - ऋण शोधन निधि को अंतरित - आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 36(1)	-	-
(viii) के अधीन विशेष आरक्षित निधि को अंतरित	-	-
3. निवल लाभ का शेष (एक्जिम बैंक अधिनियम, 1981 की धारा 23 (2) के अनुसार केंद्र सरकार	_	
को अंतरणीय)	81,700,000	
अनुसूची IV: जमा राशियां: (क) भारत में (ख) भारत के बाहर	2,527,597,036	2,860,514,358
	2,527,597,036	2,860,514,358



SCHEDULES TO THE BALANCE SHEET

GENERAL FUND

	This year (As at 31.03.2019) ₹	Previous year (As at 31.03.2018) ₹
Schedule I: Capital: 1. Authorised 2. Issued and Paid-up:	200,000,000,000	100,000,000,000
(Wholly subscribed by the Central Government)	123,593,663,881	73,593,663,881
Schedule II: Reserves: 1. Reserve Fund 2. General Reserve 3. Other Reserves:	7,547,352,539 -	6,812,577,091
Investment Fluctuation Reserve Sinking Fund (Lines of Credit) 4. Special Reserve u/s 36(1)(viii) of the	1,955,319,064	1,955,319,064
Income Tax Act,1961	13,640,000,000	13,640,000,000
	23,142,671,603	22,407,896,155
Schedule III: Profit and Loss Account: 1. Balance as per annexed accounts 2. Less: Appropriations:	816,475,448	(29,237,302,971)
- Transferred to Reserve Fund - Transferred to Investment Fluctuation Reserve	734,775,448	(29,237,302,971)
- Transferred to Sinking Fund - Transferred to Special Reserve u/s	-	-
36(1)(viii) of the Income Tax Act,1961 3. Balance of the net profits (Transferable	-	-
to the Central Government in terms of Section 23(2) of the Exim Bank Act,1981)	_	-
	81,700,000	-
Schedule IV: Deposits: (a) In India (b) Outside India	2,527,597,036	2,860,514,358
	2,527,597,036	2,860,514,358

	इस वर्ष (यथा 31.03.2019 को) ₹	गत वर्ष (यथा 31.03.2018 को) ₹
अनुसूची V: उधार राशियां:		
 भारतीय रिजर्व बैंक से: (क) न्यासी प्रतिभूतियों पर (ख) विनिमय बिलों पर (ग) राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण (दीर्घाविध परिचालन) निधि से 	- - -	- - -
2. भारत सरकार से	-	-
3. अन्य स्रोतों सेः (क) भारत में (ख) भारत के बाहर	27,123,472,225 114,194,421,951 141,317,894,176	30,464,595,133 142,508,057,572 172,972,652,705
अनुसूची VI: नकदी एवं बैंक में शेष:		
1. हाथ में नकदी	302,849	267,322
2. भारतीय रिज़र्व बैंक में शेष	196,634,111	1,062,376,412
 अन्य बैंकों में शेष: (क) भारत में i) चालू खातों में ii) अन्य जमा खातों में (ख) भारत के बाहर 	3,953,389,463 - 37,359,518,285	2,753,482,451 265,000,000 24,073,869,988
4. मांग और अल्प सूचना पर प्रतिदेय राशि/ सीबीएलओ/ट्रेप्स के अंतर्गत ऋण	609,677,289 42,119,521,997	28,154,996,173

- 4	
て	
_	

	This year (As at 31.03.2019) ₹	Previous year (As at 31.03.2018) ₹
Schedule V: Borrowings:		
 From Reserve Bank of India: a) Against Trustee Securities b) Against Bills of Exchange c) Out of the National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund 	-	-
2. From Government of India	-	-
3. From Other Sources:a) In Indiab) Outside India	27,123,472,225 114,194,421,951 141,317,894,176	30,464,595,133 142,508,057,572 172,972,652,705
Schedule VI: Cash and Bank Balances:		
1. Cash in Hand	302,849	267,322
2. Balance with Reserve Bank of India	196,634,111	1,062,376,412
3. Balances with other Banks:a) In Indiai) In current accountsii) In other deposit accountsb) Outside India	3,953,389,463 - 37,359,518,285	2,753,482,451 265,000,000 24,073,869,988
4. Money at call and short notice/ Lending under CBLO/TREPS	609,677,289 42,119,521,997	28,154,996,173

	इस वर्ष (यथा 31.03.2019 को) ₹	गत वर्ष (यथा 31.03.2018 को) ₹
अनुसूची VII: निवेश: (मूल्य में हास का निवल, यदि कोई है)		
1. केन्द्र और राज्य सरकारों की प्रतिभूतियां	81,344,461,703	38,985,454,430
2. इक्विटी शेयर और स्टॉक	1,967,495,698	3,147,214,811
3. अधिमान शेयर एवं स्टॉक	-	259,796,800
4. नोट, डिबेंचर एवं बॉन्ड	9,961,895,919	14,076,754,476
5. अन्य	-	500,000,000
	93,273,853,320	56,969,220,517
अनुसूची VIII: ऋण एवं अग्रिम:		
1. विदेशी सरकारें	396,124,617,822	347,918,475,333
 बैंक: (क) भारत में (ख) भारत के बाहर 	52,321,250,028 -	183,265,470,679
3. वित्तीय संस्थाएं:		
(क) भारत में (ख) भारत के बाहर	34,620,875,511	31,726,150,308
4.	446,104,765,740	483,660,472,026
	929,171,509,101	1,046,570,568,346
अनुसूची IX: भुनाये गये/पुनः भुनाये गये विनिमय बिल और वचन-पत्र: (क) भारत में (ख) भारत के बाहर	7,000,000,000	28,750,000,000
	7,000,000,000	28,750,000,000

~	

	This year (As at 31.03.2019) ₹	Previous year (As at 31.03.2018) ₹
Schedule VII: Investments: (net of diminution in value, if any)		
Securities of Central and State Governments	81,344,461,703	38,985,454,430
2. Equity Shares and Stocks	1,967,495,698	3,147,214,811
3. Preference Shares and Stocks	-	259,796,800
4. Notes, Debentures and Bonds	9,961,895,919	14,076,754,476
5. Others	-	500,000,000
	93,273,853,320	56,969,220,517
Schedule VIII: Loans and Advances:		
1. Foreign Governments	396,124,617,822	347,918,475,333
2. Banks:a) In Indiab) Outside India	52,321,250,028	183,265,470,679
3. Financial Institutions:a) In Indiab) Outside India	- 34,620,875,511	- 31,726,150,308
4. Others	446,104,765,740	483,660,472,026
	929,171,509,101	1,046,570,568,346
Schedule IX: Bills of Exchange and Promissory Notes Discounted/ Rediscounted: a) In India b) Outside India	7,000,000,000	28,750,000,000
	7,000,000,000	28,750,000,000

	इस वर्ष (यथा 31.03.2019 को) ₹	गत वर्ष (यथा 31.03.2018 को)
अनुसूची X: अचल आस्तियां: (लागत पर मूल्यहास घटाकर)		
 परिसर सकल राशि (आगे लाया गया) वर्ष के दौरान परिवर्द्धन वर्ष के दौरान निपटान वर्ष के अंत में सकल राशि संचित हास निवल राशि 	2,091,500,834 1,164,161,043 140,276,156 3,115,385,721 1,028,424,172 2,086,961,549	2,064,028,557 29,133,407 1,661,130 2,091,500,834 1,008,738,347 1,082,762,487
2. अन्य सकल राशि (आगे लाया गया) वर्ष के दौरान परिवर्द्धन वर्ष के दौरान निपटान वर्ष के अंत में सकल राशि संचित हास निवल राशि	1,036,641,903 147,843,319 133,071,046 1,051,414,176 860,936,165 190,478,011 2,277,439,560	1,013,059,162 121,392,454 97,809,713 1,036,641,903 860,381,701 176,260,202 1,259,022,689
अनुसूची XI: अन्य आस्तियां:		
 निम्नलिखित पर उपचित ब्याजः (क) निवेशों/बैंक जमाओं पर (ख) ऋण एवं अग्रिम विविध पक्षों के पास जमा राशियां प्रदत्त अग्रिम आयकर (निवल) अन्य [आस्थिगत कर आस्तियों सिहत ₹ 32,763,418,742 (गत वर्ष ₹ 33,274,681,260)] 	8,809,286,271 21,168,396,332 48,320,978 5,883,409,567 36,502,745,652 72,412,158,800	11,120,355,964 15,936,763,898 43,378,422 7,095,229,016 39,290,047,445
अनुसूची XII: अन्य व्यय:		
 निर्यात संवर्द्धन व्यय डाटा प्रोसेसिंग पर और संबद्ध व्यय मरम्मत और रखरखाव मुद्रण और लेखन सामग्री अन्य 	23,811,205 1,332,587 222,008,100 10,471,988 663,239,951 920,863,831	19,460,137 6,694,221 208,816,959 13,396,427 794,636,782

+	

	This year (As at 31.03.2019) ₹	Previous year (As at 31.03.2018) ₹
Schedule X: Fixed Assets: (At cost less depreciation)		
1. Premises Gross Block b/f Additions during the year Disposals during the year Gross Block as at the end of the year Accumulated Depreciation Net Block	2,091,500,834 1,164,161,043 140,276,156 3,115,385,721 1,028,424,172 2,086,961,549	2,064,028,557 29,133,407 1,661,130 2,091,500,834 1,008,738,347 1,082,762,487
2. Others Gross Block b/f Additions during the year Disposals during the year Gross Block as at the end of the year Accumulated Depreciation Net Block	1,036,641,903 147,843,319 133,071,046 1,051,414,176 860,936,165 190,478,011 2,277,439,560	1,013,059,162 121,392,454 97,809,713 1,036,641,903 860,381,701 176,260,202 1,259,022,689
Schedule XI: Other Assets:		
 Accrued interest on: a) investments/bank balances b) loans and advances Deposits with sundry parties Advance Income Tax paid (net) Others [including Deferred tax asset of ₹ 32,763,418,742 (previous year ₹ 33,274,681,260)] 	8,809,286,271 21,168,396,332 48,320,978 5,883,409,567 36,502,745,652 72,412,158,800	11,120,355,964 15,936,763,898 43,378,422 7,095,229,016 39,290,047,445
Schedule XII: Other Expenses:		
 Export Promotion Expenses Expenses on and related to Data Processing Repairs and Maintenance Printing and Stationery Others 	23,811,205 1,332,587 222,008,100 10,471,988 663,239,951 920,863,831	19,460,137 6,694,221 208,816,959 13,396,427 794,636,782 1,043,004,526



	इस वर्ष (यथा 31.03.2019 को) ₹	गत वर्ष (यथा 31.03.2018 को) ₹
अनुसूची XIII: ब्याज एवं बट्टाः		
 ऋणों और अग्रिमों/बिलों की भुनाई/ पुनर्भुनाई पर ब्याज और बट्टा 	60,802,258,674	53,302,677,483
2. निवेशों/बैंक शेष राशियों पर आय	26,463,373,705	29,080,951,230
	87,265,632,379	82,383,628,713
अनुसूची XIV: अन्य आय:		
 निवेशों की बिक्री/पुनर्मूल्यांकन पर निवल लाभ 	589,720,842	1,520,032,565
2. भूमि, भवन और अन्य आस्तियों की बिक्री पर निवल लाभ	422,975,904	18,042,191
3.	133,668,123	11,115,647
	1,146,364,869	1,549,190,403

टिप्पणी:

'देयताओं' [अनुसूची IV (क) देखिए] के अंतर्गत 29.88 मिलियन यूएस डॉलर की 'ऑन शोर' विदेशी मुद्रा जमा राशियां (गत वर्ष 34.92 मिलियन यूएस डॉलर) शामिल हैं जो प्रतिपक्षी पार्टी बैंकों/संस्थाओं द्वारा एक्ज़िम बैंक के पास रेसीप्रोकल रुपया जमा/बॉन्डों के पेटे रखी गई हैं। 'आस्तियों' [अनुसूची सं. VI 3.(क) (ii) देखिए] के अंतर्गत नकदी तथा बैंक जमाओं में ''शून्य'' (गत वर्ष शून्य) की रुपया जमा राशि शामिल है जो स्वैप्स संव्यवहारों के चलते है। 'आस्तियों' के अंतर्गत निवेश में [अनुसूची सं. VII 4. देखिए] कुल ₹1.36 बिलियन (गत वर्ष ₹ 1.58 बिलियन) की बॉन्ड राशि शामिल है जो स्वैप्स के चलते है।

-	
<u> </u>	
\mathbf{x}	

	This year (As at 31.03.2019) ₹	Previous year (As at 31.03.2018) ₹
Schedule XIII: Interest and Discount:		
Interest and Discount on loans and advances/bills discounted/		
rediscounted	60,802,258,674	53,302,677,483
2. Income on Investments/bank balances	26,463,373,705	29,080,951,230
	87,265,632,379	82,383,628,713
Schedule XIV: Other Income:		
Net Profit on sale/revaluation of investments	589,720,842	1,520,032,565
2. Net Profit on sale of land, buildings and		
other assets	422,975,904	18,042,191
3. Others	133,668,123	11,115,647
	1,146,364,869	1,549,190,403

Note:

Deposits under 'Liabilities' [ref. Schedule IV (a)] include `on shore' foreign currency deposits aggregating US\$ 29.88 million. (Previous year US\$ 34.92 million) kept by counter party banks / institutions with Exim Bank against reciprocal rupee deposits / bonds. Investments under `Assets' [ref. Schedule VII 4.] include bonds aggregating ₹ 1.36 billion (Previous year ₹ 1.58 billion) on account of swaps.



31 मार्च, 2019 को समाप्त वर्ष के लिए नकदी प्रवाह विवरणी

		राशि (₹ मिलियन में)
विवरण	वर्ष समाप्ति	वर्ष समाप्ति
	लेखा परीक्षित	लेखा परीक्षित
	31 मार्च, 2019	31 मार्च, 2018
परिचालनगत कार्यकलापों से नकदी प्रवाह		
कर पूर्व निवल लाभ/(हानि) और असाधारण मदें	1,874.9	(42,298.2)
निम्नलिखित के लिए समायोजन:		
– अचल आस्तियों की बिक्री से (लाभ)/हानि (निवल)	(423.0)	(18.0)
– निवेशों की बिक्री से (लाभ)/हानि (निवल)	(589.7)	(1,520.0)
– मूल्यहास	255.8	184.8
– बट्टे में डाले गए बॉन्ड निर्गमों पर छूट/व्यय	156.3	184.3
– निवेश उतार–चढ़ाव आरक्षित लेखे से अंतर	-	-
– ऋणों/निवेशों एवं अन्य प्रावधानों के लिए प्रावधान/बट्टे खाते डालना	18,806.0	61,609.5
– अन्य उल्लेख करें	-	
	20,080.3	18,142.4
निम्नलिखित के लिए समायोजन:		
– अन्य आस्तियां	(659.8)	(3,254.0)
– चालू देयताएं	(38,897.9)	(49,785.8)
परिचालनों से नकदी निर्माण	(19,477.4)	(34,897.4)
आय कर/ब्याज कर का भुगतान	(386.0)	(6,161.2)
परिचालनगत कार्यकलापों से निवल नकदी प्रवाह (क)	(19,863.4)	(41,058.6)
निवेशगत कार्यकलापों से नकदी प्रवाह		
– अचल आस्तियों की निवल खरीद	(851.2)	(127.4)
– निवेशों में निवल परिवर्तन	(35,714.9)	(4,419.9)
निवेशगत कार्यकलापों में उपयोग की गयी/से अर्जित निवल नकदी (ख)	(36,566.1)	(4,547.3)
वित्तपोषण कार्यकलापों से नकदी प्रवाह		
– प्राप्त इक्विटी पूँजी	50,000.0	5,000.0
– लिए गए ऋण (चुकौती घटाकर)	(118,755.0)	80,803.9
 दिए गए ऋण, बिलों की भुनाई और पुनर्भुनाई (प्राप्त चुकौती घटाकर) 	139,149.1	(48,910.6)
- इक्विटी शेयरों पर लाभांश तथा लाभांश पर कर	-	(41.3)
(केन्द्र सरकार को अंतरित निवल लाभ अधिशेष)		
वित्तीय कार्यकलापों में प्रयुक्त/से अर्जित निवल नकदी प्रवाह (ग)	70,394.0	36,852.0
नकदी और नकद समतुल्य में निवल वृद्धि/(गिरावट) (क+ख+ग)	13,964.5	(8,753.9)
प्रारंभिक नकदी एवं समतुल्य	28,155.0	36,908.9
अंतिम नकदी एवं समतुल्य	42,119.5	28,155.0

बोर्ड के लिए और उनकी ओर से

श्री देबाशिस मल्लिक उप प्रबंध निदेशक

श्री दीनबंधु महापात्र

डॉ. एम. डी. पात्रा

श्री डेविड रस्कीना

प्रबंध निदेशक

श्रीमती गीता मुरलीधर

श्री बिद्युत बिहारी स्वैन

हमारी सम दिनांक की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार कृते जेसीआर एंड कंपनी

सनदी लेखाकार

फर्म रजि. नं. 105270 डब्ल्यू

(एफसीए रचिता साल्होत्रा)

पार्टनर

एम. सं. 100919

नई दिल्ली, 23 मई, 2019

श्री रजनीश कुमार



CASH FLOW STATEMENT FOR THE YEAR ENDED MARCH 31, 2019

		Amount (₹ million)
Particulars	Year ended	Year ended
	March 31, 2019	March 31, 2018
	(Audited)	(Audited)
CASH FLOW FROM OPERATING ACTIVITIES		
Net Profit/(Loss) before tax and extra-ordinary items	1,874.9	(42,298.2)
A dissalar and a favo		
Adjustments for: - (Profit)/Loss on sale of Fixed Assets (Net)	(423.0)	(18.0)
- (Profit)/Loss on sale of Investments (Net)	(589.7)	(1,520.0)
, ,	· · · · · ·	
- Depreciation	255.8	184.8
- Discount/Expenses on bond issues written off	156.3	184.3
- Transfer from Investment Fluctuation Reserve	-	-
- Provisions/Write Off of Loans/Investments and other provisions	18,806.0	61,609.5
- Others - to specify	-	
	20,080.3	18,142.4
Adjustments for:		
- Other Assets	(659.8)	(3,254.0)
- Current Liabilities	(38,897.9)	(49,785.8)
CASH GENERATED FROM OPERATIONS	(19,477.4)	(34,897.4)
Payment of income tax/interest tax	(386.0)	(6,161.2)
NET CASH FLOW FROM OPERATING ACTIVITIES (A)	(19,863.4)	(41,058.6)
CASH FLOW FROM INVESTING ACTIVITIES		
- Net purchase of fixed assets	(851.2)	(127.4)
- Net change in investments	(35,714.9)	(4,419.9)
NET CASH USED IN/RAISED FROM INVESTING ACTIVITIES (B)	(36,566.1)	(4,547.3)
CASH FLOW FROM FINANCING ACTIVITIES		
- Equity capital infusion	50,000.0	5,000.0
- Loans borrowed (net of repayments made)	(118,755.0)	80,803.9
- Loans lent, bills discounted and rediscounted	(110,700.0)	00,000.3
(net of repayments received)	139,149.1	(48,910.6)
- Dividend on equity shares and tax on dividend	-	(41.3)
(Balance of Net profits transferred to Central Government)		, ,
Net cash used in/raised from Financing Activities (C)	70,394.0	36,852.0
NET INCREASE/(DECREASE) IN CASH AND CASH EQUIVALENTS (A+B+C)	13,964.5	(8,753.9)
OPENING CASH AND CASH EQUIVALENTS	28,155.0	36,908.9
CLOSING CASH AND CASH EQUIVALENTS	42,119.5	28,155.0

For and on behalf of the Board

Shri Debasish Mallick *Deputy Managing Director*

Shri Dinabandhu Mohapatra

Dr. M. D. Patra

Shri David Rasquinha Managing Director

Smt. Geetha Muralidhar

Shri Bidyut Behari Swain

As per our attached report of even date

For **JCR & Co.** *Chartered Accountants*Firm Regn. No. 105270W

(FCA Rachita Salhotra)

Partner M. No. 100919

New Delhi, May 23, 2019



Shri Rajnish Kumar



महत्त्वपूर्ण लेखा नीतियां एवं लेखों पर टिप्पणियां

I. महत्त्वपूर्ण लेखा नीतियां

i) वित्तीय विवरण

क) तैयारी का आधार

भारतीय निर्यात –आयात बैंक (एक्जिम बैंक) का तुलन – पत्र तथा लाभ और हानि लेखा (सामान्य निधि एवं निर्यात विकास कोष), भारत में प्रचलित लेखा सिद्धांतों के अनुसार तैयार किए गए हैं। वित्तीय विवरण जब तक अन्यथा उल्लिखित न हो ऐतिहासिक लागत पद्धित के तहत तैयार किए गए हैं। बैंक द्वारा अपनाई गई लेखा नीतियां गत वर्ष प्रयोग की गई लेखा नीतियों के अनुरूप हैं। एक्जिम बैंक का तुलन – पत्र तथा लाभ और हानि लेखा भारतीय निर्यात – आयात बैंक सामान्य विनियमावली, 1982 में दिए गए अनुसार तैयार किए गए हैं, जिसे भारतीय निर्यात आयात बैंक अधिनियम, 1981 (1981 का संख्यांक 28) की धारा 39(2) के अधीन भारत सरकार के पूर्व अनुमोदन से निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित किया गया है। भारतीय रिज़र्व बैंक के मास्टर निर्देश डीबीआर.एफआईडी. सं. 108/01.02.000/2015-16, दिनांकित 23 जून, 2016 में अपेक्षित अनुसार कतिपय महत्त्वपूर्ण वित्तीय अनुपात/ आंकड़े, ''लेखों पर टिप्पणियां'' के खंड के रूप में दर्शाए गए हैं।

ख) आकलन का प्रयोग

वित्तीय विवरणों को स्वीकृत मानक लेखा सिद्धांतों के अनुसार तैयार किया गया है और इन्हें तैयार करने के लिए प्रबंधन को वित्तीय विवरणों और रिपोर्ट की जाने वाली अविध तक के लिए आय एवं व्यय की तारीख को आस्तियों, देयताओं और प्रावधानों (आकस्मिक देयताओं सिहत) की रिपोर्ट की गई राशि में कुछ आकलन और पूर्वानुमान करने पड़ते हैं। वित्तीय विवरणों को तैयार करने के लिए प्रयोग किए गए ये आकलन प्रबंधन की राय में विवेकसम्मत और तार्किक हैं।

ii) राजस्व की गणना

अनर्जक आस्तियों/अनर्जक निवशों और ''दबावग्रस्त आस्तियों'' पर ब्याज, एसडीआर के अंतर्गत ऋणों पर ब्याज शुल्क आय, कमीशन, वचनबद्धता प्रभार और लाभांश जिन्हें नकदी आधार पर हिसाब में लिया जाता है, को छोड़कर आय/व्यय का निर्धारण उपचय आधार पर किया गया है। अनर्जक आस्तियों का निर्धारण अखिल भारतीय वित्तीय संस्थाओं हेतु भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशानिर्देशों के अनुरूप किया गया है। एक्ज़िम बैंक के बॉन्डों पर दिया जाने वाला बट्टा/मोचन प्रीमियम बॉन्ड की अविध के दौरान परिशोधित किया गया है और ब्याज व्यय में शामिल किया गया है।

iii) आस्ति वर्गीकरण और प्रावधानीकरण

तुलन-पत्र में दर्शायी गई ऋण और अग्रिम राशियों में अनर्जक आस्तियों हेतु प्रावधानों को घटाकर सिर्फ मूलधन बकाया राशियां शामिल हैं। प्राप्य ब्याज को ''अन्य आस्तियों'' में समूहित किया गया है।

ऋण चुकौती और वसूली हेतु कोलैटरल सिक्यूरिटी पर निर्भरता के अनुसार ऋण आस्तियों को निम्नलिखित समूहों में वर्गीकृत किया गया है: मानक आस्तियां, अवमानक आस्तियां, संदिग्ध आस्तियां और हानि आस्तियां। ऋण आस्तियों का वर्गीकरण एवं प्रावधानीकरण भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा अखिल भारतीय वित्तीय संस्थाओं को जारी किए गए मार्गदर्शी सिद्धांतों के अनुरूप किया गया है।



SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES AND NOTES TO ACCOUNTS

I. SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES

i) Financial Statements

a) Basis of preparation

The Balance Sheet and Profit and Loss account of Export-Import Bank of India (Exim Bank) (General Fund and Export Development Fund) have been prepared in accordance with the accounting principles followed in India. The financial statements have been prepared under the historical cost convention on an accrual basis unless otherwise stated. The accounting policies that are applied by the Bank are consistent with those used in the previous year. The form and manner in which the Balance Sheet and the Profit and Loss Account of Exim Bank are prepared have been provided in the Export-Import Bank of India, General Regulations, 1982 approved by the Board of Directors with the previous approval of Government of India under Section 39 (2) of Export-Import Bank of India Act, 1981 (28 of 1981). Certain important financial ratios / data are disclosed as part of the "Notes to Accounts" in terms of Reserve Bank of India (RBI) Master Direction DBR.FID.No.108/01.02.000/2015-16 dated June 23, 2016.

b) Use of estimates

The preparation of financial statements in conformity with accepted accounting principles requires the management to make estimates and assumptions considered in the reported amount of assets and liabilities and provisions (including contingent liabilities) as of the date of the financial statements and the reported income and expenses for the reporting period. The management believes that the estimates used in the preparation of the financial statements are prudent and reasonable.

ii) Revenue Recognition

Income/Expenditure is recognised on accrual basis except in respect of interest on Non-performing Assets (NPA) / Non-performing Investments and "Stressed Assets", interest on loans under Strategic Debt Restructuring, fee income, commission, commitment charges and dividend which are accounted on cash basis. NPAs are determined as per RBI guidelines issued to All-India Financial Institutions. Discount/ redemption premium offered on Exim Bank Bonds has been amortised over the tenure of the bond and included in interest expenses.

iii) Asset Classification and Provisioning

Loans and Advances shown in Balance Sheet comprise only principal outstanding net of provisions for Non-Performing Assets (NPA). Interest receivables are grouped under "Other Assets".

Loan Assets are classified into the following groups: Standard Assets, Sub-standard Assets, Doubtful Assets and Loss Assets, taking into consideration the degree of credit weaknesses and extent of dependence on collateral security for realisation of dues. Classification of loan assets and provisioning are as per RBI guidelines issued to All-India Financial Institutions.



iv) निवेश

संपूर्ण निवेश-पोर्टफोलियो को तीन श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया हैः

- क) ''परिपक्ववता तक धारित''(परिपक्ववता तक रखने के इरादे से अर्जित प्रतिभूतियां),
- ख) ''क्रय-विक्रय के लिए धारित'' (प्रतिभूतियां इस इरादे से अर्जित की जाती हैं कि अल्पाविध मूल्य/ब्याज दर में होने वाले उतार-चढ़ावों आदि का लाभ उठाकर उनका क्रय-विक्रय किया जाए) और
- ग) ''बिक्री के लिए उपलब्ध'' (शेष निवेश)।

निवेशों को निम्नलिखित रूप में पुनः वर्गीकृत किया गया है:

- i) सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश
- ii) अन्य अनुमोदित प्रतिभृतियों में निवेश
- iii) शेयरों में निवेश
- iv) डिबेंचर और बॉन्ड में निवेश
- v) सहायक कंपनियों/संयुक्त उपक्रमों में निवेश
- vi) अन्य (वाणिज्यिक-पत्र, म्युचुअल फंड ईकाइयों आदि में) निवेश

निवेशों के विभिन्न लिखतों का वर्गीकरण, श्रेणीकरण, श्रेणियों के बीच परिवर्तन, मूल्य निर्धारण और निवेशों का प्रावधान भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा अखिल भारतीय वित्तीय संस्थाओं के लिए निर्धारित किए गए मानदंडों के अनुसार किया गया है।

v) अचल आस्तियां तथा मूल्यहास

- क) अचल आस्तियों को संचित मूल्यहास घटाकर परंपरागत लागत अर्जन के समय मूल लागत पर दर्शाया गया है।
- ख) मूल्यहास का प्रावधान सीधी रेखा पद्धति के आधार पर निम्नलिखित दरों पर किया गया है:

आस्तियां	मूल्यहास दर
स्वयं के भवन	5%
फर्नीचर एवं फिक्चर	25%
कार्यालय उपकरण	25%
अन्य इलेक्ट्रिकल उपकरण	25%
कम्प्यूटर व कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर	25%
मोटर वाहन	25%
मोबाइल फोन व अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों पर मूल्यहास प्रौद्योगिकी के पुराने होने के आधार पर लिया गया है	33.33%

- ग) वर्ष के दौरान अर्जित आस्तियों के संबंध में, मूल्यह्रास खरीद वर्ष में समूचे वर्ष के लिए प्रदान किया गया है तथा
 वर्ष के दौरान बेची गई आस्तियों के संबंध में बिक्री वर्ष में कोई मूल्यह्रास नहीं किया गया है।
- घ) जहां किसी अवक्षयी आस्ति को बेच दिया गया है, त्याग दिया गया है, ढहा दिया गया है अथवा नष्ट कर दिया गया है ऐसी स्थिति में निवल अधिशेष या कमी को लाभ और हानि लेखे में समायोजित किया गया है।





iv) Investments

The entire investment portfolio is classified under three categories:

- a) "Held to Maturity" (the securities acquired with the intention to hold them to maturity),
- b) "Held for Trading" (the securities acquired with the intention to trade by taking advantage of the short term price/interest rate movements, etc.) and
- c) "Available for Sale" (the balance investments).

The investments are further classified as:

- i) Government securities
- ii) Other approved securities
- iii) Shares
- iv) Debentures and Bonds
- v) Subsidiaries/Joint Ventures
- vi) Others (Commercial Papers, Mutual Fund Units, etc.)

The classification of various instruments of investments, categorisation, shifting among categories, valuation and provisioning of investments are done in accordance with the norms laid down by RBI for All-India Financial Institutions.

v) Fixed Assets and Depreciation

- a) Fixed Assets are stated at historical cost less accumulated depreciation.
- b) Depreciation is provided for on straight-line method basis at the following rates:

Asset	Depreciation Rate
Owned Buildings	5%
Furniture and Fixtures	25%
Office Equipments	25%
Other Electrical Equipments	25%
Computers and Computer Software	25%
Motor Vehicles	25%
Mobile Phones and other electronic items subject to rapid technological obsolescence	33.33%

- c) In respect of assets acquired during the year, depreciation is provided for the entire year in the year of purchase and in respect of assets sold during the year, no depreciation is provided in the year of sale.
- d) When a depreciable asset is disposed off, discarded, demolished or destroyed, the net surplus or deficit is adjusted in the Profit and Loss Account.



vi) हास

आस्तियों के रख-रखाव की राशि को हर तुलन-पत्र की तारीख को आंतरिक अथवा बाह्य कारणों से आस्ति के मूल्य में हुए हास के लिए प्रावधान अथवा गत अवधियों में हुई हास हानियों यथा लागू के प्रावधानों को रिवर्स करने के लिए पुनरीक्षित किया गया है। हास हानि तब होती है जब किसी आस्ति की वहन राशि वसूली योग्य राशि से अधिक होती है।

vii) विदेशी मुद्रा लेन-देनों के लिए लेखांकन

- क) विदेशी मुद्रा में मूल्यांकित आस्तियों तथा देयताओं को वर्ष के अंत में भारतीय विदेशी मुद्रा व्यापार संघ (फेडाई) द्वारा अधिसूचित विनिमय दर पर अंतरित किया गया है।
- ख) आय तथा व्यय मदों को वर्ष के दौरान विनिमय की औसत दरों पर अंतरित किया गया है।
- ग) बकाया विदेशी मुद्रा विनिमय संविदाओं को निर्दिष्ट पिरपक्वता अविधयों के लिए फेडाई द्वारा अधिसूचित विनिमय दरों पर पुनर्मूल्यांकित किया गया है तथा इससे होने वाले लाभ/हानि को लाभ और हानि लेखे में शामिल किया गया है।
- घ) गारंटियों, स्वीकृतियों, परांकनों तथा अन्य दायित्वों के संबंध में आकस्मिक देयताओं को वर्ष के अंत में फेडाई द्वारा अधिसूचित विनिमय दरों पर दर्शाया गया है।

viii) गारंटियां

ईसीजीसी पॉलिसियों के अधीन अरक्षित खण्ड के लिए गारंटियों का प्रावधान परियोजनाओं के पूरे होने तक संभावित हानियों को ध्यान में रखकर किया गया है।

ix) डेरिवेटिव

बैंक अपनी आस्तियों और देयताओं की हेजिंग के लिए डेरिवेटिव संविदाएं जैसे ब्याज दर स्वैप, करंसी स्वैप, अंतर करंसी ब्याज दर स्वैप तथा वायदा दर करार करता है। भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशानिर्देशों के अनुसार ये संव्यवहार हेजिंग के उद्देश्य से किए जाते हैं तथा उपचित आधार पर हिसाब में लिए जाते हैं। तुलन-पत्र की तारीख को बकाया डेरिवेटिव संविदाओं के बारे में मात्रात्मक और गुणात्मक प्रकटन, अखिल भारतीय वित्तीय संस्थाओं के लिए आरबीआई के मास्टर निदेश ''प्रस्तृति, प्रकटन और रिपोर्टिंग संबंधी मानदंड'' के अनुसार रिपोर्ट किए जाते हैं।

x) कर्मचारी लाभ हेतु प्रावधान

- क) बैंक में भविष्य निधि, ग्रेच्युटी निधि और पेंशन निधि बैंक द्वारा चलाई जा रही परिभाषित कर्मचारी लाभ योजनाएं हैं। इन निधियों में बैंक का अंशदान संबंधित वर्ष के लिए लाभ-हानि खाते को डेबिट कर किया जाता है।
- ख) ग्रेच्युटी तथा पेंशन परिभाषित कर्मचारी लाभ देयताएं हैं। इन देयताओं के लिए प्रावधान बीमांकिक मूल्यांकन आधार पर प्रत्येक वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर अनुमानित यूनिट क्रेडिट पद्धति के आधार पर किया जाता है।



vi) Impairment

The carrying amounts of assets are reviewed at each Balance Sheet date based on internal/external factors to provide for impairment in the value of the assets or reverse impairment losses recognised in previous periods, as applicable. Impairment loss is recognised when the carrying amount of an asset exceeds recoverable amount.

vii) Accounting for Foreign Currency Transactions

- a) Assets and liabilities denominated in foreign currency are translated at the exchange rate notified by the Foreign Exchange Dealers' Association of India (FEDAI) at year end.
- b) Income and expenditure items are translated at the average rates of exchange during the year.
- c) Outstanding foreign exchange contracts are revalued at rates of exchange notified by the FEDAI for specified maturities and the resulting profits/losses are included in the Profit and Loss account.
- d) Contingent liabilities in respect of guarantees, acceptances, endorsements and other obligations are stated at the rates of exchange notified by FEDAI at year end.

viii) Guarantees

Provisioning for guarantees is made taking into account the likely losses on projects till their completion, for uncovered portion under ECGC policies.

ix) Derivatives

The Bank presently deals in derivative contracts such as Interest Rate Swaps, Currency Swaps, Cross-Currency Interest Rate Swaps and Forward Rate Agreements, for hedging its assets and liabilities. Based on RBI Guidelines, the above derivatives undertaken for hedging purposes are accounted on accrual basis. Qualitative and Quantitative disclosures pertaining to outstanding derivative contracts are reported in the "Notes to Accounts" in accordance with RBI's Master Direction on Presentation, Disclosure and Reporting norms for All India Financial Institutions on the Balance Sheet date.

x) Provision for Employee Benefits

- a) Provident Fund, Gratuity Fund and Pension Fund are defined benefit schemes administered by the Bank and the Bank's contributions to these funds are charged to the Profit and Loss Account for the year.
- b) Gratuity and Pension are defined benefit obligations. Liabilities towards these obligations are provided for on the basis of actuarial valuation at the end of each financial year based on the projected unit credit method.



ग) छुट्टी नकदीकरण के प्रति देयता के लिए वर्ष के अंत में बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर प्रावधान किया जाता है।

xi) आय पर करों का लेखांकन

- क) संबंधित संविधि के अधीन भुगतान योग्य कर के अनुसार वर्तमान कर के लिए प्रावधान किया गया है।
- ख) कर योग्य आय और लेखांकन आय के बीच समय अंतर की दृष्टि से आस्थिगित कर की गणना विद्यमान कर दरों पर तथा अधिनियमित विधि अथवा तुलन-पत्र की सम दिनांक को प्रमुखतः अधिनियमित विधि के अनुसार की गई है। आस्थिगित कर आस्तियों को केवल उसी सीमा तक हिसाब में लिया गया है जिस सीमा तक उनकी वसूली की समुचित निश्चितता है।

xii) प्रावधान, आकस्मिक देयताएं तथा आकस्मिक आस्तियां

''प्रावधान, आकस्मिक देयताओं तथा आकस्मिक आस्तियों'' की गणना भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान (आईसीएआई) द्वारा जारी लेखा मानक 29 के अनुसार की जाती है। बैंक केवल उन प्रावधानों को हिसाब में लेता है जब वर्तमान दायित्व किसी विगत घटना का परिणाम हो। हालांकि यह संभव है कि इस दायित्व से उपजे आर्थिक भार संबंधी राशि का भुगतान दायित्व की राशि के सही आकलन के निर्धारण के बाद किया जाए।

आकस्मिक देयताएं तभी प्रकट की जाती हैं, जब आर्थिक लाभ संबंधी राशि का भुगतान किए जाने की कुछ न कुछ संभावना अवश्य हो।

आकस्मिक आस्तियों को न ही हिसाब में लिया जाता है तथा न ही उन्हें वित्तीय विवरणों में प्रकट किया जाता है।

xiii) भारतीय लेखा मानकों (इंड एएस) के क्रियान्वयन का स्थगन

भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) के परिपत्र दिनांकित 04 अगस्त, 2016 के अनुसार, भारतीय लेखा मानक (इंड एएस) सभी बैंकों, गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों और अखिल भारतीय वित्तीय संस्थाओं पर 01 अप्रैल, 2018 से शुरू होने वाली लेखांकन अवधि के लिए और 31 मार्च, 2018 को समाप्त होने वाली अवधि के तुलनात्मक आंकड़ों के साथ लागू थे। आरबीआई ने एक्ज़िम बैंक को संबोधित 15 मई, 2019 के अपने पत्र के जरिए अखिल भारतीय वित्तीय संस्थाओं के लिए इन मानकों का क्रियान्वयन अगली सूचना तक स्थिगत करने के संबंध में सूचित किया है।





c) Liability towards leave encashment is provided for on the basis of actuarial valuation at year end.

xi) Accounting for Taxes on Income

- a) Provision for current tax is made, based on the tax payable under the relevant statute.
- b) Deferred tax on timing difference between taxable income and accounting income is accounted for, using the tax rates and the tax law enacted or substantially enacted as on the Balance Sheet date. Deferred tax assets are recognised only to the extent that there is a virtual certainty of realisation.

xii) Provisions, Contingent Liabilities and Contingent Assets

As per AS 29 — "Provisions, Contingent Liabilities and Contingent Assets" issued by the Institute of Chartered Accountants of India (ICAI), the Bank recognises provisions only when it has a present obligation as a result of a past event, it is probable that an outflow of resources embodying economic benefits will be required to settle the obligation and when a reliable estimate of the amount of the obligation can be made.

Contingent liabilities are disclosed unless the possibility of an outflow of resources embodying economic benefit is remote.

Contingent assets are neither recognised nor disclosed in the financial statements.

xiii) Deferment of Implementation of Indian Accounting Standards (Ind AS)

In terms of Reserve Bank of India's (RBI) circular dated August 04, 2016, Indian Accounting Standards (Ind AS) was applicable to all Banks, NBFCs and AIFIs for the accounting periods beginning from April 01, 2018 onwards with comparatives for the period ending March 31, 2018. RBI vide its letter dated May 15, 2019 addressed to Exim Bank has conveyed deferment of implementation of Ind AS by the AIFIs until further notice.



II. लेखों पर टिप्पणियां - सामान्य निधि

1. एजेंसी लेखा

चूंकि एक्ज़िम बैंक इराक में भारतीय संविदाकारों से संबंधित कितपय सौदों को सुगम बनाने के लिए एक एजेंसी के रूप में कार्य कर रहा है, अतएव भारत सरकार को समनुदेशित ₹ 42.95 बिलियन (पिछले वर्ष ₹ 40.48 बिलियन) की राशि सिहत बैंक को सूचित की गई एजेंसी खाते में धारित ₹ 47.53 बिलियन (पिछले वर्ष ₹ 44.79 बिलियन) की समतुल्य राशि की विदेशी मुद्रा की प्राप्य राशियां उपर्युक्त तुलन-पत्र में शामिल नहीं की गई हैं।

2. आयकर

बैंक की पूँजी संपूर्ण रूप से भारत सरकार द्वारा धारित है तथा बैंक में कोई अन्य शेयर पूँजी नहीं है। अतः भारतीय निर्यात –आयात बैंक अधिनियम 1981 की धारा 23 (2) के अनुसार केन्द्र सरकार को अंतरणीय लाभ अधिशेष को लाभांश नहीं कहा जा सकता। परिणामस्वरूप वाद सं. आईटीए सं. 2025/मुंबई/2000 में 18 दिसंबर, 2006 को कर अपील न्यायाधीकरण द्वारा पारित निर्णय के आलोक में लाभांश वितरण पर कोई कर देय नहीं है, अतः इसके लिए कोई प्रावधान नहीं किया गया है।

3. क) आकस्मिक देयताएं

गारंटियों में ₹ 4.85 बिलियन (गत वर्ष ₹ 1.24 बिलियन) की एक्स्पायार्ड गारंटियां शामिल हैं, जिन्हें बिहयों में से निरस्त किया जाना बाकी है। आकस्मिक देयताओं में आईएल एंड एफएस की अनुषंगी एल्सामेक्स एसए, स्पेन की ओर से बैंक द्वारा जारी की गई 31.39 मिलियन यूएस डॉलर (यथा 31 मार्च, 2019 को ₹ 2.20 बिलियन के समतुल्य) की इनवोक की गई काउंटर बैंक गारंटियां शामिल हैं। इनवोक की गई काउंटर बैंक गारंटियों के अंतर्गत भुगतान पर माननीय बॉम्बे उच्च न्यायालय द्वारा रोक लगा दी गई थी। यह मामला अभी विचाराधीन है। तदनुसार भुगतान नहीं किया गया है। तथापि, बैंक द्वारा उक्त आकस्मिक देयता के लिए उक्त राशि के 50% का प्रावधान किया गया है।

ख) दावे जिन्हें ऋण के रूप में स्वीकार नहीं किया गया है

आकस्मिक देयताओं के अंतर्गत ''बैंक पर दावे जिन्हें ऋण के रूप में स्वीकार नहीं किया गया है'' के रूप में दिखाई गई ₹ 7.22 बिलियन (पिछले वर्ष ₹ 2.31 बिलियन) की राशि अधिकांशतः बैंक के चूककर्ता उधारकर्ताओं के विरुद्ध बैंक द्वारा शुरू की गई कानूनी कार्रवाई के जवाब में उन उधारकर्ताओं द्वारा बैंक के विरुद्ध दायर किए गए दावों/प्रतिदावों से संबंधित है। बैंक के सॉलिसिटरों की राय में कोई भी दावा/प्रतिदावा गुणवत्ता योग्य नहीं है तथा कोई भी मामला अभी तक अंतिम सुनवाई तक नहीं पहुंचा है; अतः विशेषज्ञों की सलाह के आधार पर इस संबंध में कोई प्रावधान आवश्यक नहीं समझा गया है।

ग) वायदा विनिमय संविदाएं, मुद्रा/ब्याज दर स्वाप

i) यथा 31 मार्च, 2019 को बकाया वायदा विनिमय संविदाओं की पूर्ण हेजिंग की गई है। बैंक, भारतीय रिज़र्व बैंक के 7 जुलाई, 1999 के परिपत्र संदर्भ सं. एमपीडी.बीसी.187/07.01.279/1999-2000 एवं उसके बाद जारी दिशानिर्देशों के अनुसार आस्ति—देयता प्रबंधन के प्रयोजनार्थ डेरिवेटिव सौदे (ब्याज दर स्वाप, वायदा दर करार तथा मुद्रा—सह—ब्याज दर स्वाप) करता है। बैंक अपनी आवश्यकताओं तथा बाजार स्थितियों के आधार पर ऐसे सौदे करता है और आवश्यकता पड़ने पर उनका निपटान भी करता है। ऐसे बकाया डेरिवेटिव संव्यवहारों को हिसाब में लिया जाता है, जिन पर ब्याज दर में उतार—चढ़ाव का अत्यधिक प्रभाव पड़ता है। आस्ति देयता प्रबंधन समिति (एल्को) द्वारा इस स्थिति की निगरानी की जाती है और निदेशक मंडल द्वारा



II. NOTES TO ACCOUNTS - GENERAL FUND

1. Agency Account

As Exim Bank is acting only in the capacity of an agency to facilitate certain transactions in Iraq relating to Indian contractors, foreign currency receivables advised to the Bank equivalent to $\stackrel{?}{\sim}$ 47.53 billion (previous year $\stackrel{?}{\sim}$ 44.79 billion) held on agency account including a sum of $\stackrel{?}{\sim}$ 42.95 billion (previous year $\stackrel{?}{\sim}$ 40.48 billion) assigned to Government of India (GOI) are not included in the above Balance Sheet.

2. Income-Tax

The capital of the Bank is wholly subscribed by the Central Government and the Bank does not have any share capital. The balance of profit transferable to the Central Government in accordance with Section 23 (2) of the Export-Import Bank of India Act, 1981 is not termed as dividend. Consequently, dividend distribution tax is considered not payable, in the light of the judgement passed by the Income Tax Appellate Tribunal in case no. ITA No. 2025 / Mum / 2000 on December 18, 2006 and hence, no provision has been made for the same.

3. a) Contingent Liabilities

Guarantees include expired guarantees amounting to ₹ 4.85 billion (previous year ₹ 1.24 billion), yet to be cancelled in the books. Contingent liabilities include invoked Counter Bank Guarantees aggregating US\$ 31.39 million (equivalent ₹ 2.20 billion as on March 31, 2019) issued on behalf of Elsamex S.A., Spain, a step-down subsidiary of IL&FS. The payment has been stayed by the Hon'ble High Court of Bombay under the invoked Counter Bank Guarantees. The matter is currently subjudice. Consequently, the payment has not been made. However, as a matter of abundant caution, the Bank has made a provision for 50% of the amount against the said contingent liability.

b) Claims not acknowledged as debts

The amount of $\ref{7.22}$ billion (previous year $\ref{2.31}$ billion) shown under Contingent Liabilities as "Claims on the Bank not acknowledged as debts", pertains to claims/counter-claims filed against the Bank mostly by Bank's defaulting borrowers in response to legal action initiated against them by the Bank. None of the claims/counter-claims is considered as maintainable in the opinion of Bank's solicitors and none of them has reached the stage of final hearing. Based on professional advice, no provision is considered necessary.

c) Forward Exchange Contracts, Currency/Interest Rate Swaps

i) The outstanding forward exchange contracts as at March 31, 2019 have been fully hedged. The Bank undertakes derivatives transactions (Interest Rate Swaps, Forward Rate Agreements and Currency-cum-interest rate swaps), for the purpose of Asset-Liability management as per RBI guidelines issued vide circular Ref. No. MPD.BC.187/07.01.279/1999-2000 dated July 7, 1999 and thereafter. The Bank also unwinds and re-enters such transactions based on requirements/market conditions. The outstanding derivative transactions are captured in the interest rate sensitivity position, which is monitored by the Asset-Liability Management Committee (ALCO) and reviewed by the Board. The credit equivalent of derivatives is arrived at as per 'Current Exposure' method prescribed by RBI. The fair value and the price value of a basis point (PV01) of derivatives are disclosed separately in the 'Notes to Accounts' as stipulated by RBI. The premium or discount arising at inception of forward exchange contracts



समीक्षा की जाती है। डेरिवेटिव के ऋण समतुल्य की गणना भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा निर्धारित 'विद्यमान ऋण जोखिम' पद्धित के अनुसार की जाती है। डेरिवेटिव के आधार बिंदु (पीवी 01) के फेयर वैल्यू तथा प्राइस वैल्यू को भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा निर्धारित अनुसार 'लेखों पर टिप्पणियों' में अलग से प्रकट किया गया है। वायदा दर संविदाओं से होने वाले लाभ या हानि को संविदा की पूरी अवधि के लिए परिशोधित किया गया है। वायदा विनिमय संविदाओं के निरस्तीकरण से उत्पन्न होने वाले लाभ या हानि को वर्ष के लिए आय/व्यय के रूप में हिसाब में लिया जाता है।

ii) बैंक को ग्राहकों/गैर-ग्राहकों के लिए 'लॉन्ग डेटेड फॉरेन करंसी – रूपी स्वैप्स' संव्यवहारों के लिए 'मार्केट मेकर' की भूमिका निभाने की अनुमित प्राप्त है।

घ) मुद्रा विनिमय दर के उतार-चढ़ाव पर लाभ/हानि

विदेशी मुद्रा में उल्लिखित आस्तियों तथा देयताओं को वर्ष के अंत में भारतीय विदेशी मुद्रा डीलर संघ (फेडाई) द्वारा अधिसूचित दरों पर अंतरित किया जाता है। आय तथा व्यय मदों को वार्षिक औसत विनिमय दर पर अंतरित किया जाता है। चालू वर्ष के दौरान विदेशी मुद्रा परिचालनों से अर्जित एवं धारित आय के अंतरणों पर सांकेतिक लाभ ₹ 0.07 बिलियन (गत वर्ष ₹ 0.13 बिलियन की सांकेतिक हानि) है।

- 4. सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम अधिनियम, 2006 के अंतर्गत सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों संबंधित प्रकटीकरणः सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को विलंबित भुगतान संबंधी कोई मामला प्रकाश में नहीं आया है।
- 5. भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा अपेक्षित अनुसार अतिरिक्त सूचना

5.1 पूँजी

क)

	विवरण	यथा	यथा
	144(1	31 मार्च, 2019 को	31 मार्च, 2018 को
(i)	सामान्य इक्विटी	109.77	58.52
(ii)	अतिरिक्त टियर 1 पूँजी	5.00	5.00
(iii)	कुल टियर 1 पूँजी (i+ii)	114.77	63.52
(vi)	टियर 2 पूँजी	8.81	10.95
(v)	कुल पूँजी (टियर 1+ टियर 2)	123.58	74.47
(vi)	कुल जोखिम भारित आस्तियां	648.05	719.79
(vii)	सामान्य इक्विटी अनुपात (कुल जोखिम भारित	16.94%	8.13%
	आस्तियों के प्रतिशत के रूप में कॉमन इक्विटी)		
(viii)	टियर 1 अनुपात (कुल जोखिम भारित आस्तियों के	17.71%	8.82%
	प्रतिशत के रूप में टियर 1 पूँजी)		
(ix)	जोखिम भारित आस्तियों की तुलना में पूँजी	19.07%	10.35%
	अनुपात (सीआरएआर) (कुल जोखिम भारित		
	आस्तियों के प्रतिशत के रूप में कुल पूँजी)		
(x)	बैंक में भारत सरकार की शेयरधारिता का प्रतिशत	100%	100%





- is amortized over the life of the contracts. Any profit or loss arising on cancellation of forward exchange contracts is recognized as income / expense for the year.
- ii) The Bank is permitted to be a 'market maker' for offering long-dated Foreign Currency-Rupee Swaps to clients / non-clients.

d) Profit / Loss on Exchange fluctuation

Assets and liabilities denominated in foreign currency are translated at the exchange rate notified by the Foreign Exchange Dealers' Association of India (FEDAI) at year end. Income and expenditure items are translated at the average rates of exchange during the year. The notional profit on such translation of the retained earnings on FC operations during the current year is $\stackrel{?}{\sim}$ 0.07 billion (previous year notional loss of $\stackrel{?}{\sim}$ 0.13 billion).

- 4. Disclosure relating to Micro, Small and Medium Enterprises under the Micro, Small and Medium Enterprises Act, 2006: There have been no reported cases of delayed payments to Micro, Small and Medium Enterprises.
- 5. Additional Information as required by Reserve Bank of India

5.1 Capital

(a)

	Particulars	As on	As on
	i di dodidi 3	March 31, 2019	March 31, 2018
(i)	Common Equity	109.77	58.52
(ii)	Additional Tier 1 Capital	5.00	5.00
(iii)	Total Tier 1 Capital (i+ii)	114.77	63.52
(iv)	Tier 2 Capital	8.81	10.95
(v)	Total Capital (Tier 1 + Tier 2)	123.58	74.47
(vi)	Total Risk weighted assets (RWAs)	648.05	719.79
(vii)	Common Equity Ratio	16.94%	8.13%
	(Common Equity as a percentage of RWAs)		
(viii)	Tier 1 Ratio	17.71%	8.82%
	(Tier 1 capital as a percentage of RWAs)		
(ix)	Capital to Risk weighted Assets Ratio (CRAR)	19.07%	10.35%
	(Total Capital as a percentage of RWAs)		
(x)	Percentage of the shareholding of the	100%	100%
	Government of India in the Bank		



(₹ बिलियन)

	विवरण	यथा 31 मार्च, 2019 को	यथा 31 मार्च, 2018 को
(xi)	भारत सरकार द्वारा प्रदान की गई इक्विटी पूँजी राशि	50.00	5.00
(xii)	जुटाई गई टियर 1 पूँजी, जिसमें से		
	क) बेमियादी गैर-संचयी अधिमानी शेयर	शून्य	शून्य
	ख) बेमियादी ऋण लिखत	शून्य	शून्य
(xiii)	जुटाई गई टियर 1 पूँजी, जिसमें से		
	क) ऋण पूँजी लिखतें	शून्य	शून्य
	ख) बेमियादी गैर-संचयी अधिमानी शेयर	शून्य	शून्य
	ग) प्रतिदेय गैर-संचयी अधिमानी शेयर	शून्य	शून्य
	घ) प्रतिदेय संचयी अधिमानी शेयर	शून्य	शून्य

ख) यथा 31 मार्च, 2019 को टियर−॥ पूँजी के रूप में जुटाए गए और बकाया गौण ऋण की राशिः ₹ शून्य (गत वर्षः ₹ शून्य)

ग) जोखिम भारित आस्तियां

(₹ बिलियन)

	विवरण	यथा	यथा
		31 मार्च, 2019 को	31 मार्च, 2018 को
(i)	तुलन-पत्र में 'शामिल' मदें	490.99	579.05
(ii)	तुलन-पत्र में 'शामिल नहीं की गई' मदें	157.06	140.74

- घ) तुलन-पत्र की तारीख को शेयरधारिता का स्वरूप: भारत सरकार द्वारा पूर्णतः अभिदत्त पूँजी।
 - जोखिम आस्तियों की तुलना में पूँजी का अनुपात (सीआरएआर) और अन्य संबंधित मानदंडों का निर्धारण भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा वित्तीय संस्थाओं के लिए निर्धारित पूँजी पर्याप्तता मानदंडों के अनुसार किया गया है।
 - बासेल III मानकों सिहत भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा निर्धारित संशोधित रूपरेखा अभी मसौदा चरण में है। बैंक सीआरएआर के निर्धारण हेतु बासेल III मानकों को इनके प्रभावी होने की तारीख से लागू करेगा। भारतीय रिज़र्व बैंक से अंतिम अधिसूचना प्रतीक्षित है।

5.2 निर्बंध आरक्षित निधियां एवं प्रावधान

क) मानक आस्तियों पर प्रावधान

विवरण	2018-19	2017-18
मानक आस्तियों के लिए प्रावधान	(17.43)	14.08





(₹ billion)

	Particulars		As on March 31, 2019	As on March 31, 2018
(xi)	Amount of equity capita Government of India	al infused by the	50.00	5.00
(xii)	Amount of Tier 1 capita a) Perpetual Preference Shares	Non-Cumulative	Nil	Nil
	b) Perpetual Debt Instr	, , ,	Nil	Nil
(xiii)	Amount of Tier 1 capita a) Debt Capital Instrum b) Perpetual	·	Nil	Nil
	Preference Shares	(PNCPS);	Nil	Nil
	c) Redeemable Preference Shares	(RNCPS)	Nil	Nil
	d) Redeemable Shares	Cumulative Preference (RCPS)	Nil	Nil

- (b) The amount of subordinated debt raised and outstanding as on March 31, 2019 as Tier-II capital: ₹ NIL (previous year: ₹ Nil).
- (c) Risk weighted assets

(₹ billion)

	Particulars	As on March 31, 2019	As on March 31, 2018
(i)	'On' balance sheet items	490.99	579.05
(ii)	'Off' balance sheet items	157.06	140.74

- (d) The share holding pattern as on the date of the balance sheet: Capital wholly subscribed by the Government of India.
 - The CRAR and other related parameters have been determined as per the extant capital adequacy norms prescribed by RBI for the Financial Institutions (FIs).
 - The revised Framework to be prescribed by the RBI, including the Basel III norms, is still at draft stage. The Bank will implement Basel III norms for determining CRAR from the date they become effective. However, the final notification from RBI is awaited.

5.2 Free Reserves and Provisions

(a) Provisions on Standard Assets

	Particulars	2018-19	2017-18
(i)	Provisions towards Standard Assets	(17.43)	14.08



ख) अस्थायी प्रावधान

(₹ बिलियन)

	विवरण	2018-19	2017-18
(ক)	अस्थायी प्रावधान खाते में प्रारंभिक शेष	-	-
(ख)	लेखा वर्ष में किए गए अस्थायी प्रावधानों की राशि	-	-
(刊)	लेखा वर्ष के दौरान आहरण द्वारा कम हुई राशि	-	-
(ঘ)	अस्थायी प्रावधान खाते में अंतिम शेष	-	-

5.3 आस्ति गुणवत्ता और विशिष्ट प्रावधान

क) अनर्जक अग्रिम

	विवरण	2018-19	2017-18
(i)	निवल अग्रिमों की तुलना में निवल अनर्जक आस्तियां (%)	2.44%	3.75%
(ii)	अनर्जक आस्तियों में घट-बढ़ (सकल)		
(ক)	प्रारंभिक शेष	119.76	99.62
(ख)	वर्ष के दौरान बढ़ोत्तरी	33.63	43.24
(ग)	वर्ष के दौरान कमी	36.61	23.10
(घ)	अंतिम शेष	116.78	119.76
(iii)	निवल अनर्जक आस्तियों में घट-बढ़		
(क)	प्रारंभिक शेष	40.28	48.04
(ख)	वर्ष के दौरान बढ़ोत्तरी	2.61	24.87
(刊)	वर्ष के दौरान कमी	20.01	32.63
(घ)	अंतिम शेष	22.88	40.28
(iv)	अनर्जक आस्तियों के लिए प्रावधानों में घट–बढ़ (मानक आस्तियों पर प्रावधानों को छोड़कर)		
(ক)	प्रारंभिक शेष	79.48	51.59
(ख)	वर्ष के दौरान किए गए प्रावधान	43.73	39.27
(刊)	अतिरिक्त प्रावधानों का बट्टा खाता/प्रतिलेखन	29.31	11.38
(ঘ)	अंतिम शेष	93.90	79.48



(b) Floating Provisions

(₹ billion)

	Particulars	2018-19	2017-18
(a)	Opening balance in the floating provisions accounts	-	-
(b)	The quantum of floating provisions made in the accounting year	-	-
(C)	Amount of draw down made during the accounting year	-	-
(d)	Closing balance in the floating provisions account	-	-

5.3 Asset Quality and Specific Provisions

(a) Non-Performing Advances

	Particulars	2018-19	2017-18
(i)	Net NPAs to Net Advances (%)	2.44%	3.75%
(ii)	Movement of NPAs (Gross)		
(a)	Opening balance	119.76	99.62
(b)	Additions during the year	33.63	43.24
(c)	Reductions during the year	36.61	23.10
(d)	Closing balance	116.78	119.76
(iii)	Movement of Net NPAs		
(a)	Opening balance	40.28	48.04
(b)	Additions during the year	2.61	24.87
(c)	Reductions during the year	20.01	32.63
(d)	Closing balance	22.88	40.28
(iv)	Movement of Provisions for NPAs (excluding provisions on standard assets)		
(a)	Opening balance	79.48	51.59
(b)	Provisions made during the year	43.73	39.27
(c)	Write off/write back of excess provisions	29.31	11.38
(d)	Closing balance	93.90	79.48



ख) अनर्जक निवेश

(₹ बिलियन)

	विवरण	2018-19	2017-18
(i)	निवल निवेशों की तुलना में निवल अनर्जक निवेश (%)	0.36%	0.80%
(ii)	अनर्जक निवेशों में घट-बढ़ (सकल)		
(ক)	प्रारंभिक शेष	3.04	1.63
(ख)	वर्ष के दौरान बढ़ोत्तरी	2.62	1.95
(刊)	वर्ष के दौरान कमी	0.11	0.54
(ঘ)	अंतिम शेष	5.55	3.04
(iii)	निवल अनर्जक निवेशों में घट-बढ़		
(क)	प्रारंभिक शेष	0.46	0.0042
(ख)	वर्ष के दौरान बढ़ोत्तरी	0.19	0.4554
(刊)	वर्ष के दौरान कमी	0.31	0.0042
(ঘ)	अंतिम शेष	0.34	0.4554
(iv)	अनर्जक निवेशों के लिए प्रावधानों में घट-बढ़		
	(मानक आस्तियों पर प्रावधानों को छोड़कर)		
(ক)	प्रारंभिक शेष	2.58	1.63
(ख)	वर्ष के दौरान किए गए प्रावधान	2.71	1.51
(刊)	अतिरिक्त प्रावधानों का बट्टा खाता/प्रतिलेखन	0.08	0.56
(ঘ)	अंतिम शेष	5.21	2.58

ग) अनर्जक आस्तियां (क+ख)

	विवरण	2018-19	2017-18
(i)	निवल आस्तियों की तुलना में निवल अनर्जक आस्तियां	2.26%	3.60%
	(अग्रिम + निवेश) (%)		
(ii)	अनर्जक आस्तियों में घट-बढ़ (सकल अग्रिम + सकल निवेश)		
(ক)	प्रारंभिक शेष	122.80	101.25
(ख)	वर्ष के दौरान बढ़ोत्तरी	36.25	45.19
(刊)	वर्ष के दौरान कमी	36.72	23.64
(ঘ)	अंतिम शेष	122.33	122.80
(iii)	अनर्जक आस्तियों में घट-बढ़		
(ক)	प्रारंभिक शेष	40.74	48.0442
(ख)	वर्ष के दौरान बढ़ोत्तरी	2.80	25.3254
(刊)	वर्ष के दौरान कमी	20.32	32.6342
(ঘ)	अंतिम शेष	23.22	40.7354
(iv)	अनर्जक आस्तियों के लिए प्रावधानों में घट–बढ़		
	(मानक आस्तियों पर किए गए प्रावधानों को छोड़कर)		
(ক)	प्रारंभिक शेष	82.06	53.22
(ख)	वर्ष के दौरान किए गए प्रावधान	46.44	40.78
(刊)	अतिरिक्त प्रावधानों का बट्टा खाता/प्रतिलेखन	29.39	11.94
(ঘ)	अंतिम शेष	99.11	82.06



(b) Non-Performing Investments

(₹ billion)

	Particulars	2018-19	2017-18
(i)	Net NPIs to Net Investments (%)	0.36%	0.80%
(ii)	Movement of NPIs (Gross)		
(a)	Opening balance	3.04	1.63
(b)	Additions during the year	2.62	1.95
(c)	Reductions during the year	0.11	0.54
(d)	Closing balance	5.55	3.04
(iii)	Movement of Net NPIs		
(a)	Opening balance	0.46	0.0042
(b)	Additions during the year	0.19	0.4554
(c)	Reductions during the year	0.31	0.0042
(d)	Closing balance	0.34	0.4554
(iv)	Movement of Provisions for NPIs (excluding provisions on standard assets)		
(a)	Opening balance	2.58	1.63
(b)	Provisions made during the year	2.71	1.51
(c)	Write off/write back of excess provisions	0.08	0.56
(d)	Closing balance	5.21	2.58

(c) Non-Performing Assets (a+b)

	Particulars	2018-19	2017-18
(i)	Net NPAs to Net Assets (Advances + Investments) (%)	2.26%	3.60%
(ii)	Movement of NPAs (Gross Advances + Gross Investments)		
(a)	Opening balance	122.80	101.25
(b)	Additions during the year	36.25	45.19
(c)	Reductions during the year	36.72	23.64
(d)	Closing balance	122.33	122.80
(iii)	Movement of Net NPAs		
(a)	Opening balance	40.74	48.0442
(b)	Additions during the year	2.80	25.3254
(c)	Reductions during the year	20.32	32.6342
(d)	Closing balance	23.22	40.7354
(iv)	Movement of Provisions for NPAs (excluding provisions on standard assets)		
(a)	Opening balance	82.06	53.22
(b)	Provisions made during the year	46.44	40.78
(c)	Write off/write back of excess provisions	29.39	11.94
(d)	Closing Balance	99.11	82.06



5.4 पुनर्संरचित किए गए खातों का विवरण

₩₩ —	9																	
- 4:	पुनसरचना का प्रकार		कंपनी क	कंपनी कर्ज पुनसर्श्यना (सीडीआर) प्रक्रिया के अंतर्गत	डीआर) प्रव्रि	ग्या के अंत	गंत	प्रसार	एसएमई ऋण पुनर्संरचना प्रक्रिया के अंतर्गत	चना प्रक्रिया के	, अंतर्गत				अन्य			
-	आस्ति वर्गीकरण	विवरण	मानक	अवमानक	संदिग्ध	हानि	कुल	मानक	अवमानक	संदिग्ध	ह्यान	कुव	मानक	अवमानक	संदिग्ध	हानि	क्षे	कुल
	वित्तीय वर्ष की प्रारंभिक तारीख को पुनर्संरचित	उधारकर्ताओं की संख्या	10	ı	7	1	17	-	'	2	1	8	9	2	=	1	19	39
	खात (प्राराभक आकड़)"	बकाया राशि	5.35	ı	1.61	1	96.9	0.01	1	0.02	1	0.03	5.43	1.89	11.41	1	18.73	25.72
		उस पर प्रावधान	2.28	'	1.54	1	3.82	0.002	'	0.02	1	0.02	0.49	0.48	9.54	1	10.51	14.35
2	वर्ष के दौरान नवीन पुनर्संरचना/बढ़त	उधारकर्ताओं की संख्या	1	1	-	1	-	1	1	1	1	1	2		8	1	9	7
		बकाया राशि	1	1	1.20	1	1.20	1	1	1	1	1	1.96	1.14	2.40	1	5.50	6.70
		उस पर प्रावधान	1	1	1.20	1	1.20	1	1	1	1	1	0.34	0.22	1.65	1	2.21	3.41
33	वितीय वर्ष के दौरान पुनर्सरचित मानक श्रेणी भ	उधारकर्ताओं की संख्या	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	2	1	2	2
	1 0 1 4 1	बकाया राशि	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	2.72	1	2.72	2.72
		उस पर प्रावधान	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	2.33	1	2.33	2.33
4	वितीय वर्ष के अंत में पुनर्संरिवित मानक अग्रिम, जिनमें उच्चतर प्रावधान हुए और / अथवा	उधारकर्ताओं की संख्या	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	'
	आतारक्त जाखन भार आर इस तरह उन्ह अगले वितीय वर्ष के आरंभ में पुनर्सियित मानक अग्रिमों के रूप में दिखाने की आवश्यकता	बकाया राशि	ı	1	1	1	1	1	ı	ı	1	1	ı	1	1	1	1	1
	구립 자	उस पर प्रावधान	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	ı	1	1	1	1	1
2	वित्तीय वर्ष के दौरान पुनर्संरचित खातों का	उधारकर्ताओं की संख्या	2	1	1	1	2	1	1	1	1	1	4	2	1	1	9	
	פוס אפאוח / אכנו	बकाया राशि	3.94	1	I	1	3.94	1	1	1	1	1	4.84	1.89	1	1	6.73	10.67
		उस पर प्रावधान	1.94	1	I	1	1.94	1	1	1	1	1	0.43	0.48	1	1	0.91	2.85
9	वितीय वर्ष के दौरान पुनर्सरिवित खातों को बहे	उधारकर्ताओं की संख्या	1	1	ı	1	1	1	1	1	1	1	1	ı	2	1	2	2
	פֿרַכּוֹ פּרַכּיּיִם	बकाया राशि	1	1	ı	1	1	1	1	1	1	ı	1	ı	3.22	1	3.22	3.22
		उस पर प्रावधान	1	ı	1	1	ı	ı	1	1	1	1	ı	ı	3.22	1	3.22	3.22
7	वित्तीय वर्ष की अंतिम तारीख को पुनर्संरचित जन्मे (अंनिम अंक्ट्रे)*	उधारकर्ताओं की संख्या	5	1	00	1	13	-	1	2	1	0	4	-	10	1	15	31
	פננו (פונים פוניה)	बकाया राशि	1.41	1	2.81	1	4.22	0.01	1	0.02	1	0.03	2.55	1.14	7.87	1	11.56	15.81
		उस पर प्रावधान	0.34	1	2.74	1	3.08	0.002	ı	0.02	1	0.02	0.40	0.22	5.64	1	6.26	9.36



		39	2	2	7	0	—	2	2	က	1	1	1	T-		2	2	2	2	-	-	9
Total		ñ	25.72	14.35		6.70	3.41		2.72	2.33				=	10.67	2.85		3.22	3.22	31	15.81	9:36
	Total	19	18.73	10.51	9	5.50	2.21	2	2.72	2.33	1	1	1	9	6.73	0.91	2	3.22	3.22	15	11.56	6.26
-	Loss	1	1	1	1	1	1	'	1	'	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1
Others	Doubtful	=	11.41	9.54	3	2.40	1.65	2	2.72	2.33	1	1	1	1	1	1	2	3.22	3.22	10	7.87	5.64
Ö	Sub- standard	2	1.89	0.48	-	1.14	0.22	1	1	1	1	1	1	2	1.89	0.48		1	1	-	1.14	0.22
	Standard 8	9	5.43	0.49	2	1.96	0.34	1	1	1	ı	1	1	4	4.84	0.43	1	1	1	4	2.55	0.40
	Total S	က	0.03	0.02	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	က	0.03	0.02
echanism	Loss	ı	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1
ucturing Mo	Doubtful	2	0.02	0.02	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	2	0.02	0.02
Under SME Debt Restructuring Mechanism	Sub- standard Do	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1
der SME		-		12	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	-		12
n	Standard		0.01	0.002																	0.01	0.002
	Total	17	96.9	3.82	-	1.20	1.20	1	1	1	1	1	1	2	3.94	1.94	'	'	1	13	4.22	3.08
m	Loss	ı	1	1	'	'	'	'	'	'	ı	1	1	'	'	'	1	1	'	'	1	1
Under CDR Mechanism	Doubtful	7	1.61	1.54	-	1.20	1.20	'	1	1	1	1	1	1	1	'	'		1	00	2.81	2.74
Under CD	Sub- standard	1	1	1	1	-	1	1	1	1	I	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1
-	Standard	10	5.35	2.28	1	1	1	1	1	1	1	1	1	2	3.94	1.94	1	1	1	2	1.41	0.34
	Details	No. of borrowers	Amount outstanding	Provision thereon	No. of borrowers	Amount outstanding	Provision thereon	No. of borrowers	Amount outstanding	Provision thereon	No. of borrowers	Amount outstanding	Provision thereon	No. of borrowers	Amount outstanding	Provision thereon	No. of borrowers	Amount outstanding	Provision thereon	No. of borrowers	Amount outstanding	Provision thereon
Type of Restructuring	Asset Classification		FY (opening figures)*	<u> </u>	Fresh restructuring / Nadditional during #bo your		14	Upgradations to			to ing		be shown as restructured standard advances at the beginning of the next FY		accounts during the FY	14	Write-offs of restructured N		<u> </u>	Restructured Accounts as N		
	. No.	- E	<u>ш</u>		2 F	_		3 0	د د		4 E e e	w ≥ IL	១១០	5 D	_ <i>(</i> 0		9	<u> </u>		7 R	э ш	_

5.4 Particulars of Accounts Restructured



5.5 अनर्जक आस्तियों में घट-बढ़

(₹ बिलियन)

विवरण	2018-19	2017-18
यथा 1 अप्रैल को सकल अनर्जक आस्तियां (प्रारंभिक शेष)	119.76	99.62
वर्ष के दौरान बढ़त (नई अनर्जक आस्तियां)	28.35	40.93
ब्याज निधीयन	2.53	2.06
विनिमय दर घट-बढ़	2.75	0.25
उपखंड योग (क)	153.39	142.86
घटाएं:		
(i) उन्नयन	2.51	3.13
(ii) वसूली (उन्नत खातों से वसूली को छोड़कर)	15.16	5.38
(iii) तकनीकी/विवेकसम्मत बट्टे खाते	11.88	14.34
(iv) बट्टे खाते, उपर्युक्त (iii) के अलावा	7.06	0.25
(v) विनिमय दर घट-बढ़	-	-
उपखंड योग (ख)	36.61	23.10
यथा आगामी वर्ष की 31 मार्च को सकल अनर्जक आस्तियां (अंतिम शेष) (क-ख)	116.78	119.76

आरबीआई के मास्टर परिपत्र संख्या डीबीआर सं. बीपी. बीसी. 2/21.04.048/2015-16 दिनांकित 1 जुलाई, 2015 के अनुलग्नक भाग सी–2 के अनुसार सकल अनर्जक आस्तियां

5.6 बट्टे खाते और वसूली

(₹ बिलियन)

विवरण	2018-19	2017-18
बहे खाते डाले गए खातों का यथा 1 अप्रैल को प्रारंभिक शेष तकनीकी/विवेकसम्मत बहे खाते	20.38	6.04
जोड़ें: वर्ष के दौरान तकनीकी/विवेकसम्मत बट्टे खाते	11.88	14.34
जोड़ें: विनिमय में उतार-चढ़ाव	0.75	-
उपखंड योग (क)	33.01	20.38
घटाएं: वर्ष के दौरान पुराने तकनीकी/विवेकसम्मत बट्टे खाते डाले गए खातों से की गई वसूली (ख)	0.09	0.0007
यथा ३१ मार्च को अंतिम शेष (क-ख)	32.92	20.38

5.7 विदेशी आस्तियां, अनर्जक आस्तियां और राजस्व

(₹ बिलियन)

विवरण	2018-19	2017-18
कुल आस्तियां	86.89	95.26
कुल अनर्जक आस्तियां	1.31	5.62
कुल राजस्व	5.02	6.99

उपर्युक्त आंकड़े बैंक की लंदन शाखा से संबंधित हैं, जिसका परिचालन अक्टूबर 2010 में शुरू हुआ।





5.5 Movement of Non-Performing Assets

(₹ billion)

Particulars	2018-19	2017-18
Gross NPAs as on 1st April (Opening balance)	119.76	99.62
Additions (Fresh NPAs) during the year	28.35	40.93
Interest funding	2.53	2.06
Exchange Fluctuation	2.75	0.25
Sub Total (A)	153.39	142.86
Less:		
(i) Upgradations	2.51	3.13
(ii) Recoveries (excluding recoveries made from upgraded accounts)	15.16	5.38
(iii) Technical/Prudential write offs	11.88	14.34
(iv) Write offs other than those under (iii) above	7.06	0.25
(v) Exchange Fluctuation	-	-
Sub Total (B)	36.61	23.10
Gross NPAs as on 31st March (closing balance) (A-B)	116.78	119.76

Gross NPAs as per Appendix Part C-2 of RBI Master Circular DBR.No.BP.BC.2/21.04.048/ 2015-16 dated July 1, 2015.

5.6 Write-offs and Recoveries

(₹ billion)

Particulars	2018-19	2017-18
Opening balance of Technical/Prudential written off accounts as at 1st April	20.38	6.04
Add: Technical/Prudential write offs during the year	11.88	14.34
Add: Exchange Fluctuation	0.75	-
Sub Total (A)	33.01	20.38
Less: Recoveries made from previously technical/ prudential written off accounts during the year (B)	0.09	0.0007
Closing balance as on 31st March (A-B)	32.92	20.38

5.7 Overseas Assets, NPAs and Revenue

(₹ billion)

Particulars	2018-19	2017-18
Total Assets	86.89	95.26
Total NPAs	1.31	5.62
Total Revenue	5.02	6.99

The above figures pertain to Bank's London branch, which started operations in October, 2010.





5.8 निवेशों पर मूल्यहास और प्रावधान

(₹ बिलियन)

	विवरण	2018-19	2017-18
(1)	निवेश		
(i)	सकल निवेश	113.40	73.11
क)	भारत में	112.63	72.33
ख)	भारत से बाहर	0.77	0.78
(ii)	मूल्यहास के लिए प्रावधान	20.12	16.14
क)	भारत में	19.55	15.56
ख)	भारत से बाहर	0.57	0.58
(iii)	निवल निवेश	93.28	56.97
क)	भारत में	93.08	56.77
ख)	भारत से बाहर	0.20	0.20
(2)	निवेशों पर मूल्यहास के लिए किए गए प्रावधानों में		
	घट-बढ़		
(i)	प्रारंभिक शेष	16.14	10.52
(ii)	जोड़ें: वर्ष के दौरान किए गए प्रावधान	4.83	5.62
(iii)	वर्ष के दौरान निवेश अस्थिर आरक्षित निधि खाते		
	से विनियोजन, यदि कोई है		
(iv)	घटाएं: वर्ष के दौरान अतिरिक्त प्रावधानों पर बट्टा	0.85	
	खाता/प्रतिलेखन	0.00	
(v)	घटाएंः अस्थिर आरक्षित निधि खाते में हस्तांतरण,	_	_
	यदि कोई है		
(vi)	अंतिम शेष	20.12	16.14

5.9 प्रावधान और आकस्मिक व्यय

(₹ बिलियन)

लाभ एवं हानि शीर्ष के अंतर्गत दिखाए गए प्रावधानों और आकस्मिक व्यय का विवरण	2018-19	2017-18
निवेश पर मूल्यहास के लिए प्रावधान	1.49	5.58
अनर्जक आस्ति के लिए प्रावधान	14.47	26.84
आयकर के लिए किए गए प्रावधान	1.06	(13.06)
अन्य प्रावधान और आकस्मिक व्यय*	1.19	0.0024

*लाभार्थी द्वारा इनवोक की गई बैंक गारंटियों पर 31.39 मिलियन यूएस डॉलर के इनवोकेशन के लिए 50% के प्रावधान पर ₹ 1.10 बिलियन की राशि और देशगत जोखिम प्रावधानों के लिए ₹ 0.091 बिलियन की राशि शामिल है।





5.8 Depreciation and Provision on Investments

(₹ billion)

	Particulars	2018-19	2017-18
(1)	Investments		
(i)	Gross Investments	113.40	73.11
a)	In India	112.63	72.33
b)	Outside India	0.77	0.78
(ii)	Provision for Depreciation	20.12	16.14
a)	In India	19.55	15.56
b)	Outside India	0.57	0.58
(iii)	Net Investments	93.28	56.97
a)	In India	93.08	56.77
b)	Outside India	0.20	0.20
(2)	Movement of provision held towards depreciation on investments		
(i)	Opening balance	16.14	10.52
(ii)	Add: Provisions made during the year	4.83	5.62
(iii)	Appropriation, if any, from Investment Fluctuation Reserve Account during the year	-	-
(iv)	Less: Write off/write back of excess provisions during the year	0.85	-
(v)	Less: Transfer, if any, to Investment Fluctuation Reserve Account	-	-
(vi)	Closing balance	20.12	16.14

5.9 Provisions and Contingencies

Break up of 'Provisions and Contingencies' shown under the head Expenditure in Profit and Loss Account	2018-19	2017-18
Provision for depreciation on Investment	1.49	5.58
Provision towards NPA	14.47	26.84
Provision made towards Income tax	1.06	(13.06)
Other Provisions and Contingencies*	1.19	0.0024

^{*}Includes $\stackrel{?}{\stackrel{?}{?}}$ 1.10 billion on account of 50% provisioning for invocation of US\$ 31.39 million on account of Bank Guarantees invoked by Beneficiary and $\stackrel{?}{\stackrel{?}{?}}$ 0.091 billion on account of Country Risk Provisioning.





5.10 प्रावधान कवरेज अनुपात

विवरण	2018-19	2017-18
प्रावधान कवरेज अनुपात	84.72%	71.26%

6. निवेश पोर्टफोलियोः संघटक एवं परिचालन

6.1 रेपो लेन-देन

वर्तमान वर्ष:

(₹ बिलियन)

वर्ष के दौरा		वर्ष के दौरान अधिकतम बकाया	वर्ष के दौरान दैनिक औसत बकाया	यथा 31 मार्च, 2019 को बकाया
रेपो अंतर्गत बेची गई प्रतिभूतियां				
i) सरकारी प्रतिभूतियां	-	-	-	-
ii) कॉर्पोरेट ऋण प्रतिभूतियां	-	-	-	-
रिवर्स रेपो के अंतर्गत खरीदी गई प्रति	नेभूतिया <u>ं</u>			
i) सरकारी प्रतिभूतियां	-	-	-	-
ii) कॉर्पोरेट ऋण प्रतिभूतियां	-	-	-	-

गत वर्षः

विवरण	वर्ष के दौरान न्यूनतम बकाया	वर्ष के दौरान अधिकतम बकाया	वर्ष के दौरान दैनिक औसत बकाया	यथा 31 मार्च, 2018 को बकाया
रेपो के अंतर्गत बेची गई प्रतिभूतियां				
i) सरकारी प्रतिभूतियां	-	-	-	-
ii) कॉर्पोरेट ऋण प्रतिभूतियां	-	-	-	-
रिवर्स रेपो के अंतर्गत खरीदी गई प्रतिभूतियां				
i) सरकारी प्रतिभूतियां	-	-	-	-
ii) कॉर्पोरेट ऋण प्रतिभूतियां	-	-	-	-



5.10 Provision Coverage Ratio

Particulars	2018-19	2017-18
Provision Coverage Ratio	84.72%	71.26%

6. Investment Portfolio: Constitution and Operations

6.1 Repo Transactions

Current Year:

(₹ billion)

Particulars	Minimum outstanding during the year	Maximum outstanding during the year	Daily Average outstanding during the year	Outstanding as on March 31, 2019	
Securities sold under repos					
i) Government Securities	-	-	-	-	
ii) Corporate Debt Securities	-	-	-	-	
Securities Purchased under reverse repos					
i) Government Securities	-	-	-	-	
ii) Corporate Debt Securities	-	-	-	-	

Previous Year:

Particulars	Minimum outstanding during the year	Maximum outstanding during the year	Daily Average outstanding during the year	Outstanding as on March 31, 2018
Securities sold under repos				
i) Government Securities	-	-	-	-
ii) Corporate Debt Securities	-	-	-	-
Securities Purchased under				
reverse repos				
i) Government Securities	-	-	-	-
ii) Corporate Debt Securities	-	-	-	-



6.2 ऋण प्रतिभूतियों में निवेश के लिए निवेशकर्ता की जमाराशियों का प्रकटीकरण

वर्तमान वर्षः

			राशि					
क्र.सं.	निवेशकर्ता	राशि		''निवेश ग्रेड से नीचे'' धारित प्रतिभूतियां	धारित ''अश्रेणीकृत'' प्रतिभूतियां	धारित ''असूचीबद्ध'' प्रतिभूतियां		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)		
1	सार्वजनिक उपक्रम	-	-	-	-	-		
2	वित्तीय संस्थाएं	1.76	1.76	-	0.064	1.76**		
3	बैंक	0.002	0.002	-	-	-		
4	निजी कॉर्पोरेट	28.94	28.77	-	4.87	25.52*		
5	अनुषंगी संस्थाएं/ संयुक्त उपक्रम	0.0032	-	-	0.0032	0.0032		
6	अन्य	0.02	0.02	-	-	0.02		
7	मूल्यहास के लिए किए गए प्रावधान [#]	18.81	-	-	-	-		
	कुल	30.73	30.56	_	4.929	27.30		

- # कॉलम 3 में प्रकट किए जाने वाले प्रावधान की केवल कुल राशि
- * जिसमें से ₹ 21.23 बिलियन की जमा राशियां आस्ति पुनर्संरचना कंपनियों (एआरसी) द्वारा जारी प्रतिभूति रसीदों में निवेश को दर्शांती हैं और ₹ 4.18 बिलियन का निवेश ऋण पुनर्संरचना के हिस्से के रूप में शेयरों/ऋण पत्रों (डिबेंचरों) में है।
- ** जिसमें से ₹ 1.36 बिलियन की जमा राशियां भारतीय रिज़र्व बैंक के अनुमोदन से किए गए यूएस डॉलर/भारतीय रुपए में स्वाप के जरिए थीं। उपर्युक्त कॉलम 4, 5, 6 और 7 के अंतर्गत उल्लिखित राशियां पारस्परिक रूप से अनन्य नहीं हैं।





6.2 Disclosure of Issuer Composition for Investment in Debt Securities

Current Year:

(₹ billion)

				Amou	ınt of	
Sr. No.	Issuer	Amount	Investment made through private placement	"Below investment grade" Securities held	"Unrated" Securities held	"Unlisted" Securities held
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
1	PSUs	-	-	-	-	-
2	Fls	1.76	1.76	-	0.064	1.76**
3	Banks	0.002	0.002	-	-	-
4	Private corporates	28.94	28.77	-	4.87	25.52*
5	Subsidiaries/ Joint ventures	0.0032	-	-	0.0032	0.0032
6	Others	0.02	0.02	-	-	0.02
7	Provision held towards depreciation#	18.81	-	-	-	-
	Total	30.73	30.56	-	4.929	27.30

[#] Only aggregate amount of provision held to be disclosed in column 3

Amounts reported under columns 4, 5, 6 and 7 above are not mutually exclusive.

^{*} Out of which ₹ 21.23 billion represents investment in security receipts issued by Asset Reconstruction Companies (ARCs) and ₹ 4.18 billion of investments are in shares/debentures acquired as part of loan restructuring.

^{**} Out of which ₹ 1.36 billion were by way of US\$/INR Swap undertaken with RBI approval.



गत वर्षः

(₹ बिलियन)

			राशि			
क्र. सं.	निवेशकर्ता	राशि		''निवेश ग्रेड से नीचे'' धारित प्रतिभूतियां	धारित ''अश्रेणीकृत'' प्रतिभूतियां	धारित ''असूचीबद्ध'' प्रतिभूतियां
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
1	सार्वजनिक उपक्रम	-	-	-	-	-
2	वित्तीय संस्थाएं	1.99	1.99	-	0.41	1.99**
3	बैंक	0.002	0.002	-	0.002	-
4	निजी कॉर्पोरेट	30.41	30.35	-	29.55	26.66*
5	अनुषंगी संस्थाएं/ संयुक्त उपक्रम	0.0032	0.0032	-	0.0032	0.0032
6	अन्य	0.02	0.02	-	0.02	0.02
7	मूल्यहास के लिए किए गए प्रावधान [#]	14.45	-	-	-	-
	कुल	32.43	32.37	-	29.99	28.67

[#] कॉलम 3 में प्रकट किए गए प्रावधान की कुल राशि

6.3 एचटीएम श्रेणी को / से बिक्री और अंतरण

वर्ष के दौरान इस प्रकार की कोई बिक्री अथवा अंतरण नहीं हुआ।

^{*} जिसमें से ₹ 21.61 बिलियन की जमा राशियां आस्ति पुनर्संरचना कंपनियों (एआरसी) द्वारा जारी प्रतिभूति रसीदों में निवेश और ₹ 4.19 बिलियन ऋण पुनर्संरचना के हिस्से के रूप में शेयरों/ऋण पत्रों (डिबेंचरों) में निवेश को दर्शाती हैं।

^{**} जिसमें से ₹ 1.58 बिलियन राशि आरबीआई के अनुमोदन से किए गए यूएस डॉलर/भारतीय रुपए में स्वाप के जिरए थीं। उपर्युक्त कॉलम 4,5,6 और 7 के अंतर्गत उल्लिखित राशियां पारस्परिक रूप से अनन्य नहीं हैं।



Previous Year:

(₹ billion)

				Amou	ınt of	
Sr. No.	Issuer	Amount	Investment made through private placement	"Below investment grade" Securities held	"Unrated" Securities held	"Unlisted" Securities held
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
1	PSUs	-	-	-	-	-
2	Fls	1.99	1.99	-	0.41	1.99**
3	Banks	0.002	0.002	-	0.002	-
4	Private corporates	30.41	30.35	-	29.55	26.66*
5	Subsidiaries/ Joint ventures	0.0032	0.0032	-	0.0032	0.0032
6	Others	0.02	0.02	-	0.02	0.02
7	Provision held towards depreciation#	14.45	-	-	-	-
	Total	32.43	32.37	-	29.99	28.67

^{*} Only aggregate amount of provision held disclosed in column 3

6.3 Sale and Transfer to / from HTM Category

There has been no sale or transfer.

^{*} Out of which ₹ 21.61 billion represents investment in security receipts issued by Asset Reconstruction Companies (ARCs) and ₹ 4.19 billion of investments are in shares/debentures acquired as part of loan restructuring.

^{**} Out of which ₹ 1.58 billion were by way of US\$/INR Swap undertaken with RBI approval. Amounts reported under columns 4, 5, 6 and 7 above are not mutually exclusive.



7. खरीदी/बेची गई वित्तीय आस्तियों का विवरण

7.1 आस्ति पुनर्निर्माण के लिए प्रतिभूतिकरण/पुनर्निर्माण कंपनी को बेची गई वित्तीय आस्तियों का विवरण

क. बिक्री का विवरण

(₹ बिलियन)

क्र. सं.	विवरण	2018-19	2017-18
(i)	खातों की संख्या	1	-
(ii)	आस्ति प्रतिभूतिकरण/पुनर्निर्माण कंपनी को बेचे गए खातों (प्रावधानों को छोड़कर) का कुल मूल्य	2.14	-
(iii)	कुल प्राप्ति	2.77	-
(iv)	गत वर्षों में हस्तांतरित खातों के संबंध में प्राप्त अतिरिक्त राशि	0.36	-
(v)	निवल बही मूल्य पर कुल प्राप्ति/(हानि)	1.00	-

^{• &}quot;आस्ति पुनर्निर्माण कंपनियों को बेची गई आस्तियों'' को आरबीआई के मास्टर परिपन्न डीबीओडी संख्या एफआईडी. एफआईसी.2/01.02.00/2006-07 दिनांकित 01 जुलाई, 2006 और उसके बाद परिभाषित अनुसार माना गया है।

ख. प्रतिभूति जमाओं में निवेशों के बही मूल्य का विवरण

(₹ बिलियन)

<u>क्</u> र.	विवरण	प्रतिभूति रसीद बही	
सं.		2018-19	2017-18
(i)	बैंक द्वारा बेची गई अनर्जक आस्तियों द्वारा गारंटित	6.26	10.04
(ii)	बैंकों/अन्य वित्तीय संस्थाओं/गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों द्वारा बेची गई अनर्जक आस्तियों द्वारा गारंटित	-	-
	कुल	6.26	10.04

7.2 खरीदी/बेची गई अनर्जक वित्तीय आस्तियों का विवरण

क. खरीदी गई अनर्जक वित्तीय आस्तियों का विवरण

क्र. सं.	विवरण	2018-19	2017-18
1)	क) वर्ष के दौरान खरीदे गए खातों की संख्या	-	-
	ख) कुल बकाया	-	-
2)	क) इनमें से वर्ष के दौरान पुनर्संरचित खातों की संख्या	-	-
	ख) कुल बकाया	-	-



7. Details of Financial Assets Purchased/Sold

7.1 Details of Financial Assets sold to Securitisation (SC)/Reconstruction (RC) Company for Asset Reconstruction

A. Details of Sales

(₹ billion)

Sr. No.	Particulars	2018-19	2017-18
(i)	No. of Accounts	1	-
(ii)	Aggregate value (net of provisions) of accounts sold to SC/RC	2.14	-
(iii)	Aggregate consideration	2.77	-
(iv)	Additional Consideration realised in respect of accounts transferred in earlier years	0.36	-
(v)	Aggregate gain/(loss) over net book value	1.00	-

[•] The "Assets sold to Reconstruction Companies" have been reckoned as defined in RBI Master Circular DBOD No. FID.FIC.2/01.02.00/2006-07 dated July 01, 2006 and thereafter.

B. Details of Book value of Investments in Security Receipts

(₹ billion)

Sr. No.	Particulars	Book value of in Securit	
INO.		2018-19	2017-18
(i)	Backed by NPAs sold by the Bank as underlying	6.26	10.04
(ii)	Backed by NPAs sold by banks/other financial institutions/ non-banking financial companies as underlying		-
	Total	6.26	10.04

7.2 Details of Non Performing Financial Assets Purchased/Sold

A. Details of Non Performing financial assets purchased

Sr. No.	Particulars	2018-19	2017-18
1)	a) No. of accounts purchased during the year	-	-
	b) Aggregate outstanding	-	-
2)	a) Of these, number of accounts restructured during the year	-	-
	b) Aggregate outstanding	-	-



ख. बेची गई अनर्जक वित्तीय आस्तियों का विवरण

(₹ बिलियन)

क्र. सं.	विवरण	2018-19	2017-18
1)	बेचे गए खातों की संख्या	1	1
2)	कुल बकाया	1.38	1.96
3)	कुल प्राप्त राशि	0.44	1.71

8. परिचालन परिणाम

क्र. सं.	विवरण	2018-19	2017-18
(i)	औसत कार्यशील निधियों के प्रतिशत के रूप में ब्याज आय	7.82	7.24
(ii)	औसत कार्यशील निधियों के प्रतिशत के रूप में गैर-ब्याज आय	0.33	0.47
(iii)	औसत कार्यशील निधियों के प्रतिशत के रूप में परिचालन लाभ	1.85	1.70
(iv)	औसत आस्तियों पर प्रतिफल	0.07	(2.42)
(v)	प्रति (स्थायी) कर्मचारी निवल लाभ/(हानि) (₹ बिलियन में)	0.002	(0.086)

- पिरचालन पिरणामों के लिए कार्यशील निधियों और कुल आस्तियों को गत लेखा वर्ष के अंत तथा रिपोर्ट के अंतर्गत लेखा वर्ष के अंत के आंकड़ों के औसत के रूप में लिया गया है (''कार्यशील निधियों'' का संदर्भ कुल आस्तियों से है)।
- प्रति कर्मचारी निवल लाभ की गणना के लिए सभी कैडरों के स्थायी, पूर्णकालिक कर्मचारियों को लिया गया है।

9. ऋण संकेंद्रण जोखिम

9.1 पूँजी बाजार एक्सपोजर

क्र. सं.	विवरण	2018-19	2017-18
(i)	इक्विटी शेयरों, परिवर्तनीय बॉन्डों/डिबेंचरों और इक्विटी उन्मुख म्युचुअल फंड यूनिट्स में प्रत्यक्ष निवेश, जिनका निवेश केवल कॉर्पोरेट ऋण में ही नहीं है;	-	-
(ii)	शेयरों (आईपीओ / ईसॉप सिहत) परिवर्तनीय बॉन्डों / परिवर्तनीय डिबेंचरों और इक्विटी उन्मुख म्युचुअल फंडों की यूनिट्स में निवेश के लिए शेयरों / बॉन्डों / डिबेंचरों अथवा अन्य प्रतिभूतियों के एवज में अग्रिम अथवा गैर प्रतिभूति आधार पर व्यक्तियों को अग्रिम;	-	-
(iii)	अन्य उद्देश्यों के लिए अग्रिम, जहां शेयरों या परिवर्तनीय बॉन्डों/ डिबेंचरों या इक्विटी उन्मुख म्युचुअल फंडों की यूनिट्स को प्राथमिक प्रतिभूति के रूप में लिया गया है;	-	-



B. Details of Non Performing financial assets sold

(₹ billion)

Sr. No.	Particulars	2018-19	2017-18
1)	No. of accounts sold	1	1
2)	Aggregate outstanding	1.38	1.96
3)	Aggregate consideration received	0.44	1.71

8. Operating Results

Sr. No.	Particulars	2018-19	2017-18
(i)	Interest income as a percentage to average working funds	7.82	7.24
(ii)	Non-interest income as a percentage to average working funds	0.33	0.47
(iii)	Operating profit as a percentage to average working funds	1.85	1.70
(iv)	Return on average assets	0.07	(2.42)
(v)	Net Profit/(Loss) per (permanent) employee (in ₹ billion)	0.002	(0.086)

[•] For operating results, the working funds and total assets have been taken as the average of the figures as at the end of the previous accounting year and the end of the accounting year under report (The "working funds" refer to the total assets)

9. Credit Concentration Risk

9.1 Capital Market Exposure

Sr. No.	Particulars	2018-19	2017-18
(i)	Direct investment in equity shares, convertible bonds, convertible debentures and units of equity oriented mutual funds the corpus of which is not exclusively invested in corporate debt;	-	-
(ii)	Advances against shares/bonds/debentures or other securities or on clean basis to individuals for investment in shares (including IPOs/ESOPs), convertible bonds, convertible debentures and units of equity oriented mutual funds;	-	-
(iii)	Advances for any other purposes where shares or convertible bonds or convertible debentures or units of equity oriented mutual funds are taken as primary security;	-	-

[•] All permanent, full-time employees in all cadres have been reckoned for computing per employee net profit .



क्र. सं.	विवरण	2018-19	2017-18
(iv)	अन्य उद्देश्यों के लिए अग्रिम जहां शेयरों या परिवर्तनीय बॉन्डों/डिबेंचरों या इक्विटी उन्मुख म्युचुअल फंड यूनिट्स की कोलैटरल सिक्युरिटी, अर्थात ऐसे उद्देश्य जहां शेयरों/परिवर्तनीय बॉन्डों/डिबेंचरों या इक्विटी उन्मुख म्युचुअल फंड यूनिट्स के अलावा प्राथमिक प्रतिभूति अग्रिमों को पूरी तरह कवर नहीं करती;	-	-
(v)	शेयर दलालों को जमानती और गैर-जमानती अग्रिम तथा शेयर दलालों और मार्केटमेकर्स की ओर से जारी गारंटियां;	-	-
(vi)	संसाधन जुटाने के लिए कॉर्पोरेट्स को नई कंपनियों में प्रवर्तक इक्विटी लेने के लिए शेयरों/बॉन्डों/डिबेंचरों या अन्य प्रतिभूतियों के पेटे या बेजमानती ऋणों की मंजूरी;	-	-
(vii)	संभावित इक्विटी प्रवाह/निर्गमों के बदले पूरक ऋण;	-	-
(viii)	शेयरों या परिवर्तनीय बॉन्डों/डिबेंचरों या इक्विटी उन्मुख म्युचुअल फंड यूनिट्स की प्राथमिक निर्गम की खरीद के संबंध में बैंक द्वारा दी गई हामीदारी प्रतिबद्धताएं;	-	-
(ix)	शेयर दलालों को मार्जिन ट्रेडिंग के लिए वित्तपोषण;	-	-
(x)	उद्यम पूँजीगत निधियों (पंजीकृत और अपंजीकृत दोनों) के लिए सभी एक्सपोजर	-	-
	पूँजी बाजार में कुल एक्सपोजर	-	-

9.2 देशगत जोखिम एक्सपोजर

जोखिम श्रेणी	यथा मार्च 2019 को एक्सपोजर (नेट)	मार्च 2019 को प्रावधान	यथा मार्च 2018 को एक्सपोजर (नेट)	मार्च 2018 को प्रावधान
नगण्य	87.61	0.09	98.42	-
न्यून	380.07	-	325.94	-
मध्यम	242.19	-	249.59	-
उच	144.14	-	97.22	-
बहुत ज्यादा	59.95	-	-	-
प्रतिबंधित	-	-	90.73	-
ऑफ क्रेडिट	-	-	-	-
कुल	913.96	0.09	861.90	-

- 4	
۷.	

Sr. No.	Particulars	2018-19	2017-18
(iv)	Advances for any other purposes to the extent secured by the collateral security of shares or convertible bonds or convertible debentures or units of equity oriented mutual funds i.e. where the primary security other than shares/convertible bonds/convertible debentures/units of equity oriented mutual funds does not fully cover the advances;	-	-
(V)	Secured and unsecured advances to stockbrokers and guarantees issued on behalf of stockbrokers and market makers;	-	-
(vi)	Loans sanctioned to corporates against the security of shares/bonds/debentures or other securities or on clean basis for meeting promoter's contribution to the equity of new companies in anticipation of raising resources;	-	-
(vii)	Bridge loans to companies against expected equity flows/issues;	-	-
(viii)	Underwriting commitments taken up by the Bank in respect of primary issue of shares or convertible bonds or convertible debentures or units of equity oriented mutual funds;	-	-
(ix)	Financing to stockbrokers for margin trading;	-	-
(x)	All exposures to Venture Capital Funds (both registered and unregistered)	-	-

9.2 Exposure to Country Risk

Total Exposure to Capital Market

Risk Category	Exposure (net) as at March 2019	Provision held as at March 2019	Exposure (net) as at March 2018	Provision held as at March 2018
Insignificant	87.61	0.09	98.42	-
Low	380.07	-	325.94	-
Moderate	242.19	-	249.59	-
High	144.14	-	97.22	-
Very High	59.95	-	-	-
Restricted	-	-	90.73	-
Off-credit	-	-	-	-
Total	913.96	0.09	861.90	-



9.3 रणनीतिक ऋण पुनर्संरचना (एसडीआर) योजना

(₹ बिलियन)

खातों की संख्या	कुल बकाया राशि	इक्विटी में परिवर्तित ऋण की राशि
1	-	0.08

9.4 दबावग्रस्त आस्तियों की संवहनीय संरचना योजना (एस4ए) के अंतर्गत एक्सपोजर

(₹ बिलियन)

A	एस4ए लागू खातों	कुल बकाया	बकाय		
विवरण	की संख्या	राशि	भाग क में	भाग ख में	किया गया प्रावधान
मानक के रूप में वर्गीकृत	2	0.01	2.94	2.59	1.11
अनर्जक आस्ति के रूप में वर्गीकृत	1	1.24	1.40	0.93	1.04

9.5 बैंक द्वारा विवेकसम्मत ऋण सीमा से अधिक ऋण देने संबंधी मामले-एकल उधारकर्ता सीमा/ समूह उधारकर्ता सीमा

क. वर्ष के दौरान विवेकसम्मत ऋण सीमा से अधिक ऋण संबंधी मामले- संख्या और राशि

क्र. सं.	पैन	उधारकर्ता का नाम	उद्योग कोड	उद्योग का नाम	क्षेत्र	निधिक राशि	गैर– निधिक राशि	पूँजीगत निधियों के % के रूप में एक्सपोजर
1.	AAACM5132A	मैंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड*	23201	रिफाइंड पेट्रोलियम उत्पादों का विनिर्माण	सार्वजनिक	23.51	-	31.57
2.	AADCV1810B	वीओवीएल लिमिटेड*	11101	क्रूड पे– ट्रोलियम और प्रा– कृतिक गैस उत्पादन	निजी	19.16	-	25.73
3.	AABCG5231F	एचपीसीएल मित्तल एनर्जी लिमिटेड*	40101	विद्युत उत्पादन	निजी	16.32	-	21.92



9.3 Strategic Debt Restructuring (SDR) Scheme

(₹ billion)

No. of accounts	Aggregate amount outstanding	Amount of exposure converted into equity
1	-	0.08

9.4 Exposure on the Scheme for Sustainable Structuring of Stressed Assets (S4A)

(₹ billion)

Particulars	No. of accounts where S4A has	Aggregate Amount Outstanding amount		Provision Held	
rai liculai s		outstanding	In Part A	In Part B	FIOVISION NEW
Classified as Standard	2	0.01	2.94	2.59	1.11
Classified as NPA	1	1.24	1.40	0.93	1.04

9.5 Prudential Exposure Limits – Single Borrower Limit (SBL)/Group Borrower Limit (GBL) exceeded by the Bank

A. The number and amount of exposures in excess of the prudential exposure limits during the year

S		PAN	Borrower Name	Industry Code	Industry Name	Sector	Amount Funded	Amount Non- Funded	Exposure as a % to Capital Funds
	1.	AAACM5132A	Mangalore Refinery And Petrochemicals Limited *	23201	Mfg of Refined Petroleum Products	Public	23.51	-	31.57
1	2.	AADCV1810B	VOVL Limited*	11101	Extraction of Crude Petroleum and Natural Gas	Private	19.16	-	25.73
,	3.	AABCG5231F	HPCL Mittal Energy Limited*	40101	Generation of Electricity	Private	16.32	-	21.92



(₹ बिलियन)

क्र. सं.	पैन	उधारकर्ता का नाम	उद्योग कोड	उद्योग का नाम	क्षेत्र	निधिक राशि	गैर- निधिक राशि	पूँजीगत निधियों के % के रूप में एक्सपोजर
4.	AAACB4146P	भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड*	31201	विद्युत उत्पादन, वितरण और नियंत्रण उपकरण	सार्वजनिक	-	14.98	20.11
5.	AAACC9762A	चंबल फर्टिला– इजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड*	24103	उर्वरक आदि का विनिर्माण	निजी	12.79	-	17.18
6.	AAACT1524F	शिपिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया*	61101	महासा– गर और तटीय जल परिवहन	सार्वजनिक	12.45	-	16.72
7.	AACCK5599H	केईसी इंटरनेशनल लिमिटेड*	45011	बिजली लाइनों आदि का निर्माण / स्थापना	निजी	2.00	10.25	16.45
8.	AAACL0140P	लार्सेन एंड टूब्रो लिमिटेड*	45001	सामान्य निर्माण	निजी	-	11.60	15.58
9.	AAACA9067G	एफकॉन्स इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड*	45013	सड़कों का निर्माण / रखरखाव	निजी	1.00	10.50	15.44

*यथा 31 मार्च, 2017 की तुलना में यथा 31 मार्च, 2018 को (वित्तीय वर्ष 2017-18 में बैंक को हुई निवल हानि के चलते) टीसीएफ में तेजी से गिरावट आई। इसके परिणामस्वरूप वित्तीय वर्ष 2018-19 के लिए एकल और समूह उधारकर्ता दोनों के लिए अधिकतम ऋण भी सीमा स्वतः कम हो गई। फलतः उपर्युक्त कंपनियों को एक्सपोजर आरबीआई द्वारा एकल उधारकर्ता के लिए निर्धारित टीसीएफ की 15% की सीमा के उल्लंघन के दायरे में आ गया। उपर्युक्त एक्सपोजरों को यथा 31 मार्च, 2018 के स्तर पर बनाए रखने के लिए वित्तीय वर्ष 2018-19 की शुरुआत में ही निदेशक मंडल से समुचित अनुमोदन ले लिया गया था।





Sr. No.	PAN	Borrower Name	Industry Code	Industry Name	Sector	Amount Funded	Amount Non- Funded	Exposure as a % to Capital Funds
4.	AAACB4146P	Bharat Heavy Electricals Limited*	31201	Mfg of Electricity Distn & Control Apparatus	Public	-	14.98	20.11
5.	AAACC9762A	Chambal Fertilisers & Chemicals Limited*	24103	Mfg of Fertilisers etc.	Private	12.79	ı	17.18
6.	AAACT1524F	Shipping Corporation of India*	61101	Ocean and Coastal Water Transport	Public	12.45	-	16.72
7.	AACCK5599H	KEC International Limited*	45011	Construction/ Erection of Power Lines etc.	Private	2.00	10.25	16.45
8.	AAACL0140P	Larsen & Toubro Limited*	45001	General Constructions	Private	-	11.60	15.58
9.	AAACA9067G	Afcons Infrastructure Limited*	45013	Construction/ Maintenance of Roads	Private	1.00	10.50	15.44

^{*} The sharp reduction in Total Capital Funds (TCF) as on March 31, 2018 vis-à-vis March 31, 2017 (owing to the net loss suffered by the Bank in FY 2017-18) resulted in substantial lowering of the absolute ceilings for both Single and Group borrower limits for FY 2018-19. This, in turn, resulted in the exposures to the companies listed above, breaching the RBI base single borrower ceiling of 15% of TCF. Suitable Board approval for retaining the above exposures at the same level as at March 31, 2018 was obtained at the beginning of FY 2018-19.



ख. पूँजीगत निधियों और कुल आस्तियों के प्रतिशत के रूप में ऋण एक्सपोजर

(₹ बिलियन)

	विवरण	पूँजीगत निधियों की तुलना में प्रतिशत*	कुल ऋण एक्सपोजर की तुलना में प्रतिशत (टीसीई)®	कुल आस्तियों की तुलना में प्रतिशत
i)	सबसे बड़ा एकल उधारकर्ता	31.57	1.40	2.05
ii)	सबसे बड़ा उधारकर्ता समूह	48.17	2.14	3.13
iii)	20 सबसे बड़े एकल उधारकर्ता	319.52	14.19	20.76
iv)	20 सबसे बड़े उधारकर्ता समूह	389.81	17.31	25.33

^{*} यथा 31 मार्च, 2018 को पूँजीगत निधियां

- 1) बैंकों और विदेशी संस्थाओं को दिए गए ऐसे ऋण, जिनके लिए भारत सरकार द्वारा गारंटी दी गई है/भारत सरकार की ओर से स्वीकृत किए गए हैं, उन्हें एकल/समूह उधारकर्ता एक्सपोजर में शामिल नहीं किया गया है।
- 2) यथा 31 मार्च, 2019 को 9 एकल उधारकर्ता और 2 समूह उधारकर्ता रहे, जिनके लिए ऋण एक्सपोजर पूँजीगत निधियों की क्रमशः 15% और 40% की आधार सीमा से ऊपर रहा और इनके लिए निदेशक मंडल से अनुमोदन ले लिया गया था।

गत वर्षः

	विवरण	पूँजी निधियों	कुल ऋण एक्सपोजर	कुल आस्तियों
	विवरण	का प्रतिशत*	का प्रतिशत (टीसीई)®	का प्रतिशत
i)	सबसे बड़ा एकल उधारकर्ता	19.56	1.20	1.79
ii)	सबसे बड़ा उधारकर्ता समूह	33.40	2.06	3.06
iii)	20 सबसे बड़े एकल उधारकर्ता	222.36	13.68	20.40
iv)	20 सबसे बड़े उधारकर्ता समूह	282.30	17.37	25.90

^{*} यथा 31 मार्च, 2017 को पूँजीगत निधियां

- 1) बैंकों और विदेशी संस्थाओं को दिए गए ऐसे ऋण, जिनके लिए भारत सरकार द्वारा गारंटी दी गई है/ भारत सरकार की ओर से स्वीकृत किए गए हैं, उन्हें एकल/समूह उधारकर्ता एक्सपोजर में शामिल नहीं किया गया है।
- 2) यथा 31 मार्च, 2018 को 2 उधारकर्ता थे, जिनके लिए एक्सपोजर निदेशक मंडल के अनुमोदन से पूँजी निधियों के 15% से ज्यादा स्वीकृत किया गया था। यथा 31 मार्च, 2018 को इन उधारकर्ताओं को एक्सपोजर बैंक की पूँजी निधियों का क्रमशः 19.56% और 16.91% रहा।

[®] टीसीईः ऋण + अग्रिम + अप्रयुक्त मंजूरियां + गारंटियां + साख पत्र + डेरिवेटिव्स पर ऋण एक्सपोजर

[®] टीसीईः ऋण + अग्रिम + अप्रयुक्त मंजूरियां + गारंटियां + साख पत्र + डेरिवेटिव्स पर ऋण एक्सपोजर



B. Credit exposure as percentage to capital funds and as percentage to total assets

(₹ billion)

	Particulars	Percentage to Capital Funds*	Percentage to Total Credit Exposure (TCE)®	Percentage to Total Assets
i)	Largest single borrower	31.57	1.40	2.05
ii)	Largest borrower group	48.17	2.14	3.13
iii)	20 largest single borrowers	319.52	14.19	20.76
iv)	20 largest borrower groups	389.81	17.31	25.33

^{*}Capital Funds as on March 31, 2018

- 1) Credit exposure to banks and overseas institutions guaranteed by GOI/assumed at the behest of GOI, not considered for single/group borrower exposure.
- 2) There were 9 single borrowers and 2 borrower groups as on March 31, 2019 for whom credit exposure was above the base ceilings of 15% and 40% of capital funds respectively and the same was assumed with the approval of the Board.

Previous Year:

	Particulars	Percentage to Capital Funds*	Percentage to Total Credit Exposure (TCE)®	Percentage to Total Assets
i)	Largest single borrower	19.56	1.20	1.79
ii)	Largest borrower group	33.40	2.06	3.06
iii)	20 largest single borrowers	222.36	13.68	20.40
iv)	20 largest borrower groups	282.30	17.37	25.90

^{*} Capital Funds as on March 31, 2017

- 1) Credit exposure to banks and overseas institutions guaranteed by GOI/assumed at the behest of GOI, not considered for single/group borrower exposure.
- 2) There were 2 borrowers as on March 31, 2018 for whom exposure over 15% of capital funds was assumed with the approval of the Board. Exposure to these borrowers as on March 31, 2018 stood at 19.56% and 16.91% of the capital funds of the Bank, respectively.

[©] TCE: Loans + Advances + Unutilised Sanctions + Guarantees + LCs + Credit exposure on account of derivatives.

[©]TCE: Loans + Advances + Unutilised Sanctions + Guarantees + LCs + Credit exposure on account of derivatives.



ग. पांच सबसे बड़े औद्योगिक क्षेत्रों को ऋण

	क्षेत्र	कुल ऋण एक्सपोजर की तुलना में प्रतिशत (टीसीई)	ऋण आस्तियों की तुलना में प्रतिशत
i)	इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट और निर्माण सेवाएं	12.36	9.42
ii)	लौह धातुएं और धातु प्रसंस्करण	7.82	5.96
iii)	टेक्सटाइल और गारमेंट	6.82	5.20
iv)	रसायन और रंजक (डाई)	6.57	5.00
V)	पेट्रोलियम उत्पाद	6.13	4.67

गत वर्षः

	क्षेत्र	कुल ऋण एक्सपोजर की तुलना में प्रतिशत (टीसीई)	ऋण आस्तियों की तुलना में प्रतिशत
i)	इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट और निर्माण सेवाएं	12.26	9.28
ii)	लौह धातुएं और धातु प्रसंस्करण	9.84	7.45
iii)	पेट्रोलियम उत्पाद	6.87	5.20
iv)	टेक्सटाइल और गारमेंट	6.10	4.62
V)	तेल और गैस	5.64	4.27

- ''ऋण एक्सपोजर'' की गणना भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा परिभाषित अनुसार की गई है।
- उद्योग एक्सपोजर की गणना के लिए बैंकों और विदेशी संस्थाओं को दिया गया वह ऋण जिसके लिए भारत सरकार द्वारा/भारत सरकार की ओर से गारंटी दी गई है को, भारत सरकार की ओर से दिया गया ऋण माना गया है और उसे इसमें शामिल नहीं किया गया है।

घ. गैर जमानती अग्रिम

कॉर्पोरेट/व्यक्तिगत गारंटियों, वचन पत्रों, ट्रस्ट रसीदों आदि द्वारा प्रतिभूत किए गए (जिनका आकलित मूल्य ₹ 1.30 बिलियन है) गैर जमानती अग्रिम कुल ₹ 12.59 बिलियन के रहे।

ङ. फैक्टरिंग एक्सपोजर

फैक्टरिंग व्यवस्था के अंतर्गत बैंक का कुल ऋण एक्स्पोजर ₹ 3.15 बिलियन रहा।

च. वर्ष के दौरान वित्तीय संस्था द्वारा पार की गई विवेकसम्मत ऋण सीमा वाले एक्सपोजर

क्र. सं.	पैन	उधारकर्ता का नाम	उद्योग कोड	उद्योग का नाम	क्षेत्र	निधिक राशि	गैर– निधिक राशि	पूँजीगत निधियों के % के रूप में एक्सपोजर
1.	AAACM5132A	मैंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड*	23201	रिफाइंड पेट्रोलियम उत्पादों का विनिर्माण	सार्वजनिक	23.51	-	31.57



C. Credit exposure to the five largest industrial sectors

	Sector	Percentage to Total Credit Exposure (TCE)	Percentage to Loan Assets
i)	EPC Services	12.36	9.42
ii)	Ferrous Metals and Metal Processing	7.82	5.96
iii)	Textiles and Garments	6.82	5.20
iv)	Chemical and Dyes	6.57	5.00
V)	Petroleum Products	6.13	4.67

Previous Year:

	Sector	Percentage to Total Credit Exposure (TCE)	Percentage to Loan Assets
i)	EPC Services	12.26	9.28
ii)	Ferrous Metals and Metal Processing	9.84	7.45
iii)	Petroleum Products	6.87	5.20
iv)	Textiles and Garments	6.10	4.62
V)	Oil and Gas	5.64	4.27

- The "credit exposure" has been reckoned as defined by RBI.
- Credit exposure to banks and overseas institutions guaranteed by GOI/assumed at the behest of GOI, excluded for computing industry exposure.

D. Unsecured Advances

Unsecured advances secured by corporate/personal guarantees, promissory notes, trust receipts, etc. (the estimated value of which is at ₹ 1.30 billion) aggregated to ₹ 12.59 billion.

E. Factoring Exposures

The Bank had an exposure aggregating ₹ 3.15 billion under factoring arrangement.

F. Exposures where the FI had exceeded the prudential Exposures Limits during the year

Sr. No.	PAN	Borrower Name	Industry Code	Industry Name	Sector	Amount Funded	Amount Non- Funded	Exposure as a % to Capital Funds
1.	AAACM5132A	Mangalore Refinery And Petrochemicals Limited*	23201	Mfg of Refined Petroleum Products	Public	23.51	-	31.57



(₹ बिलियन)

क्र. सं.	पैन	उधारकर्ता का नाम	उद्योग कोड	उद्योग का नाम	क्षेत्र	निधिक राशि	गैर– निधिक राशि	पूँजीगत निधियों के % के रूप में एक्सपोजर
2.	AADCV1810B	वीओवीएल लिमिटेड*	11101	क्रूड पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस उत्पादन	निजी	19.16	-	25.73
3.	AABCG5231F	एचपीसीएल मित्तल एनर्जी लिमिटेड*	40101	विद्युत उत्पादन	निजी	16.32	-	21.92
4.	AAACB4146P	भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड*	31201	विद्युत उत्पादन, वितरण और नियंत्रण उपकरण	सार्वजनिक	-	14.98	20.11
5.	AAACC9762A	चंबल फर्टिला– इजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड*	24103	उर्वरक आदि का विनिर्माण	निजी	12.79	-	17.18
6.	AAACT1524F	शिपिंग कॉपों रेशन ऑफ इंडिया*	61101	महासागर और तटीय जल परिवहन	सार्वजनिक	12.45	-	16.72
7.	AACCK5599H	केईसी इंटरनेशनल लिमिटेड*	45011	बिजली लाइनों आदि का निर्माण/ स्थापना	निजी	2.00	10.25	16.45
8.	AAACL0140P	लार्सेन एंड टूब्रो लिमिटेड*	45001	सामान्य निर्माण	निजी	-	11.60	15.58
9.	AAACA9067G	एफकॉन्स इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड*	45013	सड़कों का निर्माण/ रखरखाव	निजी	1.00	10.50	15.44

*यथा 31 मार्च, 2017 की तुलना में यथा 31 मार्च, 2018 को (वित्तीय वर्ष 2017-18 में बैंक को हुई निवल हानि के चलते) टीसीएफ में तेजी से गिरावट आई। इसके परिणामस्वरूप वित्तीय वर्ष 2018-19 के लिए एकल और समूह उधारकर्ता दोनों के लिए अधिकतम ऋण भी सीमा स्वतः कम हो गई। फलतः उपर्युक्त कंपनियों को एक्सपोजर आरबीआई द्वारा एकल उधारकर्ता के लिए निर्धारित टीसीएफ की 15% की सीमा के उल्लंघन के दायरे में आ गया। उपर्युक्त एक्सपोजरों को यथा 31 मार्च, 2018 के स्तर पर बनाए रखने के लिए वित्तीय वर्ष 2018-19 की शुरुआत में ही निदेशक मंडल से समुचित अनुमोदन ले लिया गया था।





(₹ billion)

Sr. No.	PAN	Borrower Name	Industry Code	Industry Name	Sector	Amount Funded	Amount Non- Funded	Exposure as a % to Capital Funds
2.	AADCV1810B	VOVL Limited*	11101	Extraction of Crude Petroleum and Natural Gas	Private	19.16	-	25.73
3.	AABCG5231F	HPCL Mittal Energy Limited*	40101	Generation of Electricity	Private	16.32	-	21.92
4.	AAACB4146P	Bharat Heavy Electricals Limited*	31201	Mfg of Electricity Distn & Control Apparatus	Public	-	14.98	20.11
5.	AAACC9762A	Chambal Fertilisers & Chemicals Limited*	24103	Mfg of Fertilisers etc.	Private	12.79	-	17.18
6.	AAACT1524F	Shipping Corporation of India*	61101	Ocean and Coastal Water Transport	Public	12.45	-	16.72
7.	AACCK5599H	KEC International Limited*	45011	Construction/ Erection of Power Lines etc.	Private	2.00	10.25	16.45
8.	AAACL0140P	Larsen & Toubro Limited*	45001	General Constructions	Private	-	11.60	15.58
9.	AAACA9067G	Afcons Infrastructure Limited*	45013	Construction/ Maintenance of Roads	Private	1.00	10.50	15.44

^{*} The sharp reduction in TCF as on March 31, 2018 vis-à-vis March 31, 2017 (owing to the net loss suffered by the Bank in FY 2017-18) resulted in substantial lowering of the absolute ceilings for both Single and Group borrower limits for FY 2018-19. This, in turn, resulted in the exposures to the companies listed above, breaching the RBI base single borrower ceiling of 15% of TCF. Suitable Board approval for retaining the above exposures at the same level as at March 31, 2018 was obtained at the beginning of FY 2018-19.



10. उधारियों / ऋण-व्यवस्थाओं ,ऋण एक्सपोजरों और अनर्जक आस्तियों का संकेंद्रण

(क) उधारियों और ऋण-व्यवस्थाओं का संकेंद्रण

(₹ बिलियन)

विवरण	2018-19	2017-18
20 सबसे बड़े ऋणदाताओं से कुल उधारियां	134.96	132.30
बैंक की कुल उधारियों की तुलना में 20 सबसे बड़े ऋणदाताओं से कुल उधारियों का प्रतिशत	14.62%	12.70%

(ख) ऋण एक्सपोजरों का संकेंद्रण

(₹ बिलियन)

विवरण	2018-19	2017-18
20 सबसे बड़े उधारकर्ताओं को कुल उधारियां	237.95	251.94
बैंक के कुल अग्रिमों की तुलना में 20 सबसे बड़े ऋणदाताओं को कुल उधारियों का प्रतिशत	23.10%	21.82%
20 सबसे बड़े उधारकर्ताओं/ग्राहकों को कुल एक्सपोजर	237.95	251.94
उधारकर्ताओं/ग्राहकों पर बैंक के कुल एक्सपोजर की तुलना में 20 सबसे बड़े उधारकर्ताओं/ग्राहकों को एक्सपोजर का प्रतिशत	14.19%	13.68%
एक्ज़िम बैंक के मामले में, कुल एक्सपोजर की तुलना में शीर्ष 10 देशों के एक्सपोजर का प्रतिशत	32.34%	27.56%

ऋण और निवेश एक्सपोजर पर आधारित एक्सपोजर की गणना वित्तीय संस्थाओं के लिए एक्सपोजर मानदंडों पर भारतीय रिज़र्व बैंक के मास्टर परिपन्न संख्या डीबीआर.एफआईडी.एफआईसी.संख्या 4/01.02.00/2015-16 दिनांकित 01 जुलाई, 2015 के अनुसार की गई है।

(ग) ऋणों और अनर्जक आस्तियों का क्षेत्रवार संकेंद्रण

(₹ बिलियन)

		2018-19			2017-18		
				क्षेत्र में कुल			क्षेत्र में कुल
				अग्रिमों			अग्रिमों
क्र.	क्षेत्र	कुल	सकल	की तुलना	কুল	सकल	की तुलना
सं.	3171	बकाया	अनर्जक	में सकल	बकाया	अनर्जक	में सकल
		अग्रिम	आस्तियां	अनर्जक	अग्रिम	आस्तियां	अनर्जक
				आस्तियों का			आस्तियों का
				प्रतिशत			प्रतिशत
क	घरेलू क्षेत्र	313.76	61.85	20%	370.61	84.13	23%
1	कुल निर्यात वित्त	263.15	49.49	19%	330.56	72.65	22%
	कृषि क्षेत्र	-	-	-	-	-	-
	औद्योगिक क्षेत्र	228.44	41.06	18%	294.46	61.42	21%
	लौह धातु और धातु प्रसंस्करण	21.60	6.05	28%	44.41	21.04	47%
	तेल और गैस	4.66	0.68	15%	-	-	-
	टेक्सटाइल और गारमेंट	34.18	4.25	12%	41.80	6.61	16%
	अन्य	168.00	30.08	18%	208.25	33.77	16%





10. Concentration of borrowings/lines of credit, credit exposures and NPAs

(a) Concentration of borrowings and lines of credit

(₹ billion)

Particulars	2018-19	2017-18
Total borrowings from twenty largest lenders	134.96	132.30
Percentage of borrowings from twenty largest lenders to total borrowings of the Bank	14.62%	12.70%

(b) Concentration of Credit exposures

(₹ billion)

Particulars	2018-19	2017-18
Total exposures to twenty largest borrowers	237.95	251.94
Percentage of exposures to twenty largest borrowers to Total Advances of the Bank	23.10%	21.82%
Total exposure to twenty largest borrowers/customers	237.95	251.94
Percentage of exposures to twenty largest borrowers/customers to Total exposure of the Bank on borrowers/customers	14.19%	13.68%
In the case of Exim Bank, percentage of total of top ten country exposures to total exposures	32.34%	27.56%

Exposure computed based on credit and investment exposure as prescribed vide RBI Master Circular on Exposure norms for financial institutions: DBR.FID.FIC.No.4/01.02.00/2015-16 dated July 01, 2015 and thereafter.

(c) Sector-wise concentration of exposures and NPAs

(₹ billion)

			2018-19			2017-18			
Sr. No.	Sector	Outstanding Total Advances	Gross NPAs	Percentage of Gross NPAs to Total Advances in that sector	Outstanding Total Advances	Gross NPAs	Percentage of Gross NPAs to Total Advances in that sector		
Α	Domestic Sector	313.76	61.85	20%	370.61	84.13	23%		
1	Total Export Finance	263.15	49.49	19%	330.56	72.65	22%		
	Agricultural Sector	-	-	-	_	-	-		
	Industrial Sector	228.44	41.06	18%	294.46	61.42	21%		
	Ferrous Metals & Metal Processing	21.60	6.05	28%	44.41	21.04	47%		
	Oil and Gas	4.66	0.68	15%	-	-	-		
	Textiles & Garments	34.18	4.25	12%	41.80	6.61	16%		
	Others	168.00	30.08	18%	208.25	33.77	16%		



	सेवा क्षेत्र	34.71	8.43	24%	36.10	11.23	31%
	 विमानन सेवाएं	2.36	-	-	-	-	-
	ईपीसी सेवाएं	9.80	7.75	79%	13.61	9.78	72%
	जहाजरानी सेवाएं	12.45	-	-	11.54	0.62	5%
	अन्य	10.10	0.68	7%	10.95	0.83	8%
2	कुल आयात वित्त	50.61	12.36	24%	40.05	11.48	29%
	कृषि क्षेत्र	-	-	-	-	-	-
	औद्योगिक क्षेत्र	46.50	12.06	26%	35.20	11.48	33%
	लौह धातु और धातु प्रसंस्करण	1.52	1.52	100%	1.54	1.54	100%
	तेल और गैस	4.87	-	-	-	-	-
	अन्य	40.11	10.54	26%	33.66	9.94	29.53%
	सेवा क्षेत्र	4.11	0.30	7%	4.85	-	-
	ईपीसी सेवाएं	0.32	-	-	0.34	-	-
	जहाजरानी सेवाएं	2.92	-	-	3.47	-	-
	अन्य	0.87	0.30	35%	1.04	-	-
	(क) में से भारत सरकार द्वारा गारंटित एक्सपोजर	-	-	-	-	-	-
ख	बाह्य क्षेत्र	164.98	54.93	33%	146.07	35.63	24%
1	कुल निर्यात वित्त	164.98	54.93	33%	146.07	35.63	24%
	कृषि क्षेत्र	-	-	-	-	-	-
	औद्योगिक क्षेत्र	136.42	52.28	38%	114.65	24.68	22%
	लौह धातु और धातु प्रसंस्करण	27.42	2.66	10%	24.35	2.39	10%
	तेल और गैस	32.06	27.32	85%	-	-	-
	टेक्सटाइल और गारमेंट	7.61	3.55	47%	3.20	-	-
	अन्य	69.33	18.75	27%	87.10	22.29	26%
	सेवा क्षेत्र	28.56	2.65	9%	31.42	10.95	35%
	विमानन सेवाएं	4.50	-	-	-	-	-
	ईपीसी सेवाएं	4.56	0.16	4%	10.94	4.50	41%
	वित्त सेवाएं	11.96	-	-	-	-	-
	जहाजरानी सेवाएं	0.85	-	-	4.31	3.37	78%
	अन्य	6.69	2.49	37%	16.17	3.08	19%
2	कुल आयात वित्त	-	-	-	-	-	-
	कृषि क्षेत्र	-	-	-	-	-	-
	औद्योगिक क्षेत्र	-	-	-	-	-	-
	सेवा क्षेत्र	-	-	-	-	-	-
3	(ख) में से भारत सरकार द्वारा गारंटित एक्सपोजर	-	-	-	-	-	-
ग	अन्य एक्सपोजर [#]	551.33	-	-	638.12	-	-
घ	कुल एक्सपोजर (क+ख+ग)	1030.07	116.78	11.34%	1,154.80	119.76	10.37%

[#]इसमें ऋण-व्यवस्थाओं, राष्ट्रीय निर्यात बीमा खाते के अंतर्गत क्रेता ऋण, रियायती वित्त योजना, वाणिज्यिक बैंकों को पुनर्वित्त और बैंकों द्वारा प्रति-गारंटित अग्रिम शामिल हैं।



	Services Sector	34.71	8.43	24%	36.10	11.23	31%
	Aviation Services	2.36	-	-	-	-	-
	EPC Services	9.80	7.75	79%	13.61	9.78	72%
	Shipping Services	12.45	-	-	11.54	0.62	5%
	Others	10.10	0.68	7%	10.95	0.83	8%
2	Total Import Finance	50.61	12.36	24%	40.05	11.48	29%
	Agricultural Sector	-	-	-	-	-	-
	Industrial Sector	46.50	12.06	26%	35.20	11.48	33%
	Ferrous Metals & Metal Processing	1.52	1.52	100%	1.54	1.54	100%
	Oil and Gas	4.87	-	-	-	-	-
	Others	40.11	10.54	26%	33.66	9.94	29.53%
	Services Sector	4.11	0.30	7%	4.85	-	-
	EPC Services	0.32	-	-	0.34	-	-
	Shipping Services	2.92	-	-	3.47	-	-
	Others	0.87	0.30	35%	1.04	-	
3	Of (A), exposures guaranteed by the Government of India	-	-	-	-	-	-
В	External Sector	164.98	54.93	33%	146.07	35.63	24%
1	Total Export Finance	164.98	54.93	33%	146.07	35.63	24%
	Agricultural Sector	-	-	-	-	-	-
	Industrial Sector	136.42	52.28	38%	114.65	24.68	22%
	Ferrous Metals & Metal Processing	27.42	2.66	10%	24.35	2.39	10%
	Oil and Gas	32.06	27.32	85%	-	-	
	Textiles & Garments	7.61	3.55	47%	3.20	-	
	Others	69.33	18.75	27%	87.10	22.29	26%
	Services Sector	28.56	2.65	9%	31.42	10.95	35%
	Aviation Services	4.50	-	-	-	-	-
	EPC Services	4.56	0.16	4%	10.94	4.50	41%
	Financial Services	11.96	-	-	-	-	
	Shipping Services	0.85	-	-	4.31	3.37	78%
	Others	6.69	2.49	37%	16.17	3.08	19%
2	Total Import Finance	-	-	-	-	-	
	Agricultural Sector	-	-	-	-	-	
	Industrial Sector	-	-	-	-	-	
	Services Sector	-	-	-	-	-	
3	Of (B), exposures guaranteed by the Government of India	-	-	-	-	-	
С	Other Exposures#	551.33	-	-	638.12	-	
D	Total Exposures (A+B+C)	1030.07	116.78	11.34%	1,154.80	119.76	10.37%

[#] includes advances under Lines of Credit, BC-NEIA, Concessional Finance Scheme, refinance to commercial banks and advances counter-guaranteed by banks.





11. डेरिवेटिव

11.1 वायदा दर करार एवं ब्याज दर स्वैप

(₹ बिलियन)

क्र.	0	2018-19		2017-18	
सं.	विवरण	हेजिंग	ट्रेडिंग	हेजिंग	ट्रेडिंग
1.	स्वैप करारों का मूल कल्पित मूल्य	430.87	-	348.42	-
2.	प्रतिपक्षी पार्टी द्वारा करार के दायित्वों का निर्वहन न करने पर संभावित हानि	-	-	0.10	-
3.	स्वैप करारों के लिए बैंक द्वारा अपेक्षित कोलैटरल	-	-	-	-
4.	स्वैप्स से उत्पन्न ऋण जोखिम का संकेंद्रण	सभी संव्यवहार अनुमोदित ऋण जोखिम सीमाओं के अंदर हैं।	-	सभी संव्यवहार अनुमोदित ऋण जोखिम सीमाओं के अंदर हैं।	-
5.	स्वैप बही का सही मूल्य	(4.80)	-	(11.28)	-

स्वैप की प्रकृति तथा शर्तैं: सभी संव्यवहार बैंक की आस्तियों/देयताओं से संबंधित हैं तथा इन्हें बैंक की आस्ति–देयता प्रबंधन स्थिति की हेजिंग के उद्देश्य से किया गया है।

11.2 एक्सचेंजों में खरीदे-बेचे गए ब्याज दर डेरिवेटिव्स

(₹ बिलियन)

क्र. सं.	विवरण	राशि
1.	वर्ष के दौरान एक्सचेंजों में खरीदे-बेचे गए ब्याज दर डेरिवेटिव की सांकेतिक मूल राशि (लिखत-वार)	-
2.	यथा 31 मार्च, 2019 को एक्सचेंजों में खरीदे-बेचे गए ब्याज दर डेरिवेटिव की बकाया सांकेतिक मूल राशि (लिखत-वार)	-
3.	एक्सचेंजों में खरीदे–बेचे गए ब्याज दर डेरिवेटिव की बकाया सांकेतिक मूल राशि किंतु ''हाइली इफेक्टिव'' नहीं	-
4.	एक्सचेंजों में खरीदे-बेचे गए ब्याज दर डेरिवेटिव का बकाया मार्क-टू-मार्केट मूल्य किंतु ''हाइली इफेक्टिव'' नहीं	-



11. Derivatives

11.1 Forward Rate Agreement/Interest Rate Swap

(₹ billion)

Sr.	Particulars	2018-19		2017-18	
No.	Particulars	Hedging	Trading	Hedging	Trading
1.	The Notional Principal of swap agreements	430.87	-	348.12	-
2.	Losses, which would be incurred if counter parties failed to fulfill their obligations under the agreements	-	-	0.10	-
3.	Collateral required by the Bank upon entering into swaps	-	-	-	-
4.	Concentration of credit risk arising from Swaps	All transactions fall within approved credit exposure limits	-	All transactions fall within approved credit exposure limits	-
5.	The fair value of the swap book	(4.80)	-	(11.28)	-

Nature and Terms of Swaps: All transactions have underlying assets/liabilities and have been undertaken for the purpose of hedging the Bank's ALM position.

11.2 Exchange Traded Interest Rate Derivatives

(₹ billion)

Sr. No.	Particulars	Amount
1.	Notional Principal amount of exchange traded interest rate derivatives undertaken during the year	-
2.	Notional Principal amount of exchange traded interest rate derivatives outstanding as on March 31, 2019	-
3.	Notional Principal amount of exchange traded interest rate derivatives outstanding and not "highly effective"	-
4.	Mark-to-market value of exchange traded interest rate derivatives outstanding and not "highly effective"	-



11.3 डेरिवेटिव्स में जोखिम एक्सपोजर का प्रकटीकरण

क. गुणात्मक प्रकटीकरण

- 1) बैंक बाजार जोखिमों को कम करने के उद्देश्य से मुख्यतः अपने तुलन-पत्र जोखिमों को हेज करने तथा प्रभावी न्यून लागत निधियों को जुटाने के लिए वित्तीय डेरिवेटिव का उपयोग करता है। बैंक वर्तमान में भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा अनुमत केवल ओवर दि काउंटर (ओटीसी) ब्याज दर तथा मुद्रा डेरिवेटिव्स का ही उपयोग करता है।
- 2) डेरिवेटिव संव्यवहारों में दो जोखिम (i) बाजार जोखिम अर्थात ब्याज दरों/विनिमय दरों के प्रतिकूल प्रचलन से बैंक को संभावित हानि तथा (ii) ऋण जोखिम अर्थात प्रतिपक्षी पार्टी द्वारा अपने दायित्व के निर्वहन में चूक से हानि की संभावना, विहित रहते हैं। बैंक में निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित एक डेरिवेटिव नीति है, जिसका उद्देश्य जोखिम प्रबंधन की दृष्टि से समग्र आस्ति देयता स्थिति को संव्यवहार स्तर पर ही प्रबंधित कर लेना है। यह नीति बैंक के व्यवसाय लक्ष्यों के अनुरूप अनुमत डेरिवेटिव उत्पादों के प्रयोग को परिभाषित करती है, नियंत्रण एवं निगरानी प्रणाली निर्धारित करती है और नियामकीय, प्रलेखन तथा लेखा संबंधी विषयों के बारे में बताती है। इसमें बाजार जोखिम को नियंत्रित करने तथा प्रबंध करने (स्टॉप लॉस लिमिट, ओपन पोजिशन लिमिट, टेनर लिमिट, सेटलमेंट तथा प्री-सेटलमेंट लिमिट, पीवी01 लिमिट आदि) संबंधी जोखिम मानदंडों को भी निर्धारित किया गया है।
- 3) बैंक की आस्ति-देयता प्रबंधन समिति (एल्को) बैंक के मिड ऑफिस, जो डेरिवेटिव संव्यवहारों से जुड़े बाजार जोखिमों का आकलन और निगरानी करता है, की सहायता से बाजार जोखिम प्रबंधन कार्य की देखरेख करती है।
- 4) यथा 31 मार्च, 2019 को बैंक की बहियों में बकाया सभी डेरिवेटिव संव्यवहारों को हेजिंग के उद्देश्य से किया गया है तथा आस्ति–देयता बहियों में दर्शाया गया है। इन संव्यवहारों पर आय को बीमांकिक आधार पर हिसाब में लिया गया है।
- 5) आकस्मिक देयताओं के अंतर्गत बकाया वायदा दर संविदाओं में ब्याज दर स्वैप/करंसी स्वैप्स शामिल नहीं हैं जो कि डेरिवेटिव नीति के अनुपालन के संदर्भ में है।

ख. मात्रात्मक प्रकटन

(₹ बिलियन)

_		2018	3-19	201	7-18	
्रक्र. सं.	विवरण	करंसी	ब्याज दर	करंसी	ब्याज दर	
Χ1.		डेरिवेटिव्स	डेरिवेटिव्स	डेरिवेटिव्स	डेरिवेटिव्स	
1	डेरिवेटिव (कल्पित मूल राशि)					
	क) हेजिंग के लिए	285.19	430.87	392.45	348.12	
	ख) ट्रेडिंग के लिए	-	-	-	-	
2	मार्क्ड-टू-मार्केट स्थितियां	(32.49)	(4.80)	-	-	
	क) आस्ति (+)	1.74	2.12	-	-	
	ख) देयता (-)	(34.23)	(6.92)	28.75	11.28	
3	ऋण एक्सपोजर	14.34	4.10	19.42	1.72	
4	ब्याज दर में एक प्रतिशत परिवर्तन					
	का संभावित प्रभाव (100*पीवी 01)					
	क) हेजिंग डेरिवेटिव पर	11.80	16.03	13.54	20.26	





11.3 Disclosures on risk exposure in derivatives

A. Qualitative disclosures

- 1) The Bank uses financial derivative transactions predominantly for raising cost-effective funds and hedging its balance sheet exposures, with the objective of reducing market risk. The Bank currently deals only in over-the-counter (OTC) interest rate and currency derivatives, of the type permitted by RBI.
- 2) Derivative transactions carry: (i) market risk i.e. the probable loss that the Bank may incur as a result of adverse movements in interest rates / exchange rates and (ii) credit risk i.e. the probable loss the Bank may incur if the counter-parties fail to meet their obligations. The Bank has in place a Derivative Policy approved by the Board, which aims at synchronising the risk management objectives at the transaction level with those of the overall ALM position. The policy defines the use of permitted derivative products consistent with business goals of the Bank, lays down the control and monitoring systems and deals with regulatory, documentation and accounting issues. The policy also prescribes suitable risk parameters to control and manage market risk on derivative trades undertaken in the treasury book. (stop-loss limits, open position limits, tenor limits, settlement and pre-settlement risk limits, PV01 limits).
- 3) The ALCO of the Bank oversees management of market risks with support from the Bank's Mid-Office, which measures, monitors and reports market risk associated with derivative transactions.
- 4) All derivative transactions outstanding in the Bank's books as on March 31, 2019 have been undertaken for hedging purposes and are in the ALM book. The income on such transactions has been accounted for on accrual basis.
- 5) Interest Rate Swaps (IRS) and Currency Swaps are not included in Outstanding Forward Exchange Contracts under Contingent Liabilities as per the Derivative Policy.

B. Quantitative Disclosures

(₹ billion)

C.,		2018	8-19	2017-18		
Sr. No.	Particulars	Currency Derivatives	Interest rate Derivatives	Currency Derivatives	Interest rate Derivatives	
1	Derivatives (Notional Principal Amount)					
	a) For hedging	285.19	430.87	392.45	348.12	
	b) For trading	-	-	-	-	
2	Marked to Market Positions	(32.49)	(4.80)	-	-	
	a) Asset (+)	1.74	2.12	-	-	
	b) Liability (-)	(34.23)	(6.92)	28.75	11.28	
3	Credit Exposure	14.34	4.10	19.42	1.72	
4	Likely impact of one percentage change in interest rate (100*PV01)					
	a) On hedging derivatives	11.80	16.03	13.54	20.26	



(₹ बिलियन)

		2018	3-19	2017	7-18
क्र. सं.	विवरण	करंसी	ब्याज दर	करंसी	ब्याज दर
۲۱.		डेरिवेटिव्स	डेरिवेटिव्स	डेरिवेटिव्स	डेरिवेटिव्स
	ख) ट्रेडिंग डेरिवेटिव पर	-	-	-	-
5	वर्ष के दौरान 100*पीवी 01 का				
	अधिकतम और न्यूनतम				
	क) हेजिंग पर				
	(i) अधिकतम	13.49	21.44	13.67	20.52
	(ii) न्यूनतम	11.80	16.03	12.77	14.47
	ख) ट्रेडिंग पर				
	(i) अधिकतम	-	-	-	-
	(ii) न्यूनतम	-	-	-	-

12. बैंक द्वारा जारी चुकौती आश्वासन पत्र

वर्ष के दौरान, बैंक द्वारा कोई चुकौती आश्वासन पत्र जारी नहीं किया गया (गत वर्ष आईसीआईसीआई बैंक को कुल ₹ 0.58 बिलियन) और बकाया प्रतिबद्धताओं के लिए कोई वित्तीय उत्तरदायित्व नहीं रहा। यथा 31 मार्च, 2019 को कुल चुकौती आश्वासन पत्रों की बकाया राशि कुल ₹ 2.00 बिलियन रही।

13. आस्ति-देयता प्रबंधन

वर्तमान वर्षः

(₹ बिलियन)

विवरण	1 से 14 दिन	15 से 28 दिन	29 दिन से 3 माह	3 माह से 6 माह तक	6 माह से 1 साल तक	1 साल से 3 साल तक	3 साल से 5 साल तक	5 साल से ज्यादा	कुल
रुपया अग्रिम	17.44	0.55	4.39	10.34	43.22	30.04	26.82	24.55	157.36
रुपया निवेश	_	-	0.08	0.04	0.12	0.38	1.17	91.49	93.27
रुपया अन्य आस्तियां	24.70	3.05	35.38	32.51	24.14	124.00	116.57	257.70	618.04
रुपया जमा राशियां	0.03	0.02	0.14	0.08	30.32	0.24	0.02	-	30.86
रुपया उधारियां	27.12	-	24.45	-	15.00	47.43	98.74	99.68	312.42
रुपया अन्य देयताएं	19.62	3.80	24.14	27.72	37.45	75.70	29.10	198.18	415.71
विदेशी मुद्रा आस्तियां	66.65	11.37	23.52	40.35	101.68	236.14	210.09	447.93	1,137.73
विदेशी मुद्रा देयताएं	25.50	11.47	27.89	45.19	81.83	294.06	284.09	308.76	1,078.79





(₹ billion)

C.,		2018	8-19	2017	7-18
Sr. No.	Particulars	Currency Derivatives	Interest rate Derivatives	Currency Derivatives	Interest rate Derivatives
	b) On trading derivatives	-	-	-	-
5	Maximum and Minimum of 100*PV01 observed during the year				
	a) On hedging				
	(i) Maximum	13.49	21.44	13.67	20.52
	(ii) Minimum	11.80	16.03	12.77	14.47
	b) On trading				
	(i) Maximum	-	-	-	-
	(ii) Minimum	-	-	-	-

12. Letters of Comfort issued by the Bank

During the year, the Bank has not issued any Letter of Comfort (previous year to ICICI Bank aggregating $\stackrel{?}{\sim} 0.58$ billion) and no financial obligation has arisen on account of the outstanding commitments. As on March 31, 2019, total Letters of comfort outstanding aggregated $\stackrel{?}{\sim} 2.00$ billion.

13. Asset Liability Management

Current Year:

(₹ billion)

Particulars	1 to 14 days	15 to 28 days	29 days to 3 months	Over 3 months & up to 6 months	Over 6 months & up to 1 year	Over 1 year & up to 3 years	Over 3 years & up to 5 years	Over 5 years	Total
Rupee Advances	17.44	0.55	4.39	10.34	43.22	30.04	26.82	24.55	157.36
Rupee Investments	-	-	0.08	0.04	0.12	0.38	1.17	91.49	93.27
Rupee Other Assets	24.70	3.05	35.38	32.51	24.14	124.00	116.57	257.70	618.04
Rupee Deposits	0.03	0.02	0.14	0.08	30.32	0.24	0.02	-	30.86
Rupee Borrowings	27.12	-	24.45	-	15.00	47.43	98.74	99.68	312.42
Rupee Other Liabilities	19.62	3.80	24.14	27.72	37.45	75.70	29.10	198.18	415.71
Foreign Currency Assets	66.65	11.37	23.52	40.35	101.68	236.14	210.09	447.93	1,137.73
Foreign Currency Liabilities	25.50	11.47	27.89	45.19	81.83	294.06	284.09	308.76	1,078.79



गत वर्षः

(₹ बिलियन)

विवरण	1 से 14 दिन	15 से 28 दिन	29 दिन से 3 माह	3 माह से 6 माह तक	6 माह से साल 1 तक	1 साल से 3 साल तक	3 साल से 5 साल तक	5 साल से ज्यादा	कुल
रुपया अग्रिम	36.77	22.54	21.41	47.61	39.62	52.22	25.14	32.89	278.20
रुपया निवेश	-	0.95	0.07	0.04	2.51	0.11	0.99	52.30	56.97
रुपया अन्य आस्तियां	25.18	1.61	48.04	23.32	78.64	128.49	102.49	331.79	739.56
रुपया जमाराशियां	0.01	0.004	0.14	21.48	22.00	0.41	0.05	-	44.09
रुपया उधारियां	35.43	5.00	54.75	24.10	57.77	44.23	72.67	143.96	437.91
रुपया अन्य देयताएं	21.91	22.97	28.73	24.63	78.20	89.99	35.55	193.84	495.82
विदेशी मुद्रा आस्तियां	53.35	25.88	37.78	48.05	124.49	254.16	211.44	375.34	1,130.49
विदेशी मुद्रा देयताएं	41.09	8.32	45.43	53.50	126.76	284.32	249.88	316.52	1,125.82

14. आरक्षित निधियों से आहरण

बैंक द्वारा आरक्षित निधियों से कोई राशि नहीं निकाली गई है।

15. व्यवसाय अनुपात

विवरण	2018-19	2017-18
इक्विटी पर रिटर्न	1.04%	(39.94)%
आस्तियों पर रिटर्न	0.07%	(2.42)%
प्रति कर्मचारी निवल लाभ/(हानि)(₹ बिलियन)	0.002	(0.086)

16. भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा लगाए गए दंडों का प्रकटीकरण

भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा बैंक पर भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम, 1934 के अंतर्गत अधिनियम के किसी भी प्रावधान का उल्लंघन करने अथवा अधिनियम, आदेश, नियम अथवा भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा निर्दिष्ट किसी भी अपेक्षित शर्त के उल्लंघन के लिए कोई दंड नहीं लगाया गया।



Previous Year:

(₹ billion)

Particulars	1 to 14 days	15 to 28 days	29 days to 3 months	Over 3 months & up to 6 months	Over 6 months & up to 1 year	Over 1 year & up to 3 years	Over 3 years & up to 5 years	Over 5 years	Total
Rupee Advances	36.77	22.54	21.41	47.61	39.62	52.22	25.14	32.89	278.20
Rupee Investments	1	0.95	0.07	0.04	2.51	0.11	0.99	52.30	56.97
Rupee Other Assets	25.18	1.61	48.04	23.32	78.64	128.49	102.49	331.79	739.56
Rupee Deposits	0.01	0.004	0.14	21.48	22.00	0.41	0.05	-	44.09
Rupee Borrowings	35.43	5.00	54.75	24.10	57.77	44.23	72.67	143.96	437.91
Rupee Other Liabilities	21.91	22.97	28.73	24.63	78.20	89.99	35.55	193.84	495.82
Foreign Currency Assets	53.35	25.88	37.78	48.05	124.49	254.16	211.44	375.34	1,130.49
Foreign Currency Liabilities	41.09	8.32	45.43	53.50	126.76	284.32	249.88	316.52	1,125.82

14. Draw Down from Reserves

The Bank has not drawn any amount from the Reserves.

15. Business Ratios

Particulars	2018-19	2017-18
Return on Equity	1.04%	(39.94)%
Return on Assets	0.07%	(2.42)%
Net Profit/(Loss) per employee (₹ billion)	0.002	(0.086)

16. Disclosure of Penalties Imposed by RBI

There are no penalties imposed by the Reserve Bank of India under the Reserve Bank of India Act, 1934, for contraventions of any of the provisions of the Act or non-compliance with any other requirements of the Act, order, rule or condition specified by Reserve Bank of India.



17. शिकायतों का प्रकटीकरण

ग्राहक शिकायतें

क्र. सं.	विवरण	2018-19	2017-18
(ক)	वर्ष के प्रारंभ में लंबित शिकायतें	-	-
(ख)	वर्ष के दौरान मिली शिकायतें	3	1
(刊)	वर्ष के दौरान निपटाई गई शिकायतें	3	1
(ঘ)	वर्ष के अंत में लंबित शिकायतें	-	-

18. तुलन पत्र से इतर प्रायोजित एसपीवी (जिन्हें लेखा मानकों के अनुरूप समेकित किया जाना है)

प्रायोजित एसपीवी का नाम	
घरेलू	विदेशी
-	-

विशिष्ट लेखा मानकों के अनुसार प्रकटीकरण

19. अचल आस्तियों के विवरण

अचल आस्तियों के विवरण भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा अचल आस्तियों के लिए जारी लेखा मानक-10 के अनुसार नीचे दिए गए हैं।

(₹ बिलियन)

विवरण	परिसर	अन्य	कुल
सकल ब्लॉक			
यथा 31 मार्च, 2018 को लागत	2.09	1.04	3.13
परिवर्द्धन	1.16	0.15	1.31
निपटान	0.14	0.13	0.27
यथा 31 मार्च, 2019 को लागत (क)	3.11	1.06	4.17
मूल्यहास			
यथा 31 मार्च, 2018 को संचित	1.01	0.86	1.87
वर्ष के दौरान प्रावधान	0.14	0.12	0.26
निपटान पर हटाया गया	0.12	0.12	0.24
यथा 31 मार्च, 2019 को संचित (ख)	1.03	0.86	1.89
निवल ब्लॉक (क-ख)	2.08	0.20	2.28



17. Disclosure of Complaints

Customer Complaints

Sr. No.	Particulars	2018-19	2017-18
(a)	No. of complaints pending at the beginning of the year	-	-
(b)	No. of complaints received during the year	3	1
(c)	No. of complaints redressed during the year	3	1
(d)	No. of complaints pending at the end of the year	-	-

18. Off-Balance Sheet SPVs Sponsored (which are required to be consolidated as per accounting norms)

Name of the SPV sponsored	
Domestic	Overseas
-	-

Disclosure as per specific Accounting Standards

19. Details of Fixed Assets

Details of Fixed Assets are given below as prescribed in AS-10 Accounting for Fixed Assets issued by the ICAI.

(₹ billion)

Particulars	Premises	Others	Total
Gross Block			
Cost as on 31st March 2018	2.09	1.04	3.13
Additions	1.16	0.15	1.31
Disposals	0.14	0.13	0.27
Cost as on 31st March 2019 (A)	3.11	1.06	4.17
Depreciation			
Accumulated as on 31st March 2018	1.01	0.86	1.87
Provided during the year	0.14	0.12	0.26
Eliminated on Disposals	0.12	0.12	0.24
Accumulated as on 31st March 2019 (B)	1.03	0.86	1.89
Net Block (A-B)	2.08	0.20	2.28



गत वर्ष:

(₹ बिलियन)

विवरण	परिसर	अन्य	कुल
सकल ब्लॉक			
यथा 31 मार्च, 2017 को लागत	2.06	1.02	3.08
परिवर्द्धन	0.03	0.12	0.15
निपटान	0.00	0.10	0.10
यथा 31 मार्च, 2018 को लागत (क)	2.09	1.04	3.13
मूल्यहास			
यथा 31 मार्च, 2017 को संचित	0.92	0.86	1.78
वर्ष के दौरान प्रावधान	0.09	0.10	0.19
निपटान पर हटाया गया	0.00	0.10	0.10
यथा 31 मार्च, 2018 को संचित (ख)	1.01	0.86	1.87
निवल ब्लॉक (क-ख)	1.08	0.18	1.26

20. सरकारी अनुदानों का लेखा

भारत सरकार ने बैंक द्वारा विदेशी सरकारों, विदेशी बैंकों/संस्थाओं को प्रदान की गई विशिष्ट ऋण-व्यवस्थाओं के प्रति बैंक को ब्याज समकरण राशि अदा करने के लिए सहमित दी है और उसे उपचय (अक्रुअल) आधार पर हिसाब में लिया गया है।

21. व्यवसाय खंड रिपोर्टिंग

बैंक के परिचालनों में केवल वित्तीय कार्यकलाप शामिल हैं अतः इसे एकल व्यवसाय खंड में शामिल किया गया है। बैंक के भौगोलिक परिचालन खंडों को घरेलू परिचालनों एवं अंतरराष्ट्रीय परिचालनों में वर्गीकृत किया गया है। इन परिचालनों का घरेलू तथा अंतरराष्ट्रीय खंड में वर्गीकरण मुख्यतः संव्यवहार के जोखिम तथा प्रतिफल पर आधारित हैं।

(₹ बिलियन)

विवरण	ग घरेलू परिचालन		अंतरराष्ट्रीय परिचालन		कुल	
	2018-19	2017-18	2018-19	2017-18	2018-19	2017-18
राजस्व	85.95	80.79	5.02	6.99	90.97	87.78
आस्तियां	1,059.33	1,139.90	86.92	95.29	1,146.25	1,235.19



Previous Year:

(₹ billion)

Particulars	Premises	Others	Total
Gross Block			
Cost as on 31st March 2017	2.06	1.02	3.08
Additions	0.03	0.12	0.15
Disposals	0.00	0.10	0.10
Cost as on 31st March 2018 (A)	2.09	1.04	3.13
Depreciation			
Accumulated as on 31st March 2017	0.92	0.86	1.78
Provided during the year	0.09	0.10	0.19
Eliminated on Disposals	0.00	0.10	0.10
Accumulated as on 31st March 2018 (B)	1.01	0.86	1.87
Net Block (A-B)	1.08	0.18	1.26

20. Accounting for Government Grants

GOI has agreed to pay interest equalisation amount to the Bank towards specific Lines of Credit extended by the Bank to foreign governments, overseas banks / institutions and the same is accounted on accrual basis.

21. Segment Reporting

The operations of the Bank predominantly comprise of only one business segment i.e. financial activities and hence, have been considered as representing a single business segment.

The geographic segments of the Bank are categorised as Domestic Operations and International Operations. The categorisation of operations as domestic or international is primarily based on the risk and reward associated with the place of the transaction.

(₹ billion)

Particulars Domestic Operations		Internationa	l Operations	Total		
	2018-19	2017-18	2018-19	2017-18	2018-19	2017-18
Revenue	85.95	80.79	5.02	6.99	90.97	87.78
Assets	1,059.33	1,139.90	86.92	95.29	1,146.25	1,235.19



22. संबंधित पक्षकार प्रकटन

भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी लेखा मानक-18 के अनुसार, बैंक के संबंधित पक्षकारों का प्रकटन निम्नलिखित अनुसार है:

- संबंध
 - (i) संयुक्त उपक्रम:
 - ग्लोबल प्रोक्योरमेंट कन्सल्टैंट्स लिमिटेड
 - (ii) मुख्य प्रबंधकीय कार्मिक अधिकारी:
 - **श्री डेविड रस्कीना** (प्रबंध निदेशक)
 - **श्री देबाशिस मल्लिक** (उप प्रबंध निदेशक)
- बैंक से संबंधित पक्षकार शेष राशियां तथा लेन-देनों का सारांश नीचे दिया गया है:

(₹ मिलियन)

विवरण	संयुक्त	उपक्रम	मुख्य प्रबंधकीय कार्मिक		
	2018-19	2017-18	2018-19	2017-18	
मंजूर ऋण	-	-	-	-	
जारी गारंटियां	-	1.58	-	-	
प्राप्त ब्याज	-	-	-	-	
प्राप्त गारंटी कमीशन	-	0.004	-	-	
प्रदत्त सेवाओं के एवज में प्राप्त भुगतान	-	0.05	-	-	
स्वीकार की गई जमा राशियां	-	-	-	-	
सावधि जमा राशियों पर प्रदत्त ब्याज	-	0.31	0.30	0.42	
बट्टाकृत/अपलेखीकृत की गई राशि	-	-	-	-	
बकाया सावधि जमा राशियां	-	-	2.50	3.24	
वर्ष के अंत में बकाया ऋण राशि	-	-	-	-	
वर्ष के अंत में बकाया गारंटियां	-	1.58	-	-	
वर्ष के दौरान बकाया निवेश राशि	3.23	3.23	-	-	
प्राप्त लाभांश	0.42	0.42	-	-	
वर्ष के दौरान बकाया अधिकतम ऋण राशि	-	-	-	-	
वर्ष के दौरान बकाया अधिकतम गारंटियां	-	4.45	-	-	
भत्ते सहित वेतन	-	-	7.18	7.32	
भाड़े का भुगतान	-	-	0.30	0.30	



22. Related Party Disclosures

As per AS-18 Related Party Disclosure issued by the ICAI, the Bank's related parties are disclosed below:

- Relationship
 - (i) Joint Ventures:
 - Global Procurement Consultants Limited
 - (ii) Key Managerial Personnel:
 - Shri David Rasquinha (Managing Director)
 - Shri Debasish Mallick (Deputy Managing Director)
- The Bank's related party balances and transactions are summarised as follows:

(₹ million)

Particulars		Joint Venture		Key Managerial Personnel	
	2018-19	2017-18	2018-19	2017-18	
Loans granted	-	-	-	-	
Guarantees issued	-	1.58	-	-	
Interest received	-	-	-	-	
Guarantee commission received	-	0.004	-	-	
Receipts towards services rendered	-	0.05	-	-	
Term Deposit Accepted	-	-	-	-	
Interest on Term Deposits	-	0.31	0.30	0.42	
Amounts written-off/written-back	-	-		-	
Term Deposit Outstanding	-	-	2.50	3.24	
Loans outstanding at year-end	-	-	-	-	
Guarantees outstanding at year-end	-	1.58	-	-	
Investments outstanding at year end	3.23	3.23	-	-	
Dividend Received	0.42	0.42	-	-	
Maximum Loan outstanding during the year	-	-	-	-	
Maximum Guarantees outstanding during the year	-	4.45	-	-	
Salary including perquisites	-	-	7.18	7.32	
Rent paid	-	-	0.30	0.30	



23. आय पर कर का लेखांकन

(क) चालू वर्ष के लिए कर प्रावधान का विवरण:

(₹ बिलियन)

(i) आय पर कर	0.55
(ii) जोड़ें: निवल आस्थगित कर देयता	0.51
	1.06

(ख)आस्थगित कर आस्ति:

प्रमुख करों के संदर्भ में आस्थगित कर आस्तियों तथा देयताओं का संयोजन नीचे दिया गया है:

(₹ बिलियन)

	विवरण	
	आस्थगित कर आस्तियां	
1.	अस्वीकार्य प्रावधान (निवल)	37.98
		37.98
	घटाएं: आस्थगित कर देयता	
1.	अचल आस्तियों पर मूल्यहास	0.05
2.	बॉन्ड निर्गम खर्च का परिशोधन	0.56
3.	धारा 36 (1) (viii) के अंतर्गत सृजित विशेष आरक्षित निधियां	4.60
		5.22
	निवल आस्थगित कर आस्तियां	32.76
	(तुलन-पत्र के 'आस्तियां' पक्ष में 'अन्य आस्तियों' में शामिल)	32.70

24. संयुक्त उपक्रमों में हित की रिपोर्टिंग

I.

	संयुक्त रूप से नियंत्रित संस्था		धारिता का प्रतिशत	
संयुक्त रूप स नियात्रत संस्था		५४।	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
क	ग्लोबल प्रोक्योरमेंट कन्सलटैंट्स लिमिटेड (जीपीसीएल)	भारत	28%	28%

II. लेखा मानक 27 संयुक्त उपक्रमों में हितों की वित्तीय रिपोर्टिंग के अनुसार, आनुपातिक समेकन पद्धित का प्रयोग करते हुए संयुक्त रूप से नियंत्रित संस्थाओं में हितों से संबंधित आस्तियों, देयताओं, आय और व्यय की कुल राशि निम्नलिखित अनुसार है:

(₹ मिलियन)

देयताएं	2018-19	2017-18	आस्तियां	2018-19	2017-18
पूँजी एवं आरक्षित निधियां	28.23	26.67	अचल आस्तियां	0.05	0.07
ऋण	-	-	निवेश	19.76	14.95
अन्य देयताएं	5.13	8.24	अन्य आस्तियां	13.55	19.89
कुल	33.36	34.91	कुल	33.36	34.91

आकस्मिक देयताएं: शून्य (गत वर्ष: शून्य)



23. Accounting for Taxes on Income

(a) Details of Provision for Tax for current year:

(₹ billion)

(i)	Tax on Income	0.55
(ii)	Add: Net Deferred Tax Liability	0.51
		1.06

(b) Deferred Tax Asset:

The composition of deferred tax assets and liabilities into major items is given below:

(₹ billion)

	Particulars	
	Deferred Tax Assets	
1.	Provision Disallowed (Net)	37.98
		37.98
	Less: Deferred Tax Liability	
1.	Depreciation on Fixed Assets	0.05
2.	Amortisation of Bond issue expenses	0.56
3.	Special Reserve created under section 36 (1) (viii)	4.60
		5.22
	Net Deferred Tax Assets [included in 'Other Assets' in the 'Assets' side of the Balance Sheet]	32.76

24. Financial Reporting of Interest in Joint Ventures

I.

	Jointly Controlled Entities	Country	Percentage of holding		
	Jointly Controlled Entitles	Country	Current Year	Previous Year	
Α	Global Procurement Consultants Ltd. (GPCL)	India	28%	28%	

II. The aggregate amount of assets, liabilities, income and expenses related to the interest in the jointly controlled entities using the proportionate consolidation method as per AS 27 Financial Reporting of Interests in joint Ventures is as under:

(₹ million)

Liabilities	2018-19	2017-18	Assets	2018-19	2017-18
Capital & Reserves	28.23	26.67	Fixed Assets	0.05	0.07
Loans	-	-	Investments	19.76	14.95
Other Liabilities	5.13	8.24	Other Assets	13.55	19.89
Total	33.36	34.91	Total	33.36	34.91

Contingent Liabilities: NIL (previous year: NIL)





(₹ मिलियन)

व्यय	2018-19	2017-18	आय	2018-19	2017-18
अन्य व्यय	11.54	11.36	परामर्शी आय	13.35	14.13
प्रावधान	1.04	1.26	ब्याज आय तथा निवेश से आय	0.13	0.34
कर पश्चात लाभ	2.65	2.85	अन्य आय	1.75	1.00
कुल	15.23	15.47	कुल	15.23	15.47

25. आस्तियों का हास

बैंक की आस्तियों में अधिकांश आस्तियां ''वित्तीय आस्तियां'' हैं, जिन पर ''आस्तियों का ह्रास'' संबंधी लेखा मानक 28 लागू नहीं होता है। बैंक की राय में, जिन आस्तियों पर ये मानक लागू होते हैं, उनमें उक्त लेखा मानकों के संबंध में हिसाब में लेने के लिए यथा 31 मार्च, 2019 को कोई ह्रास नहीं हुआ है।

26. कर्मचारी लाभ

बैंक ने भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा कर्मचारी लाभों पर, यथा 01 अप्रैल, 2007 से जारी लेखामानक -15 को अपनाया है। कर्मचारी लाभों से उत्पन्न देयता को बैंक की बहियों में दायित्व के विद्यमान मूल्य पर हिसाब में लिया गया है, जिसमें तुलन-पत्र की तारीख को आयोजनागत आस्तियों के सही मूल्य को घटाया गया है।

क) तुलन-पत्र में हिसाब में ली गई राशि

(₹ बिलियन)

विवरण	पेंशन निधि	ग्रेच्युटी
अवधि के अंत में आयोजनागत आस्तियों का सही मूल्य	1.008	0.159
अवधि के अंत में हित दायित्वों का वर्तमान मूल्य	0.977	(0.169)
निधीयन स्थिति	0.031	(0.01)
अवधि के अंत में हिसाब में न ली गई पूर्व सेवा लागत	-	-
अवधि के अंत में हिसाब में न ली गई परिवर्ती देयता	-	-
अवधि के अंत में तुलन पत्र में हिसाब में ली गई निवल देयता	(0.031)	0.01





(₹ million)

Expenses	2018-19	2017-18	Income	2018-19	2017-18
Other Expenses	11.54	11.36	11.36 Consultancy Income		14.13
			Interest income		
Provisions	1.04	1.26	and Income from	0.13	0.34
			investment		
Profit after Tax	ofit after Tax 2.65 2.85 Other Income		1.75	1.00	
Total	15.23	15.47	Total	15.23	15.47

25. Impairment of Assets

A substantial portion of the Bank's assets comprise of 'financial assets' to which Accounting Standard 28 "Impairment of Assets" is not applicable. In the opinion of the Bank, there is no impairment of its assets (to which the standard applies) as at March 31, 2019 requiring recognition in terms of the said standard.

26. Employee Benefits

The Bank has adopted Accounting Standard 15 – Employee Benefits, issued by The Institute of Chartered Accountants of India (ICAI) w.e.f. April 01, 2007. The Bank recognises in its books the liability arising out of Employee Benefits as present value of obligations as reduced by the fair value of plan assets on the Balance Sheet date.

A) Amount to be recognised in the Balance Sheet

(₹ billion)

Particulars	Pension Fund	Gratuity
Fair value of Plan Assets at the end of the period	1.008	0.159
Present value of Benefit Obligation at the end of the period	0.977	(0.169)
Funded Status	0.031	(0.01)
Unrecognised past service cost at the end of the period	-	-
Unrecognised transitional liability at the end of the period	-	-
Net Liability recognised in the Balance Sheet	(0.031)	0.01



ख) लाभ और हानि खाते में हिसाब में लिया गया व्यय

(₹ बिलियन)

विवरण	पेंशन निधि	ग्रेच्युटी
वर्तमान सेवा लागत	0.024	0.012
ब्याज मूल्य	(0.003)	0.001
नियोजित आस्तियों पर अपेक्षित प्रतिफल	0.073	0.011
बीमांकिक हानि/(लाभ)	0.004	(0.003)
विगत सेवा लागत – गैर निहित लाभ	-	-
विगत सेवा लागत – निहित लाभ	-	-
परिवर्ती दायित्व	-	-
लाभ एवं हानि खाते में हिसाब में लिया गया व्यय	0.024	0.01
नियोक्ता द्वारा योगदान	(0.01)	(0.016)

ग) बीमांकिक अनुमानों का सारांश

विवरण	पेंशन निधि	ग्रेच्युटी
बट्टा दर (प्रति वर्ष)	7.79%	7.79%
आस्तियों पर अपेक्षित प्रतिफल की दर (प्रति वर्ष)	7.79%	7.79%
वेतन वृद्धि दर (प्रति वर्ष)	7.00%	7.00%

उपरोक्त के अतिरिक्त वित्तीय वर्ष 2018-19 के लिए छुट्टी नकदीकरण की परिभाषित लाभ दायित्व की राशि ₹ 0.0038 बिलियन रही, जिसका पूर्णतः प्रावधान किया जा चुका है।





B) Expense to be recognised in the Profit and Loss Account

(₹ billion)

Particulars	Pension Fund	Gratuity
Current Service Cost	0.024	0.012
Interest Cost	(0.003)	0.001
Expected Return on Plan Assets	0.073	0.011
Actuarial Losses/(Gains)	0.004	(0.003)
Past Service Cost – Non-vested Benefit	-	-
Past Service Cost – vested benefit	-	-
Transitional liability	-	-
Expense recognised in Profit and Loss Account	0.024	0.01
Contributions by Employer	(0.01)	(0.016)

C) Summary of Actuarial Assumptions

Particulars	Pension Fund	Gratuity
Discount Rate (p.a.)	7.79%	7.79%
Expected Rate of Return on Assets (p.a.)	7.79%	7.79%
Salary Escalation Rate (p.a.)	7.00%	7.00%

In In addition to the above, for the year 2018-19, the amount of Defined Benefit Obligation of Leave Encashment works out to $\ref{thm:prop}$ 0.0038 billion, which has been fully provided for.



27. सेबी के दिनांक 29 अक्तूबर, 2013 के परिपत्र के अनुपालन में भारतीय निर्यात-आयात बैंक द्वारा जारी किए गए विभिन्न बॉन्डों के लिए डिबेंचर ट्रस्टी का संपर्क विवरण नीचे दिया गया है:

डिबेंचर ट्रस्टी

एक्सिस ट्रस्टी सर्विसेज लिमिटेड

प्राधिकृत व्यक्तिः श्री अब्बास ज़ैदी, मुख्य परिचालन अधिकारी

पताः

द रूबी, दूसरी मंजिल, एसडब्ल्यू सेनापति बापट मार्ग, दादर पश्चिम, मुंबई – 400 028

फोन: (022) 62300441/44

ईमेलः debenturetrustee@axistrustee.com

वेबसाइट: www.axistrustee.com

28. जहां कहीं आवश्यक समझा गया है, पिछले वर्ष के आंकड़ों को पुनर्समूहित किया गया है।

बोर्ड के लिए और उनकी ओर से

श्री देबाशिस मल्लिक उप प्रबंध निदेशक

श्री दीनबंधु महापात्र

डॉ. एम. डी. पात्रा

श्री डेविड रस्कीना प्रबंध निदेशक

श्रीमती गीता मुरलीधर

श्री बिद्युत बिहारी स्वैन

हमारी सम दिनांक की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार

कृते जेसीआर एंड कंपनी सनदी लेखाकार

फर्म रजि. नं. 105270 डब्ल्यू

(एफसीए रचिता साल्होत्रा)

पार्टनर

एम. सं. 100919

नई दिल्ली, 23 मई, 2019

श्री रजनीश कुमार





27. In terms of SEBI circular dated October 29, 2013, the contact details of the Debenture Trustee for various Bonds issued by Export-Import Bank of India are as given below:

DEBENTURE TRUSTEE

AXIS Trustee Services Ltd.

Designated Person: Mr. Abbas Zaidi, Chief Operating Officer

Address:

The Ruby, 2nd Floor, SW Senpati Bapat Marg, Dadar West, Mumbai - 400 028

Tel.: (022) 62300441/44

E-mail: debenturetrustee@axistrustee.com

Website: www.axistrustee.com

28. Previous year's figures have been regrouped, wherever necessary.

For and on behalf of the Board

Shri Debasish Mallick *Deputy Managing Director*

Shri Dinabandhu Mohapatra

Dr. M. D. Patra

Shri David Rasquinha Managing Director

Smt. Geetha Muralidhar

Shri Bidyut Behari Swain

As per our attached report of even date For **JCR & Co.** Chartered Accountants Firm Regn. No. 105270W

(FCA Rachita Salhotra)

Partner M. No. 100919

New Delhi, May 23, 2019

Shri Rajnish Kumar



निर्यात विकास कोष THE EXPORT DEVELOPMENT FUND

निदेशकों की रिपोर्ट

भारतीय निर्यात – आयात बैंक अधिनियम, 1981 (एक्ज़िम बैंक अधिनियम) की धारा 15 के अनुसार, एक्ज़िम बैंक ऐसी किसी तिथि से जब भारत सरकार इस संबंध में अधिसूचित करे, एक विशेष निधि स्थापित करेगी, जिसे निर्यात विकास कोष (ईडीएफ) के नाम से जाना जाएगा। तदनुसार सरकार द्वारा अधिसूचित किए गए अनुसार, 31 मार्च, 1986 को बैंक द्वारा निर्यात विकास कोष (ईडीएफ) की विधिवत स्थापना की गई।

भारत सरकार द्वारा 31 मार्च, 1986 को इस निर्यात विकास कोष में ₹ 100 मिलियन की प्रारंभिक राशि अंतरित की गई। इसके बाद भारत सरकार द्वारा 23 मार्च, 1987 को इस कोष में ₹ 35 मिलियन तथा 29 मार्च, 1989 को ₹ 6.52 मिलियन की राशि पूनः अंतरित की गई। उपचित ब्याज और कर आदि को निकालकर यथा 31 मार्च, 1996 को कुल राशि बढ़ाकर ₹ 350.60 मिलियन हो गई थी। निदेशक मंडल/भारत सरकार के अनुमोदन से इस कोष में से ₹ 250 मिलियन की राशि बैंक की सामान्य निधि के एक रिज़र्व फंड, जिसे 'सिंकिंग फंड (एस एफ) रिजर्व' नाम दिया गया, में अंतरित कर दी गई। इस सिकिंग फंड का उद्देश्य ऐसी ऋण-व्यवस्थाओं/क्रेता-ऋणों से उत्पन्न हानियों को समायोजित करना था, र्इसीजीसी लिमिटेड द्वारा बीमा प्राप्त नहीं हो सकता <u>है। 31 मार्च,</u> से यथा 31 मार्च, 2019 को निर्यात विकास कोष 2019 की आस्तियां बढकर ₹ 7.77 बिलियन की हो गई हैं।

भारतीय निर्यात – आयात बैंक की स्थापना संबंधी विधेयक को संसद में प्रस्तुत करते समय दिए गए कथन के उदेश्यों में यह उल्लिखित है कि निर्यात विकास कोष की निधि का उपयोग मुख्य रूप से देश के अंतरराष्ट्रीय व्यापार को बढ़ावा देने के लिए आयोजित शोध, प्रशिक्षण, सर्वेक्षण, मार्केट इंटेलिजेंस सहित ऐसे वित्तपोषण प्रस्तावों को सहयोग देने के लिए किया जाएगा, जिन्हें बैंकों और वित्तीय संस्थाओं द्वारा अन्यथा सहयोग किया जाना संभव नहीं होगा। निर्यात विकास कोष के उपयोग संबंधी शर्तें एक्जिम बैंक अधिनियम की धारा 17 में उल्लिखित हैं, जो इस प्रकार हैं:

अधिनियम की धारा 17 (1) एक्ज़िम बैंक को यह अनुमति

DIRECTORS' REPORT

As per Section 15 of the Export-Import Bank of India Act, 1981 (Exim Bank Act), Exim Bank, with effect from such date as the Central Government may, by notification, appoint, shall establish a special fund to be called the Export Development Fund (EDF). The EDF was duly notified by the Central Government on March 31, 1986, and was accordingly established on the same date.

The Central Government, on March 31, 1986, transferred an initial corpus of ₹ 100 million to the EDF. Subsequently, the Central Government transferred further amounts of ₹ 35 million on March 23, 1987, and ₹ 6.52 million on March 29, 1989. This corpus, along with interest accrued by way of investment, and net of tax paid to the Central Government, had grown to an aggregate bank balance of ₹ 350.60 million by March 31, 1996. Out of the total EDF corpus, an amount of ₹ 250 million was transferred, with Board and GOI approval, to a Reserve, termed the 'Sinking Fund (SF) Reserve', under the Bank's General Fund. The purpose of the SF Reserve was to absorb losses pertaining to Exim Bank's lending under export Lines of Credit (LOCs) / Buyer's Credit, which did not enjoy insurance cover from the ECGC Ltd. From March 31, 1997, to March 31, 2019, the total assets of EDF have grown to ₹ 7.77 billion.

As per the Statement of Objects and Reasons in the Bill placed before the Parliament seeking setting up of Export-Import Bank of India, the Export Development Fund is to be utilised mainly for the purposes of research, training, survey, market intelligence, etc. in connection with the country's international trade as well as for financing proposals which are unlikely to be supported by banks and financial institutions. Utilisation of the EDF is governed by Section 17 of the



देती है कि बैंक निर्यातों के लिए भारत में या भारत से बाहर केंद्र सरकार के पूर्व अनुमोदन से ऋण अथवा अग्रिम प्रदान कर सकता है।

अधिनियम की धारा 17 (2) में अपेक्षित है कि ऐसे किसी प्रस्ताव पर भारत सरकार से अनुमोदन लेने से पहले एक्ज़िम बैंक स्वयं इस बात से संतुष्ट होगा कि ''बैंकों या वित्तीय संस्थाओं या अन्य एजेंसियों द्वारा ऐसे ऋण या अग्रिम दिए जाने अथवा सामान्य व्यवसाय में इस प्रकार का कोई समझौता किए जाने की संभावना नहीं है।''

अधिनियम की धारा 17 (3) में यह निर्देशित किया गया है कि अपना अनुमोदन देने से पहले भारत सरकार इस तथ्य से संतुष्ट होगी कि भारत के अंतरराष्ट्रीय व्यापार को बढ़ावा देने के लिए यह सुविधा दी जानी आवश्यक है और यह इसके हित में है। इस प्रकार, निर्यात विकास कोष (ईडीएफ), भारत सरकार के लिए अंतरराष्ट्रीय व्यापार और विदेशी निवेश संबंधी ऐसी गतिविधियों को सुगम बनाने वाला एक उपयोगी कोष है, जिनके लिए एक्जिम बैंक या अन्य बैंकों/वित्तीय संस्थाओं द्वारा सामान्य वित्तपोषण संभव नहीं है।

वित्तीय सेवाएं विभाग, वित्त मंत्रालय द्वारा एक्ज़िम बैंक अधिनियम की धारा 17(1) के अंतर्गत क्रेता ऋण (राष्ट्रीय निर्यात बीमा खाते के अंतर्गत) सुविधा के रूप में निर्यात विकास कोष (ईडीएफ) से भारत से ईरान को वस्तुओं और सेवाओं के निर्यातों के लिए चुनिंदा ईरानी बैंकों को ₹ 9 बिलियन की राशि प्रदान करने के लिए केंद्र सरकार द्वारा सहमति प्रदान की गई। तदुपरान्त, सभी आवश्यक अनुमोदन प्राप्त करने के बाद, 23 दिसंबर, 2014 को ईडीएफ के अंतर्गत ईरान के सात बैंकों को ₹9 बिलियन की क्रेता-ऋण सुविधा प्रदान करने के लिए अम्ब्रेला फ्रेमवर्क करार पर हस्ताक्षर किए गए। भारत से ईरान को माल एवं सेवाओं के निर्यात के लिए ईरानी बैंकों को यह सुविधा 12 वर्ष के लिए दी गई है, जिसमें 4 वर्ष की ऋण स्थगन (मोरेटोरियम) अवधि शामिल है। इस ऋण स्विधा को ईरान सरकार की संप्रभ् गारंटी प्राप्त है। तत्पश्चात, वित्तीय सेवाएं विभाग द्वारा इस फ्रेमवर्क करार के अंतर्गत दी गई ऋण स्विधा को ₹ 9 बिलियन से बढ़ाकर ₹ 30 बिलियन करने का अनुमोदन दिया गया। ₹ 30 बिलियन की यह ऋण स्विधा चाबहार बंदरगाह के विकास के लिए भारत से स्टील रेलों के आयातों

Exim Bank Act, as under:

Section 17(1) of the Act permits Exim Bank to (inter alia) extend loans and advances in or outside India for the purpose of exports, with the prior approval of the Central Government.

Section 17(2) of the Act requires that Exim Bank, prior to seeking such approval of the Central Government, shall satisfy itself that "... banking or financial institutions or other agencies are not likely to grant such loan or advance, or to enter into any such arrangement in the ordinary course of business."

Section 17(3) of the Act mandates that before giving its approval, the Central Government shall satisfy itself that such a facility would be necessary as a matter of priority in the interests of the international trade of India. The EDF, thus, offers itself as a useful avenue for the GOI to facilitate international trade and crossborder investment related activities that may not be amenable to standard financing by Exim Bank or other bank / financial institutions.

The Department of Financial Services (DFS), Ministry of Finance conveyed the approval of the Central Government under Section 17 (1) of the Exim Bank Act, for domiciling in the Export Development Fund (EDF), a Buyer's Credit Facility (under NEIA) of ₹ 9 billion for extending to select Iranian banks for financing export of goods and services from India to Iran. Pursuant to receipt of all necessary approvals, the EDF, on December 23, 2014, concluded an umbrella Framework Agreement with seven Iranian banks for a Buyer's Credit Facility of ₹ 9 billion with a tenure of up to 12 years, including a moratorium of up to 4 years, to finance the export of goods and services from India to Iran. The Buyer's Credit Facility to the Iranian banks is backed by Sovereign Guarantee of the Government of Iran. Subsequently, the DFS conveyed its approval to enhancement of the facility



के वित्तपोषण के लिए है। इस ऋण का उपयोग किस प्रकार किया जाए, इसके संबंध में फ्रेमवर्क करार और नियामकीय अनुमोदनों के अनुसार निर्णय लिया जाएगा।

इस फ्रेमवर्क करार के अंतर्गत, भारत से ईरानी रेलवे को 150,000 टन स्टील रेलों की आपूर्ति के लिए ₹8.19 बिलियन मूल्य के पहले कॉन्टैक्ट को बीसी-एनईआईए ऋण सुविधा के अंतर्गत अनुमोदित किया गया। इस कॉन्टैक्ट के अंतर्गत ₹ 8.11 बिलियन की राशि का संवितरण किया जा चुका है और ऋण की चुकौती भी शुरू हो चुकी है। यथा 31 मार्च, 2019 को इस ऋण सुविधा के अंतर्गत बकाया राशि ₹ 7.15 बिलियन रही। कॉन्टैक्ट के अंतर्गत भौतिक और वित्तीय निष्पादन पूरे किए जा चुके हैं। शेष स्टील रेल कॉन्टैक्ट और चाबहार बंदरगाह परियोजना के लिए वित्तपोषण कॉन्टैक्ट निगोशिएशन/अंतिम रूप दिए जाने के विभिन्न चरणों में है।

निर्यात विकास कोष का कर पूर्व लाभ वित्तीय वर्ष 2017-18 के ₹ 114.55 मिलियन की तुलना में वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान ₹ 69.32 मिलियन रहा। कर के लिए ₹ 24.22 मिलियन प्रदान करने के बाद कर पश्चात लाभ वित्तीय वर्ष 2017-18 के ₹ 74.90 मिलियन की तुलना में वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान ₹ 45.10 मिलियन रहा। ₹ 45.10 मिलियन के लाभ की इस राशि को अगले वर्ष के खाते में ले जाया गया है।

covered under the Framework Agreement from $\ensuremath{\mathfrak{T}}$ 9 billion to $\ensuremath{\mathfrak{T}}$ 30 billion. The facility amount of $\ensuremath{\mathfrak{T}}$ 30 billion is envisaged for financing import of steel rails from India, and development of the Chabahar port. The modalities of utilisation of the credit will be decided in accordance with the Framework Agreement and regulatory approvals.

Under the Framework Agreement, the first contract for an aggregate value of ₹ 8.19 billion, for supply of 150,000 tonnes of steel rails from India to the Railway of the Islamic Republic of Iran, has since been approved under the BC-NEIA Facility. An amount of ₹ 8.11 billion has been disbursed under the contract and repayments under the facility has been commenced. The amount outstanding under the facility as on March 31, 2019 stood at ₹ 7.15 billion. The physical and financial completion has been achieved under the contract. Financing for the balance steel rails contract, and the contract for the Chabahar Port project are at various stages of negotiation/finalisation.

Profit before tax of the Export Development Fund during 2018-19 was ₹ 69.32 million as against ₹ 114.55 million during FY 2017-18. After providing for tax of ₹ 24.22 million, the post tax profit amounted to ₹ 45.10 million, as against ₹ 74.90 million during FY 2017-18. The profit of ₹ 45.10 million was carried forward to next year.



सेवा में भारत के राष्ट्रपति वित्तीय विवरणों पर रिपोर्ट

1. हमने भारतीय निर्यात –आयात बैंक ('बैंक') की निर्यात विकास निधि के संलग्न वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा की है, जिसमें यथा 31 मार्च, 2019 को तुलन पत्र और उक्त तारीख को समाप्त वर्ष के लिए बैंक के निर्यात विकास कोष के लाभ और हानि लेखे एवं महत्त्वपूर्ण लेखा नीतियों के सारांश एवं अन्य विवरणात्मक आंकड़े शामिल हैं।

वित्तीय विवरणों के लिए प्रबंधन का उत्तरदायित्व

2. बैंक का प्रबंधन इन वित्तीय विवरणों को भारतीय निर्यात-आयात बैंक अधिनियम, 1981 ('अधिनियम') तथा उसके अधीन विरचित विनियमों की अपेक्षाओं के अनुरूप तैयार करने के लिए उत्तरदायी है। इस उत्तरदायित्व में, बैंक की आस्तियों को सुरक्षा प्रदान करने तथा धोखाधडी एवं अन्य अनियमितताओं को रोकने और उनसे बचने के लिए अधिनियम के प्रावधानों के अनुरूप समृचित लेखा अभिलेख रखना; उचित लेखा नीतियों का चयन एवं उनका अनुप्रयोग; उचित एवं विवेकसम्मत आकलन पद्धति अपनाना और निर्णय लेना; समुचित आंतरिक वित्तीय परिचालनों का निर्धारण, कार्यान्वयन तथा उनका निर्वाह करना, जो वित्तीय विवरणों को तैयार करने और उन्हें प्रस्तुत करने के लिए आवश्यक लेखा अभिलेखों की शुद्धता और पूर्णता सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी रूप से काम करते हैं। ये वित्तीय विवरण वित्तीय स्थिति, वित्तीय कार्यनिष्पादन और बैंक के नकदी प्रवाह की सत्य और न्यायसंगत स्थिति बताते हैं और इनमें धोखाधडी अथवा भूलवश कोई मिथ्या कथन नहीं होता है।

लेखा परीक्षक का उत्तरदायित्व

3. हमारा उत्तरदायित्व इन वित्तीय विवरणों के बारे में हमारे द्वारा की गई लेखा परीक्षा के आधार पर राय देना है।

INDEPENDENT AUDITOR'S REPORT

To

The President of India
Report on the Financial Statements

 We have audited the accompanying financial statements of the Export Development Fund of the Export-Import Bank of India ('the Bank'), which comprises of the Balance Sheet as at 31st March, 2019 and the Profit and Loss Account for the year then ended and a summary of significant accounting policies and other explanatory information.

Management's Responsibility for the Financial Statements

2. The Management of the Bank is responsible for the preparation of the financial statements in accordance with the Export-Import Bank of India Act, 1981 ('the Act') and the Regulations framed thereunder. This responsibility also includes maintenance of adequate accounting records in accordance with the provisions of the Act for safeguarding of the assets of the Bank and for preventing and detecting frauds and other irregularities; selection and application of appropriate accounting policies; making judgements and estimates that are reasonable and prudent; and design, implementation and maintenance of adequate internal financial controls, that were operating effectively for ensuring the accuracy and completeness of the accounting records, relevant to the preparation and presentation of the financial statements that give a true and fair view of the financial position, financial performance and cash flows of the Bank, and are free from material misstatement, whether due to fraud or error.

Auditor's Responsibility:

3. Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit.



- 4. हमने यह लेखा परीक्षा भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी लेखा परीक्षा मानकों के अनुरूप की है। इन मानकों में यह अपेक्षित है कि हम नैतिक अपेक्षाओं का अनुपालन करते हुए अपनी लेखा परीक्षा को इस प्रकार निष्पादित और नियोजित करें तािक तर्कपूर्ण रूप से यह सुनिश्चित किया जा सके कि इन वित्तीय विवरणों में किसी प्रकार की कोई महत्त्वपूर्ण सूचना गलत नहीं है।
- 5. लेखा परीक्षा के अंतर्गत वित्तीय विवरणों में राशियों और प्रकटीकरण को प्रमाणित करने वाले साक्ष्यों की परीक्षण के आधार पर जांच करना शामिल होता है। इसके लिए अपनाई जाने वाली प्रक्रिया पूर्णतया लेखा परीक्षकों के निर्णय पर निर्भर है, जिसमें महत्त्वपूर्ण विवरणों के संबंध में धोखाधड़ी अथवा भूलवश भ्रामक मिथ्याकथन के जोखिमों का मूल्यांकन करना शामिल है। इन जोखिमों का मूल्यांकन करते समय लेखा-परीक्षक बैंक के वित्तीय विवरणों को तैयार करने और उनके न्यायसंगत प्रस्तुतिकरण से संबंधित आंतरिक परिचालनों पर विचार करता है, ताकि परिस्थितियों के अनुसार समुचित लेखा प्रक्रिया अपनाई जा सके। लेखा परीक्षा में, बैंक के प्रबंधन द्वारा किए गए लेखा आकलनों में प्रयुक्त लेखा नीतियों और तार्किकता के साथ-साथ वित्तीय विवरणों के समग्र प्रस्तुतिकरण का मूल्यांकन करना भी शामिल है।
- 6. हमें विश्वास है कि लेखा परीक्षा के लिए हमारे द्वारा प्राप्त किए गए साक्ष्य पर्याप्त और समुचित हैं तथा हमारे लेखा परीक्षा अभिमत के लिए तर्कसंगत आधार प्रदान करते हैं।

अभिमत

- 7. हमारी राय और सर्वोत्तम जानकारी तथा हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार उक्त वित्तीय विवरण तथा उन पर लेखा टिप्पणियां अधिनियम तथा उसके अंतर्गत विरचित विनियमों की अपेक्षाओं के अनुरूप हैं तथा भारत में सामान्यतः स्वीकृत लेखा मानकों के अनुरूप सच्ची और सही स्थिति प्रदर्शित करते हैं:
 - (i) यथा 31 मार्च, 2019 को बैंक के निर्यात विकास कोष के तुलन पत्र, इस कोष की स्थिति के मामले में;

- 4. We conducted our audit in accordance with the Standards on Auditing issued by the Institute of Chartered Accountants of India. Those Standards require that we comply with ethical requirements and plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free from material misstatement.
- 5. An audit involves performing procedures to obtain audit evidence about the amounts and disclosures in the financial statements. The procedures selected depend on the auditor's judgement, including the assessment of the risks of material misstatement of the financial statements, whether due to fraud or error. In making those risk assessments, the auditor considers internal control relevant to the Bank's preparation and fair presentation of the financial statements, in order to design audit procedures that are appropriate in the circumstances. An audit also includes evaluating the appropriateness of accounting policies used and the reasonableness of the accounting estimates made by the Bank's management, as well as evaluating the overall presentation of the financial statements.
- 6. We believe that the audit evidence we have obtained is sufficient and appropriate to provide a basis for our audit opinion.

Opinion

- 7. In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the said financial statements give the information in accordance with the requirements of the Act and the Regulations framed thereunder and give a true and fair view in conformity with the accounting principles generally accepted in India:
 - (i) In the case of the Balance Sheet, of the state of affairs of the Export Development Fund of the Bank as at 31st March, 2019;
 - (ii) In the case of the Profit and Loss Account, of the profit for the year ended 31st March, 2019.



(ii) यथा 31 मार्च, 2019 को समाप्त वर्ष के लिए लाभ के लाभ और हानि लेखा के मामले में;

अन्य विधिक तथा विनियामक मामलों पर रिपोर्ट

- तुलन पत्र, लाभ और हानि खाता तथा नकदी प्रवाह विवरण अधिनियम तथा उसके अंतर्गत विरचित विनियमों के प्रावधानों के अनुरूप तैयार किए गए हैं।
- 9. हम यह रिपोर्ट करते हैं किः
 - (iii) लेखा परीक्षा के लिए हमारी अधिकतम जानकारी और विश्वास के अनुसार जो तथ्य और स्पष्टीकरण आवश्यक थे, वे सब हमने प्राप्त किए हैं और वे संतोषजनक हैं।
 - (iv) बैंक के संव्यवहार, जो हमारे संज्ञान में लाए गए हैं, बैंक की शक्तियों के अन्दर हैं।
- 10. हमारी राय में तुल नपत्र, लाभ और हानि लेखा भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी अनिवार्य लेखा परीक्षा मानकों के अनुरूप हैं।
- 11. हम यह भी रिपोर्ट करते हैं किः
 - (i) इस रिपोर्ट में प्रस्तुत तुलन पत्र, लाभ-हानि लेखा बैंक की लेखा बहियों और विवरणियों के अनुरूप हैं।
 - (ii) हमारे विचार में और हमारे परीक्षण के आधार पर बैंक द्वारा विधि निर्धारित अनुसार इन बहियों का उचित अभिलेख रखा गया है।

कृते जेसीआर एंड कं. सनदी लेखाकार फर्म रजिस्ट्रेशन संख्या 105270W

सीए रचिता साल्होत्रा

पार्टनर

सदस्यता सं. 100919

यूडीआईएन: 19100919AAAAAJ6772

मुंबई, 23 मई, 2019

Report on Other Legal and Regulatory Matters:

The Balance Sheet and the Profit and Loss
 Account have been drawn up in accordance
 with the provisions of the Act and the
 Regulations framed thereunder.

9. We report that:

- (i) We have obtained all the information and explanations which to the best of our knowledge and belief, were necessary for the purpose of our audit and have found them to be satisfactory.
- (ii) The transactions of the Bank, which have come to our notice, have been within the powers of the Bank.
- 10. In our opinion, the Balance Sheet and Profit and Loss Account comply with the mandatory Accounting Standards issued by the Institute of Chartered Accountants of India.

11. We further report that:

- (i) The Balance Sheet and Profit and Loss Account dealt with by this report, are in agreement with the books of account and the returns.
- (ii) In our opinion, proper books of account as required by law have been kept by the Bank so far as appears from our examination of those books.

For **JCR & CO.** *Chartered Accountants*Firm Registration No.105270W

CA RACHITA SALHOTRA

PARTNER

Membership No.100919

UDIN: 19100919AAAAAJ6772

Mumbai, 23rd May, 2019



यथा 31 मार्च, 2019 को तुलन-पत्र

Δ.			90
ानर	ग्रात	विकास	ानाध

	इस वर्ष	गत वर्ष
	(यथा 31.03.2019 को) ₹	(यथा 31.03.2018 को) ₹
देयताएं		
· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·		
क) सरकार से ख) अन्य स्रोतों से	- 6,550,225,350	- 6,932,011,546
2. अनुदान: क) सरकार से ख) अन्य स्रोतों से	128,307,787 -	128,307,787 -
3. उपहार, दान, उपकृतियां: क) सरकार से	-	
ख) अन्य स्रोतों से	-	
4. अन्य देयताएं	465,062,828	951,143,165
5. लाभ और हानि लेखा	631,065,338	585,967,085
योग	7,774,661,303	8,597,429,583
आस्तियां		
 बैंक की शेष राशियां क) चालू खातों में ख) अन्य जमा खातों में 	116,550 -	116,549 -
2. निवेश	-	
3. ऋण एवं अग्रिम: क) भारत में ख) भारत के बाहर	- 7,162,578,926	- 8,116,580,978
 भुनाए गए, पुनर्भुनाए गए विनिमय बिल और वचन-पत्रः क) भारत में ख) भारत के बाहर 	- -	
5. अन्य आस्तियां क) निम्नलिखित पर उपचित ब्याज		
i) ऋण एवं अग्रिम ::: चित्रेक (शैंस क्षेप्र	211,737,594	238,400,353
ii) निवेश/बैंक शेष ख) प्रदत्त अग्रिम आय कर	- 267,531,703	- 242,331,703
ग) अन्य	132,696,530	-
योग	7,774,661,303	8,597,429,583



BALANCE SHEET AS AT 31ST MARCH, 2019

EXPORT DEVELOPMENT FUND

	This year (As at 31.03.2019) ₹	Previous year (As at 31.03.2018) ₹
LIABILITIES		
Loans: a) From Government b) From Other Sources	- 6,550,225,350	- 6,932,011,546
Grants: a) From Government b) From Other Sources	128,307,787 -	128,307,787 -
3. Gifts, Donations, Benefactions:a) From Governmentb) From Other Sources	- -	
4. Other Liabilities	465,062,828	951,143,165
5. Profit and Loss Account	631,065,338	585,967,085
Total	7,774,661,303	8,597,429,583
ASSETS		
Bank Balances: a) In current accounts b) In other deposit accounts	116,550 -	116,549 -
2. Investments	-	
3. Loans and Advances:a) In Indiab) Outside India	- 7,162,578,926	- 8,116,580,978
4. Bills of Exchange and Promissory Notes Discounted, Rediscounted: a) In India b) Outside India	- -	
5. Other Assets:a) Accrued interest on:i) Loans and Advancesii) Investments/bank balances	211,737,594 -	238,400,353
b) Advance Income Tax paid c) Others	267,531,703 132,696,530	242,331,703 -
Total	7,774,661,303	8,597,429,583

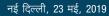
निर्यात विकास निधि

	इस वर्ष (यथा 31.03.2019 को) ₹	गत वर्ष (यथा 31.03.2018 को) ₹
आकस्मिक देयताएं		
i) स्वीकृतियां, गारंटियां, परांकन तथा अन्य दायित्व	-	
ii) वायदा विनियम संविदाओं की बकाया राशियों पर	-	
iii) हामीदारी एवं वचनबद्धताओं पर	-	
iv) अंशतः प्रदत्त निवेशों पर अनाहूत देयताएं	-	
v) बैंक पर दावे जिन्हें ऋण के रूप में स्वीकार नहीं किया गया है	-	
vi) संग्रहण के लिए बिल	-	
vii) सहभागिता प्रमाण–पत्रों पर	-	
viii) भुनाए गए/पुनः भुनाए गए बिल	-	
ix) अन्य राशियां जिनके लिए बैंक आकस्मिक रूप से जिम्मेदार है	-	

टिप्पणी:

भारतीय निर्यात-आयात बैंक अधिनियम, 1981 (अधिनियम) की धारा 15 की शर्तों के अनुसार बैंक द्वारा निर्यात विकास निधि की स्थापना की गई है। अधिनियम की धारा 17 की शर्तों के अनुसार, किसी भी ऋण अथवा अग्रिम की मंजूरी से पहले अथवा ऐसी कोई व्यवस्था करने से पहले भारतीय निर्यात-आयात बैंक को केन्द्र सरकार का पूर्व अनुमोदन प्राप्त करना होगा।

बोर्ड के लिए और उनकी ओर से		
श्री देबाशिस मल्लिक उप प्रबंध निदेशक	श्री डेविड रस्कीना प्रबंध निदेशक	
श्री दीनबंधु महापात्र	श्रीमती गीता मुरलीधर	श्री रजनीश कुमार
डॉ. एम. डी. पात्रा	श्री बिद्युत बिहारी स्वैन	
	हमारी सम दिनांक की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार कृते जेसीआर एंड कंपनी <i>सनदी लेखाकार</i> फर्म रजि. नं. 105270 डब्ल्यू	
	(एफसीए रचिता साल्होत्रा) <i>पार्टनर</i> एम. सं. 100919	





EXPORT DEVELOPMENT FUND

		This year	Previous year
		(As at 31.03.2019) ₹	(As at 31.03.2018) ₹
CONT	INGENT LIABILITIES		
i)	Acceptances, Guarantees, Endorsements and other obligations	-	
ii)	On outstanding forward exchange contracts	-	
iii)	On underwriting commitments	-	
iv)	Uncalled Liability on partly paid investments	-	
v)	Claims on the Bank not acknowledged as debts	-	
vi)	Bills for collection	-	
vii)	On participation certificates	-	
viii)	Bills Discounted/Rediscounted	-	
ix)	Other monies for which the Bank is contingently liable	-	

Note:

The Bank has established Export Development Fund in terms of Section 15 of Export-Import Bank of India Act, 1981 (The Act). In terms of Section 17 of the Act, before granting any loan or advance or entering into any such arrangement, Exim Bank has to obtain the prior approval of the Central Government.

For and on behalf of the Board

Shri Debasish Mallick Deputy Managing Director

Shri Dinabandhu Mohapatra

Dr. M. D. Patra

Shri David Rasquinha Managing Director

Smt. Geetha Muralidhar

Shri Rajnish Kumar

Shri Bidyut Behari Swain

As per our attached report of even date For JCR & Co. Chartered Accountants

Firm Regn. No. 105270W

(FCA Rachita Salhotra)

Partner M. No. 100919

New Delhi, May 23, 2019



31 मार्च, 2019 को समाप्त वर्ष के लिए लाभ और हानि लेखा

निर्यात विकास निधि

	इस वर्ष ₹	गत वर्ष
व्यय		
1. ब्याज	624,492,619	555,196,969
2. अन्य व्यय	196,703	3,143,189
3. आगे ले जाया गया लाभ	69,322,204	114,545,618
योग	694,011,526	672,885,776
आयकर के लिए प्रावधान	24,223,951	39,642,000
तुलन–पत्र में अंतरित शेष लाभ	45,098,253	74,903,618
	69,322,204	114,545,618
आय 1. ब्याज और बट्टा		
क) ऋण एवं अग्रिम	694,011,526	663,567,960
ख) निवेश/बैंक शेष 2. विनिमय, कमीशन, ब्रोकरेज और फीस	-	4,697,714 4,620,102
3. अन्य आय	-	
4. तुलन–पत्र को ले जायी गयी हानि	-	
योग	694,011,526	672,885,776
लाभ नीचे लाया गया पूर्ववर्ती वर्षों की आधिक्य आय/ब्याज कर के प्रावधान का	69,322,204	114,545,618
प्रतिलेखन	-	
	69,322,204	114,545,618

बोर्ड के लिए और उनकी ओर से

श्री देबाशिस मल्लिक उप प्रबंध निदेशक

श्री दीनबंधु महापात्र

डॉ. एम. डी. पात्रा

श्री डेविड रस्कीना

प्रबंध निदेशक

श्रीमती गीता मुरलीधर

श्री बिद्युत बिहारी स्वैन

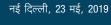
हमारी सम दिनांक की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार कृते जेसीआर एंड कंपनी सनदी लेखाकार

फर्म रजि. नं. 105270 डब्ल्यू

(एफसीए रचिता साल्होत्रा)

पार्टनर म्मः सं 1000

एम. सं. 100919



श्री रजनीश कुमार



PROFIT AND LOSS ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH, 2019

EXPORT DEVELOPMENT FUND

	This year	Previous year
	₹	<u> </u>
EXPENDITURE		
1. Interest	624,492,619	555,196,969
2. Other Expenses	196,703	3,143,189
3. Profit carried down	69,322,204	114,545,618
	, ,	
Total	694,011,526	672,885,776
	, ,	
Provision for Income Tax	24,223,951	39,642,000
Balance of profit transferred to Balance Sheet	45,098,253	74,903,618
	69,322,204	114,545,618
INCOME		
INCOME		
Interest and Discount: Nears and advances	604.011.506	662 567 060
a) loans and advancesb) investments/bank balances	694,011,526	663,567,960 4,697,714
2. Exchange, Commission, Brokerage and Fees	-	4,620,102
3. Other Income	-	4,020,102
4. Loss carried to Balance Sheet		
4. Loss carried to balance sheet		
Total	694,011,526	672,885,776
rotai	004,011,020	012,000,110
Profit brought down	69,322,204	114,545,618
Excess Income/Interest tax provision of earlier	00,022,204	111,010,010
years written back	_	
youro written back	69,322,204	114,545,618
	00,022,204	114,040,010

For and on behalf of the Board

Shri Debasish Mallick Deputy Managing Director

Shri Dinabandhu Mohapatra

Dr. M. D. Patra

Shri David Rasquinha Managing Director

Smt. Geetha Muralidhar

Shri Bidyut Behari Swain

As per our attached report of even date For JCR & Co.

Chartered Accountants Firm Regn. No. 105270W

(FCA Rachita Salhotra)

Partner M. No. 100919

New Delhi, May 23, 2019



Shri Rajnish Kumar



भारतीय निर्यात-आयात बैंक के कार्यालय

प्रधान कार्यालय

केन्द्र एक भवन, 21वीं मंज़िल, विश्व व्यापार केन्द्र संकुल, कफ़ परेड, मुंबई – 400 005. फोन: (91 22) 22172600 । फैक्स: (91 22) 22182572

ई-मेलः ccg@eximbankindia.in । वेबसाइटः www.eximbankindia.in, www.eximmitra.in

भारत स्थित कार्यालय

अहमदाबाद

साकार ।।, पहली मंज़िल, एलिसब्रिज शॉपिंग सेंटर के पास, एलिसब्रिज पी. ओ., अहमदाबाद – 380 006. फोन: +91 79 26576852/26576843 । फैक्स: +91 79 26577696 ई–मेल: eximahro@eximbankindia.in

बेंगलूरु

रमणश्री आर्केड, चौथी मंज़िल, 18, एम. जी. रोड, बेंगलूरु – 560 001. फोन: +91 80 25585755/25589101-04 फैक्स: +91 80 25589107 ई–मेल: eximbro@eximbankindia.in

ş-40. eximbio@eximbankii

चंडीगढ

सी-213, दूसरी मंज़िल, एलान्ते कार्यालय, औद्योगिक क्षेत्र फेज-1, चंडीगढ़ - 160 002. फोन: +91 172 4629171-73 । फैक्स: +91 172 4629175 ई-मेल: eximcro@eximbankindia.in

चेन्नै

ओवरसीज टॉवर्स, चौथी एवं पांचवी मंज़िल, 756-एल, अन्ना सलाई, चेन्नै - 600 002. फोन: +91 44 28522830/31 । फैक्स: +91 44 28522832 ई-मेल: eximchro@eximbankindia.in

गुवाहाटी

नेडफी हाउस, चौथी मंज़िल, जी. एस. रोड, दिसपुर, गुवाहाटी - 781 006. फोन: +91 361 2237607/609 । फैक्स: +91 361 2237701 ई-मेल: eximgro@eximbankindia.in

हैदराबाद

गोल्डन एडिफिस, दूसरी मंज़िल, 6-3-639/640, राज भवन रोड, खैरताबाद सर्कल, हैदराबाद - 500 004. फोन: +91 40 23307816-21 । फैक्स: +91 40 23317843 ई–मेल: eximhro@eximbankindia.in

कोलकाता

वाणिज्य भवन, चौथी मंज़िल, (अंतरराष्ट्रीय व्यापार सुगमीकरण केंद्र), 1/1 वुड स्ट्रीट, कोलकाता - 700 016. फोन: +91 33 22833419/20 । फैक्सः +91 33 22891727 ई–मेल: eximkro@eximbankindia.in

नई दिल्ली

ऑफिस ब्लॉक. टॉवर 1, सातवीं मंज़िल, रिंग रोड के पास, किदवई नगर (पूर्व), नई दिल्ली – 110 023. फोन: +91 11 61242600 / 24607700 । फैक्स: +91 11 20815029 ई-मेल: eximndo@eximbankindia.in

पणे

नं. 402 और 402 (बी), चौथी मंज़िल, सिग्नेचर बिल्डिंग, भाम्बुर्डा, भंडारकर रोड, शिवाजी नगर, पुणे - 411 004. फोन: +91 20 25648856 । फैक्स: +91 20 25648846 ई–मेल: eximpro@eximbankindia.in

लंदन शाखा

5वीं मंज़िल, 35 किंग स्ट्रीट, लंदन ईसी 2वी 8 बीबी, यूनाइटेड किंगडम. फोन: +44 20 77969040 । फैक्स: +44 20 76000936 ई-मेल: eximlondon@eximbankindia.in

विदेश स्थित कार्यालय

आबिदजान

5वीं मंज़िल, अज्यूर बिल्डिंग, 18-दॉक्तर क्रोज़े रोड, प्लेत्यो–आबिदजान, कोत दि'वार. फोन: +225 20 24 29 51 । मोबाइल: +225 79707149 फैक्स: +225 20 24 29 50 ई–मेल: eximabidjan@eximbankindia.in

अदिस अबाबा

हाउस नं. 46, जैक्रोस एस्टेट कंपाउंड, वोरेडा 07, बोले सब-सिटी, अदिस अबाबा, इथियोपिया. फोन: +251 116 222296 । फैक्स: +251 116 610170 ई-मेल: aaro@eximbankindia.in

द्राक

मधुमिता प्लाज़ा कॉनकॉर्ड, 12वीं मंज़िल, प्लॉट सं. 11, रोड नं. 11, ब्लॉक जी, बानानी ढाका - 1213, बांग्लादेश. फोनः +88 01 708 520 444 ई–मेलः eximdhaka@eximbankindia.in

दुबई

लेवल 5, टेनेंसी 1बी, गेट प्रीसिंक्ट बिल्डिंग नं. 3, दुबई अंतरराष्ट्रीय वित्तीय केन्द्र, पीओ बॉक्स नं. 506541, दुबई, यूएई. फोन: +971 4 3637462 । फैक्स: +971 4 3637461 ई-मेल: eximdubai@eximbankindia.in

जोहांस्बर

दूसरी मंज़िल, सैंडटन सिटी ट्विन टॉवर्स ईस्ट, सैंडहर्स्ट एक्सटेंशन 3, सैंटन 2196, जोहांस्बर्ग, दक्षिण अफ्रीका. फोन: +27 11 3265103/13 । फैक्स: +27 11 7844511 ई–मेल: eximjro@eximbankindia.in

सिंगापुर

20, कोलियर क्वे, #10-02, सिंगापुर - 049319. फोन: +65 65326464 । फैक्स: +65 65352131 ई-मेल: eximsingapore@eximbankindia.in

वाशिंगटन डी. सी.

1750 पेंसिल्वेनिया एवेन्यू एन. डब्ल्यू, सूइट 1202, वाशिंगटन डी. सी. 20006, संयुक्त राज्य अमेरिका. फोनः +1202 223 3238 । फैक्सः +1202 785 8487 ई–मेलः eximwashington@eximbankindia.in

यांगुन

हाउस नं. 54/ए, तल मंज़िल, बोयारन्युत मार्ग, डैगन टाउनशिप, यांगून, म्यांमार. फोन: +95 1389520 । मोबाइल: +95 1389520 ई–मेल: eximyangon@eximbankindia.in





OUR GLOBAL FOOTPRINT

Head Office

Centre One Building, 21st Floor, World Trade Centre Complex, Cuffe Parade, Mumbai - 400 005. Ph.: +91 22 22172600 | Fax: +91 22 22182572

E-mail: ccg@eximbankindia.in | Website: www.eximbankindia.in | www.eximmitra.in

Domestic Offices

AHMEDABAD

Sakar II, 1st Floor, Next to Ellisbridge Shopping Centre, Ellisbridge P. O., Ahmedabad - 380 006. Ph.: +91 79 26576852/26576843 | Fax: +91 79 26577696 E-mail: eximahro@eximbankindia.in

BENGALURU

Ramanashree Arcade, 4th Floor, 18, M. G. Road, Bengaluru - 560 001. Ph.: +91 80 25585755/25589101-04 | Fax: +91 80 25589107 E-mail: eximbro@eximbankindia.in

CHANDIGARH

C- 213, 2nd Floor, Elante Offices, Industrial Area Phase -1, Chandigarh - 160 002. Ph.: +91 172 4629171-73 | Fax: +91 172 4629175 E-mail: eximcro@eximbankindia.in

CHENNAI

Overseas Towers, 4th and 5th Floor, 756-L, Anna Salai, Chennai - 600 002. Ph.: +91 44 28522830/31 | Fax: +91 44 28522832 E-mail: eximchro@eximbankindia.in

GUWAHATI

NEDFi House, 4th Floor, GS Road, Dispur, Guwahati - 781 006. Ph.: +91 361 2237607/609 | Fax: +91 361 2237701 E-mail: eximgro@eximbankindia.in

HYDERABAD

Golden Edifice, 2nd Floor, 6-3-639/640, Raj Bhavan Road, Khairatabad Circle, Hyderabad - 500 004. Ph.: +91 40 23307816-21 | Fax: +91 40 23317843 E-mail: eximhro@eximbankindia.in

KOLKATA

Vanijya Bhawan, 4th Floor, (International Trade Facilitation Centre), 1/1 Wood Street, Kolkata - 700 016. Ph.: +91 33 22833419/20 | Fax: +91 33 22891727 E-mail: eximkro@eximbankindia.in

NEW DELHI

Office Block, Tower 1, 7th Floor, Adjacent Ring Road, Kidwai Nagar (East), New Delhi - 110 023. Ph.: +91 11 61242600/24607700 | Fax: +91 11 20815029 E-mail: eximndo@eximbankindia.in

PUNE

No. 402 & 402 (B) 4th Floor Signature Building, Bhamburda, Bhandarkar Rd., Shivajinagar, Pune - 411 004. Ph.: +91 20 25648856 | Fax: +91 20 25648846 E-mail: eximpro@eximbankindia.in

London Branch

5th Floor, 35 King Street, London EC2V 8BB, United Kingdom. Ph.: +44 20 77969040 | Fax: +44 20 76000936 E-mail: eximlondon@eximbankindia.in

Overseas Offices

ABIDJAN

5th Floor, Azur Building, 18-Docteur Crozet Road, Plateau, Abidjan, Côte d'Ivoire. Ph.: +225 20 24 29 51 | Fax: +225 20 24 29 50 E-mail: eximabidjan@eximbankindia.in

ADDIS ABABA

House No. 46, Jakrose Estate Compound, Woreda 07, Bole Sub-City, Addis Ababa, Ethiopia. Ph.: +251 118 222296 | Fax: +251 116 610170 E-mail: aaro@eximbankindia.in

DHAKA

Modhumita Plaza Concord, Floor 12, Plot No. 11, Road No. 11, Block G, Banani, Dhaka - 1213, Bangladesh. Ph.: +88 01 708 520 444

E-mail: eximdhaka@eximbankindia.in

DUBAI

Level 5, Tenancy 1B, Gate Precinct Building No. 3, Dubai International Financial Centre, PO Box No. 506541, Dubai, UAE. Ph.: +971 4 3637462 | Fax: +971 4 3637461 E-mail: eximdubai@eximbankindia.in

JOHANNESBURG

2nd Floor, Sandton City Twin Towers East, Sandhurst Ext. 3, Sandton 2196, Johannesburg, South Africa. Ph.: +27 11 3265103/13 | Fax: +27 11 7844511 E-mail: eximjro@eximbankindia.in

SINGAPORE

20, Collyer Quay, #10-02, Singapore - 049319. Ph.: +65 65326464 | Fax: +65 65352131 E-mail: eximsingapore@eximbankindia.in

WASHINGTON D.C.

1750 Pennsylvania Avenue NW, Suite 1202, Washington D.C. 20006, United States of America. Ph.: +1 202 223 3238 | Fax: +1 202 785 8487 E-mail: eximwashington@eximbankindia.in

YANGON

House No. 54/A, Ground Floor, Boyarnyunt Street, Dagon Township, Yangon, Myanmar. Ph.: +95 1389520 E-mail: eximyangon@eximbankindia.in





केन्द्र एक भवन, 21वीं मंज़िल, विश्व व्यापार केन्द्र संकुल, कफ परेड, मुंबई - 400 005. Centre One Building, Floor 21, World Trade Centre Complex, Cuffe Parade, Mumbai - 400 005.











